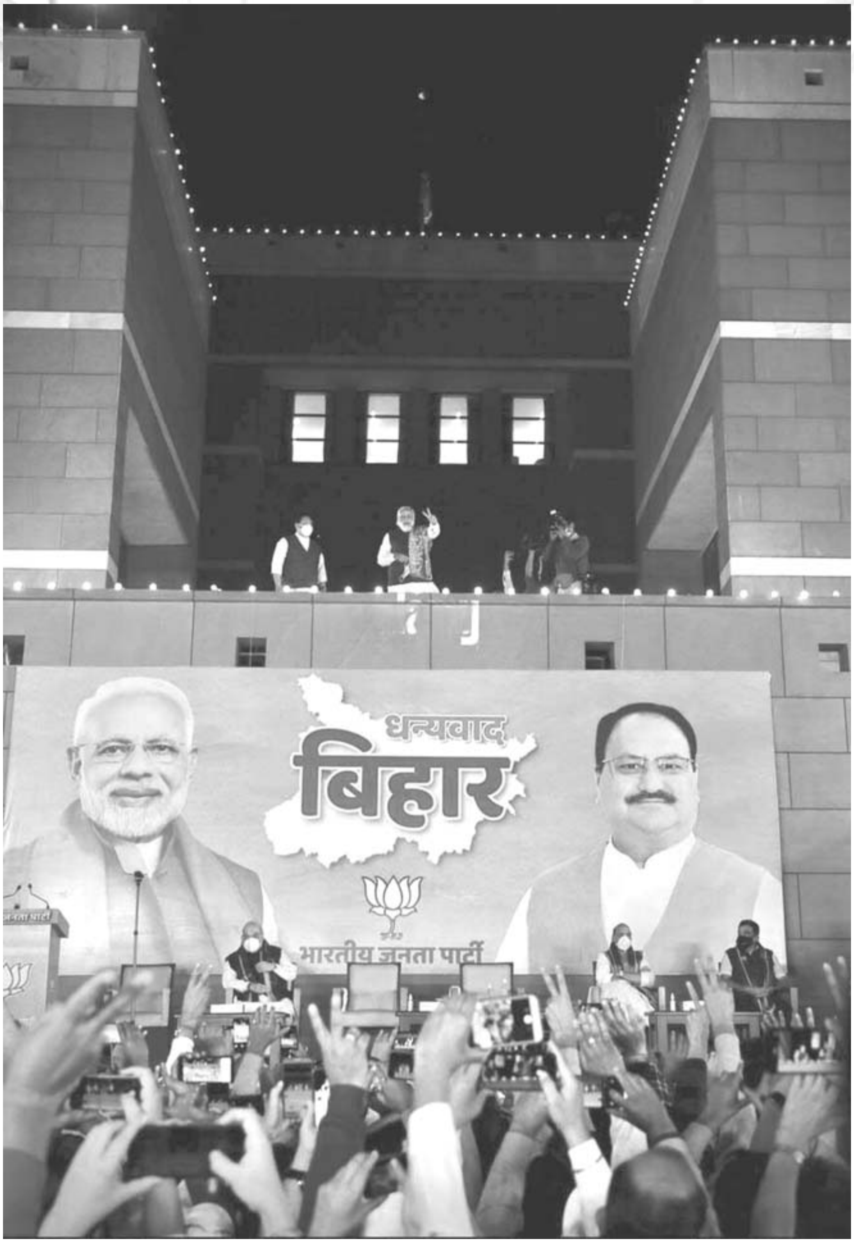

बढ़कर 46.2% और चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी का वोट शेयर 10.26% से 43.18% तक पहुंच गया। यह सफलता केवल चुनावी मशीनरी की नहीं बल्कि संघ की लंबी और लगातार मेहनत का परिणाम थी। संघ ने हर जिले में कम से कम 100 स्वयंसेवकों को तैनात किया था और छात्र इकाई एबीवीपी के 5,000 कार्यकर्ताओं को पांच-पांच की टोली बनाकर पूरे बिहार में काम सौंपा गया था। चुनाव प्रचार के दौरान ये कार्यकर्ता शोर-शराबे से दूर रहकर जमीनी स्तर पर संगठनात्मक काम कर रहे थे। उत्तर प्रदेश में भी संघ इसी मॉडल को अपनाने की योजना बना रहा है। यूपी के पश्चिमी हिस्सों और मुस्लिम आबादी वाले इलाकों में बीजेपी के लिए चुनौती बनी रहती है। बिहार के सीमांचल क्षेत्र में संघ ने हिंदू वोट को एकजुट रखने की कोशिश की थी, जिसके परिणामस्वरूप 32 सीटों में से 21 पर एनडीए उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। यूपी में भी संघ इसी रणनीति को लागू करने की तैयारी में है। विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिए बीजेपी को राजनीतिक समझौते करने पड़ सकते हैं, जैसे कि बीएसपी से कथित सहयोग। यूपी में भी संघ और बीजेपी की रणनीति यही होगी कि हिंदू वोट को बांटे बिना संगठन और विकास के एजेंडे को मजबूत किया जाए।

बीते हफ्तों में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत लखनऊ आए और दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में भाग लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंच साझा किया और बीजेपी के संगठनात्मक कार्यों पर चर्चा की। इसके अलावा, बीएल संतोष की संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ लंबी बैठक हुई, जिसमें आगामी चुनाव की तैयारियों और संगठनात्मक समन्वय पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश की सरकार और संगठन दोनों में बड़े फेरबदल पर भी विचार किया जा रहा है। कुछ मंत्रियों की जिम्मेदारियों में बदलाव और नए चेहरे शामिल करने की संभावना है। बीजेपी को जल्द ही नया अध्यक्ष भी मिल सकता है, जो चुनावी रणनीति को और तेज करेगा। संघ और बीजेपी की रणनीति केवल संगठनात्मक नहीं है, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक रणनीति पर भी केंद्रित है। युवाओं, छात्रों, महिलाओं और विभिन्न सामाजिक समूहों से जुड़ाव बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। हिंदू संस्कृति, पहचान और सामाजिक समरसता के संदेश को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जा रही है। संघ का उद्देश्य है कि विकास, सुशासन और हिंदुत्व के मुद्दों को जनता के सामने स्पष्ट रूप से रखा जाए। यह रणनीति बिहार मॉडल की तरह उत्तर

प्रदेश में भी लागू की जा रही है, ताकि विपक्षी मतों को विभाजित किया जा सके और बीजेपी को अधिक सीटें मिलें।

विशेषज्ञों का मानना है कि यूपी विधानसभा चुनाव सिर्फ राजनीतिक मुकाबला नहीं होगा, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक आधार पर भी टकराव का मैदान होगा। विकास बनाम पहचान, जाति बनाम हिंदू एकजुटता, तथा सुशासन बनाम राजनीतिक विरोधी गठबंधन की लड़ाई के रूप में यह चुनाव सामने आएगा। संघ और बीजेपी की योजना यह है कि स्थानीय स्तर पर मजबूत संगठन, विकास और हिंदू. सामूहिकता के संदेश के जरिए 2027 में सत्ता सुनिश्चित की जाए। उत्तर प्रदेश की राजनीति में संघ की भूमिका लंबे समय से महत्वपूर्ण रही है। अब बिहार चुनाव से मिली सीख और रणनीति को यूपी में लागू करने की योजना ने मिशन यूपी को और स्पष्ट रूप दिया है। आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी

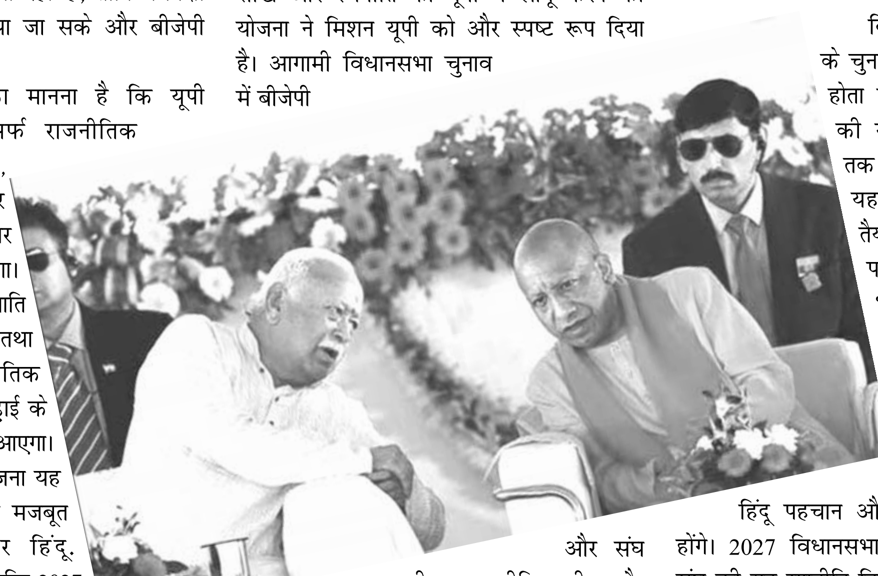

और संघ की यह रणनीति ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में प्रभावी होने की उम्मीद है। विपक्ष के लिए चुनौती यह होगी कि वह जाति और स्थानीय समीकरणों के जरिए संघ और बीजेपी की योजनाओं का मुकाबला कर सके।

बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनावी अनुभव से यह स्पष्ट होता है कि संघ और बीजेपी की रणनीति सिर्फ वोट बैंक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक संगठनात्मक तैयारी और सामाजिक संदेश पर आधारित है। यूपी में भी संघ और बीजेपी यही मॉडल लागू करेंगे। इसके तहत स्थानीय मुद्दों की पहचान, कमजोर क्षेत्रों में सुधार, युवाओं और छात्रों का सक्रियकरण, हिंदू पहचान और विकास एजेंडा प्रमुख होंगे। 2027 विधानसभा चुनाव में बीजेपी और संघ की यह रणनीति निर्णायक साबित हो सकती है, क्योंकि यह रणनीति जमीनी स्तर पर गहराई तक काम करती है और विपक्षी मतों को विभाजित करने की क्षमता रखती है। बहरहाल, यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए मिशन यूपी पहले से ही सक्रिय हो चुका है। संघ और बीजेपी ने बिहार मॉडल से सीख लेकर स्थानीय स्तर पर रणनीति बनाई है, जिसमें संगठनात्मक समन्वय, विकास और हिंदू.सामाजिक संदेश को प्रमुखता दी जा रही है। विपक्ष के लिए यह चुनौतीपूर्ण होगा कि वह संघ और बीजेपी की व्यापक तैयारी का मुकाबला कर सके। आने वाला समय यह तय करेगा कि यूपी में मिशन यूपी कितना सफल होता है और क्या संघ और बीजेपी अपनी रणनीति के जरिए सत्ता में मजबूत स्थिति बनाए रख पाते हैं।●

● **स्वदेश कुमार (वरिष्ठ पत्रकार)**

उत्तर प्रदेश की सियासत में वह जोड़ी जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी, अब पंचायत चुनाव के ठीक पहले टूट चुकी है। "दो लड़कों की जोड़ी" कहे जाने वाले राहुल गांधी और अखिलेश यादव की दोस्ती जिस तेजी से परवान चढ़ी थी, उसी तेजी से अब दूरियां भी बढ़ती जा रही हैं। कांग्रेस ने तय किया है कि 2026 में होने वाले ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत चुनाव वह पूरी तरह अपने दम पर लड़ेगी। इस फैसले के पीछे सिर्फ राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव की मजबूत तैयारी छिपी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, और सभी सांसदों के साथ दिल्ली में हुई बैठक के बाद एक स्पष्ट संदेश दिया गया अब यूपी में संगठन को जड़ों से मजबूत किया जाएगा, और हर बूथ, हर गांव में कांग्रेस की अपनी पहचान बनेगी। पार्टी का मानना है कि गठबंधन में रहकर छोटे कार्यकर्ताओं को अवसर सीमित हो जाते हैं। पंचायत चुनाव सिंबल पर भले न होते हों, लेकिन गांव की राजनीति का आधार इन्हीं चुनावों से तैयार होता है। कांग्रेस इसी जमीन को फिर से हासिल करना चाहती है, जिसे 1990 के दशक के बाद वह लगातार खोती गई।

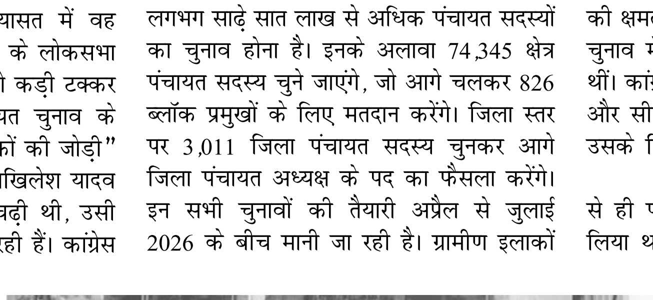

उत्तर प्रदेश में कुल 57,694 ग्राम पंचायतें हैं। इन पंचायतों में ग्राम प्रधानों और लगभग साढ़े सात लाख से अधिक पंचायत सदस्यों का चुनाव होना है। इनके अलावा 74,345 क्षेत्र पंचायत सदस्य चुने जाएंगे, जो आगे चलकर 826 ब्लॉक प्रमुखों के लिए मतदान करेंगे। जिला स्तर पर 3,011 जिला पंचायत सदस्य चुनकर आगे जिला पंचायत अध्यक्ष के पद का फैसला करेंगे। इन सभी चुनावों की तैयारी अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच मानी जा रही है। ग्रामीण इलाकों में इन चुनावों की गूंज विधानसभा चुनाव से भी ज्यादा होती है, क्योंकि यहां की राजनीति रिश्तों, जातीय समीकरणों और स्थानीय पकड़ पर आधारित रहती है। इसीलिए पंचायत चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल कहा जा रहा है।कांग्रेस के अंदर यह बात साफ है कि यदि पंचायत चुनावों में 10 से 12 जिले भी ऐसे निकल आए जहां जिला पंचायत सदस्य ज्यादा संख्या में जीत हासिल कर लें, तो विधानसभा टिकट वितरण में पार्टी की मोलभाव की क्षमता काफी बढ़ जाएगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने कांग्रेस को सिर्फ 17 सीटें दी थीं। कांग्रेस को भरोसा है कि अब आंकड़े बदलेंगे और सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए यह चुनाव उसके लिए बहुत बड़ा मौका है।

दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी ने पहले से ही पंचायत चुनाव से एक कदम पीछे खींच लिया था। संगठन के भीतर उनका तर्क था कि पंचायत चुनाव में सपा कार्यकर्ताओं को अक्सर प्रशासनिक दबाव का सामना करना पड़ता है और परिणाम अपेक्षित नहीं आते। सपा स्थानीय चुनावों में अपनी ऊर्जा को विधानसभा 2027 तक बचाना चाहती है। इसी दूरी ने कांग्रेस को यह समझा दिया कि यदि अभी भी साझेदारी में रही तो अपना कोई खास विस्तार नहीं हो पाएगा। यही वजह रही कि अब अकेले चलने की रणनीति पर मुहर लग गई। केवल कांग्रेस ही नहीं, बल्कि भाजपा के सभी सहयोगी दल अपना दल (एस), आरएलडी, निषाद पार्टी और सुभासपा ने भी पंचायत चुनाव अपने दम पर लड़ने का ऐलान पहले ही कर दिया है। यह अपने-अपने जातीय आधार को गर्म रखने और कार्यकर्ताओं को ज्यादा टिकट देने की नीति है। भाजपा भले शासन में हो, लेकिन सहयोगी दलों की इच्छा होती है कि उनके वोटर समझें कि दल स्वतंत्र भी है, सिर्फ सहारे पर नहीं टिका। यही सोच कांग्रेस ने भी अपनाई है।पंचायत चुनाव की राजनीति

सीधे- सीधे जाति और जमीन के समीकरणों पर निर्भर होती है। जहां कुर्मी बहुल इलाकों में अपना दल मजबूत होती है, वहीं पूर्वांचल में निषाद समाज पर संजय निषाद की पकड़ रही है। पश्चिम यूपी में जाट-गुर्जर मतदाताओं पर आरएलडी का प्रभाव है। कांग्रेस इस जातीय नक्शे को नए सिरे से देख रही है और दावा कर रही है कि वह जाति से ऊपर विकास और संविधान की रक्षा की राजनीति करेगी। लेकिन जमीनी सच यह है कि बिना जातीय जोड़तोड़ के पंचायत चुनाव जीतना लगभग नामुमकिन है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती है अपनी निष्क्रिय हो चुकी पंचायत स्तरीय इकाइयों को जागृत करना। लेकिन पार्टी ने इसके लिए 100-दिवसीय अभियान की शुरुआत कर दी है। जो कार्यकर्ता अधिक सदस्य बनाएगा, उसे प्रधान, बीडीसी या जिला पंचायत सदस्य के टिकट की प्राथमिकता दी जाएगी। इसी तरह जो नेता पंचायत में जीतता हुआ दिखेगा, उसे 2027 की विधानसभा टिकट की कतार में आगे रखा जाएगा। इस तरह कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं को

सीधी प्रेरणा दे रही है लाओ जीत, पाओ टिकट। 2024 की जीत ने कार्यकर्ताओं में हौसला तो बढ़ाया, लेकिन कांग्रेस का अपना संगठन हर जिले में

सक्रिय नहीं हो पाया है। खासकर बुंदेलखंड, तराई और पश्चिम यूपी के कुछ जिलों में पार्टी को जमीन तलाशने में काफी मेहनत करनी पड़ रही है। जबकि अवधी और पूर्वांचल के लगभग 200 विधानसभा क्षेत्रों को कांग्रेस ए-कैटेगरी मानकर वहां बड़ा फोकस करने वाली है। यहीं से पार्टी अपने परंपरागत वोट बैंक दलित, गरीब, अल्पसंख्यक मतदाताओं को फिर से एक छत के नीचे लाना चाहती है। कांग्रेस का यह भी मानना है कि पंचायत चुनावों के परिणाम मतदाता की मानसिकता का आईना होते हैं। यदि पार्टी यहां बढ़त पाती है, तो यह संदेश जाएगा कि भाजपा-सपा के बीच के संघर्ष में कांग्रेस तीसरा विकल्प बनकर उभर रही है। और यदि संगठन मजबूत हो गया, तो 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सीट-बंटवारे में मोलतोल की शक्ति हासिल होगी।

फिलहाल विपक्ष की इस टूट से भाजपा को तात्कालिक लाभ तो जरूर मिलेगा, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा के सहयोगी भी अकेले लड़ रहे हैं। यह संकेत देता है कि यूपी की राजनीति अपनी नई रूपरेखा बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। हर दल अपने दम पर अस्तित्व की लड़ाई लड़ने को तैयार है। गठबंधन अब सिर्फ संसद के लिए होंगे, जमीन की राजनीति हर कोई खुद संभालेगा। अगले कुछ महीनों में यूपी की सियासत में पंचायत स्तर से उठने वाले नतीजे यह बताएंगे कि कौन-सा दल कितने पानी में है। कांग्रेस और सपा की दोस्ती की अगली परीक्षा 2026 के बाद होगी तभी पता चलेगा कि यह दूरी अस्थायी है या 2027 की राजनीति में एक-दूसरे के सामने खड़े होने का संकेत।फिलहाल, यह तय है ग्रामीण राजनीति के इस महायुद्ध में हर दल "एकला चलो" के रास्ते पर निकल चुका है। पंचायत चुनाव सिर्फ स्थानीय सत्ता का सवाल नहीं, बल्कि 2027 की कुर्सी तक पहुंचने का पहला बड़ा कदम है। और इसी राह पर अब कांग्रेस ने अपनी जंग शुरू कर दी है बिना सहारे, बिना समझौते, पूरी ताकत के साथ।●

विषाक्त सिरप कांड : रघुवंशी ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI)

नियामक विफलता की दर्दनाक कहानी

● शशि रंजन सिंह/राजीव कुमार शुक्ला

भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बार फिर एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में निर्दोष बच्चों की मौत का कारण बना एक साधारण सा खांसी का सिरप 'कोल्ड्रिफ' (Coldrif), जो वास्तव में एक घातक जहर साबित हुआ। इस सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल (DEG) और एथिलीन ग्लाइकॉल (EG) जैसे विषाक्त औद्योगिक रसायनों की भारी मात्रा पाई गई, जो गुर्दे की विफलता और मौत का कारण बनते हैं। यह घटना न केवल एक दुर्घटना है, बल्कि नियामक प्रणाली की घोर लापरवाही और विफलता का जीता-जागता प्रमाण है। इस लेख में हम इस कांड की विस्तार से जांच करेंगे, जिसमें कम से कम 23 बच्चों की मौत हुई और यह कैसे केंद्रीय दवा नियामक संगठन (CDSCO) तथा ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) की जिम्मेदारी पर सवाल उठाता है। भारत के स्वास्थ्य इतिहास में एक बार फिर एक दर्दनाक अध्याय जुड़ गया। मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत का कारण बना एक साधारण खांसी का सिरप 'कोल्ड्रिफ' (Coldrif), जो स्रेसन फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित था। इस सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल (DEG) और एथिलीन ग्लाइकॉल (EG) जैसे औद्योगिक विष रसायन पाए गए, जो गुर्दे की विफलता और मृत्यु का कारण बने। यह हादसा केवल चिकित्सा दुर्घटना नहीं, बल्कि भारत की औषधि नियामक प्रणाली की गहरी सड़ांध का खुला प्रमाण है। 23 से अधिक निर्दोष बच्चों की मौतों ने यह साबित कर दिया कि हमारा स्वास्थ्य प्रशासन न तो सतर्क है, न जवाबदेह।

कफ सीरप से बच्चों की मौत पर स्वास्थ्य मंत्रालय का रवैया हैरान करने वाला

नीलू रंजन, जागरण

- शुक्रवार को दे दी थी कफ सीरप को क्लीन चिट, बाद एडवाइजरी जारी कर निश्चित हो गया
- तमिलनाडु की जांच में डीईजी मिलने के बाद भी खानापूर्ति में जुटा रहा मंत्रालय

नई दिल्ली : मध्य प्रदेश और राजस्थान में जहरीले कफ सीरप से 24 बच्चों की मौत पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का रवैया हैरान करने वाला है। कफ सीरप से मौत की बात सामने आने के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय पहले तो बच्चों को कफ सीरप देने में सावधानी बरतने को लेकर एडवाइजरी जारी कर निश्चित हो गया। बाद में जब तमिलनाडु की जांच रिपोर्ट में कोल्ड्रिफ ब्रांड के कफ सीरप में जहरीला रसायन मिलने की पुष्टि हुई तो केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने आनलाइन बैठक कर राज्यों को दवाइयों की जांच और निगरानी बढ़ाने का सुझाव दिया। मंत्रालय के अधिकारी स्वास्थ्य को राज्य सूची का विषय होने का हवाला देकर पूरे मामले से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

जहरीले कफ सीरप से बच्चों की मौत पर स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से पहला बयान शुक्रवार को जारी किया गया। उसमें बताया गया कि नेशनल सेंटर फार डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी), नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वायरोलाजी (एनआइवी) और सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) के विशेषज्ञों ने प्रभावित इलाकों का दौरा कर कई ड्रग्स के सैंपल लिए। मंत्रालय ने दावा किया कि दवाओं के सैंपल की जांच में किसी में डायथीलिन ग्लाइकाल (डीईजी) नहीं मिला। यानी सभी कफ सीरप को क्लीन चिट दे दी। उसी दिन शाम को स्वास्थ्य मंत्रालय ने बच्चों को कफ सीरप देने के लिए एडवाइजरी जारी कर दी।

अगले दिन शनिवार को तमिलनाडु की जांच में कोल्ड्रिफ में डीईजी मिलने की पुष्टि होने के बाद मंत्रालय में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में एक प्रेस नोट जारी किया गया, जिसमें फिर दावा किया गया कि मध्य प्रदेश से सीडीएससीओ द्वारा लिए गए कफ सीरप के छह सैंपल में डीईजी नहीं मिला और मध्यप्रदेश के ड्रग कंट्रोलर द्वारा लिए गए 13 सैंपल में से तीन की रिपोर्ट आई है, जिनमें डीईजी नहीं है। मंत्रालय का कहना था कि सिर्फ कोल्ड्रिफ बनाने वाली इकाई से लिए गए सैंपल में ही डीईजी मिला है। मंत्रालय ने दावा किया कि जिन 19 सीरप के सैंपल लिए गए हैं, उनकी निर्माण इकाइयों की जांच शुक्रवार से ही की जा रही है। इसके बाद ही रविवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ स्वास्थ्य सचिव की आनलाइन बैठक की गई। बुधवार को मंत्रालय ने बताया कि सीडीएससीओ ने कोल्ड्रिफ बनाने की कंपनी का लाइसेंस रद करने का निर्देश तमिलनाडु के ड्रग नियामक को दे दिया है।

कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य मंत्रालय में रहते हुए अहम भूमिका निभाने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने साफ किया कि स्वास्थ्य को राज्यों का विषय कहकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकता है। उनके अनुसार दवाओं की गुणवत्ता की निगरानी की नियामक एजेंसी सीडीएससीओ केंद्र सरकार के अधीन है। नियामक एजेंसी की जिम्मेदारी राज्यों के साथ मिलकर गुणवत्ता बनाए रखने की होती है। इसी अधिकार के तहत सीडीएससीओ पूरे देश से दवाओं के सैंपल लेकर जांच करता है और राज्यों के ड्रग नियामकों की जांच की भी निगरानी करता है।

"जहाँ शासन सोता है, वहाँ जहर दवा बनकर बिकता है।"

✯ सुप्रीम कोर्ट अवलोकन (Union of India Vs Human Rights Watch, 2023) :-

घटना का पृष्ठभूमि

☞ विषाक्त सिरप और बच्चों की मौत :- अक्टूबर 2025 में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में एक भयानक त्रासदी सामने आई। यहां के बच्चों को खांसी की दवा 'कोल्ड्रिफ' दी गई, जो स्रेसन फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित थी। इस सिरप का सेवन करने के बाद बच्चों में पेट दर्द, उल्टी, दस्त, मूत्र न निकलना, सिरदर्द और मानसिक असंतुलन

भारतीय भेषज संहिता आयोग
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
सैक्टर - २३, राज नगर,
गाज़ियाबाद - २०१ ००२, उत्तर प्रदेश, भारत

IPC

INDIAN PHARMACOPOEIA COMMISSION
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
Sector - 23, Raj Nagar
Ghaziabad-201 002 (U.P.), INDIA

डा. वी. कलईसेलवण
सचिव-सह-वैज्ञानिक निदेशक

Dr. V. Kalaiselvan
Secretary-cum-Scientific Director

F. No. T.11015/01/2020-AR&D

Date: October 10, 2025

Subject: Amendment List 09 to IP 2022

The 9th Edition of Indian Pharmacopoeia (IP) 2022 has become effective from 1st December, 2022. Based on the scientific inputs, some monographs of the IP 2022 need amendments for their effective implementation. Accordingly, Amendment List 09 to IP 2022 is being issued containing such amendments and this shall become official with immediate effect.

All concerned are requested to bring it to the notice of all authorities under their control for compliance with the IP 2022.

(Dr. V. Kalaiselvan)

Encl. Amendment List 09 to IP 2022

To,
1. The Drugs Controller General (India)
2. All State Drug Controllers
3. CDSCO Zonal Offices
4. Members of the Scientific Body of the IPC
5. Directors of the Drugs Testing Laboratories
6. IDMA/OPPI/BDMA/FOPE/FSSAI/Small Scale Industry Associations

INDIAN PHARMACOPOEIA (IP) — *Official Book of Drug Standards in India* | IP REFERENCE SUBSTANCES (IPRS) AND IMPURITIES — *Official Physical Standards for Assessing the Quality of Drugs* | NATIONAL FORMULARY OF INDIA (NFI) — *Reference Book to Promote Rational Use of Generic Medicines* | PHARMACOVIGILANCE PROGRAMME OF INDIA (PvPI) — WHO Collaborating Centre for Pharmacovigilance in Public Health Programmes and Regulatory Services

Tel No: +91-120-2783392, 2783400, 2800401 **E-mail:** lab.ipc@gov.in **Website:** www.ipc.gov.in

AMENDMENT LIST-09 TO IP 2022

Oral Liquids. Page 1335

Tests

Insert before **Uniformity of content**

Diethylene glycol and Ethylene glycol. Determine by gas chromatography (2.4.13).

Not more than 0.10 per cent, each of, Diethylene glycol and Ethylene glycol.

जैसे लक्षण दिखे, जो अंततः गुर्दे की पूर्ण विफलता (एन्यूरिया) में बदल गए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की रिपोर्ट के अनुसार, DEG और EG जैसे रसायन शरीर में तेजी से अवशोषित होकर लीवर द्वारा ग्लाइकोलिक एसिड और ऑक्सालिक एसिड में बदल जाते हैं, जो गुर्दों में क्रिस्टल बनाकर उन्हें नष्ट कर देते हैं। बच्चों का छोटा शरीर, अपरिपक्व लीवर और छोटे गुर्दे उन्हें वयस्कों की तुलना में 100 गुना अधिक संवेदनशील बनाते हैं। मात्र 5-10 मिलीलीटर (एक चम्मच) सिरप ही एक 5 किलोग्राम के बच्चे के लिए घातक साबित हो सकता है। लैबोरेटरी जांच में पाया गया कि इस सिरप में DEG की मात्रा 48-49% तक थी, जो फार्माकोपिया मानकों से सैकड़ों गुना अधिक है। मध्य प्रदेश की फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन की रिपोर्ट (टेस्ट रिपोर्ट नंबर 68N, दिनांक-4 अक्टूबर 2025) ने इसे 'नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी' (NSQ) घोषित किया। पुलिस ने छिंदवाड़ा में 589 बोतलें और पूरे मध्य प्रदेश में 1,534 बोतलें जब्त कीं। तमिलनाडु ड्रग कंट्रोल लैबोरेटरी ने भी बैच नंबर SR-13 की जांच में DEG की उच्च मात्रा की पुष्टि की, जिसके बाद कंपनी का लाइसेंस निलंबित किया गया और मालिक जी. रंगनाथन को गिरफ्तार किया गया। यह घटना गाम्बिया (2022) और उज्बेकिस्तान (2023) की पिछली त्रासदियों की याद दिलाती है, जहां भारतीय सिरप से 70 से अधिक बच्चों की मौत हुई थी।

डाइएथिलीन ग्लाइकॉल (DEG) विषाक्तता के वैज्ञानिक प्रभाव- सरल और विस्तृत हिंदी में DEG (Diethylene Glycol) एक मीठा स्वाद वाला, रंगहीन, गंधहीन औद्योगिक रसायन है, जो एंटीफ्रीज, ब्रेक फ्लुइड और सॉल्वेंट के रूप में इस्तेमाल होता है। यह कभी भी दवा में नहीं डाला जाना चाहिए। लेकिन जब गलती से या लापरवाही से यह प्रोपिलीन ग्लाइकॉल/ग्लिसरीन की जगह सिरप में मिल जाता है, तो यह अत्यंत घातक हो जाता है-खासकर छोटे बच्चों के लिए।

☞ **नियामक विफलता : CDSCO और IPC की लापरवाही :-** यह कांड दवा नियामक प्रणाली की गहरी खामियों को उजागर करता है।

क्र०	पहलू	DEG विषाक्तता में क्या होता है	बच्चे क्यों सबसे ज्यादा प्रभावित?	लक्षण/जांच परिणाम
1.	रासायनिक प्रकृति	मीठा, रंगहीन, गंधहीन औद्योगिक सॉल्वेंट (एंटीफ्रीज, ब्रेक फ्लुइड में इस्तेमाल)	मीठा होने से बच्चे आसानी से पूरा चम्मच पी लेते हैं	-
2.	शरीर में अवशोषण	आंत से 30 मिनट-2 घंटे में 100% खून में पहुँच जाता है।	छोटी आंत, तेज अवशोषण	अभी कोई लक्षण नहीं या सिर्फ हल्की उल्टी
3.	लीवर में बदलाव	Alcohol Dehydrogenase एंजाइम द्वारा	DEG→2-Hydroxyethoxyacetic acid (HEAA)→ Diglycolic acid (DGA)-यही असली जहर है।	बच्चों में यह एंजाइम बहुत ज्यादा सक्रिय होता है-विष बहुत तेज बनता है।
4.	गुर्दे पर हमला	DGA गुर्दे की नलिकाओं में जमा होकर ऑक्सालेट जैसे नुकीले क्रिस्टल बनाता है-नलिकाएँ पूरी तरह ब्लॉक।	छोटे और अपरिपक्व गुर्दे-12-36 घंटे में पूरा शटडाउन (एन्यूरिया)।	मूत्र एकदम बंद, सूजन, पेट में भयानक दर्द, दौरा
5.	जानलेवा डोज (5 किलो बच्चे के लिए)।	मात्र 5-10 ml (एक चम्मच) 48% DEG वाला सिरप ही घातक	वयस्कों से 100 गुना ज्यादा संवेदनशील	-
6.	ब्लड टेस्ट में सारे बदलाव	क्रिएटिनिन 10-15 गुना ↑, यूरिया 10 गुना ↑, pH<7.1, एनियन गैप>25-30	-	यूरिन में सुई जैसे ऑक्सालेट क्रिस्टल बहुत
7.	इलाज का समय-खिड़की	पहले 6-8 घंटे में Fomepizole/Ethanol+ बाद बचने की संभावना तुरंत डायलिसिस→ बचने की संभवना 24 घंटे बाद बचने की संभावना <10%	ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे में डायलिसिस मिलना लगभग नामुमकिन।	-
8.	पिछले बड़े कांड	2022 गाम्बिया (70+मौतें), 2023 उज्बेकिस्तान (20+), 2025 भारत कोल्ड्रिफ (23+ और गिनती जारी)।	हर बार भारतीय सिरप, हर बार DEG 20-49%	-
9.	निष्कर्ष	DEG विषाक्तता कोई "दुर्घटना" नहीं-यह 12-36 घंटे में बच्चे के गुर्दों को पूरी तरह नष्ट करने वाला सुनियोजित जहर है।	अगर 24 घंटे में डायलिसिस न मिले तो 100% मौत।	नियामक विफलता = नियोजित हत्या

CDSCO, जो दवाओं की लाइसेंसिंग, निरीक्षण और निगरानी के लिए जिम्मेदार है, ने स्वीकार किया कि उसके पास सिरप के निर्माता कारखाने की बुनियादी जानकारी भी नहीं थी। यह दवाएं और कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की घोर उल्लंघना है। इंडियन फार्माकोपिया कमीशन (IPC) ने DEG/EG की अधिकतम सीमा 0.10% निर्धारित की, लेकिन वह भी बच्चों की मौत के बाद 10 अक्टूबर 2025 को। WHO ने 13 अक्टूबर 2025 को मेडिकल प्रोडक्ट अलर्ट जारी किया, जिसमें कोल्ड्रिफ सहित तीन भारतीय दवाओं (रेस्पिफ्रेश टीआर और रीलाइफ) को सबस्टैंडर्ड घोषित किया गया। CDSCO ने 8 अक्टूबर को WHO को रिपोर्ट दी, लेकिन पूर्व-बाजार परीक्षण, निर्माण निरीक्षण और जोखिम प्रबंधन में विफल रहा। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री ने खुलासा किया कि CDSCO ने पिछले छह वर्षों में राज्य में किसी दवा कारखाने का निरीक्षण नहीं किया। राज्य ने मध्य प्रदेश से सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की, लेकिन केंद्र की विफलता स्पष्ट है। संसदीय समिति (मार्च 2025) ने CDSCO की लाइसेंसिंग प्रक्रिया की आलोचना की, जिसमें देरी, असंगत समयसीमा और पारदर्शिता की कमी के कारण कई कंपनियां वियतनाम और मलेशिया चली गईं। CDSCO में 504 स्वीकृत ड्रग इंस्पेक्टर पदों में से 250 रिक्त हैं, जिससे नियमित निरीक्षण प्रभावित हो रहा है।

☞ **DCGI की नियुक्ति और टेन्योर में अनियमितताएं :-** इस कांड के केंद्र में DCGI डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी की भूमिका है। उनकी नियुक्ति 1 फरवरी 2023 को हुई, जब सरकार को पता था कि वे एक वर्ष में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। जुलाई 2024 में पद के लिए विज्ञापन (।-12025/01/2024-DR) जारी किया गया, जिसमें 18 आवेदन आए। लेकिन 28 फरवरी 2025 को एक ऑफिस ऑर्डर से उनकी टेन्योर को

डॉ० राजीव सिंह रघुवंशी

पूनम रघुवंशी

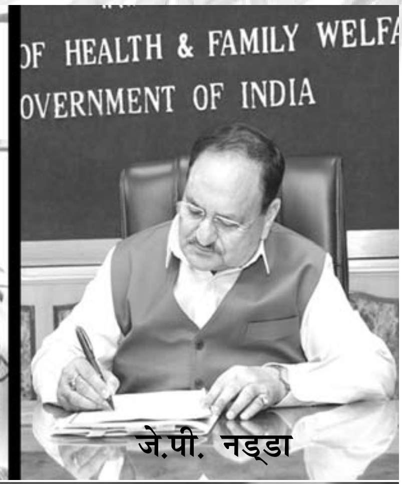

जे.पी. नड्डा

राजस्थान : सिरप में नहीं मिले घातक सॉल्वेंट

केयसंस फार्मा की सिरप को जांच में क्लीन चिट, सभी सैंपल पास

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर . चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने सीकर और भरतपुर में बच्चों की मौत डेक्सोट्रोमेटोरफन दवा से होने के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए निर्माता दवा कंपनी जयपुर के सरना डूंगर की केयसंस फार्मा को क्लीन चिट दे दी है। विभाग को शुक्रवार को यह जांच रिपोर्ट मिली। सरकारी लैब से करवाई गई कंपनी की इस दवा की जांच में सामने आया है कि दवाओं के नमूनों में डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) या एथिलीन ग्लाइकोल (ईजी) जैसे घातक रसायन मौजूद नहीं हैं। ये दोनों रसायन किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं।

वहीं औषधि आयुक्तालय ने राजस्थान में खांसी की दवा पीने से दो मौत के मामलों में यह स्पष्ट किया गया है कि जिन दो बच्चों की मौत का संदेह खांसी की दवा से जुड़ा था, उस दवा में भी हानिकारक प्रोपाइलीन ग्लाइकोल नहीं पाया गया। जो जो दूषित होने व डीईजी/ईजी का संभावित स्रोत हो सकता है। हालांकि यह दवा डेक्स्ट्रोमेथॉर्फन आधारित पाई गई, जो बच्चों के लिए अनुशंसित नहीं है।

जयपुर के सरना डूंगर की है यह दवा निर्माता कंपनी

PASSED

पत्रिका ने पहले बताया

राजाराम निलंबित, धीर को चार्ज

■ राजेन्द्र राठौड ने एक्स पर लिखा, नियमों की परिभाषा बदल कंपनियों को बचाने की कोशिश

■ मुख्यमंत्री ने बैठक लेकर दिए निलंबन के निर्देश

पत्रिका इम्पैक्ट

जयपुर . राज्य सरकार ने नकली दवा की परिभाषा को अपने ही स्तर पर बदलने और विधानसभा व केन्द्र को गलत आंकड़े भेजने के मामले में औषधि नियंत्रक राजाराम शर्मा को शुक्रवार को निलंबित कर दिया। औषधि नियंत्रक द्वितीय ने अपनी राय में यह कहा था कि असली निर्माता की दवा में कोई घटक शून्य होता है तो वह नकली की श्रेणी में नहीं माना जा सकता। इससे रिपोर्ट में नकली दवाओं के आंकड़े कम करके दिखाए गए।

राजस्थान पत्रिका में शुक्रवार के अंक में "असली दवा में शून्य घटक तो दवा नकली नहीं, ड्रग कंट्रोलर की अपनी ही राय" शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया था। इसके बाद भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड ने एक्स पर लिखा कि खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रण आयुक्तालय ने ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट, 1940 की परिभाषा तक बदल दी। ताकि दोषी कंपनियों को बचाया जा सके।

पढ़ें राजाराम @ पेज 15

अनुबंध पर एक वर्ष बढ़ा दिया गया, भर्ती नियमों को स्थगित करके। 21 अक्टूबर 2025 को विज्ञापन 'प्रशासनिक कारणों' से वापस ले लिया गया। यह DoPT के दिशानिर्देशों (ओएम नंबर 26012/6/2002-Estt.(A), (9 दिसंबर 2002) का उल्लंघन है, जो असाधारण परिस्थितियों में ही एक्सटेंशन की अनुमति देते हैं। डॉ. रघुवंशी के कार्यकाल में ही यह कांड हुआ, जहां घातक सिरप बाजार में पहुंच गया। उनकी पत्नी से जुड़ी फर्म IIPF (IP Essentia Intellectual Property Firm) फार्मा कंपनियों को सलाह देती है, जो हितों के टकराव का संदेह पैदा करती है। CDSCO अधिकारियों पर अवैध मेडिकल डिवाइस आयात की सुविधा देने के आरोप हैं, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान हुआ। यह घटना कई सवाल उठाती है : इन मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है? CDSCO और IPC की मौजूदगी में विफलता कैसे हुई? विषाक्त बैच बाजार में कैसे पहुंचा? निर्माता का पता क्यों नहीं लगाया गया? स्वास्थ्य मंत्रालय, CDSCO और IPC एक स्वतंत्र जांच शुरू करें। यह कांड बच्चों के जीवन के अधिकार की रक्षा में विफलता दर्शाता है। यदि कार्यकारी अधिकारी कार्रवाई नहीं करेंगे, तो उच्च न्यायालय या सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा। हमें एक मजबूत, पारदर्शी और जिम्मेदार दवा नियामक प्रणाली की जरूरत है, ताकि ऐसी त्रासदियां दोबारा न हों।●

BMSICL में अरबों की लूट

एमडी निलेश रामचंद्र देवरे (IAS) की अफसरशाही, साजिश और जनस्वास्थ्य पर हमला

● शशि रंजन सिंह/राजीव कुमार शुक्ला

जब स्वास्थ्य व्यवस्था ही बीमार हो जाए, तो राज्य का विकास ठप हो जाता है। स्वास्थ्य सेवा किसी भी राज्य की नींव होती है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत "जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार" तभी सार्थक होता है, जब हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण दवा और उपचार उपलब्ध हो। बिहार जैसे राज्य में, जहाँ करोड़ों लोग सरकारी अस्पतालों की मुफ्त दवा योजना पर निर्भर हैं, वहाँ अगर दवा खरीदने वाली संस्था-बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BMSICL) ही भ्रष्टाचार का अड्डा बन जाए, तो यह जनता के स्वास्थ्य के साथ विश्वासघात नहीं, बल्कि मानवता के साथ खिलवाड़ है।

बीएमएसआईसीएल बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है, जो दवाओं, सर्जिकल आइटम्स और मेडिकल उपकरणों की निविदा, खरीद, भंडारण तथा आपूर्ति का कार्य करती है। इस संस्था के माध्यम से मुफ्त दवा वितरण योजना की अधिकांश आपूर्ति होती है। कानूनी रूप से यह संस्था 'Manual for Procurement of Drugs & Medical Equipment, 2018' और 'General Financial Rules (GFR), 2017' के तहत कार्य करती है, जिसमें पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धा और जवाबदेही की अनिवार्यता है। पूरी दुनिया सहित केंद्र और राज्य सरकारें अपनी जनता को गुणवत्तापूर्ण दवा के इस्तेमाल के लिए प्रयासरत हैं। बिहार के दवा नियंत्रण प्रशासन भी दवाओं की गुणवत्ता जांचने के लिए टीम बनाकर सैंपलिंग करवाती है और गुणवत्ता में कमी वाली कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करती है। पूरे बिहार में मुफ्त दवा वितरण योजना के तहत दवा खरीद और आपूर्ति का काम बीएमएसआईसीएल के माध्यम से होता है। बीएमएसआईसीएल कंपनियों से दवा खरीदकर गुणवत्ता जांच के लिए इंपैनल्ड लैब्स भेजती है और पास होने वाली दवाओं को मरीजों के इस्तेमाल के लिए जारी किया जाता है।

सी.आर. पाटिल

श्री निलेश रामचंद्र देवरे (IAS) हमेशा विवादित आईएएस अधिकारी के रूप में रहे हैं। इनका व्यवहार बिहारियों के प्रति हमेशा गलत रहा है। वे जहाँ भी जिलाधिकारी के रूप में रहे, वहाँ उन्होंने बिहारी अस्मिता और बिहारियों को नुकसान पहुँचाया है। श्री देवरे ने जिस पद पर रहे, भ्रष्टाचार की हर सीमा तोड़ी है। दस्तावेजों के अनुसार, बीएमएसआईसीएल के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री निलेश रामचंद्र देवरे (IAS) पर आरोप हैं कि उन्होंने अपने कार्यकाल में निविदाओं की मूल शर्तें जानबूझकर बदलीं, फर्जी कंपनियों को पात्र बनाकर अरबों के आदेश दिए, टेस्टिंग लैब्स से मिलीभगत कर फर्जी रिपोर्ट पास करवायी और राज्य के कोषागार को सैकड़ों करोड़ का नुकसान पहुँचाया। उनका 2024-25 का एसेट डिक्लेरेशन भी विवादों में है, जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी के साथ साझा संपत्ति को "शून्य" बताया, जबकि उनके नाम पर महाराष्ट्र के धुले और सतारा जिले में करोड़ों की जमीनें हैं, जिनकी मार्केट वैल्यू गलत दिखाई गई। उन्होंने अपनी पत्नी का नाम Saee S लिखा है, जो अपने आप में एक कहानी बयान करती है। पत्नी के नाम पर डिक्लेरेशन में लिखा है कि मैं और मेरी पत्नी का कोई जॉइंट इनकम या प्रॉपर्टी नहीं है, जो नियम का उल्लंघन है। साथ ही, उन्होंने अपने इमूवेबल एसेट में ग्राम-तामसवारी,

"मैं प्रधानमंत्री के सहयोगी मंत्री सी.आर. पाटिल का दामाद हूँ, मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता''।

-: निलेश रामचंद्र देवरे (IAS)

Bihar Medical Service & Infrastructure Corp. Ltd
2nd & 3rd Floor, Swasthya Bhawan, Behind IGIMS, Sheikhpura,
Adjacent to State Health Society,Patna-800014, Bihar

Firmwise Detailed Report

For category : All , Supplier : , Supplier PO Status : All

(From 15-Oct-2025 To 17-Oct-2025)

S. No.	PO No. & Date	Item Name	Programme Name	Rate/Unit	Inactive Qty.	% of Overall Supply	% of Unusable Supply	District	PO Qty. (No.)	PO Value (Rs.)	Total Recieved Qty (No.)	Total Recieved Value (Rs.)
Firm Name : S S Medical System India Pvt. Ltd.												
1	10282502173(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/342) 16-Oct-2025	Bins for Microwave 75L [S0486][NON-EDL]	Normal	15490.00 No.	0.00	0	0	Bihta-Rwh	6250	96812500.00	0	0.00
2	10282502173(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/342) 16-Oct-2025	Bins for Microwave 75L [S0486][NON-EDL]	Normal	15490.00 No.	0.00	0	0	Muzaffarpur-Rwh	6250	96812500.00	0	0.00
3	10282502173(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/342) 16-Oct-2025	Bins for Microwave 75L [S0486][NON-EDL]	Normal	15490.00 No.	0.00	0	0	Purnia-Rwh	5000	77450000.00	0	0.00
4	10282502173(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/342) 16-Oct-2025	Bins for Microwave 75L [S0486][NON-EDL]	Normal	15490.00 No.	0.00	0	0	Patna-Rwh	7500	116175000.00	0	0.00
								PO Wise Group Total :	25000.00	387250000.00	.00	.00
5	10282502174(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/343) 16-Oct-2025	Customized Biodegradable Bags-45L [S0483][NON-EDL]	Normal	69.00 No.	0.00	0	0	Patna-Rwh	300000	20700000.00	0	0.00
6	10282502174(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/343) 16-Oct-2025	Customized Biodegradable Bags-45L [S0483][NON-EDL]	Normal	69.00 No.	0.00	0	0	Purnia-Rwh	200000	13800000.00	0	0.00
7	10282502174(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/343) 16-Oct-2025	Customized Biodegradable Bags-45L [S0483][NON-EDL]	Normal	69.00 No.	0.00	0	0	Muzaffarpur-Rwh	250000	17250000.00	0	0.00
8	10282502174(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/343) 16-Oct-2025	Customized Biodegradable Bags-45L [S0483][NON-EDL]	Normal	69.00 No.	0.00	0	0	Bihta-Rwh	250000	17250000.00	0	0.00
								PO Wise Group Total :	1000000.00	69000000.00	.00	.00
9	10282502175(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/344) 16-Oct-2025	Customized Biodegradable Bags-75L [S0484][NON-EDL]	Normal	98.00 No.	0.00	0	0	Patna-Rwh	300000	29400000.00	0	0.00
10	10282502175(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/344) 16-Oct-2025	Customized Biodegradable Bags-75L [S0484][NON-EDL]	Normal	98.00 No.	0.00	0	0	Bihta-Rwh	250000	24500000.00	0	0.00
11	10282502175(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/344) 16-Oct-2025	Customized Biodegradable Bags-75L [S0484][NON-EDL]	Normal	98.00 No.	0.00	0	0	Muzaffarpur-Rwh	250000	24500000.00	0	0.00
12	10282502175(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/344) 16-Oct-2025	Customized Biodegradable Bags-75L [S0484][NON-EDL]	Normal	98.00 No.	0.00	0	0	Purnia-Rwh	200000	19600000.00	0	0.00
								PO Wise Group Total :	1000000.00	98000000.00	.00	.00
13	10282502172(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/341) 16-Oct-2025	Bins for Microwave 45L [S0485][NON-EDL]	Normal	11474.00 No.	0.00	0	0	Patna-Rwh	7500	86055000.00	0	0.00
14	10282502172(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/341) 16-Oct-2025	Bins for Microwave 45L [S0485][NON-EDL]	Normal	11474.00 No.	0.00	0	0	Purnia-Rwh	5000	57370000.00	0	0.00
15	10282502172(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/341) 16-Oct-2025	Bins for Microwave 45L [S0485][NON-EDL]	Normal	11474.00 No.	0.00	0	0	Muzaffarpur-Rwh	6250	71712500.00	0	0.00
16	10282502172(BMSICL/SURGICAL/2025-2026/341) 16-Oct-2025	Bins for Microwave 45L [S0485][NON-EDL]	Normal	11474.00 No.	0.00	0	0	Bihta-Rwh	6250	71712500.00	0	0.00
								PO Wise Group Total :	25000.00	286850000.00	.00	.00
								Firm Wise Group Total :	2050000.00	841100000.00	.00	.00
								Grand Total :	2050000.00	841100000.00	.00	.00

जिला–धुले (महाराष्ट्र) और ग्राम–हारताली, जिला–सतारा (महाराष्ट्र) की जमीन का कम मार्केट वैल्यू दिखाया है। उनका जमीन का पूरा लीगल पेपर उपलब्ध है। उन्होंने दोनों जमीनों का वर्तमान मार्केट प्राइस लगभग 23 लाख बताया है, जबकि वास्तविक मार्केट प्राइस 4 करोड़ से भी ऊपर है। इसलिए, इनका एसेट डिक्लेरेशन पूरी तरह फर्जी और गैरकानूनी है।

श्री देवरे भ्रष्टाचार के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार हैं। उन्होंने इक्विपमेंट आइटम्स जैसे बिन्स फॉर माइक्रोवेव जैसे 4 NON EDL/NON EEL आइटम्स का क्रय आदेश लगभग 84 करोड़ का दिया है। बड़ी बात यह है कि इस आइटम का रेट मार्केट प्राइस से कई गुना ज्यादा है और सबसे बड़ी बात है कि इसका भुगतान उन्होंने NHM दवा मद से किया, क्योंकि राज्य सरकार द्वारा इस मद में कोई आवंटन नहीं किया गया। इससे भी बड़ी बात यह है कि दवा और सर्जिकल आइटम का इंडेंट कम कर इसका क्रय आदेश दिया गया, ताकि भुगतान में कोई दिक्कत न हो, क्योंकि इसमें श्री देवरे ने 40% कमीशन लिया है। सिर्फ एक S.S. मेडिकल के ऑर्डर में एमडी बीएमएसआईसीएल द्वारा लगभग 75 करोड़ 90 लाख 37,500 का घोटाला किया गया। अगर उनके पूरे कार्यकाल की जांच की जाए, तो श्री देवरे ने कई अरब रुपयों का घोटाला किया है। श्री देवरे का कहना है कि BMSICL निविदा संख्या- BMSIC/DRUGS/2022-24 जो QCBS सिस्टम में RODIAC कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया और निविदा संख्या-BMSICL/ME-347- BMSICL/2024-25 ME-277 QCBS सिस्टम के तहत क्विक क्लीन प्राइवेट लिमिटेड को निविदा दिया गया, यह दोनों कंपनी वर्तमान मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की कंपनी है। अगर मेरे विरुद्ध जांच हुई, तो मैं भी इन दोनों कंपनियों का पेपर सारे विरोधियों को दे दूंगा और साथ ही मीडिया में बांट दूंगा। साथ ही, ये बोलते हैं कि हम देश के प्रधानमंत्री के सहयोगी मंत्री सी.आर. पाटिल के दामाद हैं, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है।

निविदा संख्या-BMSICL/2023-24/ME-317 सबसे बड़ा उदाहरण है। यह निविदा Microwave Based Medical Waste Sterilization Systems और संबंधित BMW उपकरणों के लिए थी। मूल शर्तों के अनुसार, कंपनी का न्यूनतम टर्नओवर 10 करोड़ रूपये होना चाहिए था तथा 80 बेड के अस्पतालों के लिए उपकरण क्षमता अनिवार्य थी। परंतु Corrigendum-1 के माध्यम से इन शर्तों को हटा दिया गया। इससे केवल एक कंपनी S.S. Medical System (I) Pvt. Ltd. योग्य रह गई। परिणाम- 84 करोड़ रूपये का आदेश, जिसमें 75 करोड़ रूपये से अधिक की फर्जी वृद्धि पाई गई। इस निविदा के माध्यम से Microwave Based Medical Waste Sterilization, Customized Biodegradable Bags-20/45/75L, Master Bins For Microwave, Master Trolley-Stainless Steel सहित अन्य BMW उपकरण की निविदा प्रकाशित की गई, जिसकी Pre-Bid तिथि-28/08/2023, निविदा जमा करने की ऑनलाइन अंतिम तिथि-14/09/2023 और EMD जमा करने की अंतिम तिथि-15/09/2023, तकनीकी BID खुलने की अंतिम तिथि-15/09/2023 थी। लेकिन बीएमएसआईसीएल ने एक Corrigendum-1 निकाला और यहीं से भ्रष्टाचार की बुनियाद मजबूत हो गई। Corrigendum-1 के अनुसार, लास्ट डेट ऑफ सबमिशन ऑनलाइन BID-18/09/2023, EMD जमा करने की अंतिम तिथि-19/09/2023 और तकनीकी BID खुलने की अंतिम तिथि-19/09/2023 रखी गई। उसमें एक खास इंस्ट्रक्शन दिया गया:-

☞ Bidders are advised to refer to the Annexure-1 of this Corrigendum before submissions of bid.

☞ Those who have submitted their bids are requested

प्रत्यय अमृत

कुमारी सीमा

to re&submit their bids accordance with this Corrigendum. इन्हीं दोनों नोट्स में भ्रष्टाचार की शुरुआत की गई थी। टेंडर की मुख्य शर्तें जैसे Microwave Based Medical Waste Sterilization की क्षमता 80 बेड अस्पताल की होनी चाहिए, उसे डिलीट कर दिया गया। निविदा शर्त संख्या (10-1) के अनुसार कंपनी का टर्नओवर 10 करोड़ का होना चाहिए, उसे भी डिलीट कर दिया गया। निविदा शर्त संख्या-(10-2) के अनुसार पास्ट परफॉर्मेंस को भी डिलीट कर दिया गया। यहां तक कि मशीन के डाइमेंशन कितना होना चाहिए, उसको भी डिलीट कर दिया गया। अर्थात, निविदा को S-S- Medical System (I) Pvt. Ltd. ने अपने अनुसार बना लिया। साथ ही, बिहार सरकार स्वास्थ्य विभाग अधिसूचना संख्या-870 (12), दिनांक-08/10/2018 को जारी 'Manual for Procurement of Drugs & Medical Equipment 2018' के अनुसार मेडिकल इक्विपमेंट की निविदा की अपलोड ऑफ मिनट्स ऑफ प्री-बिड मीटिंग और Corrigendum if Any psat 15 दिनों के अंदर वेबसाइट पर अपलोड करना है और BID जमा करने और खोलने की अंतिम तिथि 37वें दिन रखना है। लेकिन निविदा में मैनुअल फॉर प्रोक्योरमेंट ऑफ ड्रग एंड मेडिकल इक्विपमेंट 2018 रूल 3 (10) में स्पष्ट लिखा है कि अगर निविदा में कोई चेंज होता है तो BIDDER को सफिशिएंट समय देना है, उसका भी पालन नहीं किया गया, क्योंकि निविदा पहले से ही फिक्स था कि किसको दिया जाएगा। निविदा में सात कंपनियां भाग लीं :- Nuzen Associates Pvt. Ltd., Haresh Agencies, S.S. Medical System (I) Pvt. Ltd., Unisafe Systems (I) Pvt- Ltd., Trimed Associates, Global Medical, M.W. OverseasA ftlesa S.S. Medical System (I) Pvt. Ltd. और Nuzen Associates Pvt. Ltd. प्रमुख हैं। S.S. Medical System (I) Pvt. Ltd. जो लखनऊ की कंपनी है, उनके बिहार के कर्ताधर्ता मनीष कुमार और शिवकुमार भक्त हैं और Nuzen Associates Pvt. Ltd. के भी मालिक शिवकुमार भक्त ही हैं। निविदा की तकनीकी कमेटी की 26/10/2023 की बैठक के मिनट्स को देखकर ही पता चल जाएगा कि Nuzen Associates Pvt. Ltd. को किस तरह से निविदा में गलत तरीके से तकनीकी रूप से योग्य घोषित करवाया गया। Nuzen Associates Pvt. Ltd. का पूरा BID डॉक्यूमेंट ही फर्जी है और उसे तकनीकी समिति के पदाधिकारियों ने मोटी रकम लेकर तकनीकी रूप से योग्य घोषित करवाया है। जब पूरी निविदा प्रक्रिया ही मैनेज हो, तो प्राइस भी कई गुना हो जाता है। अभी तक BMSICL द्वारा लगभग 200 करोड़ रुपयों का क्रय आदेश S.S. Medical System (I) Pvt. Ltd. को दिया गया, जिसको साजिशन इस निविदा में L1 घोषित किया गया था। यही नहीं, BMW आइटम को बिड के नियमों के अनुसार अस्पताल में नहीं, बल्कि रीजनल वेयरहाउस में उतारा जा सके, ताकि S.S. Medical System (I) Pvt. Ltd. को ट्रांसपोर्टेशन का भी पैसा बच जाए और सरकार को राजस्व का नुकसान हो।

वर्तमान में बीएमएसआईसीएल के MD नीलेश रामचंद्र देवरे, मुख्य महाप्रबंधक आपूर्ति श्रृंखला कुमारी सीमा ने दिनांक-16/10/2025 को S.S. Medical System (I) Pvt. Ltd. को 84 करोड़ 11 लाख रुपए का क्रय आदेश निर्गत किया, इसमें GST चार्ज अलग से है। उपलब्ध चार्ट के माध्यम से पता चलता है कि क्रय आदेश में बिहार के राज्य कोषागार को 75 करोड़ 90 लाख 37,500 का नुकसान हुआ है और GST का नुकसान अलग से है। अगर अभी तक के क्रय आदेश को जोड़ लिया जाए, तो कम से कम बिहार जैसे गरीब राज्य को 100 करोड़ रुपयों से अधिक का नुकसान हो चुका है। इस क्रय आदेश में मांग से अधिक का क्रय आदेश ही नहीं बनवाया गया, जरूरत से अधिक का कृत्रिम मांग भी बनवाया गया है।

BMSICL चार रीजनल ड्रग वेयरहाउस ऑपरेट करती है जिसमे, मुख्य रूप से दवाओं के स्टोरेज और डिस्ट्रीब्यूशन के लिए, लेकिन CGM (Supply Chain) श्रीमती सीमा कुमारी के निर्देश पर दवाओं से लदे ट्रक 3-4 दिनों तक पार्क रहते हैं, जबकि M/s S.S. Medical System (I) Pvt. Ltd. द्वारा सप्लाई किए गए BMW आइटम्स को अनुचित प्राथमिकता दी जाती है और पहले अनलोड किए जाते हैं। टेंडर शर्तों के अनुसार, ये आइटम्स सीधे अस्पतालों में डिलीवर होने थे, लेकिन इन्हें रीजनल ड्रग वेयरहाउस में अनलोड किया जा रहा है। चौंकाने वाली

Bihar Medical Services & Infrastructure Corporation Limited, 2nd & 3rd Floor, Swasthya Bhawan, Behind IGIMS, Sheikhpura, Adjacent to State Health Society, Patna 800023, Phone/Fax: +91612 2283287,+ 91612 2283288

Corrigendum-I

Bihar Medical Services and Infrastructure Corporation Limited (BMSICL) had invited E-Bids from the interested parties for the procurement, rate contract and the supply of medical equipment for different Govt. Institutions of Bihar vide Notice Inviting Tender No.- BMSICL/2023-24/ME-317. During and after Pre-bid meeting various suggestions were received from different prospective bidders regarding amendment in technical specification of equipment which were discussed and deliberated on by the experts, who after due deliberation recommended certain amendments in the technical specification of the equipment, which are annexed as Annexure-I of this corrigendum. In order to facilitate maximum participation of bidders the tender schedule is being revised as follows:-

Tender Reference No.	**BMSICL/2023-24/ME-317**
Last date and time of submission of online bids	**18th September 2023 till 17:00 Hrs.**
Last date and time of submission of original documents of EMD, Tender Fee and Document	**19th September 2023 till 14:00 Hrs.**
Date, Time and Place of opening of Technical Bid	**19th September 2023 (at 15:00 Hrs.) on the website of https:/eproc2.bihar.gov.in in the office of BMSICL.**
Date and time of opening of financial Bids	**To be announced later on https:/eproc2.bihar.gov.in**

Note:-

1. **Bidders are advised to refer to the Annexure-I of this corrigendum before submission of bid.**
2. **Those who have submitted their bids are requested to re-submit their bids in accordance with this corrigendum.**

Annexed:- as above

Sd/-
GM (Procurement)
BMSICL.

Page 1 of 9

Annexure-I

Name of Equipment - Microwave Based Medical Waste Sterilization System

Sl. No	Technical Specification as per tender		Final Amendment
16	**DOCUMENTS ESTABLISHING BIDDER'S QUALIFICATION**		
	16.1 Pursuant to ITB Clause 12, the bidder shall furnish, as part of its bid, documents establishing the Bidder's qualification to perform the Contract if its bid is accepted. The documentary evidence of the Bidder's qualifications to perform the Contract shall establish to the Purchaser's satisfaction that:		No Change
	SECTION II- GENERAL CONDITIONS OF CONTRACT		
14	**WARRANTY/ SHELF LIFE**		No Change
	14.2 This warranty shall remain valid for three years after the goods or any portion thereof as the case may be, from the date of commissioning and acceptance at the final destination indicated in the contract.		No Change
	SPECIAL CONDITIONS OF CONTRACT		
	2. No Exemption from payment of EMD, tender fees is permitted except in case of MSME registered manufacturing unit located in Bihar which will be guided by Bihar Industrial Investment Policy, 2016 as amended in 2020 for promoting industrial development in the State for the Technical Qualification, EMD, and TENDER FEES. Copy of the said policy may be seen on the website http://industries.bih.nic.in		No Change
	MEDICAL DEVICE SPECIFICATION		
	(NHSRC, Govt. of India Format)		
	(Including Information on the following where relevant/appropriate, but not limited to)		No Change
	Device Type: Stand Alone Microwave Mobile Medical-waste Disinfection System (MMDS)- 20 lit capacity		Device Type: Stand Alone Microwave Mobile Medical-waste Disinfection System (MMDS)- 35 lit or more capacity
	GENERAL		
1	**USE**		
1.1	Clinical purpose	1. Disinfection of medical waste (med-waste) at point of generation (POG).	No Change
		2. Treats waste for upto 80 bedded hospitals.	Deleted
		3. Disinfects plastics, glass, laboratory waste, Blood Bags, like live or attenuated vaccine, culture plates, cell cultures, Petridishes, vaccutainers, Culture Media bottles, hospital linen etc.	No Change

Page 2 of 9

		4. Compliant to **G.S.R. 343(E). [28-03-2016] : Bio-Medical Waste Management Rules, 2016 (BMWM Rules, 2016)**	No Change
1.2	Used by clinical department/ward	District Hospitals/Sub District Hospitals/Blood banks/Infectious Wards/ICCU units/Genetic Research Labs/Dialysis, All laboratories viz. Microbiology/ Virology Labs/ Genetic Research Labs/ Biochemistry labs/Clinics/CHC's/OT complexes/OPD.	No Change
2	**TECHNICAL CHARACTERISTICS**		
2.1	Technical characteristics (specific to this type of device)	1. Processing capacity: not less than 20-litre/cycle	Processing Capacity: 35 litre/cycle or Higher
		2. Cycle time: 7-30 mins	No Change
		3. Working temperature: 70° - 100 °C	No Change
		4. The unit Microwave Generators comprises the following:	No Change
		- HF Output: 1.5 kW	No Change
		- Minimum Frequency: 2450 MHz	No Change
		5. Electrical Requirements:	No Change
		- Inputs Voltage : 230 Volts,50Hz	No Change
		-Current : 16 Amp single phase power line.	No Change
2.2	Technology Automation	1. To mitigate Operator Risk: Funnel movement must be automated with zero human contact	No Change
		2. Front door lock must be electronic to avoid accidental opening of the door during the radiation/treatment of waste.	No Change
		3. Should have safety locks and overheating protection system.	No Change
		4. Should have Zero emission & discharge.	No Change
		5. Specially designed closed loop water ejector system for the microwave chamber to avoid discharge of any fumes/gases to the atmosphere.	No Change
2.3	Disinfection Log	10^5 to 10^7 log	No Change
2.4	User's interface	Touch display panel with push button, lamps/Cautions etc.	No Change
2.5	Software and/or standard of communication (where ever required)	PLC based automatic operation with online temperature and cycle recording with inbuilt printer.	No Change

Page 3 of 9

2.6	Disinfection Cycles	Model quoted must have dedicated pre-programmed disinfection cycles to be operated with one touch of a button on HMI.	No Change
		1. Bio-Medical Waste Disinfection	No Change
		2. Blood Bag Disinfection	No Change
		3. BD-Bactec / Mcctemcy bottles disinfection	No Change
		4. Linen Disinfection	No Change
		5. Laboratory Waste Disinfection	No Change
		6. TB Sputum Disinfectionn cycle (validated by TB Authority)	No Change
		7. N-95 Sterilisation	No Change
		8. PPE Kit Sterilisation	No Change
		To ascertain patient & User safety all above 7 cycles must have Test report of efficacy validated from CSIR/ICMR/NCDC, issued at least 1 yr before the date of tender publishing. Self-attested certified copy of the test report to submitted with the techno-commercial offer.	To ascertain patient & User safety all above 7 cycles must have Test report of efficacy validated from CSIR/ICMR/NCDC/CPCB Approved Lab, issued after the date of tender publishing. Self-attested certified copy of the test report to submitted with the techno-commercial offer.
3	**PHYSICAL CHARACTERISTICS**		
3.1	Dimensions (mm)	(HxWxD) 905 mm x 1065 mm x 680 mm	Deleted
3.2	Vapour Emission	Zero emission. Operates with a built in water container & steam condenser.	No Change
3.3	Mobility, portability	Desktop Model model; Ideal for Point of Generation Treatment	No Change
4	**ENERGY SOURCE**		
4.1	Power Requirements	The unit works on a single phase simple 16Amp/1.5 kW power line with stable input voltage of 230V, 50 Hz.	No Change
4.3	Tolerance (to variations, shutdowns)	NA	No Change
4.4	Protection	Standard earthing protection with built in circuit breaker	No Change
4.5	Installed Power	1-1.5 kW	No Change
4.6	Stabilizer	3 KVa Servo Stabilizer with voltage range 160-270V. Output Voltage-230V with +/-2% accuracy. To be provided by the consignee	No Change

Page 4 of 9

	ACCESSORIES, SPARE PARTS CONSUMABLES,		
5.1	Accessories	2 microwaveable plastic, customised Bin : 20 Lit capacity.	2 microwaveable plastic, customised Bin : 35 Lit or higher capacity
6	**ENVIRONMENTAL AND DEPARTMENTAL CONSIDERATONS**		
6.1	Atmosphere / Ambiance (air conditioning, humidity in ideal circumstances)	Capable of operating continuously in ambient temperature of 0 to 50 deg C and relative humidity of 15 to 90% in ideal circumstances	No Change
6.2	User's care, Cleaning, Disinfection & efficacy testing procedure	Instruction provided in Operator's manual	No Change
7	**STANDARDS AND SAFETY**		
7.1	Certificates (pre-market, sanitary, ..), Performance and safety standards (specific to the device type);Local and/or international	1. As per GO no:X.11035/379/2015/DFQC Dated: 20/02/2018, the offered equipment should be ICMED plus	No Change
		2. The quoted model should be from an ISO 9001: 2015, EN -13485 certified company	No Change
		3. Test report of efficacy for all cycles validated from CSIR/ICMR/NCDC, issued at least 1 yr before the date of tender publishing.	Test report of efficacy forall cycles validated fromCSIR/ICMR/NCDC/ CPCB Approved Lab,issued atleast one year before the date of tender publishing.
		4. The equipment should have CE certification and design for client security & service.	The Quoted model must be from ISO 9001:2015 Manufacturer and the product must be have ISO 13485:2016 from NABCB/IAF accredited agency/EU CE with 4 digit Notified Body Number/BIS/US FDA.
7.2	Utility	The product should comply with GSR Notification 343 E and must have dedicated cycles such as blood bag Microbiology Waste, Bactec / Culture Bottles etc so that compliance of records/ cycle can be recorded with the time and date of treatment in compliance to the aforesaid GSR notification.	No Change

Page 5 of 9

8	**TRAINING AND INSTALLATION**		
8.1	Pre-installation requirements: nature, values, quality, tolerance	Stabilized power line of 230 volts with 16 Amp/160 Hz power supply. Critical Medical Equipment. Stabilizer required to improve site power quality. Price to be quoted separately.	No Change
8.2	Requirements for sign-off	User training manual is supplied.	No Change
8.3	Training of staff (medical paramedical, technicians)	Technical training provided for the staff employed at the time of installation.	No Change
8.4	Efficacy Performance	1. Latest Efficacy report, from a Govt. institute/ validation agency expert expert on clinical subjects & authentication, (not older than 1 year from the date of installation) for waste treated using the quoted product, should be submitted at the time of quoting tender & handed over to consignee during installation.	No Change
		2. Efficacy testing of the machine installed, should be done at the consignee location at the time of installation, using ready to use media.	No Change
9	**WARRANTY AND MAINTENANCE**		
9.1	Warranty	2 year warranty	This warranty shall remain valid for three years.
9.2	Maintenance tasks	included in warranty period	No Change
9.3	Service contract clauses, including prices	included in price quoted for warranty period.	No Change
10	**ELIGIBILITY CRITERION**		
10.1	OEM Turn Over	The minimum average annual financial turnover of the OEM/bidder during the last three years, ending on 31st March of the previous financial year, should be average10 Crores per Annum with certified Audited Balance Sheets.	Deleted
		In case of start ups/the date of constitution / incorporation of the OEM is less than 3 year old, the average turnover in respect of the completed financial years after the date of constitution shall be 3 Crores Per Annum taken into account for this criteria.	

Page 6 of 9

10.2	Past Performance/ Experience	The OEM {themselves or through reseller(s)}should have regularly, manufactured and supplied same Category Microwave technology Products to any Central/ State Govt Organization / PSU / Public Listed Company for the last 2 Financial Yrs. The quoted product must have atleast 20 - Nos installation in various reputed govt organizations in any one of the the last 2 yrs and should be working satisfactorily. Products with Installations in AIIMS hospitals will be given preference. Order Copies & Performance Certificates enclosed shall be given preference.	Deleted
11	**DOCUMENTATION**		
11.1	Operating manuals, service manuals, other	Yes, supplied at the time of installation	No Change
11.2	Recommendations for maintenance	Yes, supplied at the time of installation	No Change
12	**NOTES**		
12.1	Service Support Contact details (Hierarchy Wise; including helpline number)	24X7 Dedicated Helpline for Customer Support	No Change
12.2	Recommendations or warnings	All instructions are clearly provided on the machine and is included in the user manual. No special uniform is required to operate the machine.	No Change
12.3	Consumables & Accessories	**Customized Biodegradable Bags - 20/45/75 L.**	Customized Biodegradable Bags - 35 ltr or higher
		· Specially designed, virgin plastic Microwaveable, non-chlorinated, Bio-degradable, double seam secured edges bags.	No Change
		· All bags are customized with bio-hazard sign and preprinted as per CPCB norms / BMW management rules 2016.	No Change
		· All bags of durable 55 micron thickness, Microwavable Material, ensuring puncture proof and liquid leakage.	No Change
		· Available in CPCB defined colour code of yellow, red, blue and black.	No Change

Page 7 of 9

		· Available Capacity: 20 L / 45 L / 75 L or as per customer's requirement.	Available Capacity: 35 Ltr or Higher .
		Maser Bins for Microwave	No Change
		· Customized Microwave compatible Bins for dedicated utility with OptiMaser.	No Change
		· Available Capacities: 20 L / 45 L / 75 L.	No Change
		· Models: Maser Bin-10 / Maser Bin-30 / Maser Bin-60	No Change
		Maser Trolley - Stainless Steel	No Change
		· Customized Maser Trolley for transportation of Maser Bins.	No Change
		· Made of 25mm dia. Stainless Steel heavy gauge round pipe, ergonomically contoured for sleek design.	No Change
		· Dimensions: 1040mm H x 400mm W x 605mm D.	No Change
		· Retractable Bin base platform of 400mmx 360mm, with guided S.S. ring to accommodate Bin and foot operated hydraulic height adjustability.	No Change
		· All SS parts. duly buffed for polished finish.	No Change
		· Mounted with frictionless, 180mm dia smooth castors wheels & push handles with nylon sleeves for ease of carting.	No Change
		Self Contained Biological Indicators (SCBI)	No Change
		· The SCBI for monitoring efficacy of Microwave Disinfection Process consists of :	No Change
		· a) A thermo-plastic Vial containing a spore disc with 10^8 population of Bacillus atrophaeus spores.	No Change
		· b) Modified Tripticas Soybroth (TSB) with a pH indicator as growth medium, encased in a hermetically sealed glass ampoule.	No Change
		Process Recorder Print Media	No Change
		· Description: Thermal Paper Rolls for print records customized for use with Opti Maser	No Change
		· Size: 55mm x 43 mm (dia.)	No Change
		· Length of Roll: 25 Mtr.	No Change
		· Pack Size: 12 Rolls per packet	No Change

Page 8 of 9

		· Cost-effective thermal paper for ink & ribbon-free system delivering high-quality printing.	No Change
		· This innovative, fine paper is coated with an invisible layer of chemicals that changes color when it's exposed to heat, resulting in a highly accurate, crisp print time after time.	No Change
12.3	Accessories on Purchase	Optional accessories to be quoted separately Microwaveable Bins (For extra quantities) Bin transport trolleys, Digital Servo Stablizer Hub connectivity for Concurrent audits.	No Change

Page 9 of 9

बात यह है कि इन आइटम्स के लिए मटेरियल रिसीविंग सर्टिफिकेट (MRC) उसी दिन या अगले दिन जेनरेट हो जाते हैं, जबकि दवाओं के मामले में MRC जेनरेशन में 5-10 दिन लगते हैं। यहां तक कि M/s S.S. Medical System (I) Pvt. Ltd. अपनी इनवॉइस और टेस्ट रिपोर्ट्स उसी दिन BMSICL को सबमिट करती है, और QC मैनेजर श्री शमशुल रब एक घंटे के अंदर ईमेल से टेस्ट रिपोर्ट्स "कन्फर्म" कर देते हैं, जबकि दवाओं की QC वेरिफिकेशन में 30-60 दिन लगते हैं, उसके बाद अपडेट में एक हफ्ता से दस दिन। कई मामलों में ड्रग टेस्टिंग फाइल्स को QC क्लियरेंस में दो से तीन महीने लगे हैं। फिर भी, M/s S.S. Medical System (I) Pvt. Ltd. की फाइल अलग-अलग सेक्शन्स से होकर घंटों में ब्लड सीमा कुमारी तक पहुंच जाती है। वे कथित रूप से अधीनस्थ अधिकारियों पर दबाव डालती हैं कि "MD ने कहा है, फाइल तुरंत पूरी करो, वरना इंक्वायरी होगी।" नतीजतन, पेमेंट फाइल MD, BMSICL तक पहुंचती है और उसी दिन अप्रूव और डिस्बर्स हो जाती है। सही कहा गया है कि "सरकारी फाइलों को पैसे की ताकत से पंख लग जाते हैं।"

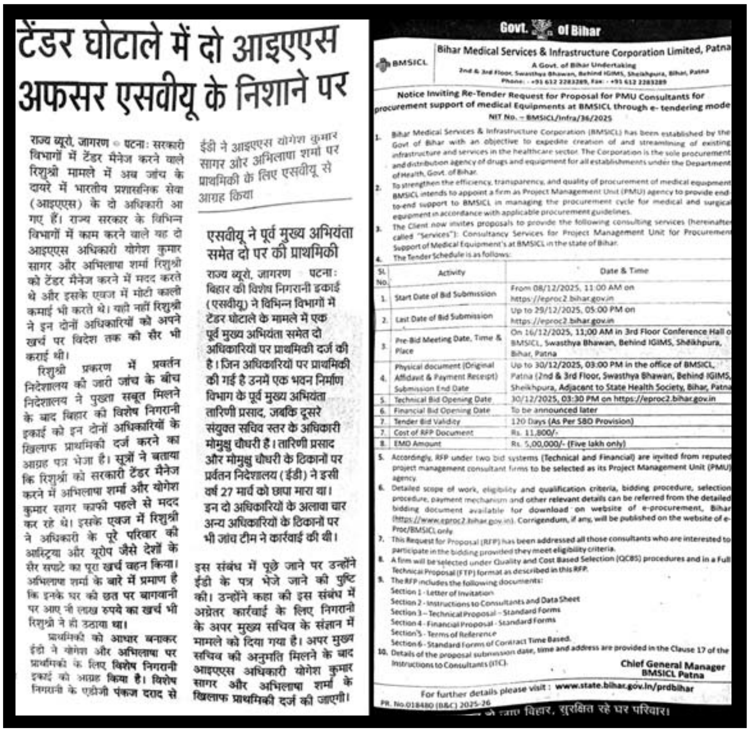

टेंडर घोटाले में दो आइएएस अफसर एसवीयू के निशाने पर

ईडी ने आइएएस योगेश कुमार सागर और अभिलाषा शर्मा पर प्राथमिकी के लिए एसवीयू से आग्रह किया

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: सरकारी विभागों में टेंडर मैनेज करने वाले रिशुश्री मामले में अब जांच के दायरे में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के दो अधिकारी आ गए हैं। राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में काम करने वाले यह दो आइएएस अधिकारी योगेश कुमार सागर और अभिलाषा शर्मा रिशुश्री को टेंडर मैनेज करने में मदद करते थे और इसके एवज में मोटी काली कमाई भी करते थे। यही नहीं रिशुश्री ने इन दोनों अधिकारियों को अपने खर्च पर विदेश तक की सैर भी कराई थी।

रिशुश्री प्रकरण में प्रवर्तन निदेशालय की जारी जांच के बीच निदेशालय ने पुख्ता सबूत मिलने के बाद बिहार की विशेष निगरानी इकाई को इन दोनों अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आग्रह पत्र भेजा है। सूत्रों ने बताया कि रिशुश्री को सरकारी टेंडर मैनेज करने में अभिलाषा शर्मा और योगेश कुमार सागर काफी पहले से मदद कर रहे थे। इसके एवज में रिशुश्री ने अधिकारी के पूरे परिवार की आस्ट्रिया और यूरोप जैसे देशों के सैर सपाटे का पूरा खर्च वहन किया। अभिलाषा शर्मा के बारे में प्रमाण है कि इनके घर की छत पर बागवानी पर आए नौ लाख रुपये का खर्च भी रिशुश्री ने ही उठाया था।

प्राथमिकी को आधार बनाकर ईडी ने योगेश और अभिलाषा पर प्राथमिकी के लिए विशेष निगरानी इकाई को आग्रह किया है। विशेष निगरानी के एडीजी पंकज दराद से इस संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने ईडी के पत्र भेजे जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा की इस संबंध में अग्रेतर कार्रवाई के लिए निगरानी के अपर मुख्य सचिव के संज्ञान में मामले को दिया गया है। अपर मुख्य सचिव की अनुमति मिलने के बाद आइएएस अधिकारी योगेश कुमार सागर और अभिलाषा शर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

एसवीयू ने पूर्व मुख्य अभियंता समेत दो पर की प्राथमिकी

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: बिहार की विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने विभिन्न विभागों में टेंडर घोटाले के मामले में एक पूर्व मुख्य अभियंता समेत दो अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज की है। जिन अधिकारियों पर प्राथमिकी की गई है उनमें एक भवन निर्माण विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता तारिणी प्रसाद, जबकि दूसरे संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी मोमुक्षु चौधरी हैं। तारिणी प्रसाद और मोमुक्षु चौधरी के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इसी वर्ष 27 मार्च को छापा मारा था। इन दो अधिकारियों के अलावा चार अन्य अधिकारियों के ठिकानों पर भी जांच टीम ने कार्रवाई की थी।

Govt. of Bihar

BMSICL

Bihar Medical Services & Infrastructure Corporation Limited, Patna
A Govt. of Bihar Undertaking
2nd & 3rd Floor, Swasthya Bhawan, Behind IGIMS, Sheikhpura, Bihar, Patna
Phone: +91 612 2283289, Fax: +91 612 2283289

Notice Inviting Re-Tender Request for Proposal for PMU Consultants for procurement support of medical Equipments at BMSICL through e-tendering mode
NIT No. – BMSICL/Infra/36/2025

1. Bihar Medical Services & Infrastructure Corporation (BMSICL) has been established by the Govt of Bihar with an objective to expedite creation of and streamlining of existing infrastructure and services in the healthcare sector. The Corporation is the sole procurement and distribution agency of drugs and equipment for all establishments under the Department of Health, Govt. of Bihar.
2. To strengthen the efficiency, transparency, and quality of procurement of medical equipment BMSICL intends to appoint a firm as Project Management Unit (PMU) agency to provide end-to-end support to BMSICL in managing the procurement cycle for medical and surgical equipment in accordance with applicable procurement guidelines.
3. The Client now invites proposals to provide the following consulting services (hereinafter called "Services"): Consultancy Services for Project Management Unit for Procurement Support of Medical Equipment's at BMSICL in the state of Bihar.
4. The Tender Schedule is as follows:

Sl. No.	Activity	Date & Time
1.	Start Date of Bid Submission	From 08/12/2025, 11:00 AM on https://eproc2.bihar.gov.in
2.	Last Date of Bid Submission	Up to 29/12/2025, 05:00 PM on https://eproc2.bihar.gov.in
3.	Pre-Bid Meeting Date, Time & Place	On 16/12/2025, 11:00 AM in 3rd Floor Conference Hall of BMSICL, Swasthya Bhawan, Behind IGIMS, Sheikhpura, Bihar, Patna
4.	Physical document (Original Affidavit & Payment Receipt) Submission End Date	Up to 30/12/2025, 03:00 PM in the office of BMSICL, Patna (2nd & 3rd Floor, Swasthya Bhawan, Behind IGIMS, Sheikhpura, Adjacent to State Health Society, Bihar, Patna
5.	Technical Bid Opening Date	30/12/2025, 03:30 PM on https://eproc2.bihar.gov.in
6.	Financial Bid Opening Date	To be announced later
7.	Tender Bid Validity	120 Days (As Per SBD Provision)
7.	Cost of RFP Document	Rs. 11,800/-
8.	EMD Amount	Rs. 5,00,000/- (Five lakh only)

5. Accordingly, RFP under two bid systems (Technical and Financial) are invited from reputed project management consultant firms to be selected as its Project Management Unit (PMU) agency.
6. Detailed scope of work, eligibility and qualification criteria, bidding procedure, selection procedure, payment mechanism and other relevant details can be referred from the detailed bidding document available for download on website of e-procurement, Bihar (https://www.eproc2.bihar.gov.in). Corrigendum, if any, will be published on the website of e-Proc/BMSICL only.
7. This Request for Proposal (RFP) has been addressed all those consultants who are interested to participate in the bidding provided they meet eligibility criteria.
8. A firm will be selected under Quality and Cost Based Selection (QCBS) procedures and in a Full Technical Proposal (FTP) format as described in this RFP.
9. The RFP includes the following documents:
Section 1 - Letter of Invitation
Section 2 - Instructions to Consultants and Data Sheet
Section 3 – Technical Proposal – Standard Forms
Section 4 - Financial Proposal - Standard Forms
Section 5 - Terms of Reference
Section 6 - Standard Forms of Contract Time Based.
10. Details of the proposal submission date, time and address are provided in the Clause 17 of the Instructions to Consultants (ITC).

Chief General Manager
BMSICL Patna

For further details please visit : www.state.bihar.gov.in/prdbihar
PR. No.018480 (B&C) 2025-26
बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

☞ **टेस्टिंग लैब्स का खेल : दवा 'फेल' भी, 'पास' भी :-** बीएमएसआईसीएल की क्वालिटी कंट्रोल प्रक्रिया में भयंकर विरोधाभास है। निजी लैब्स जैसे श्री बालाजी टेस्ट लैब प्रा. लि. और ITL लैब्स प्रा. लि. ने APPLE Formulations और SAMKEM जैसी कंपनियों की दर्जनों बैचों को FAIL घोषित किया, जबकि उन्हीं बैचों को CDL कोलकाता और BDCL पटना ने PASS कर दिया। इससे स्पष्ट है कि रिपोर्ट "कमीशन" के अनुसार बदल रही थीं। नियम 18 (ब) के अनुसार ऐसी लैब्स को 5 वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट किया जाना चाहिए था, लेकिन BMSICL ने ऐसा नहीं किया, क्योंकि कथित रूप से 50 लाख रूपये का लेन-देन हुआ था। श्री देवरे ने 50 लाख रुपए लेकर श्री बालाजी टेस्ट लैब को काली सूची में दर्ज नहीं किया, जबकि NABL ने उसे 23 मार्च 2025 को उसका लाइसेंस सस्पेंड कर दिया है। BMSICL के निविदा संख्या-BMSIC/QC/01/2023 के शर्त संख्या 18 (b) के अनुसार:- Proficiency testing of samples will be done on random basis in other laboratories or Govt. Laboratories and any discrepancy of reports will be taken as nonperformance- For each such instance of nonperformance, no bills for performing the tests will be paid to the testing laboratory. For three such non performances in each year of the contract period, 25% of the security deposit will be deducted- For every subsequent nonperformance in each year 10% each of the security deposit will be deducted. If such non performances exceed six during in each year of the contract period, the testing laboratory will be removed from the empanelment and black listed for a period of 2(two) years. के अनुसार, अगर 6 बैच का रिपोर्ट गवर्नमेंट लैब रिपोर्ट से नहीं मैच खाता है, तो उसे नॉन परफॉर्मेंस कहा जाएगा और उसे अगले दो वर्षों के लिए Empanelment से हटा दिया जाएगा। और नियम (c) If it is revealed that drug testing Laboratory is involved in any form of fraud and collusion with the suppliers of BMSICL, the drug testing laboratory will be black listed for Five (5) years. के तहत 5 साल के लिए ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा। श्री बालाजी टेस्ट लैब का 30 से ज्यादा रिपोर्ट मिसमैच हुआ है और कंपनी ने APPLE फॉर्मूलेशन प्राइवेट लिमिटेड से पैसा नहीं मिलने के कारण उसका 35 बैच फेल कर दिया, उसका प्रमाण उपलब्ध है। श्री बालाजी टेस्ट लैब ने APPLE फॉर्मूलेशन प्राइवेट लिमिटेड का कई बैच जानबूझकर फेल कर दिया और CDL ने उसे पास कर दिया, जिससे उसका फ्रॉड साबित होता है, लेकिन श्री देवरे की कृपा होने के कारण श्री बालाजी टेस्ट लैब PVT. LTD. का बाल भी बांका नहीं हो सका। बीएमएसआईसीएल के QC मैनेजर शमशुल रब हैं, जिनके खिलाफ 2014 में भी दवाओं की गुणवत्ता जांच से समझौता करने के कारण लिखित वार्निंग देकर छोड़ दिया गया था। लेकिन आजकल BMSICL MD निलेश रामचंद्र देवरे और उनके QC मैनेजर शमशुल रब BMSICL इंपैनल्ड टेस्टिंग लैब कंपनियों से ब्लैकमेल करते हैं और नियम के विपरीत, जो कंपनियां BMSICL में इंपैनल्ड नहीं हैं, उनसे भी दवाओं की गुणवत्ता जांच करवाकर दवाओं को पास करवाने का काम कर रहे हैं। BMSICL ने दवाओं की गुणवत्ता जांच के लिए निविदा संख्या-BMSIC/QC/01/2023 आमंत्रित किया, जिसके BID के नियम 18 के अनुसार :-

✯ **18. Condition of Blacklisting and Procedure** :-

☞ Non&performance of any tender or Empanelment conditions will disqualify a laboratory to participate in the next tender.

☞ Proficiency testing of samples will be done on random basis in other laboratories or Govt. Laboratories and any discrepancy of reports will be taken as non-performance. For each such instance of non-performance, no bills for performing the tests will be paid to

QUALITY CONTROL TEST REPORT SUMMARY

Sr No	Company Name	Product Name	Batch No.	Empanelled Lab	Lab QC Status (Form-39A)	Govt. Lab	Govt. QC Status (Form-13)
1	APPLE FORMULATIONS PVT. LTD	B-COMPLEX SYRUP	BOB-2437	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
2		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2436	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
3		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2435	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
4		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2434	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
5		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2433	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
6		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2428	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
7		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2427	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
8		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2426	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
9		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2448	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
10		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2447	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
11		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2446	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
12		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2443	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
13		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2442	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
14		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2441	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
15		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2439	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
16		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2454	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
17		B-COMPLEX SYRUP	BOB-2453	SHREE BALAJI TEST LAB PVT LTD	FAIL	CDL KOLKATA	PASS
18	SAMKEM	ORS IP	P24/0651	ITL LABS PVT LTD	FAIL	BDCL	PASS
19		ORS IP	P24/0654	ITL LABS PVT LTD	FAIL	BDCL	PASS
20		ORS IP	P24/0657	ITL LABS PVT LTD	FAIL	BDCL	PASS
21		ORS IP	P24/0664	ITL LABS PVT LTD	FAIL	BDCL	PASS
22		ORS IP	P24/0665	ITL LABS PVT LTD	FAIL	BDCL	PASS
23		ORS IP	P24/0671	ITL LABS PVT LTD	FAIL	BDCL	PASS
24		ORS IP	P24/0684	ITL LABS PVT LTD	FAIL	BDCL	PASS

the testing laboratory. For three such non performances in each year of the contract period, 25% of the security deposit will be deducted. For every subsequent non-performance in each year 10% each of the security deposit will be deducted. If such non performances exceed siñ during in each year of the contract period, the testing laboratory will be removed from the empanelment and black listed for the period of 2 (two) years.

☞ If it is revealed that drug testing Laboratory is involved in any form of fraud and collusion with the suppliers of BMSICL, the drug testing laboratory will be black listed for Five (5) years. लेकिन निलेश रामचंद्र देवरे और QC मैनेजर शमशुल रब की जोड़ी इस नियम का पालन नहीं करती है। नीचे दिए गए चार्ट के अनुसार, APPLE FORMULATION PVT. LTD. का B-COMPLEX की 17 बैच की दवा को श्री बालाजी टेस्ट LAB प्राइवेट लिमिटेड ने फेल घोषित कर दिया, जबकि CDL कोलकाता द्वारा दिनांक-20/02/2025 को इस दवा को पास घोषित किया गया। इसी तरह SAM KEM इंदौर का ORS दवा को ITL लैब्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा फेल घोषित किया गया, जबकि BDCL गवर्नमेंट लैब बिहार द्वारा दिनांक-22/07/2025 को इस दवा को पास घोषित कर दिया गया, लेकिन अभी तक मोटी रकम लेकर एमडी बीएमएसआईसीएल निलेश रामचंद्र देवरे द्वारा श्री बालाजी टेस्ट LAB प्राइवेट लिमिटेड और ITL लैब्स प्राइवेट लिमिटेड को BID के नियमों के अनुसार काली सूची में दर्ज नहीं किया गया। बीएमएसआईसीएल के QC मैनेजर और उसकी टीम के साथ टेस्टिंग लैब के कर्मचारियों और मालिकों के मोबाइल डाटा से ही इस कांड का खुलासा हो जाएगा। जबकि आवेदकों द्वारा NABL को पत्र लिखे जाने के बाद NABL ने जांच उपरांत श्री बालाजी टेस्ट लैब PVT. LTD. को NABL ने दिनांक-18/01/2025 तक उसका लाइसेंस सस्पेंड कर दिया है।

☞ **धार्मिक पर्वों पर निविदा की तिथि : सांस्कृतिक असंवेदनशीलता** :- श्री देवरे को हिंदू धर्म और बिहारियों से कितनी नफरत है, इसका प्रमाण बीएमएसआईसीएल के निविदा संख्या-BMSIC/DRUGS/25-12 में देखने को मिलता है, जिसमें निविदा के EMD जमा करने की अंतिम तिथि-20/10/2025 दीपावली के दिन रखी गई और निविदा संख्या-BMSIC/DRUGS/25-10 में दावा-आपत्ति देने की तिथि 16/10/2025 से 22/10/2025 के बीच रखी गई। यह जानते हुए कि दवा कंपनियां दीपावली के कारण लगभग बंद रहती हैं, तो दावा-आपत्ति कम से कम मिलेगा, जिससे कई कंपनियां छंट जाएंगी और दवा की निविदा अधिक दर पर हो सकेगी तथा दवा की कमी के कारण बिहारियों को दवा भी नहीं मिलेगी। जब पूरा उद्योग बंद रहता है, उस समय निविदा खोलना यह दर्शाता है कि उद्देश्य "प्रतिस्पर्धा कम करना" था। यह व्यवहार केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक असंवेदनशीलता और बिहारी अस्मिता के अपमान का प्रतीक है। बीएमएसआईसीएल में खुद राज्य क्रय संगठन है। श्री देवरे ने

बिहार की बीमार व्यवस्था :
BMSICL में अरबों की लूट और जनता के स्वास्थ्य पर हमला है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय Vineet Narain v. Union of India (1998) में कहा गया था–"No one is above law; every public servant is accountable to the people, whose trust he holds."

यह मामला उसी सिद्धांत की कसौटी पर खड़ा है। जब शासन जनसेवा भूल जाए, इस घोटाले का सबसे गहरा असर गरीब जनता पर पड़ा है। सरकारी अस्पतालों में दवा की कमी, घटिया दवाओं से रोगियों की स्थिति खराब होना और स्वास्थ्य सेवाओं पर जनता का विश्वास टूटना। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की रिपोर्ट (2023) के अनुसार भारत में 20% दवाएँ सबस्टेंडर्ड या फर्जी हैं और बिहार की स्थिति सबसे चिंताजनक है। जब सार्वजनिक धन और जनजीवन दोनों पर खतरा मंडराए, तो यह मामला सिर्फ प्रशासनिक नहीं, राष्ट्रीय अपराध बन जाता है। नैतिक और राजनीतिक जिम्मेदारी अगर किसी राज्य के अधिकारी यह कहें कि "मैं प्रधानमंत्री के सहयोगी मंत्री का दामाद हूँ, मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता," तो यह लोकतंत्र की जड़ों को हिलाने वाली बात है। ऐसे वक्त में मीडिया, न्यायपालिका और जनता की सजगता ही लोकतंत्र की आखिरी ढ़ाल होती है।

न्यायमूर्ति वाई.वी. चंद्रचूड़
(पूर्व मुख्य न्यायाधीश)

अपनी मनमानी करने के लिए निविदा प्रकाशित की-NIT No.-BMSICL/INFRA/34/2025 प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट का परफॉर्मेंस सपोर्ट ऑफ मेडिकल इक्विपमेंट ऑफ बिहार, जिसमें उन्होंने शर्त संख्या–20.4, 20.5, 20.6 और 20.7 में ऐसी नियम शर्तें रखी हैं कि उनकी मनचाही कंपनी का ही सिलेक्शन इसमें हो पाए और उनकी मनमानी चलती रहे तथा निविदा में ज्यादा से ज्यादा कमीशन देने वाले को निविदा के लिए सिलेक्ट कर सकें और उनको क्रय आदेश दे सकें। यह पूरा मामला संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों का उल्लंघन करता है :- अनुच्छेद 14 (समानता और निष्पक्ष प्रक्रिया का अधिकार), अनुच्छेद 21 (जीवन और गरिमा का अधिकार), अनुच्छेद 38(1) (राज्य का दायित्व सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करना)। साथ ही, यह Prevention of Corruption Act., 1988 की धारा 13(1)(क) के तहत "misuse of official position to obtain pecuniary advantage" का स्पष्ट उदाहरण है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय Vineet Narain v- Union of India (1998) में कहा गया था–"No one is above law; every public servant is accountable to the people, whose trust he holds." यह मामला उसी सिद्धांत की कसौटी पर खड़ा है। इस घोटाले का सबसे गहरा असर गरीब जनता पर पड़ा है :- सरकारी अस्पतालों में दवा की कमी, घटिया दवाओं से रोगियों की स्थिति खराब होना और स्वास्थ्य सेवाओं पर जनता का विश्वास टूटना। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की रिपोर्ट (2023) के अनुसार भारत में 20% दवाएँ सबस्टैंडर्ड या फर्जी हैं, और बिहार की स्थिति सबसे चिंताजनक है। जब सार्वजनिक धन और जनजीवन दोनों पर खतरा मंडराए, तो यह मामला सिर्फ प्रशासनिक नहीं, राष्ट्रीय अपराध बन जाता है।

अगर किसी राज्य के अधिकारी यह कहें कि "मैं प्रधानमंत्री के सहयोगी मंत्री का दामाद हूँ, मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता," तो यह लोकतंत्र की जड़ों को हिलाने वाली बात है। ऐसे वक्त में मीडिया, न्यायपालिका और जनता की सजगता ही लोकतंत्र की आखिरी ढाल होती है। अब समय है कार्रवाई का, न कि औपचारिकता का। यह घोटाला केवल एक व्यक्ति या संस्था का नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की विफलता का प्रतीक है। इसलिए आवश्यक है कि: CBI या स्वतंत्र जांच आयोग गठित हो, MD निलेश देवरे, QC मैनेजर शमशुल रब, और अन्य संबंधित अधिकारियों को तत्काल निलंबित कर अभियोजन चलाया जाए, BMSICL की सभी हालिया निविदाओं की ऑडिट जांच की जाए और राज्य कोष की क्षति की वसूली सुनिश्चित की जाए। ●

उग्रवाद का मुकाबला करने और सांप्रदायिक सद्भाव को मजबूत करने के लिए एक रूपरेखा

● अल्ताफ मीर
(पीएचडी. : जामिया मिलिया इस्लामिया)

भारतीय मुस्लिम और इस्लामी समुदाय आतंकवाद के रूप में दोहरे संकट का सामना कर रहे हैं, विशेष रूप से गैर-मुसलमानों को निशाना बनाकर की जाने वाली हिंसक घटनाएं, और इसके परिणामस्वरूप होने वाले शारीरिक हमले, इस्लामोफोबिया, हाशिए पर डाले जाने और सामाजिक बहिष्कार के रूप में प्रतिक्रिया। अप्रैल 2025 के पहलगाम हमले और हाल ही में लाल किला विस्फोट में चरमपंथी तत्वों ने पर्यटकों को निशाना बनाया, जिसमें एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी कार में विस्फोट किया जिसमें कई नागरिक मारे गए। दोनों घटनाओं ने देश को झकझोर दिया और व्यापक सांप्रदायिक तनाव को जन्म दिया। इन घटनाओं के बाद, मुस्लिम समुदाय, जिसमें उसके शैक्षणिक संस्थान और सामुदायिक केंद्र शामिल हैं, जांच के दायरे में आ गए। प्रवासी मजदूरों पर शारीरिक हमलों की कई घटनाएं राष्ट्रीय सुर्खियां बनीं। गैर-मुसलमानों के खिलाफ हिंसा के ये कृत्य, जिनकी जिम्मेदारी हाशिये के तत्वों ने ली कट्टरपंथी तत्वों की कार्रवाइयों से प्रेरित होकर, इस्लाम को हिंसा से जोड़ने से सह-अस्तित्व, पारस्परिक सम्मान और बहुलवाद की सदियों पुरानी परंपराओं को कमजोर करने का खतरा है, जो भारत और इसकी मुस्लिम आबादी दोनों को परिभाषित करती हैं।

भारतीय मुसलमानों के सामने एक बड़ी चुनौती चरमपंथियों की कार्रवाइयों के कारण उनके धर्म का लगातार गलत चित्रण है। भारत और दुनिया भर के बहुसंख्यक मुसलमान आतंकवाद और हिंसा की कड़ी निंदा करते हैं। फिर भी, सनसनीखेज घटनाएँ और उनसे उत्पन्न पूर्वाग्रह एक ऐसा आख्यान रचते हैं जो पूरे समुदाय को अनुचित रूप से फंसा देता है। इससे न केवल संदेह और अलगाव बढ़ता है, बल्कि भारतीय मुसलमानों पर राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा और शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लगातार साबित करने का नैतिक और सामाजिक बोझ भी पड़ता है। इसलिए, चुनौती दोहरी है: आतंकवाद की बुराई का सामना करना और साथ ही इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली व्यापक रूढ़ियों और पूर्वाग्रहों का मुकाबला करना। इस्लामी समुदाय को एक बहुआयामी रणनीति अपनाकर और वैश्विक समुदाय पर दबाव डालकर, कट्टरपंथ, आतंकवाद और गैर-मुसलमानों के विरुद्ध हिंसा की चुनौतियों का सामना करना होगा ताकि इस्लाम को सभी प्रकार के आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसा से अलग करने वाले प्रस्तावों को अपनाया जा सके। प्रवासी समुदायों, नागरिक समाज और दबाव समूहों को एक सार्वभौमिक विकटवाद चार्टर पारित करने पर जोर देना चाहिए जो आतंकवाद को वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा

मानता हो। दुनिया भर के मुसलमानों, विशेषकर भारतीय मुसलमानों के लिए, सबसे महत्वपूर्ण रणनीतियों में से एक है, बहुलवाद और सर्वधर्म सद्भाव के समृद्ध इतिहास का लाभ उठाना, जो भारतीय इस्लाम की विशेषता रही है। भारतीय मुस्लिम समुदाय ने निरंतर विविधता में एकता की वकालत की है, सूफी परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए, जो संपूर्ण मानवता को समाहित करती हैं और व्यक्तियों को पूर्वाग्रह, दुर्गुण और घृणा से मुक्त करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करती हैं। भारतीय मुसलमानों को अपनी वकालत को एक वैश्विक अभियान में बदलना चाहिए जिसे भारत सरकार से मान्यता और समर्थन प्राप्त हो। इस अभियान में, धार्मिक संस्थाओं, धर्मोपदेशकों और नेताओं, विद्वानों और नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं को शांति, करुणा और पारस्परिक सम्मान पर केंद्रित करुणामय इस्लाम या भारतीय इस्लाम के इस वैश्विक अभियान को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए। इसे सम्मेलनों, अंतर-धार्मिक संवादों, सांस्कृतिक आदान-प्रदानों और सहयोगात्मक सामुदायिक परियोजनाओं के माध्यम से सुदृढ़ किया जा सकता है, जो इस संदेश पर प्रकाश डालते हैं कि भारत में प्रचलित इस्लाम स्वाभाविक रूप से शांतिपूर्ण और समावेशी है।

एक और महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया चरमपंथी विचारधाराओं के विरुद्ध मजबूत बौद्धिक प्रति-आख्यानों का विकास और प्रसार है। इस्लामी विद्वानों और सामुदायिक नेताओं की जिम्मेदारी है कि वे समुदाय के भीतर और बाहर, इस्लाम की उन मूलभूत शिक्षाओं को स्पष्ट करें जो निर्दोषों की हत्या और आतंक फैलाने की स्पष्ट रूप से मनाही करती हैं। शैक्षिक संगोष्ठियाँ, ऑनलाइन अभियान और बहु-भाषा साहित्य आतंकवादी संगठनों के दुष्प्रचार का मुकाबला करने में मदद कर सकते हैं। आख्यानों को पुन: प्राप्त करके और धार्मिक ग्रंथों की उनकी सच्ची भावना में व्याख्या करके, भारतीय मुसलमान हिंसा की वैचारिक नींव को चुनौती दे सकते हैं। जमीनी स्तर पर, कट्टरपंथ के विरुद्ध कड़ी सतर्कता बरती जानी चाहिए। परिवार, स्कूल और स्थानीय मस्जिदें युवाओं की कमजोरियों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं कि चरमपंथी प्रभावों को जड़ें जमाने की कोई गुंजाइश न बचे। समुदाय-आधारित संगठन युवाओं का समर्थन करने और उनकी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों की ओर पुनर्निर्देशित करने के उद्देश्य से परामर्श केंद्र, हेल्पलाइन और मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित कर सकते हैं। मुस्लिम युवाओं को नागरिक सहभागिता, खेल, कला और सामाजिक सेवा पहलों में शामिल करने से उनमें अपनेपन की भावना और चरमपंथी भर्ती के विरुद्ध लचीलापन विकसित हो सकता है। आतंकवाद का सामना करते हुए, इस्लामी समुदाय और भारतीय मुसलमानों को हिंसक घटनाओं के बाद अक्सर बढ़ते इस्लामोफोबिया से भी निपटना होगा। भेदभाव, अभद्र भाषा और सामाजिक बहिष्कार अलगाव की भावनाओं को बढ़ा सकते

हैं और आगे चलकर कट्टरपंथ के लिए उपजाऊ जमीन तैयार कर सकते हैं। यह जरूरी है कि मुसलमान अन्य समुदायों के साथ संवाद करें, राष्ट्रीय बहसों में भाग लें और समान नागरिक के रूप में अपने अधिकारों का दावा करें। अन्य हाशिए के समूहों और समाज के प्रगतिशील वर्गों के साथ गठबंधन बनाने से सभी प्रकार की नफरत और हिंसा के खिलाफ एक व्यापक मोर्चा बनाने में मदद मिल सकती है। समुदाय को आत्मनिरीक्षण और सुधार से पीछे नहीं हटना चाहिए। जहाँ समुदाय के भीतर ऐसे वास्तविक मुद्दे हैं जो असहिष्णुता या अलगाववाद को बढ़ावा देते हैं, उन्हें ईमानदारी और साहस के साथ संबोधित किया जाना चाहिए। धार्मिक संस्थानों को सुधार के लिए खुला होना चाहिए, खासकर धार्मिक शिक्षा जैसे क्षेत्रों में, ताकि आलोचनात्मक सोच, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्यों को प्रमुखता मिले। सुधार को अपनाना अपराध स्वीकार करना नहीं, बल्कि आस्था के स्थायी मूल्यों में मजबूती और विश्वास का प्रतीक है।

आतंकवाद और गैर-मुसलमानों के विरुद्ध हिंसा की चुनौती, यद्यपि गंभीर है, एक राष्ट्रीय और वैश्विक चिंता का विषय है जिसमें सभी की भागीदारी आवश्यक है, चाहे वे किसी भी धर्म के हों। एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा के उत्तराधिकारी होने के नाते, मुसलमानों के पास अतिवाद का मुकाबला करने और शांति को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाने की एक विशेष जिम्मेदारी और एक अनूठा अवसर है। अपने इतिहास का लाभ उठाकर, समाज के साथ जुड़कर, और वैश्विक बहुलवादी आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करके, इस्लामी समुदाय न केवल वर्तमान चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर सकता है, बल्कि सभी के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण भविष्य के निर्माण में भी योगदान दे सकता है।●

बगैर सिद्धांत के राजनीति मुर्दे के समान

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

राजनीति बगैर सिद्धांत के मुर्दा के समान है। राजनीति में सभी दलों को राम मनोहर लोहिया तथा कुरान पुस्तक को अवश्य पढ़ना चाहिए। भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ,राम मनोहर लोहिया तथा कुरान को अवश्य पढ़ाना चाहिए अन्यथा राहुल गांधी जैसा बनकर विपक्ष को गाली देते रहना जैसा बन जाएगें। राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि पंडित दीनदयाल जैसे मुझे दो संगठनकर्ता मिल जाए जाए तो देश की सूरत बदल दुगां।अटल बिहारी वाजपेई जी ने इंदिरा गांधी को देश की दुर्गा की उपाधि दिया था। कुरान महत्वपूर्ण पुस्तक है। ऐसे तो सभी राजनीतिक दलों को पढ़ना चाहिए तथा सभी विद्यालय में अनिवार्य करना देना चाहिए। कुरान काफी ज्ञान वर्धक है। अभी बिहार में बीजेपी ने प्रचंड जीत हासिल किया है।10 हजारी प्रोजेक्ट ने कमाल कर दिया । भाजपा के आसमानी नेता भी जीत गये। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि बिहार के भविष्य को संवारने के लिए सभी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय, आदित्यनाथ योगी, प्रशांत किशोर बनना होगा। बताया जाता है समाज को विकास और न्याय दिलाने वाला 53 प्रतिशत अपराधी है। मतलब अपराधियों का बहुमत ,जिससे न्याय की आशा नहीं कि जा सकती है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि भ्रष्टाचार देश को खोखला कर रहा है, सबों को आगे आना होगा। आज समुचे बिहार अपराध का नगरी और भ्रष्टाचार के साम्राज्य है कही भी इस संदर्भ में धरना प्रदर्शन कर विरोध नहीं किया जा रहा है बल्कि बिहार में है जीरो टॉलरेंस का झूठे नारा परोसा जा रहा है। मोदी जी द्वारा जनहित में लगभग तीन सौ से ज्यादा योजनाएं चलाई जा रहा है। अधिकांश योजनाए सरकारी फाईलों की शोभा बढ़ा रही है।●

खेतों में नयी क्रांति की उम्मीदें, हवा से खुद बनाएगी गेंहू-धान की किस्में

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा नेत्री शोभा पटेल ने कहा कि अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ केलिफोर्निया डेविस के वैज्ञानिकों ने खेती की दुनिया में एक नया चमत्कार कर दिखाया है यहां शोधकर्ताओं ने गेहूं की ऐसी किस्म तैयार की है जो हवा से नाइट्रोजन लेकर खुद ही अपना जैविक खाद्य बना लेती है। इसका मतलब है की खेती में रासायनिक खाद की जरूरत घटेगा, लागत कम होगी और पैदावार बढ़ेगी। साथ ही मिट्टी की सेहत सुधरगी और पर्यावरण प्रदूषण भी घटेगा इस रिसर्च को प्लांट साइंस डिपार्टमेंट के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर एंडु आर्दो नेतृत्व दे रहे हैं। उन्होंने एडिटिंग टूल की सहायता से पौधों में प्राकृतिक रसायनों का उत्पादन कई गुना बढ़ाया। इसलिए पौधे मिट्टी के लाभकारी बैक्टीरिया को उत्तेजित करते हैं और बिना बाहरी खाद के वायुमंडलीय नाइट्रोजन प्राप्त कर लेते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह तकनीक भविष्य के कृषि संकट का बड़ा समाधान साबित होगा। अमेरिका की इस उपलब्धि से भारत में भी नई उम्मीदें जगी है। वजह साफ है कि भारत में नाइट्रोजन पर सबसे ज्यादा खर्च होता है बार-बार रासायनिक खाद डालने से मिट्टी की जमीन कड़ी होती है और उत्पादन पर असर पड़ता है यही कारण है कि सरकार प्रकृति को आधुनिक खेती को बढ़ावा दे रही है। भारत 2030 तक उगा

सकेगा स्वयं खाद बनाने वाला गेहूं । भारत के कृषि विशेषज्ञों के अनुसार भारत 2030 तक ऐसी फैसले तैयार कर लेगी। भारत में जीन एडिटिंग तकनीक से धान की दो नई किस्म पहले ही लॉन्च हो चुकी है।●

राहुल गांधी को झूठ बोलने में महारत हासिल!

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने राहुल गाँधी के बारे में कहा है कि राहुल गाँधी झूठ बोलने के आरोप में कई मुकदमे झेल रहे हैं तथा जमानत पर है। तथा झूठ बोलने के आरोप में सुप्रीम कोर्ट तक फटकार लगा चुकी है। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने राहुल गाँधी को सुझाव दिया है कि राहुल जी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बता दें कि हमसे झुठ नहीं रुकेगा। श्रोता लोग मेरे बातों ध्यान नही देखा। भाजपाईयों से अनुरोध है कि राहुल को राहुल के भाषा में ही जबाब दे कि जहां भी जाए वहां उपस्थित नागरिकों को यह बता दे कि मैं झूठ बोलता हूं। मेरे बातों पर विश्वास न करना। इतना जानकारी देने के बाद झूठ बोलने की कतार सजाते रहे।

नवंबर 2016 में महाराष्ट्र की भिवंडी

अदालत में एक मामला में राहुल गांधी को जमानत दे दी थी। राहुल गांधी ने कहा था कि आरएसएस ने महात्मा गांधी को हत्या कर दी थी। कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि उन्हें मुकदमा का सामना करना पड़ेगा और अदालत में अपनी बात को साबित करनी होगी। गुवाहाटी अदालत में एक मानहानि मामले में राहुल गांधी का 2016 में 50 के मुचलके पर जमानत दी गई थी। 2 जुलाई 2019 को राहुल गांधी को अहमदाबाद की एक अदालत में मानहानि के मामले में जमानत दी थी। राहुल गांधी नेशनल हेराल्ड मामले में भी जमानत पर है। अप्रैल 2019 में राहुल गांधी को मोदी सरनेम टिप्पणी पर मानहानी के मुकदमा में दो साल का सुनाई गई है, राहुल गाँधी सातवां मुकदमा के जमानत। एक नया सिगुफा छोड़ दिया है कि ट्रम्प के सामने मोदी सलेंडर कर गए। लगता है कि राहुल गाँधी कांग्रेस को विदाई समारोह करके ही दम लेगें। डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने राहुल गाँधी से सवाल किया है कि जातिय गणना चाहते हैं तो आप अपना कौन जाती लिखाएंगे।●

दस हजार का उपहार, कर दिया कमाल : शोभा पटेल

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

बिहार विधानसभा चुनाव का यह नतीजा अब अप्रत्याशित है। शायद ही किसी ने आकलन किया होगा कि भाजपा और जदयू का गठ जोड़ इतनी बड़ी जीत हासिल करेगा। एनडीए को दो तिहाई से अधिक सीटे 80 फीसदी से ज्यादा मिली है जबकि महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस गठबंधन में राजद ही नहीं कांग्रेस, वी आई पी, बाम, जैसे तमाम दलों ने निराश किया है। जीविका के खाते में 10000 हजार रुपये ने रिकॉर्ड वोटिंग कराई, जिसने एनडीए की राह आसान की। इसके अलावा 125 यूनिट फ्री बिजली लोगों को सीधे आकर्षित किया और यही एनडीए की बड़ी जीत की वजह बनी। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का असर: चुनाव के ठीक पहले जीविका के खाते में गए 10-10 हजार रुपए का चमत्कारी असर यह रिकॉर्ड वोटिंग की वजह बड़ी वजह बनी। पांच साल में एक करोड़ की नौकरी व रोजगार का असर लोगों को इस पर ज्यादा भरोसा इसलिए की सरकार ने इस लाइन पर काम करें दिखाया भी। 10 लाख को नौकरी और 40 लाख रोजगार दिया गया। 125 मिनट बिजली फ्री असर। बहुत बड़ी आबादी को सीधे फायदे देने वाला काम बड़ी आवादी फ्री बिजली की मांग पर कर रही थी। सरकार ने इसे पूरा कर दिया। सरकारी नौकरियों में

महिला आरक्षण। आधी आबादी के लिए बहुत सारे काम किया जिसका व्यापक असर हुआ आदि।●

योगी का दिखावा नहीं, वैसा काम भी करना होगा

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री सम्राट चौधरी ने अपराधियों को खैर नहीं की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि बिहार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्हें बिहार छोड़ना ही होगा। बिहार में उनकी खैर नहीं है। उनहोंने भाजपा दफ्तर में पत्रकारों से बात करते समय कहा। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने सम्राट चौधरी से कहा कि अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को चेतावनी देने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। इसके लिए कठोर कदम उठाना पड़ेगा कदम उठाने के पहले आदित्यनाथ योगी बनना होगा। बुलडोजर चलाने का हौसला आदित्यनाथ योगी में है।

अपराध में लाने के लिए निम्न कदम उठाना पड़ेगा। आप आदेश जारी करें कि निर्दोष एक भी व्यक्ति जेल नही जाए। जेल भेजने के पहले 100 बारे सोंचे। निर्दोष को जेल भेजने वाले पुलिस अधिकारियों को जेल भेजने का आदेश जारी करें। अपराध इस्तेमाल होने वाला हथियार बरामद करना अनिवार्य करें तथा बरामद हथियार के निर्माण स्थल का उद्‌भेदन अनिवार्य करना होगा। अपराध इस्तेमाल होने वाला कारतूस उपलब्ध करने वाले का उद्घभेदन करना होगा। यही असली बुलडोजर है। इस कदम से 90 प्रतिशत अपराध में कमी आ जाएगी।●

फतुहा के मसाढ़ी गावों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

आज आदमी का शरीर बना एटीएम मशीन

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य है कि वगैर दवा के सवस्थ कैसे रहें। आज नए- नए जान लेवा बीमारियों की उत्पत्ति हो रही है। यह बीमारी आकाश या पाताल से नहीं आती है। G19 टीवी मानवाधिकार क्रांति के पहल पर होम्योपैथिक चिकित्सा अस्पताल, फतुहा द्वारा ग्राम मसाढ़ी गाँव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य है वगैर दवा के निरोग कैसे रहें। उनहोंने कहा कि जानबूझकर रोग पैदा कि जाती है। आज सबसे ज्यादा कैंसर, ब्लड प्रेशर, किडनी साईनस आदि बीमारी सक्रांमक के रूप में बढ़ती जा रही है। जर्सी गाय का दूध से लगभग 48 बीमारी होती है। कैंसर तक हो सकती है। बताया जाता है कि इस दुध के किडनी भी खराब हो सकती है जबकि देशी गाय के दूध से खराब किडनी भी ठीक हो सकती है। आज से चालिस साल पहले जब तक बोड़ा वाले नमक इस्तेमाल करते थे उस समय तक अधिकांश लोग ब्लडप्रेशर के नाम तक नहीं जानते थे। आज अधिकांश लोग इस बीमारी से पीड़ित है। रिफाइन तेल, रिफाइन आटा सेहत के लिए भारी नुकसान देह है। चीनी स्वास्थ्य के लिए जहर है जबकि गुंड अमृत है। फ्रीज का पानी, पलास्टिक के बोतल का पानी, अल्यूमिनियम के बर्तन सेहत के लिए खतरनाक है। बावजूद खुलेआम इस्तेमाल किया जा रहा है। इस शिविर में मुफ्त कैंसर प्रतिरोधक दवा का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया और स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर काफी उत्साह देखा गया। इस स्वास्थ्य शिविर की अध्यक्षता पंचायत के पूर्व मुखिया बिंदा सिंह एवं संचालन वरिष्ठ पत्रकार अमरेश कुमार सिंह ने किया। किसान नेता और समाजसेवी अरविंद सिंह ने होम्योपैथी अस्पताल फतुहा के इस कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे काम अनवरत होता रहे उनहोंने मार्गदर्शन करते हुए आभार व्यक्त किया। विदित हो कि इस दौरान होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने लोगों को स्वास्थ्य सुधार, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और शुरुआती जांच की महत्ता के बारे में विस्तार से जागरूक किया। डॉ. पटेल ने बताया कि समय पर सावधानी, संतुलित आहार और नियमित जांच गंभीर बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। आगे कहा की देसी गुड़ सुबह या शाम एक टुकड़ा सेवन करने से शरीर में रक्त की वृद्धि होती है एवं सर्दी के मौसम में ठंड से बचाव भी होता है। रिफाइंड ऑयल, शक्कर, टूथपेस्ट, तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में भी जानकारी दी। पत्रकार अमरेश कुमार सिंह ने बताया कि जानकारी ही समाधान है। यदि पहले से बीमारी के कारणों का पता हो, तब उसका परहेज कर स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। बीमारियों से लड़ने की क्षमता प्राकृतिक रूप से हमारे शरीर के अंदर ही मौजूद है। इसलिए छोटी-मोटी बीमारियों का उपचार स्वयं करें। अति आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकों की सलाह लें। इस अवसर पर पूर्व मुखिया बिंदा सिंह ने चिकित्सा टीम के कार्यो की सराहना की और कहा कि होम्योपैथिक अस्पताल द्वारा किया गया यह प्रयास समाज के लिए महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी है। उन्होंने चिकित्सा टीम का स्वागत कर उन्हें बधाई भी दी। सामाजिक सरोकार और स्वास्थ्य जागरूकता के इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिला और सभी ने ऐसी पहलों को आगे भी जारी रखने की अपील की। इस अवसर पर श्री दिनेश सिंह, मनोज सिंह डीलर, धनु सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।●

वृद्धों के लिए होमियोपैथी में है कारगर दवा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

होम्योपैथिक अस्पताल स्टेशन रोड फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता मनीषा कुमारी,संचालन मोनिका पटेल मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्साक डॉ लक्ष्मी लक्ष्मीनारायण सिंह पटेल। स्वागताध्यक्ष अनील कुमार शर्मा मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि वृद्धावस्था आने से पूर्व वृद्धावस्था आ जाना, पाचन शक्ति की अक्षमता आदि आने पर होमियोपैथी दवा लाइकोपोडियम 30 एक बूंद तीन बार रोज। (2) मानसिक और शारीरिक असामंजस्य, नियत्रंण का अभाव, कम्पन आदि होने पर दवा का नाम अर्जेनटम नाइट्रिकम 30 एक बूंद तीन बार रोज। (3) चलना कष्टदायक,कंपकंपी, चलते-फिरते समय एकाएक शक्ति का लोप, पैरों में दर्द भरा कड़ापन इस प्रकार की दशा बुढ़ापे में पाई जाती है। निर्बलता उत्साह हीनता आदि । दवा का नाम कोनियम मैक 30 एक बूंद तीन बार रोज। (4) मन व शरीर से दुर्बल, बौने, बड़े पेट वाले व्यक्ति, जिन्हें सर्दी जुकाम लग जाती है। व्यवस्था में प्रोस्टेट ग्रंथि का बढ़ जाना ,कान में कर कर की आवाज सर्दी जुकाम के साथ ही टॉन्सिल बढ़ जाना आदि होने पर बैराइटा कार्ब 30 एक बूंद तीन बार रोज। (5) ऐसे वृद्ध जो असमय में ही बूढ़े और शिथिल हो जाते है दवा का नाम एल्यूमिना 30 एक बूंद तीन बार रोज। (6) सीमा से अधिक कार्य करना और चिंता ,जीवनी शक्ति की हीनता, दुर्बल थके हुए व्यक्ति को यह दवा मानसिक व शारीरिक कमजोरी को दूर कर उसके नवजीवन का संचार कर देती है। दवा का नाम काली फास 30 एक बूंद तीन बार रोज। (7) तुरंत थक जाना, बहुत दुर्बलता, उठने के लिए हाथों का सहारा रहना पड़ता है आदि । दवा का नाम हाईड्रस्टीक 30 एक बूंद तीन बार रोज। कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से इस्तेमाल करें।●

वृद्धावस्था की दिव्य औषधियां

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

होमियोपैथी अस्पताल स्टेशन रोड फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता डॉ सुनीता सिन्हा ,मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होमियोपैथी चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल, संचालन रवि प्रकाश। मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि कुछ विद्वानों का मानना है कि बुढ़ापा एक रोग है, तथा ला इलाज है, डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि बुढ़ापा कोई बीमारी नहीं है। बुढ़ापा एक पड़ाव है, जिनके पास उपलब्धियां भी है कुछ चुनौतियां भी है। उम्र के अनुसार समस्याएं आती रहती है। वृद्धावस्था के मुख्य समस्याएं तथा होमियोपैथी में दवा भी है।

✯ **वृद्धावस्था के मुख्य समस्याए :-** स्मृतिहीनता एवं अल्जाइमर। वृद्धावस्था में स्मरण शक्ति त्रुटि पूर्ण हो जाए तथा अल्जाइमर रोग का कुछ भी लक्षण यदि दिखाई तथा अकेले में भय लगने लगे तो इन होम्योपैथिक दवा को ले सकते हैं :-

☞ लाइकोपोडियम :- 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना चाहिए।

☞ ब्रेन :- 30 होम्योपैथी में एक नवनिर्मित दवा है। वृद्धावस्था में किसी भी स्थित में एक बूंद तीन बार दी जा सकती है।

☞ गठिया :- बात एवं जोड़ो में दर्द होने पर रस टक्स 30, ब्रायोनिया 30, लिडम पाल 30, तीनों दवा में से एक-एक बूंद तीन बार रोज ले।

☞ बहरापन, गश्त :- ग्रैफाइटस 200, जम्ब्राग्रेसिया 200, दोनों दवा से एक बूंद एक बार रोज। जिंकगो बिलोवा 30, यह वृद्धावस्था की दिव्य औषधि है यह नई दवा है यह बुढ़ापे के दिव्य औषधि है इसके सेवन से असमय में बुढ़ापा नहीं आता, बुढ़ापे में शरीर में जिन-जिन तत्वों की प्राय आवश्यकता होती है उन तत्वों को पूरा करने की इसमें काफी क्षमता है। एक बूंद तीन बार रोज लेना है। थायोसिनेमिनन सीएम महीने में एक बूंद यह वृद्धावस्था को रोकती है। बहरापन को दूर करती है। मोतियाबिंद को दुर करने कि क्षमता है। ब्रेवरस दो गोली रोज वृद्धावस्था में भी युवा दिखाई देगा।

कोई भी दवा डॉ के सलाह से ही इस्तेमाल करें। इस अवसर पर, मनोरम देवी, कला वती, मनीषा कुमारी, शारदा कुमारी, पुजा कुमारी आदि सैकड़ों लोग शामिल हुए।●

बच्चों के हृदय में छेद की है होमियोपैथ दवा : शोभा पटेल

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

होम्योपैथिक अस्पताल स्टेशन रोड पटना में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसका अध्यक्षता डॉक्टर गोपाल ,संचालन पूजा कुमारी तथा मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि आज कल बच्चों के हृदय में छेद की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है। बच्चों को हृदय में ऑपरेशन कर दिल को छेद बंद करना एक गंभीर समस्या देखी जाती है। आपरेशन जीवन के लिए खतरा भी साबित हो सकती है। डॉक्टर लक्ष्मण सिंह पटेल ने कहा की होम्योपैथी में कारगर दवा है परन्तु योग्य चिकित्सक कि आवश्यकता है। लक्षणो के आधार पर दवा से हृदय में छेद बंद की जा सकती। (1) हृदय की धड़कन धीमी या तेज होने पर दवा का नाम डीजिटेलस 30 एक बूंद तीन बार रोज। (2) सीने में दवाव, सांस लेने में परेशानी होने पर कैक्टस 30 एक बूंद तीन बार रोज ले। (3) , बार-बार चेस्ट में इन्फेक्शन, कमजोरी सांस में तेजी रहने पर दवा आर्सेनिक एल्बम 30 एक बूंद तीन बार रोज। हृदय में छेद हो जाने पर टेलुरिनम 30 एक बूंद तीन बार रोज। कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। इस अवसर पर भाजपा नगर के वरिष्ठ उपाधयक्ष अनील कुमार शर्मा, सीमा कुमारी ,पूजा कुमारी, अंकुश कुमार, अनीश कुमार, गजेंद्र सिंह, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, सुशीला कुमारी, राधिका कुमारी ,सीमा कुमारी, सुधा पांडे ,लक्ष्मी देवी ,अनीता देवी, पुष्पा कुमारी, रीतु कुमारी, चंद्र कांता देवी, अरुण कुमार आदि शामिल हुए।●

समाज में पांच समस्याएं गंभीर है, इसे वेतन वाले जनप्रतिनिधि दूर नहीं कर सकते

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

पांच समस्याएं में अपराध, भ्रष्टाचार, जनसंख्या वृद्धि, जन प्रतिनिधियों को फंड, वेतन में असमानता यह पांच समस्या काफी गंभीर है। इसे दूर करना फंड लेने वाले जनप्रतिनिधियों से संभव नहीं है। सरकार जनता को दिगभ्रमित करने के लिए अपराध रोकने का नाटक करेगा। इसी प्रकार भ्रष्टाचार रोकने का नाटक सीमित है। वैज्ञानिकों ने आधुनिक युग में मोबाइल, टीबी, हेलिकॉप्टर, जहाज आदि का आविष्कार किया है जिसे लोग धर्मल से कम इस्तेमाल कर रहे हैं उसी प्रकार झूठ पकड़ने के लिए वैज्ञानिकों ने नार्को टैक्स मशीन का आविष्कार किया है। इस मशीन से साल में एक बार नार्को टेक्स पुलिस अधिकारी, वीडियो सीओ, स्कूल इंस्पेक्टर, आपूर्ति निरीक्षक, सीडीपीओ आदि को एक बार अनिवार्य कर दिया जाए तो, 90% नौकरी छोड़कर भाग जाएगा तथा नौकरी में सिर्फ इमानदार लोग ही बच पाएंगे तथा ईमानदार लोग ही नौकरी भी

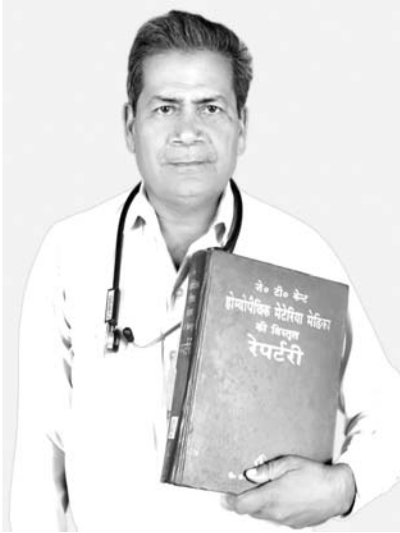

करना चाहेंगे। जनसंख्या सत्ता की सीढ़ी है इसे कानून से रोकना पड़ेगा। जिसे एक घर नहीं है, बच्चों पढ़ाई,खाना पीना, मुश्किल है बच्चों की कतार सजते जा रहा हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए कर्ज लेकर बनवाया जा रहा है। इसे रोकने के लिए जनसंख्या रोकना पड़ेगा। नौकरी के वेतन में असमानता को दूर करना पड़ेगा। बताया जाता है कि आइए, बीए, एम ए आदि करके वेरोजगारी बीस हजार, 25 हजार रुपये महीना पर नौकरी के लिए दर दर भटक रहा है दूसरी ओर एक एक लाख रुपये महीना के बावजूद मकान भता, चिकित्सा भता, बिजली, महगाई भता आदि। वेतन के लिए तय कर देना होगा कि तीस हजार से कम नहीं चालीस हजार से ज्यादा नहीं। नौकरी के समय तय कर देना होगा कि वेतन के अलावे ऐस मौज के लिए कोई फंड नहीं मिलेगा। इससे भारी संख्या में वेरोजगारी दुर होगा। जन प्रतिनिधि का फंड बंद होने से ठेकेदारी प्रथा बंद हो जाएगी। ठेकेदारी और ईमानदारी साथ-साथ नहीं चल सकती है। ठेकेदारी प्रथा से निर्मित पूल,सड़क ,मकान समय से पहले ध्वस्त हो जाता है। कठेकेदारी प्रथा के कारण ऊपर से नीचे तक कमीशन खोरी होती है। इस कमीशनखोरी के ने निर्माण की गुणवत्ता को नष्ट कर देता है।●

नटखट बच्चों का होमियोपैथ में है दवाएं

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

आये दिन बच्चे किसी न किसी तरह के बीमारियों से परेशानियों एवं रोगों का सफर करते रहते हैं, जिसमें बच्चों के अभिभावक गण को ज्यादा परेशानी होती है क्योंकि बच्चे न ठीक ढंग से अपनी परेशानी बताने की योग्य ही होते हैं और न समझदार ही इससे उनके हरकतों परेशानियां को आसानी से समझ पाना मुश्किल है। ऐसे अनसुलझे गतियों को चमत्कार पूर्वक निदान कर देना होम्योपैथिक का एक अलग अंदाज है, जो मूक शिशुओं को हाव भाव के हरकतों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसे यही परेशानी हो सकती है, तभी ऐसा करता है या ऐसा होने से यही रोग हो सकता है इसके आधार पर होम्योपैथिक दवा का चुनाव करना पड़ता है। यहां प्रस्तुत है कुछ चुनी हुई होमियोपैथी दवा के विशेष लक्षण एवं निदान।

(1) बच्चा जल्दी-जल्दी लंबा होता जाता है ऐसी स्थिति में दवा का नाम एसिड फास 30 एक एक बूंद तीन बार रोज।

(2) बच्चों की खांसी एवं जमहाई आना, बच्चों को क्रोध होने से खांसी अत्यंत बद मिजाज, बच्चा जो नाड़ी तक देखने नहीं देता, बच्चों की खांसी में गला घड़-घड़ करें ऐसी स्थिति में दवा का नाम एंटीम टार्ट 30 एक एक बूंद तीन बार रोज

(3) बच्चों को दूध नहीं पचता, बच्चा को दूध पीने के बाद दूध फटकर बड़े-बड़े टुकड़े हो जाते हैं तथा वमन होता जाता है, खाने से पहले बच्चा रोता है, दवा का नाम अर्निका माउंटेना 30 एक बूंद तीन बार रोज।

(4) बच्चों को पैखाना थोड़ी देर बाद हरा होता है, बच्चों को चीनी खाने के बाद दस्त होता है।

(5) नवजात शिशु को आंख का रोग, बच्चों को दूध नहीं पचता है दवा का नाम इथुजा 30 एक बूंद तीन बार रोज।

(6) बच्चा किसी अपरिचित द्वारा स्पश करते ही रोना शुरू कर देता है। नए आदमी को देखते ही रोने लगता है ऐसी स्थिति में दवा का नाम एंटीम क्रुड 30 एक बूंद तीन बार रोज।

(7) बच्चों को मीटी, कोयला आदि खाने की आदत होने पर एलुमिना 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है।

कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें।●

आखिर क्यों हुई रेखा देवी की हार?

अरूण मांझी एक बार फिर से मसौढ़ी के विधायक बने

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

मसौढ़ी विधानसभा क्षेत्र से लगातार दो बार जीती विधायिका रेखा देवी 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए के प्रत्याशी अरुण मांझी से 7643 वोटों से हार गयीं। राजद के गढ़ में एनडीए का परचम लहराने वाले अरुण मांझी दूसरी बार विधायक बने। जब वह धनरूआ पहुंचे, वहाँ पर उनके समर्थकों में काफी उत्साह दिखा। महिला समर्थकों ने माथे पर चंदन लगाया, आरती उतारी, उसके बाद शंख बजाकर न्याय के साथ विकास का शंखनाद किया। वास्तव में मसौढ़ी विधानसभा राष्ट्रीय जनता दल का गढ़ माना जाता है और इस राजद के बाढ़ का किला ध्वस्त करने वाले एनडीए के प्रत्याशी अरुण मांझी 7643 वोटों से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी महागठबंधन के राजद प्रत्याशी रेखा देवी को पराजित किए। मसौढ़ी विधानसभा में सबसे ज्यादा वोट यादव जाति की है, ऐसे में माय समीकरण के लिहाज से कोई दूसरा प्रत्याशी को जीतना यहाँ से मुश्किल हो जाता है। इस विधानसभा चुनाव 2025 में यादव जाति भी दो खेमे में बंट गए थे। रेखा देवी के बदले दूसरे प्रत्याशी को मसौढ़ी विधानसभा क्षेत्र से राजद सुप्रीमो लालू यादव से मिलने भी पटना गए थे, जिसमें राजद कार्यकर्ताओं द्वारा दूसरे उम्मीदवार को टिकट देने का आग्रह किया गया था। लेकिन लालू यादव ने रेखा देवी को ही 2025 में टिकट दिया, जिससे कार्यकर्ताओं में काफी नाराजगी थी। इसी कारण से राजद उम्मीदवार रेखा देवी यहाँ से जीत हासिल नहीं कर पायी। राजद के कार्यकर्ताओ की नाराजगी का खामियाजा इस विधानसभा क्षेत्र में राजद को भुगतना पड़ा। लेकिन इस बार के चुनाव में न्याय के साथ विकास, सुशासन, महिला सशक्तिकरण जाति समीकरण पर भारी पड़ा। जीविका दीदी के खाते में 10 हजार रुपये भी मतदान प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाया है। महिलाओं ने इस बार बढ़ चढ़कर चुनाव में भाग ली एवं लोकतंत्र के महापर्व में ऐतिहासिक पहल की। अरुण मांझी ने जनता को विश्वास दिलाते हुए कहा कि वह जो चुनाव में वादे किए थे, उसे वह पूरा करेंगे। वर्ष 2010 में भी वे विधायक बनकर आये थे। उन्होंने कहा कि वे सुशासन और के साथ आगे भी काम करेंगे, यही उनका लक्ष्य है। वे बोले कि वह विधायक बनकर यहाँ राज करने नहीं, बेटा और भाई बनकर काम करने आए हैं। आभार यात्रा धनरूआ बाजार जेडीयू कार्यालय से धनरुआ बाजार, साई बाजार, मोरियावा पथ होते हुए कादिरगंज बाजार, पंडितगंज बाजार, नीमडा पाली, बहरामपुर महादेव स्थान पभेड़ी, पभेड़ी बाजार, सोनभई बाजार, तेतरी बाजार, कोसूत बाजार, नंदवा आदि स्थानों पर भ्रमण किया गया। इस मौके पर जदयू जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, धनरुआ जदयू प्रखंड अध्यक्ष वेद प्रकाश, मुखिया रानी कुमारी, शिक्षक पंकज कुमार सिंह, लखन सिंह चंदेल, नेत्री खुशबू रानी, अश्विनी उर्फ गोल्डी, जदयू नेता पप्पू सिंह, अशोक राजक समेत हजारों की संख्या में मसौढ़ीवासी शामिल रहे।●

जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए बनाने होंगे कड़े कानून

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भारत में तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरत को पहुंचने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नये रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। लेकिन बढ़ती आबादी के कारण यह सभी कार्यक्रम ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हो रही है। बढती जनसंख्या के कारण ही देश में बढ़ती आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है वास्तविकता यही है कि विगत दशकों से देश की जनसंख्या जिस गति से बढी उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन कि व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी। आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने का विवस है। देश में करीब 40% आबादी आजादी के बाद से ही गरीबों के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजर रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोंच है सत्ता में भागीदारी ज्यादा हो इसके लिए जनसंख्या बढ़ाने की होड़ मची है।

चीन में 1980 से पहले एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी उसका उल्लंघन करने पर दंपती को सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था,सजा भी दी जाती थी। लेकिन चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों के अनुमति दी। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि आजादी के समय भारत की आजादी क समय सिर्फ 36 करोड़ थी और आज चीन से भी ज्यादा एक अरब 42 करोड़ हो गई है। आज बढती आवादी के कारण अनाज उपजाऊ जमीन में सड़क की जाल बिछा दी गई। खेतों आलीशान महल, स्कूल,कालेज, सरकारी भवन आदि निर्माण की जा रही है। सबसे बड़ी चितंन का विषय है कि विकास के नाम सभी जमीन विकास मे ही समाप्त हो जाएगा तो अनाज उपजाने के जमीन कहा से आएगा। ऐसे स्थिति में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कठोर कदम उठाना पड़ेगा।●

बुलडोजर एक त्वरित कार्रवाई का प्रतीक

● सुनील कुमार मिश्र

बुलडोजर की गूंज एक बार फिर सुनाई देने लगी है। यूपी में खासी लोकप्रियता हासिल करने के बाद अब बिहार और गोवा में इसकी दहाड़ सुनाई दे रही है। बिहार चुनाव में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रचार के दौरान आई लव यू बुलडोजर बाबा के गायन ने धूम मचा दी थी। बिहार चुनाव जीतने के बाद नीतीश सरकार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने अपराधियों और भू माफिया के खिलाफ यूपी की तर्ज पर बुलडोजर कार्यवाही की चेतावनी दे खली और कई स्थानों पर बुलडोजर का करिश्मा भी देखने को मिलने लगा है। बिहार में जब से नई सरकार का गठन हुआ है, तब से प्रशासन अपने कड़े रूप में नजर आ रहा है। बिहार के तमाम जिलों में अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर अभियान जारी है। यहीं बुलडोजर बिहार के बाद गोवा पहुँच गया है जहां नाइट क्लब में लगी भीषण आग के बाद सरकार ने वागाटोर इलाके में स्थित रोमियो लेन नाइट क्लब के एक हिस्से को बुलडोजर से ढहा दिया। नाइट क्लब में 7 दिसंबर को आग लग गई थी जिसमें 25 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी जबकि कई लोग बुरी तरह से झुलस भी गए थे। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, रोमिया लेन बीच नाइट क्लब का निर्माण सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से किया गया है। इसीलिए इसका ध्वस्तीकरण किया जा रहा है।

बुलडोजर की चर्चा इस समय देश के घर घर में हो रही है। चौक चौराहों पर लोगों की जुबान पर बुलडोजर चढ़ा हुआ है। बुलडोजर कार्रवाई सही है या फिर गलत। इस पर कानून के जानकारों का कहना है बुलडोजर संबंधी कार्रवाई अवैध संपत्तियों पर ही होती है। मूल रूप से इसके दो कारण सामने आते हैं। पहला यह कि संपत्ति सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाई गई हो। दूसरा यह कि कोई अपराधी फरार हो या सरेंडर ना कर रहा हो, तब उसकी संपत्ति पर कुकी का आदेश दिया जाता है। बहरहाल बुलडोजर यदि नियमानुसार अपनी कार्यवाही को अंजाम देता है तो अपराधी तत्व अपराध करने से पूर्व हजार बार सोचेगा। यह भी कहा गया कि बुलडोजर केवल एक ही वर्ग के लोगों के घरों पर चलाया गया। सरकार ने इसका खंडन करते हुए कहा बुलडोजर विना जात पांत और धर्म देखे उन सभी लोगों की सम्पतियों पर चलाया गया जिन्होंने अवैध ढंग से सम्पति खड़ी की। बुल्डोजर कानून के अंतर्गत चलता है। यूपी सहित कई प्रदेशों में आए दिन दुष्कर्म की कार्यवाही से लेकर अवैध निर्माणों को ढहाने में बुल्डोजर पहुंचता है। यूपी में बुलडोजर से संपत्ति ढहाने की कार्रवाई 'उत्तर प्रदेश अर्बन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट 1973' के तहत होती है। इसके तहत ही प्रशासन को अवैध संपत्तियों को ढहाने का अधिकार मिला हुआ है। संपत्ति गिराने की कार्रवाई तब ही होती है, जब ये सुनिश्चित कर लिया जाता है कि निर्माण अवैध है। लिए।दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि बिना तय प्रक्रिया के किसी का घर तोड़ देना असंवैधानिक है। बुलडोजर कहीं चलाया जाता है तो तय मानकों का पालन किया जाये। बुलडोजर दरअसल एक खास तरह की मल्टी पर्पज मशीन है, जो इन दिनों खूब चर्चा में है। बुलडोज का मतलब जबरस्ती करना होता है। इस तरह से बुलडोजिंग का मतलब रास्ते में आने वाली किसी भी बाधा को ताकत के जरिए पार करने से है। बुलडोजर मुख्यरूप से कंस्ट्रक्शन साइट्स पर ही नजर आता है, लेकिन आजकल अवैध निर्माण, अतिक्रमण, अप्राधियों और माफियाओं के घरों को ध्वस्त करने में इसका बहुतायत से प्रयोग हो रहा है और लोग इसपर अपनी तरह से राय रख रहे हैं हालांकी सरकार की ये कोशिश होनी चाहिए कि सरकार तंत्र ऐसे काम करे कि सारा निर्माण कार्य नियम से हों और बुलडोजर की जरूरत सिर्फ अपराधियों में भय फैलाने के लिए हो।●

बाबा गणिनाथ जी चमत्कारी संत

● **प्रो० रामजीवन साह**

बिहार राज्य के जिला वैशाली अनुमंडल महनार अंतर्गत धर्मपुर राज ,पलवैया गाँव में मद्धेशिया कानू परिवार का मान साह नाम का एक व्यक्ति रहता था .उनके साथ सीता सी धर्मपरायण पत्नि पुण्यमती भी रहती थी .दोनों स्नेह और प्रेम के साथ जीवन बिता रहे थे .मान साह को कंशार (भूंजा भूंजना) का रोजगार था .कंशार के लिए वे प्रतिदिन लकड़ियां लाने जंगल जाते थे .कंशार से ही दोनों प्राणी का जीवन चल रहा था , इधर कुछ वर्षों से दोनों प्राणी बहुत चिंतित रहा करते थे ,क्योंकि विवाह के वर्षो बाद भी कोई शंतान की प्राप्ति नहीं हुई थी .एक दिन एक शुभचिंतक ने कहा कि प्रतिदिन गंगा नदी में श्रद्धा और विश्वास के साथ स्नान कीजिए. अवश्य ही आपकी मनोकामनाऐं पूर्ण होगी. कविवर पद्माकर ने गंगा मैया के बारे में लिखे हैं कि 'काहू जेते न तारे तेते तू तारे, जेते तू तारे तेते नभ में न तारे'।

तारे का अर्थ होता है उद्धार करना अर्थात जिन व्यक्ति को किसी ने उद्धार नहीं किया, उसको तू ने उद्धार किया और जितने को उद्धार किया गया है ,उतने आकाश में भी तारे नहीं उनकी विचारों को सुनकर दृढ़ संकल्पित होकर पति-पत्नी दोनों गंगा स्नान करने लगे. गंगा स्नान करना प्रारम्भ करने के डेढ़ साल बाद ही एक आश्चर्यजनक घटना घटी .मान साह प्रतिदिन की भांति आज भी लकड़ियां काटने जंगल जा रहे थे कि सहसा उन्होंने जंगल में देखा कि एक पीपल के वृक्ष के नीचे एक नवजात शिशु रो नहीं रहा था, बल्कि सहज रूप से हंस रहा था. आश्चर्य यह भी था कि उस पीपल के वृक्ष के ऊपर मधुमक्खी का छत्ता था और शहद इस तरह बूंद-बूंद टपक रहा था कि शहद का बूंद उस नवजात शिशु के मुंह में गिर रहा था. मान साह समझ गया कि गंगा मैया मेरी प्रार्थना स्वीकार कर लीं हैं . उसने सहर्ष उस शीशू को अपने सीने से लगाकर अपने झोपड़ी ले आया. अपने झोपड़ी पहुंचते ही जोर से चिल्लाया कि अरे सौभाग्यवती ! देखो आज क्या लाया हूँ.

मान साह के झोपड़ी में जिस दिन नवजात शिशु आया उस दिन विक्रम संवत 1064 भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकादशी था . दोनों प्राणी बड़े प्यार से पालन पोषण करने लगे. उसका नाम गणिनाथ रखा गया. कुछ वर्षो के बाद ही वह बालक चुपचाप घर छोड़कर लापता हो गया. अब वह परिवार फिर से दुखी रहने लगे. कुछ वर्षो के बाद फिर एक आश्चर्यजनक घटना घटी.संयोगवस वह दिन शनिवार था. जंगल में मान साह को एक दिव्य पुरुष से मुलाकात हो गयी. उन्होंने कहा इस धरती पर पहला दर्शन आप से हुआ है. मेरा कोई आश्रम नहीं है. मैं तुम्हारे ही घर जाना चाहता हूं. नहीं चाहते हुए भी उनको अपने घर लाए.घर में

प्रवेश करने के बाद ही अच्छे सगुन आने लगे. एक दिन उस गाँव में धर्म साह जमींदार के पुत्र को सांप काट लिया. फलस्वरुप उसकी मृत्यु हो गयी. बाबा गणिनाथ गंगा नदी के किनारे ही ध्यानमग्न थे. उन्होंने अर्थी को वहीं रखवाए. उन्होंने जंगल

से जड़ीबूटियां लाए और उसका लेप बना कर उसके शरीर में लगाकर गंगा नदी में डुबकी लगवाए .डुबकी लगाते ही बालक उठ खड़ा हुआ. इस घटना के पश्चात सबों ने यह स्वीकार किये कि यह व्यक्ति नहीं, बल्कि देवता हैं. उसके बाद तो उन्होंने अनेक चमत्कार दिखाए। उनकी महिमा के कारण आज भी बड़े ध ूमधाम के साथ भाद्रपद कृष्ण पक्ष के जन्माष्टमी के बाद वाले शनिवार को उनकी जयंती मनाते हैं.

जमुई में संत बाबा गणिनाथजी कब हाजीपुर के एक भक्त इतने उत्साही हो गये हैं कि उन्होंने पर्यावरण शुद्धीकरण के लिए बाबा गणिनाथ सेवा टीम बना लिये हैं. उनका नाम है श्री कुन्दन कुमार गुप्ता. ये इस टीम के संस्थापक हैं .श्रीजंग बहादूर सिंह, विद्या शंकर उपाध्याय, राहुल कुमार ,प्रमोद रावत और सोनू रावत इस टीम के सहयोगी हैं .यह टीम प्रति रविवार को पूर्व निर्धारित मंदिरों के प्रांगण की सफाई करते हैं और उपस्थित लोगों को समझाते है कि मंदिर को साफ सुथरा रखने से ही भगवान प्रसन्न होते हैं .पलास्टिक का प्रयोग हमें कभी नहीं करना चाहिए. ●

शिवानी वर्मा हत्याकांड

बिहार में अपराधी बेलगाम, सरकार कह रही कानून का राज

● मिथिलेश कुमार

उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव से निकली 24 वर्षीय शिवानी वर्मा ने बिहार की सरजमीं पर कदम रखा था सुनहरे भविष्य के सपनों को साकार करने के लिए। बीपीएससी शिक्षिका के रूप में मध्य विद्यालय कन्हैली में दो वर्षों से अपनी मेहनत और समर्पण से बच्चों के दिलों में जगह बना चुकी शिवानी का जीवन एकाएक दर्दनाक मोड़ ले आया। बुधवार सुबह स्कूल जाते समय शिव मंदिर के समीप दो हथियारबंद बदमाशों ने उसकी स्कूटी रोककर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। खून से लथपथ शिवानी को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। यह घटना न केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि बिहार में बाहरी राज्यों से आई महिलाओं की सुरक्षा पर सवालिया निशान लगा रही है। पुलिस की तहकीकात जारी है, लेकिन हत्यारों का सुराग अभी तक नहीं मिला। शिवानी का अधूरा यूपीएससी का सपना और परिवार के चूर-चूर हो चुके आशाएं इस घटना को एक अनसुलझी पहेली बना रही हैं।

शिवानी वर्मा उत्तर प्रदेश के एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती थीं। तीन बहनों और दो भाइयों में सबसे छोटी शिवानी ने हमेशा पढ़ाई को अपनी प्राथमिकता बनाया। दो वर्ष पूर्व, नवंबर 2023 में, वह बीपीएससी शिक्षिका के पद पर चयनित होकर बिहार के अररिया जिले के नरपतगंज प्रखंड पहुंचीं। मध्य विद्यालय कन्हैली में वीएससी टीआर-1 के पद पर तैनात होकर उन्होंने स्कूल के बच्चों और सहकर्मियों के बीच जल्द ही अपनी मासूमियत और मेहनती स्वभाव से जगह बना ली। स्कूल के प्रधानाध्यापक उमेश प्रसाद यादव बताते हैं, 'शिवानी हमेशा समय पर आती-जाती, बच्चों से मां की तरह प्यार करती। वह कभी घर-परिवार की बातें शेयर नहीं करती थी, लेकिन उसकी मुस्कान सबको अपना बना लेती।' स्कूल की अन्य महिला शिक्षिकाओं के अनुसार, छह महीने पूर्व उत्तर प्रदेश में ही शिवानी की सगाई हो चुकी थी। वह परिवार से दूर रहकर भी कभी शिकायत नहीं

करतीं। फारबिसगंज के अस्पताल रोड पर अधिवक्ता मधुकांत मलिक के भाड़े के मकान में रहतीं, जहां उनका छोटा-सा कमरा किताबों, नोट्स और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का केंद्र था। साथ रहने वाली छात्राएं शालू कुमारी और नूरजहां याद करती हैं, 'टीचर होने के बावजूद शिवानी मैम ज्यादातर समय पढ़ाई में तल्लीन रहतीं। सुबह 7-8 घंटे पढ़ाई, 9 बजे स्कूटी पर हेलमेट लगाकर स्कूल के लिए निकलना, शाम को लौटकर फिर किताबों में डूब जानाख़्रयही उनका रूटीन था। खाना खुद बनातीं, बाहर घूमना-फिरना पसंद नहीं। वह बेहद रिजर्व थीं, लेकिन हंसमुख। यूपीएससी क्रैक कर 'बड़ी अधिकारी' बनने का सपना वह चुपचाप जी रही थीं। पांच महीनों में सिर्फ एक बार उनका भाई दो घंटे के लिए आया था।'

☞ **दर्दनाक घटनाः दिनदहाड़े हत्या का साया :-** बुधवार सुबह, जब सूरज की पहली किरणें फैल रही थीं, शिवानी अपनी स्कूटी पर स्कूल के लिए निकलीं। नरपतगंज थाना क्षेत्र के खाबदह कन्हैली के समीप शिव मंदिर पहुंचते ही दो बदमाशों ने उनकी स्कूटी रोकी। बिना किसी चेतावनी के गोली चलाई गई। स्थानीय लोग बताते हैं कि सुबह का वक्त होने से खेतों में काम कर रहे किसानों ने चीखें सुनीं। 'हमने खून से लथपथ शिक्षिका को देखा तो गाड़ी से उठाकर अस्पताल ले गए, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने अंतिम सांस ली,' एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया। घटना की सूचना मिलते ही स्कूल में सन्नाटा पसर गया। प्रधानाध्यापक और अन्य शिक्षक घटनास्थल पहुंचे, लेकिन तब तक बड़ी संख्या में बच्चे स्कूल आ चुके थे। अभिभावकों को खबर लगते ही वे दौड़े-दौड़े आए और अपने बच्चों को लेकर घर

लौट गए। स्कूल की फाइल फोटो में रंगोली बनाती शिवानी की तस्वीर अब सन्नाटे में चुपचाप खड़ी है-एक याद के रूप में।

☞ **अनसुलझी पहेलियां और सुराग :-** पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। एसपी अंजनी कुमार के नेतृत्व में वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। बुधवार देर शाम एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा के नेतृत्व में फारबिसगंज के रेफरल रोड स्थित शिवानी के किराये के कमरे की तलाशी ली गई। वहां बड़ी संख्या में किताबें, नोटबुक और यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के नोट्स मिले। मकान मालिक अधिवक्ता मधुकांत मलिक से विस्तृत पूछताछ की गई। मलिक परिवार सदमे में हैं, उन्होंने बताया कि शिवानी कभी परेशानी नहीं बताती थीं। फिलहाल हत्या का मोटिव स्पष्ट नहीं। स्कूल में कोई विवाद नहीं था, न ही शिवानी ने किसी से दुश्मनी की बात कही। डीएसपी मुकेश कुमार साहा ने कहा, 'हम हर बिंदु पर जांच कर रहे हैं-व्यक्तिगत दुश्मनी, पुरानी रंजिश या कोई अन्य कारण। अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। जल्द खुलासा होगा।' घटनास्थल पर जुटी भीड़ और जांच टीम की तस्वीरें इस दर्द को और गहरा बनाती हैं।

☞ **व्यापक सवाल: बाहरी महिलाओं की सुरक्षा पर खतरा :-** यह पहली घटना नहीं है। बिहार में शिक्षक बहाली के बाद नरपतगंज प्रखंड में ही 300 से अधिक महिला शिक्षिकाएं उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों से आई हैं। रोजगार की तलाश में ये महिलाएं सरकारी नौकरियों में योगदान दे रही हैं, लेकिन सुरक्षा का अभाव उन्हें 'सॉफ्ट टारगेट' बना रहा है। छोटी-मोटी घटनाएं तो सुलझ जाती हैं, लेकिन दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या जैसी वारदात महिलाओं के मन में डर पैदा कर रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रामीण इलाकों में पुलिसिंग और जागरूकता की कमी इस समस्या को बढ़ावा दे रही है। शिवानी की हत्या ने न केवल उसके परिवार के सपनों को कुचल दिया, बल्कि पूरे समुदाय को झकझोर दिया। उत्तर प्रदेश से अररिया पहुंचे परिजन शव प्राप्ति के लिए जुटे हैं। अधूरा रह गया यूपीएससी का ख्वाब, अधर में लटक गई सगाई की खुशियां। शिवानी का छोटा-सा कमरा अब खाली है-किताबें चुपचाप गवाही दे रही हैं उस संघर्ष की, जो मौत ने बीच में ही काट दी।

☞ **शिवानी वर्मा हत्याकांड: जीरो टॉलरेंस की नीति और बिहार के बढ़ते अपराध का कड़वा आईना :-** बिहार के अररिया जिले के नरपतगंज प्रखंड में मध्य विद्यालय कन्हैली की 24 वर्षीय बीपीएससी शिक्षिका शिवानी वर्मा की निर्मम हत्या ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। उत्तर प्रदेश से सपनों संग बिहार आई शिवानी, जो यूपीएससी की तैयारी के साथ-साथ बच्चों को पढ़ा रही थीं, बुधवार सुबह स्कूल जाते वक्त शिव मंदिर के पास दो हथियारबंद बदमाशों के शिकार हो गईं। गोलीबारी में खून से लथपथ शिवानी को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। यह घटना न केवल एक मासूम बेटी-बहन की जिंदगी का दर्दनाक अंत है, बल्कि बिहार में महिलाओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

☞ **शोक और सवाल: एक अधूरी कहानी :-** शिवानी का छोटा-सा संसार, किराए के कमरे में बिखरी किताबें, नोट्स और प्रतियोगी परीक्षाओं का जुनून, अब खालीपन की गवाही दे रहा है। छह महीने पहले सगाई हो चुकी थी, परिवार दूर उत्तर प्रदेश में बेसब्री से इंतजार कर रहा था। लेकिन अपराधियों की गोली ने सब कुछ छीन लिया। स्कूल में सन्नाटा पसर गया, बच्चे डरे हुए, अभिभावक चिंतित। यह हत्या सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि उन सैकड़ों बाहरी महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती है जो रोजगार की तलाश में बिहार आ रही हैं, लेकिन 'सॉफ्ट टारगेट' बनने को मजबूर हैं। पुलिस की तहकीकात जारी है, लेकिन अपराधियों का सुराग अभी तक नहीं मिला। क्या यह व्यक्तिगत रंजिश है या कोई गहरी साजिश? जवाब तो मिलेगा, लेकिन तब तक शिवानी के परिवार का दर्द और गहरा होता जाएगा।

☞ **सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति: वादों का पुलिंदा या वास्तविक कदम? :-** बिहार सरकार ने हाल ही में अपराध पर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को जोर-शोर से दोहराया है। नवंबर 2025 में दसवीं बार शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार में गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट कहा कि राज्य में अपराध

अररिया पुलिस

प्रेस विज्ञप्ति

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय

अररिया

दिनांक-04.12.2025
प्रेस विज्ञप्ति सं०- 446/25

दिनांक 03.12.2025 को प्रातः लगभग 08:30 बजे, कन्हैली मध्य विद्यालय में पदस्थापित शिक्षिका शिवानी वर्मा, उम्र-25 वर्ष, पिता - लक्ष्मीकांत वर्मा, निवासी - पुरे मितई, हैदरगढ़, बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) को विद्यालय जाने के क्रम में कन्हैली शिव मंदिर के निकट दो अज्ञात बाइक सवार अपराधियों द्वारा गोली मार दी गई।घटना के उपरांत उन्हें तत्काल सदर अस्पताल, अररिया उपचार हेतु ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उपचार के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया।। मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई थी । घटनास्थल को संरक्षित करते हुए FSL टीम द्वारा घटनास्थल का गहन निरीक्षण कर वैज्ञानिक साक्ष्य संग्रह किया गया हैं साथ ही DIU टीम द्वारा तकनीकी अनुसंधान एवं साक्ष्य संग्रह करते हुए घटना के प्रत्येक पहलू की बारीकी से जांच की जा रही घटना की संवेदनशीलता एवं गंभीरता को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक, अररिया द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, फॉरबिसगंज के नेतृत्व में विशेष अन्वेषण दल (SIT) का गठन किया है, जो कांड के सभी पहलुओं पर त्वरित एवं निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कर रहा है। इसी क्रम में, मृतका की बहन ने सहकर्मी रंजीत कुमार पर घटना में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए आवेदन समर्पित किया है।उक्त आवेदन के आधार पर नरपतगंज थाना कांड संख्या-437/25, दिनांक-03/12/25, धारा-103(1)/3(5) BNS एवं 27 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है।प्राथमिकी नामजद अभियुक्त रंजीत कुमार को अभिरक्षा में लेकर विस्तृत पूछताछ की जा रही है तथा कांड में संलिप्त अन्य संभावित सहयोगियों की पहचान एवं गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा सतत प्रयास जारी हैं।

"अररिया पुलिस आपकी सेवा एवं सुरक्षा में सदैव तत्पर"

Follow Us

के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' होगा। इसी क्रम में, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने भी विकास के साथ-साथ अपराध और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का वादा किया है। भाजपा के नेतृत्व वाली गृह मंत्रालय ने अपराधियों पर सख्ती का प्लान बनाया है, जिसमें माफिया पर कार्रवाई और संगठित अपराध को छोटे-मोटे अपराधों तक विस्तारित करने का फैसला शामिल है। खगड़िया में मिनी गन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का भंडाफोड़ और पांच गिरफ्तारियां इसी नीति का हिस्सा हैं। ये कदम सराहनीय हैं। सरकार का इरादा साफ लगता है-अपराध को जड़ से उखाड़ फेंकना। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये सिर्फ बयानबाजी हैं या जमीनी हकीकत में बदलाव ला रही हैं?

☞ **बिहार में बढ़ते अपराध: नीति और हकीकत का फासला** :- दुर्भाग्य से, आंकड़े और घटनाएं एक विपरीत तस्वीर पेश करती हैं। दिसंबर 2025 में ही भारत-नेपाल सीमा पर 100 से अधिक लड़कियों के लापता होने की खबर ने राज्य को हिलाकर रख दिया है। विधानसभा चुनावों में 32% उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 86 पर हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोप हैं। विपक्ष 'जंगल राज 2.0' का शोर मचा रहा है, जबकि व्हाइट पेपर में नीतीश सरकार के दो दशकों पर सवाल उठाए गए हैं। पुलिस इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बजट में 27.57 करोड़ की कटौती और नए प्रोजेक्ट्स रुकना चिंता का विषय है। छोटे अपराधों को संगठित मानने का फैसला अच्छा है, लेकिन क्या संसाधनों की कमी इसे बेअसर बना देगी? शिवानी जैसी घटनाएं इस फासले को उजागर करती हैं। ग्रामीण इलाकों में पुलिसिंग की कमी, माफिया का दबदबा और बाहरी महिलाओं पर निशाना। ये सब जीरो टॉलरेंस की नीति को चुनौती दे रहे हैं। नीति सख्त है, लेकिन क्रियान्वयन में देरी या कमजोरी अपराधियों को हौसला दे रही है। बिहार में अपराध बढ़ना विकास के सपनों को कुचल रहा है, खासकर जब राज्य रोजगार और शिक्षा के नाम पर बाहरी प्रतिभाओं को आमंत्रित कर रहा है।

☞ **आगे का रास्ता: शब्दों से आगे बढ़ें** :- शिवानी की हत्या पर शोक ही काफी नहीं। सरकार को जीरो टॉलरेंस को अमल में लाना होगा। तेज जांच, सख्त सजा और महिलाओं की सुरक्षा पर फोकस। नरपतगंज थाने से अपील: हर सुराग पर काम करें, अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाएं। समाज को भी जागना होगा। अपराध के खिलाफ एकजुट होकर। बिहार का भविष्य सुरक्षित हाथों में होना चाहिए, न कि अपराधियों के। शिवानी के सपने अधूरे रह गए, लेकिन उनकी याद हमें लड़ने की ताकत दे।

☞ **घटना के बाद एक की हुई गिरफ्तारी** :- दिनांक 03.12.2025 को प्रातः लगभग 08:30 बजे, कन्हैली मध्य विद्यालय में पदस्थापित शिक्षिका शिवानी वर्मा, उम्र-25 वर्ष, पिता लक्ष्मीकांत वर्मा, निवासी पुरे मितई, हैदरगढ़, बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) को विद्यालय जाने के क्रम में कन्हैली शिव मंदिर के निकट दो अज्ञात बाइक सवार अपराधियों द्वारा गोली मार दी गई। घटना के उपरांत उन्हें तत्काल सदर अस्पताल, अररिया उपचार हेतु ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उपचार के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया।। मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई थी। घटनास्थल को संरक्षित करते हुए FSL टीम द्वारा घटनास्थल का गहन निरीक्षण कर वैज्ञानिक साक्ष्य संग्रह किया गया हैं साथ ही DIU टीम द्वारा तकनीकी अनुसंधान एवं साक्ष्य संग्रह करते हुए घटना के प्रत्येक पहलू की बारीकी से जांच की जा रही घटना की संवेदनशीलता एवं गंभीरता को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक, अररिया द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, फॉरबिसगंज के नेतृत्व में विशेष अन्वेषण दल (SIT) का गठन किया है, जो कांड के सभी पहलुओं पर त्वरित एवं निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कर रहा है। इसी क्रम में, मृतका की बहन ने सहकर्मी रंजीत कुमार पर घटना में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए आवेदन समर्पित किया है। उक्त आवेदन के आधार पर नरपतगंज थाना कांड संख्या-437/25, दिनांक-03/12/25, धारा-103 (1)/3(5) BNS एवं 27 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी नामजद अभियुक्त रंजीत कुमार को अभिरक्षा में लेकर विस्तृत पूछताछ की जा रही है तथा कांड में संलिप्त अन्य संभावित सहयोगियों की पहचान एवं गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा सतत प्रयास जारी हैं।●

राष्ट्रीय राजमार्ग 20 चढ़ रही भ्रष्टाचार की काली चादर

करोड़ो रुपये का घोटाले की आशंका

● मिथिलेश कुमार

नवादा बिहार सरकार ने बिहार में जहाँ सड़को का जाल बिछाने का कार्य कर रही है वहीं राष्ट्रीय उच्च पथ को फोर लें में परिवर्तित करने का कार्य भी कर रही है। पिछले एक दशक से ग्रामीण सड़के एवं शहरी क्षेत्र के सड़को का मरम्मती एवं नए सड़क का निर्माण भी किया गया है। दक्षिण बिहार को झारखण्ड से जोड़ने बाली मुख्य सड़क बख्तियारपुर-रजौली सड़क मार्ग जो राष्ट्रीय उच्च पथ 31के नाम से जाना जाता था।सड़क का चौड़ी करण और फोर लेन बन जाने के बाद यह सड़क राष्ट्रीय उच्च पथ 20में परिवर्तित हो गया है। सड़क की लम्बाई करीब 65किलोमीटर जिसे एलीवेटेट रोड बनाया गया है।

☞ **बख्तियारपुर-रजौली फोरलेन प्रोजेक्ट में अरबों की लूट की आशंका** :- नवादा बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी सड़क परियोजनाओं के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 20 का बख्तियारपुर-रजौली खंड एक उदाहरण बन गया है, जहां निर्माण के नाम पर अरबों रुपये के घोटाले की काली परतें चढ़ रही हैं। लगभग 65 किलोमीटर लंबे इस फोरलेन प्रोजेक्ट को बनाने की कुल अनुमानित लागत 3,800 करोड़ रुपये बताई जा रही है, लेकिन केवल दो वर्षों में ही सड़क पर दरारें, ओवरब्रिजों में फटाव और सर्विस रोड की अधर में लटकी स्थिति ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों को हवा दे दी है। स्थानीय निवासियों और विशेषज्ञों का कहना है कि घटिया सामग्री के इस्तेमाल और अधूरे कार्य के बावजूद प्रोजेक्ट का उद्घाटन कर लिया गया, जिसके परिणामस्वरूप दर्जनों दुर्घटनाओं में 20 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) के अनुसार, यह प्रोजेक्ट पुराने एनएच-31 को एनएच-20 में परिवर्तित कर फोरलेन में विकसित करने का हिस्सा है, जो दक्षिण बिहार को झारखंड से जोड़ता है। डीपीआर में कुल लंबाई 65 किमी बताई गई है, जिसमें एलीवेटेड रोड, दर्जनों ओवरब्रिज, अंडरपास और सर्विस रोड शामिल हैं। परियोजना को तीन पैकेजों में बांटा गया है:- पैकेजखंड (किमी)अनुमानित लागत (करोड़ रुपये)निर्माण मोडस्टेटसपैकेज-147.723 से 54.405300ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन)निर्माणाधीन (फाउंडेशन 2024 में रखा गया)पैकेज-254.405 से 101.6301,987. 52 हाइब्रिड एन्युटीआंशिक पूर्ण, लेकिन मरम्मत जारीपैकेज-3101.630 से 152.5203,700 ईपीसी उद्घाटन नवंबर 2024 में, लेकिन दरारें विकसित कुल लागत 3,800 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है, जिसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड पर टोल संग्रह का प्रावधान है। 2014 में पीपीपी एपेक्स कमिटी (पीपीपीएसी) ने प्रोजेक्ट को मंजूरी दी, जिसमें 847.10 करोड़ रुपये का प्रारंभिक बजट था, जो बाद में बढ़कर 2,310 करोड़ तक पहुंच गया। 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शिलान्यास के समय 47.23 किमी खंड के लिए 1,110.23 करोड़ रुपये की लागत का उल्लेख किया गया था। हालांकि, डीपीआर में गुणवत्ता मानकों पर जोर दिया गया था, लेकिन जमीनी स्तर पर घटिया निर्माण ने इसे खोखला साबित कर दिया।

☞ **25% कार्य बाकी, फिर भी श्रेय लूट प्रोजेक्ट का पैकेज** :-3 नवंबर 2024 में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा उद्घाटित किया गया, जब करीब 25% कार्य अधूरा था। सर्विस रोड का 50% हिस्सा आज भी बाकी है, फिर भी टोल प्लाजा चालू कर दिया गया। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इस प्रोजेक्ट को 'सौगात' बताकर राजनीतिक श्रेय लिया गया, लेकिन अब यह सड़क 'मौत का जाल' बन चुकी है। नवादा जिले के अंतर्गत फोरलेन का निर्माण 2023 में पूरा होने का दावा किया गया, लेकिन सितंबर 2024 में ही ओवरब्रिजों पर दरार की खबरें सामने आई।

☞ **दरारें, दुर्घटनाएं और काली चादरें** :- रजौली से नालंदा सीमा तक सैकड़ों स्थानों पर नई सड़कें टूट चुकी हैं, जिन्हें कोलतार की 'काली चादर' बिछाकर छिपाने की कोशिश की गई। बख्तियारपुर के पास फ्लाईओवर उद्घाटन से पहले ही फट गया, जो बड़ी दुर्घटना का न्योता दे रहा है। नालंदा प्रशासन की लापरवाही से रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण प्रभावित हो रहा है, जिससे ट्रैफिक जाम और हादसे बढ़े हैं। पिछले दो वर्षों में एक लेन बंद कर मरम्मत के कारण दर्जनों दुर्घटनाएं हुई, जिनमें 20 से अधिक मौतें दर्ज हैं। स्थानीय निवासी राजेश्वर राय ने बताया, 'सिर्फ एक फ्लैंक चल रहा है, जिससे 8-10 हादसे हो चुके। कंपनी को पहले ही सूचित किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं।' निर्माण में लगी कंपनी 'गावर कंस्ट्रक्शन' (या संबंधित ठेकेदार) पर घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप है। विशेषज्ञों का मानना है कि साइड स्लोप और कंक्रीट में निम्न गुणवत्ता के कारण क्रैक्स विकसित हो रहे हैं, जो भ्रष्टाचार का स्पष्ट संकेत है। समान प्रोजेक्ट्स में सीएनसी कंपनी पर भी ऐसे आरोप लगे हैं, जहां साइड स्लोप टूटने से हादसे हुए।

☞ **भ्रष्टाचार की कहानी: जांच की घंटी** :- यह प्रोजेक्ट बिहार में सड़क निर्माण के व्यापक घोटालों का प्रतीक बन गया है। सीबीआई ने हाल ही में एनएचएआई अधिकारियों को रिश्वत के मामलों में गिरफ्तार किया, जो इस तरह के प्रोजेक्ट्स से जुड़े हैं। स्थानीय पत्रकारों और सोशल मीडिया पर घोटाले की आशंका जताई जा रही है, जहां 2 साल में ही सड़कें खराब हो गई। 'अरबों खर्च के बाद भी यह सड़क असुरक्षित है। एनएचएआई और ठेकेदारों की मिलीभगत साफ दिख रही।' विपक्षी दल जांच की मांग कर रहे हैं, जबकि सरकार मरम्मत का दावा कर रही है। यदि समय रहते जांच न हुई, तो यह प्रोजेक्ट न केवल यात्रियों की जान लेगा, बल्कि बिहार की विकास योजनाओं पर सवाल खड़े करेगा। एनएचएआई को तत्काल स्वतंत्र जांच करानी चाहिए, ताकि भ्रष्टाचार की 'काली चादर' हट सके।●

रजौली टोल प्लाजा बना 'ओवरचार्जिंग का अड्डा' फास्टैग के बावजूद हो रही खुली लूट

टोल के इस खेल पर एनएचएआई अधिकारियों की चुप्पी पर उठे सवाल

● **मिथिलेश कुमार**

बिहार और झारखंड को जोड़ने वाले सबसे व्यस्त मार्गों में से एक,रजौली स्थित टोल प्लाजा पर टोल ऑपरेटरों की मनमानी और तकनीकी गड़बड़ियों ने यात्रियों का जीना मुहाल कर दिया है। टोल प्लाजा पर ओवरचार्जिंग, बेवजह लंबी कतारें और फास्टैग प्रणाली में डिजिटल धोखे की शिकायतें चरम पर पहुंच गई हैं। दैनिक यात्री और ट्रांसपोर्ट यूनियनें लगातार आरोप लगा रहे हैं कि उनसे निर्धारित टोल शुल्क से अधिक वसूली की जा रही है और कई बार तो फास्टैग के माध्यम से भुगतान होने के बावजूद भी उन्हें दोबारा नकद भुगतान के लिए मजबूर किया जाता है। यह 'डबल चार्जिंग' की समस्या सबसे विकट है, जहां यात्रियों के बैंक खातों से दो बार पैसे कटते हैं, लेकिन टोल ऑपरेटर अपनी गलती मानने को तैयार नहीं होते। जबकी बीते माह 15 नवंबर से फास्ट कार्ड लगे नहीं रहने एवं कार में लगी फास्ट टैग ब्लैक लिस्ट रहने के बाद लोगों को लूट से बचाने के लिए स्कैनर लगाने का निर्देश दिया है। जिससे फिक्स चार्ज में पच्चीस प्रतिशत अधिक राशि देने पड़ते,लेकिन रजौली टोल पर ऐसे स्कैनर सार्वजनिक न कर सुपरवाइजरों एवं डाटा ऑपरेटर के मेल जोल से डबल पैसे लिए जा रहे हैं।

☞ **लंबी कतारों से समय और ईंधन की बर्बादी :-** राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल प्लाजा पर ट्रैफिक जाम समाप्त करने के उद्देश्य से फास्टैग प्रणाली लागू की थी, जिसका दावा था कि एक वाहन 10 सेकंड से भी कम समय में टोल बूथ पार कर जाएगा। हालांकि, रजौली टोल प्लाजा पर हकीकत इस दावे से कोसों दूर है। तकनीकी खराबी, स्कैनर का ठीक से काम न करना और ऑपरेटरों की धीमी कार्यप्रणाली के कारण अक्सर वाहनों की कई बार लंबी कतारें लग जाती हैं। यात्रियों का कहना है कि उन्हें टोल बूथ पार करने में 10 से 15 मिनट तक का समय लग जाता है। गर्मी और ठंड के मौसम में यह इंतजार और भी कष्टदायक हो जाता है, साथ ही अनावश्यक रूप से खड़े रहने के कारण भारी मात्रा में ईंधन की बर्बादी भी हो रही है, जिससे पर्यावरण और यात्री, दोनों को नुकसान हो रहा है।

☞ **रसीद न देना बन गया है सामान्य प्रथा :-** शिकायतों को रोकने के लिए, टोल प्लाजा पर अनियमितता की स्थिति में ऑपरेटर जानबूझकर यात्रियों को वैध रसीद या टोल टिकट देने से इनकार कर देते हैं। टोल रसीद ही वह एकमात्र प्रमाण होती है, जिसके आधार पर यात्री अपने साथ हुई ओवरचार्जिंग या डबल चार्जिंग की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। रसीद न मिलने के कारण यात्रियों के पास अपने आर्थिक नुकसान को प्रमाणित करने का कोई तरीका नहीं बचता, जिससे टोल ऑपरेटरों को अपनी मनमानी जारी रखने का खुला मौका मिल जाता है। स्थानीय निवासी और रजौली के सामाजिक कार्यकर्ता रंजीत सिंह ने बताया कि यह प्रथा अब रजौली टोल प्लाजा पर एक सामान्य नियम बन गई है।

☞ **एनएचएआई और प्रशासन की चुप्पी पर सवाल :-** यात्रियों और स्थानीय ट्रांसपोर्ट यूनियनों ने इस गंभीर मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और जिला प्रशासन की उदासीनता पर गहरे सवाल उठाए हैं। बार-बार शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद, टोल प्लाजा के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे यह अनियमितता लगातार बढ़ती जा रही है। लोगों ने मांग की है कि एनएचएआई पर हो रहे इंट्री जैसा खेल को रोकने एवं अनैतिक कार्य करने वाले लोगों के लिए तत्काल प्रभाव से टोल प्लाजा पर एक उच्च-स्तरीय जांच टीम भेजे, दोषी ऑपरेटरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करे, और सभी पीड़ित यात्रियों के काटे गए अतिरिक्त शुल्क को वापस करने की पारदर्शी प्रक्रिया शुरू करे। अन्यथा,आने वाले दिनों में यात्रियों द्वारा सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी गई है।

☞ **क्या कहते हैं अधिकारी :-** इस संबंध में एनएचएआई के परियोजना निदेशक सुभाष मीणा ने बताया कि टोल पर बिना फास्टैग वाले वाहनों को 25% अधिक टोल क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन पेमेंट करना है। वहीं ओवर लोडिंग वाहनों से अवैध वसूली के मामले में लिखित आवेदन मिलने पर अग्रतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।●

लोक संस्कृति एवं आस्था को समर्पित

लोक संस्कृति एवं आस्था को समर्पित

● मिथिलेश कुमार

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सीतामढ़ी मेला महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ उद्घाटन समारोह का आयोजन मेसकौर प्रखंड स्थित ऐतिहासिक एवं पौराणिक धरोहर सीतामढ़ी क्षेत्र में किया गया। उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर जिला पदाधिकारी श्री रवि प्रकाश, जिला परिषद अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा देवी, अपर समाहर्ता डॉ. अनिल कुमारी तिवारी, अनुमंडल पदाधिकारी रजौली श्री स्वतंत्र कुमार सुमन, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सुश्री प्रतिभा कुमारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। जिला पदाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि मेसकौर प्रखंड स्थित सीतामढ़ी क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष अगहन पूर्णिमा से एक सप्ताह तक पारंपरिक सीतामढ़ी मेला आयोजित होता है। यह पवित्र स्थान रामायण काल से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि माता सीता ने अपने द्वितीय वनवास के दौरान इसी क्षेत्र की गुफा में निवास किया था, जहाँ लव-कुश का जन्म हुआ तथा इसी स्थान पर महर्षि वाल्मीकि की कुटिया स्थित थी। उन्होंने बताया कि सीतामढ़ी गुफा की चिकनी पॉलिश वाली दीवारें प्रसिद्ध बराबर गुफाओं के स्थापत्य से मिलती-जुलती हैं, जो इसके प्राचीन और ऐतिहासिक महत्व को प्रमाणित करती हैं। मेले के दौरान प्राचीन सीता मंदिर में पूजन-अर्चना के साथ काष्ठ, पत्थर एवं मूर्ति कला का विशेष शिल्प बाजार लगता है, जिसमें दूर-दूर से शिल्पकार एवं व्यापारी हिस्सा लेते हैं। मेला स्थानीय कृषकों द्वारा खरीफ फसल की कटाई के उपलक्ष्य में मनाया जाता है और कृषक समृद्धि एवं ग्रामीण परंपरा का महत्वपूर्ण प्रतीक है। जिलाधिकारी ने बताया कि जिला कला संस्कृति कार्यालय द्वारा सीतामढ़ी मेला महोत्सव को राज्य स्तरीय मान्यता दिलाने हेतु विभाग को भेजे गए प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए विभाग ने इसे सांस्कृतिक कैलेंडर वर्ष 2025-26 में शामिल कर लिया है। इससे नवादा की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने कहा कि जैसे सोनपुर का बाबा हरिहरनाथ मेला अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है, उसी प्रकार सीतामढ़ी मेले की ख्याति भी दूर-दूर तक पहुँचे, यह जिला प्रशासन का सतत प्रयास रहेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में यह मेला नवादा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेगा। जिला पदाधिकारी ने उपस्थित सभी आगंतुकों, जनप्रतिनिधियों, मंदिर से जुड़े सदस्यों, स्थानीय व्यापारियों तथा मीडिया प्रतिनिधियों का हृदय से आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सीतामढ़ी मेले को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी के द्वारा माता सीता मंदिर का दर्शन कर प्रार्थना किया। इस अवसर पर माननीय विधायक, रजौली श्री विमल राजवंशी, नगर परिषद अध्यक्षा, हिसुआ श्रीमती पूजा कुमारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, गोपनीय शाखा प्रभारी, स्थापना प्रभारी, प्रभारी जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।●

मुख्य सचिव ने डोभी स्थित 1670 एकड़ के आईएमसी प्रोजेक्ट का किया निरीक्षण

● मो० सईद

बिहार सरकार के मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने डोभी स्थित 1670 एकड़ में फैले इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (IMC) परियोजना स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। उनके साथ पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप कुमार आर. पुडकलकट्टी, उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार, ऊर्जा विभाग के सचिव मनोज कुमार तथा जल संसाधन विभाग के सचिव भी मौजूद रहे। मुख्य सचिव ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में जल्द ही सड़क, बिजली और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि बड़े औद्योगिक निवेशकों को आकर्षित किया जा सके और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ें। उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों, विद्युत आपूर्ति व्यवस्था तथा जलापूर्ति की संभावनाओं का स्थल पर जाकर निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को मॉडल इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी गया श्री शशांक शुभंकर ने विभिन्न स्थानों पर रुक कर नक्से के माध्यम से पूरे औद्योगिक क्षेत्र की विस्तृत जानकारी मुख्य सचिव को दी। मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि इंडस्ट्रियल एरिया की सम्पूर्ण सड़क कनेक्टिविटी का विस्तृत नक्शा तैयार किया जाए, ताकि औद्योगिक पार्क को सीधे जीटी रोड सहित अन्य मार्गों से जोड़ा जा सके। पथ निर्माण विभाग के सचिव ने बताया कि जीटी रोड से इंडस्ट्रियल पार्क तक सड़क निर्माण का एलाइनमेंट तैयार कर लिया गया है और जिन क्षेत्रों में सरकारी भूमि उपलब्ध है, वहां निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

मुख्य सचिव ने कहा कि अमृतसर-दिल्ली-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर के अंतर्गत विकसित हो रहा डोभी का यह आईएमसी प्रोजेक्ट, गया जिले के आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। बड़े और मध्यम स्तर के उद्योगों के लिए यह क्षेत्र उपयुक्त होने के साथ-साथ भविष्य में यहां सड़क, रेल और एयर कनेक्टिविटी भी और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से देश का एक बेहतरीन इंडस्ट्रियल पार्क गया में आकार ले रहा है, जो जिले की तस्वीर बदल देगा। जिला पदाधिकारी ने बताया कि परियोजना के लिए चुने गए 13 मौजों में कुल 1670.22 एकड़ भूमि उपलब्ध है। 370 करोड़ की स्वीकृत राशि में से 200 करोड़ से अधिक का भुगतान भूमि अधिग्रहण मद में किया जा चुका है। उद्योगों को जमीन आवंटन की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि आईएमसी में उद्योगों के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी और आने वाले समय में यह क्षेत्र एक आधुनिक इंडस्ट्रियल टाउनशिप के रूप में विकसित होगा। कार्यक्रम में आयुक्त मगध प्रमंडल, आईजी मगध प्रक्षेत्र, वरीय पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, जिला वन पदाधिकारी, अपर समाहर्ता (राजस्व एवं विधि-व्यवस्था) सहित जिला और अनुमंडल स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।●

महिला से मारपीट के बाद लूट

● धर्मेंद्र सिंह

किशनगंज शहर के डेमार्केट इलाके में स्थित एक जिम में वर्कआउट करने गई एक शादीशुदा महिला के साथ छेड़छाड़, मारपीट और लूटपाट की वारदात सामने आई है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी ने पीड़िता को अपहरण कर बलात्कार करने और देह व्यापार बाजार में बेच देने की धमकी तक दे डाली। पूरी घटना जिम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

☞ **वर्कआउट के दौरान बदतमीजी, फिर बर्बर हमला :-** पीड़िता द्वारा सदर थाना में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, जिम में व्यायाम करते समय परवेज उर्फ छोटू, निवासी कागजिया बस्ती, ने पहले उससे अभद्र टिप्पणी की। विरोध करने पर आरोपी ने उसके संवेदनशील अंगों को छूने का प्रयास किया। जब महिला ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसे पकड़कर थप्पड़ मारा, गालियां दीं और घसीटते हुए जमीन पर गिरा दिया। शिकायत में उल्लेख है कि आरोपी ने महिला के बाल पकड़कर घसीटा, उसके पेट और छाती पर लात-घूंसे मारे तथा चेहरे पर जोरदार मुक्का मारा, जिससे वह लहूलुहान हो गई। इस दौरान आरोपी बार-बार धमकी देता रहा कि वह उसे उठाकर "किसी बड़े शहर के गंदे बाजार में बेच देगा।"

☞ **पर्स और सोने की बालियां लूटीं :-**

हमले के बीच आरोपी महिला का पर्स छीनकर उसमें रखे 5,500 रुपये ले गया। साथ ही, उसके कानों में पहनी हुई करीब 8 आना वजनी सोने की बालियां, जिनकी कीमत लगभग 60,000 रुपये बताई जा रही है, भी लूट लीं।

☞ **काफी समय से कर रहा था पीछा, मांग रहा था रंगदारी :-** पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि परवेज पिछले कई महीनों से उसका पीछा कर रहा था और उससे 2 लाख रुपये की रंगदारी मांग रहा था। रकम न देने पर वह पीड़िता और उसके पति को जान से मारने की धमकी देता था।

☞ **जिम की CCTV फुटेज में कैद हुई पूरी वारदात :-** महिला ने बताया कि जिम में हुई पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो चुकी है, जिसकी प्रतिलिपि पुलिस को उपलब्ध करा दी गई है।

☞ **FIR दर्ज, जांच जारी :-** सदर थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी पर छेड़छाड़, मारपीट, लूट, आपराधिक धमकी तथा बलात्कार की धमकी सहित कई गंभीर धाराओं में थ्प्द दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है।

☞ **महिला सुरक्षा पर फिर उठे सवाल :-** इस घटना से एक बार फिर किशनगंज शहर में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। शहरवासियों ने जिम और अन्य निजी संस्थानों में सुरक्षा प्रबंधन को मजबूत करने की मांग की है।●

रहस्यमयी मौत! हादसा या साजिश?

● फरीद अहमद

सालगुड़ी गांव के अशोक साहा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। परिजन जहां इसे सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या बता रहे हैं, वहीं पुलिस फिलहाल दुर्घटना की संभावनाओं पर भी जांच कर रही है। मामला कई रहस्यों से घिरा है और हर मोड़ पर सस्पेंस बढ़ता जा रहा है। मृतक अशोक साहा ई-रिक्शा चालक थे और अपनी पत्नी नंदनी एवं बेटी का भरण-पोषण करते थे। परिजनों के अनुसार गांव के ही गैराज संचालक अकील से अशोक की गहरी दोस्ती थी। गुरुवार को अकील ने अशोक को बहादुरगंज चलने के लिए कहा। परिजनों ने उन्हें रोकने की कोशिश भी की, लेकिन अशोक नहीं माने। परिवार के मुताबिक, देर शाम अकील अपनी पत्नी के साथ अशोक की ई-रिक्शा पर बैठकर बहादुरगंज निकला था, लेकिन इसके बाद की कहानी अचानक बदल जाती है। कुछ देर बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर बताया कि अशोक का मीर भिट्ठा के पास NH-327E पर हादसा हो गया है।

☞ **पुलिस जुटी जांच में :-** अशोक को पौआखाली PHC लाया गया, फिर सदर अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष अंकित सिंह ने सदर अस्पताल में पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेजा। पुलिस के मुताबिक, "प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना लग रहा है, लेकिन सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा रही है।"

☞ **पत्नी की शिकायत पर FIR, हत्या का आरोप :-** अशोक की पत्नी नंदनी कुमारी ने लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसमें गैराज संचालक अकील पर साजिश के तहत हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में कांड संख्या 111/25 प्राथमिकी दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

मामले को लेकर पुलिस गंभीररूप से जांच कर रही है और पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है जिससे ये साफ हो जाएगा कि आखिर अशोक की मृत्यु कैसे हुई थी।●

अपराधियों की अकूत संपत्ति पर कसा शिकंजा

● धर्मेंद्र सिंह

किशनगंज पुलिस ने अपराध से अर्जित संपत्ति पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। ब्राउन शुगर और स्मैक की तस्करी से करोड़ों की अवैध संपत्ति जोड़ने वाले आठ कुख्यात अपराधियों की जमीन, मकान और लग्जरी वाहनों को जब्त करने का प्रस्ताव कोर्ट भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक सागर कुमार की हरी झंडी के बाद मामले के इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर्स ने नए कानून भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत कोर्ट में प्रस्ताव जमा किया है। अनुमति मिलते ही पुलिस की टीम द्वारा संपत्ति जप्ती की कार्रवाई शुरू हो जाएगी।

✯ **अवैध संपत्ति पर बड़ी कार्रवाई, पहला निशाना माछमाड़ा का रहमान अंसारी :-** सदर थाना क्षेत्र के माछमाड़ा निवासी रहमान अंसारी उर्फ सुबोध अंसारी और उसकी पत्नी डॉली पुलिस रडार पर सबसे ऊपर हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि दंपत्ति ने स्मैक तस्करी से कमाए पैसे से शहर के रुईधासा और झुलझुली में करोड़ों की जमीन खरीदी है। पुलिस के अनुसार रहमान की चल-अचल संपत्ति का विस्तृत रिकॉर्ड मौजूद है, जिसके आधार पर जब्ती प्रक्रिया तेज की गई है।

✯ **ब्राउन शुगर गैंग का सरगना 'आर्यन' भी पुलिस के निशाने पर :-** ठाकुरगंज अनुमंडल का कुख्यात तस्कर सुभान आलम उर्फ आर्यन करोड़ों की जमीन, लग्जरी कार और महंगी बाइकों का मालिक है। उसके नाम और उसके भाई के नाम पर दो दर्जन से अधिक महंगे प्लॉट खरीदे जाने की पुष्टि पुलिस जांच में हुई है। एनडीपीएस एक्ट के कई मामलों में वांछित सुभान फिलहाल जेल में बंद है। उसका पूरा 'अवैध साम्राज्य' अब जब्त होने की कगार पर है।

✯ **किशनगंज में आधा दर्जन और अपराधी चिन्हित :-** पुलिस ने बताया कि जब्ती की पहली सूची के बाद भी जांच जारी रहेगी। जिले में कई ऐसे व्यक्ति चिन्हित किए गए हैं जिन्होंने भू-माफियागिरी, तस्करी, साइबर अपराध और अन्य अवैध गतिविधियों से अकूत संपत्ति अर्जित की है। उनकी 'कुंडली' खंगाली जा रही है और जल्द ही उनके ठिकानों पर भी कार्रवाई होगी।

✯ **नया कानून बना गेम-चेंजर :-** 1 जुलाई 2024 से लागू बीएनएस ने पुलिस को सीधे तौर पर अवैध संपत्ति जब्त करने का अधिकार दे दिया है। पहले यह शक्ति केवल आर्थिक अपराध इकाई (EOU) के पास थी। अब थाना स्तर पर पुलिस किसी भी संदिग्ध की अचानक बढ़ी संपत्ति के स्रोत की जांच कर कोर्ट से अनुमति लेकर उसे सरकारी संपत्ति घोषित कर सकती है।

✯ **एसपी सागर कुमार ने दी पुख्ता कार्रवाई की पुष्टि :-** पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने बताया कि "किशनगंज में स्मैक कारोबारी, भू-माफिया और तस्करों की अवैध संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आठ बदमाशों का प्रस्ताव कोर्ट भेजा जा चुका है। आदेश मिलते ही कार्रवाई शुरू होगी।"

✯ **जिन 8 अपराधियों की संपत्ति जब्त प्रस्तावित :-**

☞ सुभान आलम उर्फ आर्यन (27) - कौआभीठा, थाना कुर्लीकोट।

☞ रहमान अंसारी उर्फ सुबोध (सदर थाना, माछमाड़ा)।

☞ रहीमुद्दीन उर्फ हैदर (53) - घुमगढ़/श्याम बिहार, ठाकुरगंज।

☞ मो. कुर्बान (50) - खगड़ा, सदर थाना।

☞ अब्बास अली (48) - नया हाट, थाना कोदोबाड़ी।

☞ मो. फरहान (32) - सोंथा, थाना कोचाधामन।

☞ चांद हुसैन उर्फ चांद (35) - विशनपुर, थाना कोचाधामन।

☞ कमल गुप्ता (45) - भीमबालिस, थाना ठाकुरगंज। ●

बीडीओ ने अधिकारियों को दी हिदायतें

● फरीद अहमद

प्रखण्ड कार्यालय ठाकुरगंज के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी अहमर अब्दाली की अध्यक्षता में प्रखण्ड के सभी पंचायत सचिव, विकास मित्र, पंचायत कार्यपालक सहायक, प्रखण्ड कार्यपालक सहायक एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक के साथ विकासात्मक एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन की गहण समीक्षा की गई। इस बैठक में अजीत कुमार, प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी, राहुल कुमार सिंह, प्रखण्ड समन्वयक (स्वच्छता) एवं मो मुजाहिद, जिला परियोजना समन्वयक, बाल संरक्षण, किशनगंज भी उपस्थित हुए।

बी डी ओ ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री वृद्ध जन पेंशन योजना, कबीर अन्त्योष्ठी योजना, मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छात्र योजना 'सम्बल' के तहत दिव्यांगजनों को उपकरण की उपलब्धता की गहण समीक्षा की। स्वच्छता कार्यो में प्रगति लाने, दैनिक रूप से कचड़ा उठाव, स्वच्छ्ता शुल्क संग्रहण एवम स्वच्छ्ता से संबंधित परिसंपत्तियों यथा पैडल रिक्शा, ई रिक्शा, ठोस एवम तरल अपशिष्ट प्रबंधन, व्यक्तिगत शौचालय के निरंतर अनुश्रवण हेतु पंचायत

सचिव एवं स्वच्छ्ता पर्यवेक्षकों को हिदायत दी गयी। दलित, महादलित एवम अनुसूचित जन जाति टोलों में व्यक्तिगत शौचालय की उपलब्धता को सुनिश्चित करने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए निर्माण कराने का आदेश दिया। आपूर्ति विभाग अंतर्गत राशन कार्ड निर्माण हेतु लंबित आवेदन पत्रों को नियमानुसार निष्पादन की करवाई में गति लाने हेतु कहा। साथ ही प्रधानमंत्री उज्जवला योजना अंतर्गत विशेष विकास शिविर में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन हेतु सभी विकास मित्रों की निदेशित किया गया। बी डी ओ ने सभी पंचायत सचिवों को सप्ताह में एक दिन पंचायत स्तरीय कर्मियों यथा विकास मित्र, स्वच्छता पर्यवेक्षक एवम पंचायत कार्यपालक सहायक के साथ बैठक कर विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा करने हेतु निदेशित किया गया। प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी ने सभी पंचायत सचिव, पंचायत कार्यपालक सहायकों को पंचायत भवन/पंचायत सरकार भवन में नियमित रूप से बैठने हेतु निदेशित किया। मो मुजाहिद, जिला परियोजना समन्वयक, बाल संरक्षण इकाई, किशनगंज ने बाल विवाह के मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित करवाई हेतु सभी कर्मियों से अनुरोध किया। जिला प्रशासन बाल विवाह के मामले को लेकर काफी सख्त है।बी डी ओ ने सभी कर्मियों को आम जनता के हित में काम करने का निर्देश दिया। ●

किशनगंज बना तस्करों का कॉरीडोर

● धर्मेन्द्र सिंह

बिहार का उत्तरखपूर्वी जिला नेपाल और बंगाल की सीमाओं से सटा यह इलाका आज पशु तस्करों के लिए सबसे आसान और सुरक्षित कॉरिडोर बनता जा रहा है। सीमा पार तेजी से बढ़ती डिमांड और अवैध व्यापार के चलते जिले की विभिन्न सड़कों, ग्रामीण रास्तों और नदी किनारों से पशुओं की तस्करी का धंधा लगातार सक्रिय है। स्थानीय सूत्रों और जांच एजेंसियों के अनुसार, तस्कर रात के समय छोटे वाहनों, बाइक, ऑटो और पिकअप वैन के जरिए मवेशियों को सीमा पार बंगाल भेजने का काम कर रहे हैं। कई तस्कर स्थानीय लोगों को लालच देकर इस नेटवर्क का हिस्सा बना चुके हैं।

✯ कैसे काम करता है तस्करों का नेटवर्क? :- सबसे पहले मवेशियों को गांवों से अवैध खरीद कर कम दाम में इकट्ठा किया जाता है। इसके बाद उन्हें किशनगंज की ऐसी सड़कों से ले जाया जाता है जहां पुलिस गश्ती कम होती है। रास्ते में सिग्नल कोड और मोबाइल नेटवर्क के जरिए पूरे रास्ते की निगरानी रखी जाती है। बंगाल की सीमा पार पहुंचते ही वाहन बदल दिए जाते हैं ताकि ट्रैकिंग मुश्किल हो जाए। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह नेटवर्क इतना संगठित है कि तस्कर एक ही रात में दर्जनों मवेशियों की ढुलाई कर लेते हैं।

✯ सरकार सख्त, लेकिन तस्करों ने निकाले नए रास्ते :- सरकार ने पशुओं के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए कई नियम लागू किए हैं। पशु क्रूरता अधिनियम, परिवहन के लिए वैध कागजात, जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर अभियान लेकिन तस्कर नई तकनीक, फर्जी कागजात, और स्थानीय नेटवर्क की मदद से इन नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। कई मामलों में पुलिस को देखते ही चालक वाहन छोड़कर भाग निकलते हैं, जिससे कार्रवाई अधूरी रह जाती है।

✯ स्थानीय गांव हुए प्रभावित, डर और असुरक्षा बढ़ी :- गांवों में रहने वाले लोग बताते हैं कि रात के समय अज्ञात वाहनों की आवाजाही बढ़ी है। कई बार ग्रामीणों ने विरोध करने की कोशिश की, तो तस्करों ने धमकियां भी दी हैं। पशु मालिकों में भी डर का माहौल है, क्योंकि चोरी कर ले जाए गए मवेशियों का पता बाद में नहीं चलता।

✯ पुलिस की चुनौतियां :- किशनगंज पुलिस लगातार अभियान चला रही है, पर तस्करी का तरीका इतना बदल चुका है कि पकड़ कठिन हो गई है। बिना नंबर प्लेट के वाहन, रात में जंगल/खेत के रास्ते से मूवमेंट, स्थानीय इनफॉर्मर नेटवर्क, सीमा पार से सक्रिय बड़े गिरोह। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अंतरराज्यीय समन्वय, तकनीकी निगरानी और पकड़े गए तस्करों की संपत्ति जब्ती जैसी रणनीतियां अब आवश्यक हो गई हैं।

✯ किशनगंज क्यों बना तस्करी का हॉटस्पॉट?:-

- ☞ बंगाल सीमा से नजदीकी।
- ☞ ग्रामीण सड़कों का जाल।
- ☞ सीमित पुलिस फोर्स।
- ☞ रात में निगरानी का अभाव।
- ☞ स्थानीय सहयोग से चल रहा गिरोह।

इन सभी कारणों से यह इलाका तस्करों के लिए 'सुरक्षित रूट' बन गया है।

✯ आगे क्या? :- जिले में लगातार बढ़ रही पशु तस्करी प्रशासन के लिए गंभीर चुनौती बन गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा पर डिजिटल मॉनिटरिंग, ग्रामीण क्षेत्रों में नाइट पेट्रोलिंग, तस्करी में शामिल संपत्ति की जब्ती, अवैध पशु बाजारों पर रोक जैसे कदम उठाए जाएं, तभी इस अवैध कारोबार को रोका जा सकता है।●

निगरानी की कार्रवाई के बाद भी नही सुधरा सिस्टम

● धर्मेंद्र सिंह

निगरानी विभाग द्वारा एक राजस्व कर्मचारी की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तारी का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि एक और नए आरोप ने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बार किशनगंज सदर के कांग्रेस विधायक कमरुल होदा ने पोठिया प्रखंड के एक राजस्व कर्मचारी पर दाखिल-खारिज (मोटेशन) के नाम पर अवैध वसूली का आरोप लगाया है।

☞ ऑडियो वायरल होने से बढ़ा विवाद :- रिश्वत मांगने से जुड़ा एक कथित ऑडियो क्लिप इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे मामला और गर्मा गया है। वायरल ऑडियो में कथित रूप से राजस्व कर्मचारी द्वारा मोटेशन के एवज में पैसे मांगने की बात सामने आ रही है। इससे क्षेत्र में आक्रोश और प्रशासन की कार्यशैली पर अविश्वास बढ़ा है।

☞ विधायक ने क्ड को सौंपा ज्ञापन :- इसी मुद्दे को लेकर विधायक कमरुल होदा ने जिलाधिकारी विशाल राज से 06 दिसम्बर को मुलाकात कर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि पोठिया अंचल के बुधरा हल्का के राजस्व कर्मचारी मिथलेश कुमार झा ने एक आवेदक से दाखिलखखारिज की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के नाम पर अवैध रकम की मांग की है। विधायक ने मामले की शीघ्र जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की है।

☞ DM ने कार्रवाई का दिया आश्वासन :- जिलाधिकारी विशाल राज ने पूरे प्रकरण पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कहा कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि राजस्व प्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके।

☞ निगरानी कार्रवाई के बावजूद सवाल बरकरार :- हाल ही में निगरानी विभाग द्वारा रिश्वतखोर राजस्व कर्मचारी की गिरफ्तारी के बावजूद फिर से ऐसा मामला सामने आना यह दर्शाता है कि राजस्व तंत्र में भ्रष्टाचार की जड़ें अब भी गहरी हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नियमित कार्रवाई के बावजूद सिस्टम में सुधार की गति बेहद धीमी है, जिससे आम लोगों को नियमित कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ता है।●

सेवानिवृत अधिकारी की संदिग्ध मौत

परिवार ने उठाए गंभीर सवाल

● धर्मेन्द्र सिंह

सेवानिवृत्त BSNL अधिकारी राजेंद्र द्विवेदी उर्फ राजेंद्र दुबे (64 वर्ष) की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे मामले को बेहद पेचीदा बना दिया है। परिजनों ने इसे सामान्य मृत्यु मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है और आरोप लगाया है कि खुद को मृतक की दूसरी पत्नी बताने वाली रानी कुमारी (निवासी-सिवान) तथा उसके परिवार ने "संपत्ति हड़पने की नीयत से साजिशन हत्या" की है। परिवार पिछले 45 दिनों से बिहारख्उत्तर प्रदेश के बीच थानों और अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है, लेकिन अब तक मामले में निर्णायक कार्रवाई नहीं हो सकी है।

☞ **कैसे हुई मौत? परिजनों ने सुनाई पूरी कहानी :-** परिजनों के अनुसार-2 अक्टूबर 2025 को रानी कुमारी ने मृतक के भतीजे को फोन कर बताया कि राजेंद्र द्विवेदी गंभीर हालत में सिलीगुड़ी के Thalamus Hospital में भर्ती हैं। जब परिवार 3 अक्टूबर को पहुंचा, तो रानी कुमारी ने "मरीज से मिलने नहीं दिया"। 13 अक्टूबर को मृत्यु की सूचना मिली। परिवार के आग्रह पर शव को देवरिया (UP) के पैतृक गांव लाया गया। जब शव को बक्से से बाहर निकाला गया तब शरीर पर चोट का निशान मिला। तब जाकर परिवारवालों से पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमॉर्टम में सिर, गर्दन और छाती पर गंभीर चोटें, स्टर्नम

फ्रैक्चर तथा "एंटीमॉर्टम इंजरी से हुए शॉक व हैमरेज" का उल्लेख किया गया। परिजनों का दावा है कि यह चोटें "मृत्यु से काफी पहले की" हैं, जिससे हत्या की संभावना मजबूत होती है।

☞ **परिवार के आरोपः "दूसरी पत्नी ने नहीं मिलने दिया, पैसे और संपत्ति पर नजर" :-** परिवार का कहना है कि वर्ष 2023 में रानी कुमारी ने मृतक से कथित विवाह किया था, जिसकी जानकारी किसी को नहीं थी। इसके बाद वह अपने भतीजे आदित्य पांडेय, मां सुषमा पांडेय

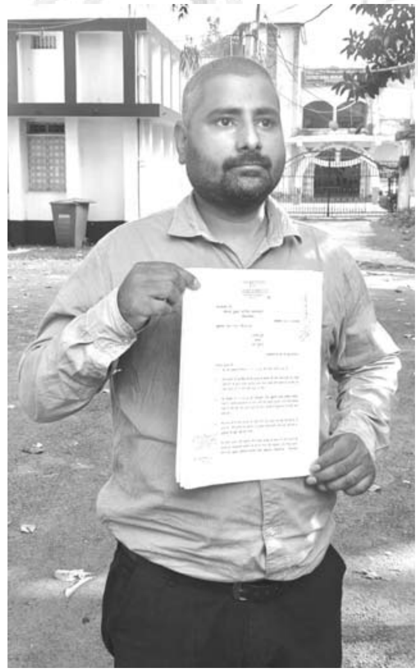

के साथ मिलकर मृतक पर "मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दबाव" बनाती रही। सिलीगुड़ी हॉस्पिटल के लगभग 7 लाख रूपये का इलाज का खर्च भी परिजनों ने उठाया। मृत्यु के बाद रानी कुमारी ने घर की "सफाई" के नाम पर साक्ष्य मिटाने की कोशिश की।

☞ **फर्जी मुकदमे और वरिष्ठ नागरिक का उत्पीड़न? :-** परिवार ने एक और गंभीर मुद्दा उठाया है। रानी कुमारी देवरिया महिला थाने में मृतक के भाई, रविंद्र नाथ दुबे (सेवानिवृत्त केंद्रीय विद्यालय शिक्षक) सहित कई परिजनों पर "लगातार फर्जी मामले दर्ज करा रही हैं।" परिजन कहते हैं कि "उन्होंने महिला को कभी देखा तक नहीं, फिर भी शिकायतें लगातार दर्ज हो रही हैं।" 16 दिनों से परिवार न्याय के लिए किशनगंज-देवरिया के बीच भटक रहा है, परंतु देवरिया पुलिस के "असहयोग" के कारण केस आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

☞ **मकान पर कब्जे की कोशिश? :-** राजेंद्र द्विवेदी के भतीजे राघवेंद्र दुबे ने सदर थाना किशनगंज में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि 7 और 9 नवंबर को रानी कुमारी रुईधासा स्थित मकान का ताला तोड़कर भीतर घुसीं। घर की वस्तुएं हटाई गई और दोबारा ताला तोड़ने का प्रयास किया गया। आसपास के पड़ोसियों की उपस्थिति में फोटोग्राफिक साक्ष्य भी उपलब्ध है। घटना की सूचना 112 को देकर तत्काल पुलिस कार्रवाई की मांग की गई।

☞ **कानूनी कार्रवाई कहां अटकी? :-**

किशनगंज थाना अध्यक्ष ने "मूल थ्प्त दर्ज करने की तत्परता" दिखाई है। लेकिन सलेमपुर (UP) थाना प्रशासन की ओर से जीरो FIR की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण केस आधिकारिक रूप से ट्रांसफर नहीं हो पा रहा है। परिवार ने SP किशनगंज, थाना अध्यक्ष किशनगंज और न्यायालय को आवेदन भेजे हैं।

☞ **परिवार की मांग :-** परिजनों ने रानी कुमारी, आदित्य पांडेय, सुषमा पांडेय और प्रिंस पांडेय के विरुद्ध 302, 120ठ, 406, 420, 201, 34 IPC के तहत FIR दर्ज कर-हत्या की निष्पक्ष जांच गिरफ्तारी झूठे मुकदमों पर रोक, संपत्ति की सुरक्षा की मांग की है।

☞ **न्याय की राह कठिन, पर परिवार संघर्षरत :-** BSNL के सेवानिवृत्त अधिकारी की मौत को लेकर परिवार स्पष्ट रूप से सवाल उठा रहा है। कहीं यह एक दुर्घटना, लापरवाही, या सचमुच एक साजिशन हत्या थी, इसकी पुष्टि तो पुलिस जांच ही करेगी। लेकिन इतना तय है कि यह मामला संदिग्ध परिस्थितियों, संपत्ति विवाद, फर्जी मुकदमों, अंतरराज्यीय पुलिस समन्वय की कमी और वरिष्ठ नागरिक के उत्पीड़न का एक जटिल मिश्रण बन चुका है। परिवार अभी भी न्याय की उम्मीद में दर-दर भटक रहा है।●

ईंट-भट्ठों तक पहुंच रहा 'काला सोना'

● **धर्मेंद्र सिंह**

बिहार का सीमावर्ती जिला किशनगंज इन दिनों कोयले की अवैध तस्करी के लिए सबसे सुरक्षित ट्रांजिट रूट के रूप में उभर कर सामने आया है। झारखंड, असम व पूर्वोत्तर राज्यों से अवैध तरीके से लाई जा रही भारी मात्रा में कोयले की खेप धड़ल्ले से जिले में प्रवेश कर रही है। नेपाल और पश्चिम बंगाल की सीमा से सटे रास्तों का फायदा उठाकर तस्कर संगठित नेटवर्क के जरिए इस "काला सोना" को ईंट-भट्ठों तक पहुंचा रहे हैं। जिले के 200 से अधिक ईंट-भट्ठों में कोयले की सप्लाई का बड़ा हिस्सा इन्हीं अवैध रूटों से आता है, जहां इंट्री माफिया की सक्रिय भूमिका बताई जाती है। इनके लिए यह काम करोड़ों की कमाई का जरिया है और शासन को हर महीने बड़े पैमाने पर राजस्व के नुकसान का।

☞ **फर्जी चालान, कोड-वर्ड और बिना जांच पार होने वाले ट्रक :-** सबसे चिंताजनक पहलू यह कि गलगलिया चेकपोस्ट, जहां 24 घंटे अधिकारी की मौजूदगी और डिजिटल मशीन से जांच की व्यवस्था है, वहीं तस्करी का सबसे आसान रास्ता भी वही बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार यहां ट्रक फर्जी चालान, 'कोड-वर्ड' और इंट्री माफिया की सेटिंग के सहारे बिना वैध जांच के सीधे पार करा दिए जाते हैं। राष्ट्रीय उच्च पथ 327E से ठाकुरगंज, बहादुरगंज, दिघलबैंक व टेढ़ागाछ प्रखंडों के ईंट-भट्ठों तक कोयला पहुंचता है, जबकि NH-27 से पोठिया, किशनगंज, कोचाधामन, पूर्णिया और कटिहार की ओर सप्लाई होती है। सड़क किनारे खड़े कोयला-लदे ट्रकों की लंबी कतारें इस अवैध कारोबार की व्यापकता को खुद बयां करती हैं।

☞ **ईंट-निर्माण में लागत कम, आम नागरिकों पर बोझ ज्यादा :-** अवैध कोयले का इस्तेमाल ईंट-भट्ठा संचालकों के लिए लागत कम करता है, पर इसका फायदा आम नागरिकों तक नहीं पहुंचता। इसके विपरीत-बाजार में ईंटें सरकारी दर से कई गुना महंगी बिक रही हैं। पक्के मकान बनाने की चाह रखने वाले लोग मजबूरी में महंगाई का बोझ उठा रहे हैं। साथ ही, यह पूरा नेटवर्क राज्य के राजस्व को हर साल कई करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा रहा है।

☞ **संगठित नेटवर्क, कमजोर निगरानी, स्थानीय लोग कर रहे कड़ी कार्रवाई की मांग :-** चेकपोस्ट पर डिजिटल जांच व्यवस्था लागू होने के बावजूद कोयला, गिट्टी, बालू और मवेशियों की तस्करी पहले से ज्यादा संगठित दिखाई दे रही है। स्थानीय नागरिकों की मांग है कि जिले में सक्रिय इंट्री माफिया गैंग पर कड़ी कार्रवाई हो, राजस्व चोरी पर तत्काल रोक लगे और सीमा क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी बढ़ाई जाए। किशनगंज जैसे संवेदनशील जिले में अवैध व्यापार का बढ़ता दायरा सिर्फ कानून-व्यवस्था का सवाल नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक क्षति और पर्यावरणीय भविष्य से सीधा जुड़ा मुद्दा बन चुका है।

अब ईंट भट्टा का सीजन आ गया है और ठाकुरगंज प्रखंड क्षेत्र में धड़ल्ले से नियम के विरूद्ध मिट्टी का उत्खनन शुरू हो गया है। गौर करे कि प्रखंड क्षेत्र अब धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील होता जा रहा है कई चिन्हित जगह है जहां पर आप जाएंगे तो लगेगा कि आखिर यह इलाका इतना तालाब नुमा गड्ढा नुमा क्यों है ? इसका कारण बस एक ही है कि ईंट भट्ट के सीजन में नियम के विरूद्ध मिट्टी का उत्खनन। कुछ चिन्हित जगह में रसिया, बारपोठिया सुखानी, निकरबारी, सबोडांगी, जियापोखर क्षेत्र सहित अन्य जगह भी शामिल है जहां पर आप देख पाएंगे कि नियम के विरुद्ध मिट्टी का उत्खनन करने के कारण विशाल गड्ढे और खंडहर जैसा नजारा देखने को मिल जाएगा। वक्त रहते ही अगर नियम के विरुद्ध हो रहे मिट्टी उत्खननों को अगर नहीं रोका गया तो आने वाले दिनों में शायद ठाकुरगंज प्रखंड क्षेत्र खंडहरगंज के नाम से कहीं न जाना जाए।●

विवाहिता ने प्रेमी पर दुष्कर्म का लगाया आरोप

● धर्मेन्द्र सिंह

महिला थाना क्षेत्र में एक विवाहिता द्वारा अपने प्रेमी और उसके छह परिजनों पर लगाए गए दुष्कर्म, मारपीट और यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों ने सनसनी फैला दी है। महिला दिल्ली से किशनगंज पहुंचकर महिला थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने सभी सात आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज कर ली है। आरोपियों में प्रेमी राहुल कुमार खतवे, उसके पिता, चाचा और परिवार की महिलाएं शामिल हैं।

☞ **दिल्ली की कार्टून फैक्ट्री में मजदूरी करती थी पीड़िता :-** पीड़िता अररिया जिले के पलासी थाना क्षेत्र की रहने वाली है और दिल्ली में एक कार्टून फैक्ट्री में मजदूर के रूप में काम करती थी। शिकायत के मुताबिक, दो महीने पहले उसी फैक्ट्री के समीप काम करने वाले राहुल कुमार खतवे ने रात में कमरे में घुसकर चाकू की नोक पर दुष्कर्म किया। इसके बाद राहुल ने शादी का झांसा देकर लगातार उसका शारीरिक शोषण किया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपित उसे पहले जम्मू स्थित अपनी मौसी के घर ले गया, जहां भी उसने दुष्कर्म किया। बाद में वह उसे किशनगंज के टेढ़ागाछ थाना क्षेत्र स्थित फारबाड़ी गांव में अपने घर ले आया और वहां भी उसके साथ कई बार गलत काम किया गया।

☞ **शादी की बात उठाने पर कथित हमला :-** पीड़िता ने बताया कि जब उसने राहुल से शादी का दबाव बनाया, तो 28 अक्टूबर की रात राहुल और उसका परिवार उसके कमरे में घुस आया। उसके अनुसार, रात करीब 9 बजे राहुल, उसके पिता लक्ष्मण खतवे, चाचा कमल खतवे, कलेश खतवे, संजय खतवे और दो महिलाएं सोना देवी व सुलेखा देवी उसके कमरे में पहुंचे। शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि सभी ने मिलकर गाली-गलौज, मारपीट, कपड़े फाड़ने और छाती दबाने जैसी हरकतें कीं और बलात्कार का प्रयास किया। उसका दावा है कि आरोपियों ने कमरे में घुसकर कहा-"हम सब तुम्हारे पति बनेंगे।" शोर सुनकर गांव वाले मौके पर पहुंचे, जिसके बाद उसकी जान बच सकी।

☞ **पीड़िताः "मुझे कमरे में बंद करके मारता-पीटता था" :-** महिला ने कहा कि राहुल अक्सर उसे कमरे में बंद कर देता था और जब भी वह बाहर जाने की कोशिश करती थी, तो मारता-पीटता था। उसके अनुसार, वह रोती-चिल्लाती रहती थी, लेकिन राहुल बार-बार जबरन उसके साथ दुष्कर्म करता था।

☞ **पुलिस ने दर्ज किया मामला, मेडिकल के लिए भेजी पीड़िता :-** महिला थाना अध्यक्ष सुनीता कुमारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर राहुल कुमार खतवे और अन्य छह परिजनों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित जांच शुरू कर दी गई है और पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है।

☞ **जांच के बाद ही होंगे तथ्य स्पष्ट :-** पुलिस का कहना है कि पूरा मामला गंभीर है और जांच पूरी होने पर ही आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट होगी। फिलहाल सभी बयानों और सबूतों को एकत्र किया जा रहा है। ●

गूंगी-बहरी युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के पौआखाली थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। थाना में दर्ज आवेदन के अनुसार, 20 वर्षीय गूंगी-बहरी युवती के साथ दुष्कर्म की गंभीर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगा है। इस संबंध में पौआखाली थाना कांड संख्या 114/25 के तहत धारा 64(2)/351(2) BNS में प्राथमिकी दर्ज कर तत्काल कार्रवाई की गई है। पुलिस ने मामले में नामजद आरोपी नुरुल होदा (उम्र 25 वर्ष), पिता सलीम, निवासी कुकुरमनी, थाना पौआखाली को गिरफ्तार कर लिया है। पौआखाली थानाध्यक्ष अंकित सिंह ने बताया कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। ●

अवैध खनन को लेकर पवना चर्चा में तो दूसरी तरफ ओवरलोड वाहनों का तांडव जारी

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पवना घाट से अवैध वालों का खनन और परिवहन बेखौफ तरीके से जारी है। गौरतलब हो कि पूर्व दिनों में मंच पर खड़े होकर विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल ने चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर पवना से बालू का अवैध खनन हुआ तो 24 घंटे के अंदर पदाधिकारी की बदली हो जाएगी। इसके बावजूद भी पवना घाट से बालू का अवैध खनन बदस्तूर जारी है। अवैध खनन का खुल्लम-खुल्ला खेल रात के अंधेरे में ही नहीं बल्कि दिन के उजाले में भी कोहरे का फायदा उठाकर अवैध खननकर्ता बालू का अवैध खनन कर उच्च दामों में बेचकर खुद मालामाल हो रहे हैं और सरकारी राजस्व को लाखों करोड़ों का चूना लगा रहे हैं हैरानी की बात तो यह है कि यह चुना काफी वर्षो से सरकार को लगाया जा रहा है। पूर्व में अवैध खनन मामले में पौआखाली थाना में प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी इसके बावजूद भी पौआखाली के पवना घाट से अवैध खनन थमने का नाम नहीं ले रहा है आखिर क्या वजह है कि पौआखाली के पवना में अवैध खनन रोकने में विभाग नाकाम है?

वहीं दूसरी तरफ ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट पर और डे मार्केट पौआखाली रूट पर बालू लदे ओवरलोड डंपरों का परिचालन भी अब तेज हो गया है ओवरलोड डंपरों के परिचालन से सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंच रहा है तो वही सड़कें भी खराब होने लगी है। सूत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार इन सब खेल के पीछे इंट्री माफिया का हाथ है। सूत्र बताते हैं कि ओवरलोड बालू लदे ओवरलोड वाहनों को पास करवाने के लिए इंट्री माफिया के गुर्गों जगह-जगह सक्रिय रहते हैं और मौका मिलते ही सिग्नल मिलते ही ओवरलोड वाहनों को पास करवाते है जो सीधे तौर पर सरकारी राजस्व पर डाका डाला जा रहा है! हैरानी की बात तो यह है कि पौआखाली डे मार्केट रूट पर भी ओवरलोड वाहनों का परिचालन रोकने में विभाग नाकामयाब नजर आ रही है तो वहीं दूसरी तरफ पवना घाट से बालू चोरी रोकने में भी विभाग को सफलता नहीं मिली रही है? इस संबंध में जदयू नेता हबेबुर रहमान ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।

☞ **किशनगंज में अवैध खनन और परिवहन पर नवंबर में 48.60 लाख का फाइन :-** जिले में अवैध खनन और खनिज के अवैध परिवहन पर लगाम लगाने के लिए खनन विभाग द्वारा वाहनों पर फाइन किया गया है। इसी क्रम में नवंबर महीने के दौरान जिले में चलाए गए छापेमारी अभियान में कुल 48 लाख 60 हजार रुपए का अर्थदंड वसूला गया है। जिला खान नीरक्षक सुनील कुमार और राहुल कुमार ने में जिले के कई इलाकों में छापेमारी की गई। इस दौरान 11 ट्रैक्टर, 2 डीसीएम, 2 हाइवा ट्रक को जब्त किया गया, जबकि दो मामलों में एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। खान नीरक्षक सुनील कुमार ने बताया कि बिना परिवहन चालान, अवैध तरीके से रेत एवं अन्य खनिज सामग्री ढोने वाले वाहनों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। खनन निरीक्षक सुनील कुमार ने कहा कि "जिले में अवैध खनन और परिवहन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।●

छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले का पहाड़कट्टा थाना क्षेत्र इन दिनों एक सनसनीखेज और दर्दनाक घटना को लेकर चर्चा में है। 16 वर्षीय छात्र देवनंदन रॉय उर्फ सुरजीत रॉय की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे इलाके को हिला दिया है। परिजन न्याय के लिए कभी एसपी कार्यालय, कभी पोठिया थाना तो कभी पहाड़कट्टा थाना के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

☞ **घटना 30 अक्टूबर की, कमरे से मिला सुसाइड नोट :-** छात्र ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी थी। घटना के बाद परिजनों ने जब कमरे की तलाशी ली तो एक सुसाइड नोट मिला, जिसे पढ़कर परिवार और समाज स्तब्ध रह गए। परिजनों के मुताबिक सुसाइड नोट में छात्र ने लिखा था कि उसके कोचिंग संचालक द्वारा लंबे समय से शारीरिक शोषण किया जा रहा था।

☞ **वीडियो वायरल, मामला और गंभीर :-** आत्महत्या के लगभग दस दिन बाद एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कथित तौर पर कोचिंग संचालक आदिल रब्बानी मृतक छात्र के साथ अप्राकृतिक कृत्य करता दिख रहा है। बताया जा रहा है कि यह वही होस्टल था जहां छात्र पढ़ाई के लिए रहता था। परिजनों का आरोप है कि आरोपी कई महीनों से देवनंदन का यौन शोषण कर रहा था और वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करता था। छात्र मानसिक तनाव में था और कोचिंग छोड़कर पौआखाली चला गया था। लेकिन आरोपी ने वहां भी पीछा नहीं छोड़ा और धमकी भरे कॉल करता रहा।

☞ **एफआईआर दर्ज, लेकिन गिरफ्तारी नहीं :-** मृतक के बड़े भाई देवाशीष रॉय की शिकायत पर पहाड़कट्टा थाना में कांड संख्या 127/25 दर्ज की गई है। प्राथमिकी में कोचिंग संचालक आदिल रब्बानी और उसके साथी जिसान के खिलाफ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए गए हैं। परिजनों का आरोप है कि कई दिनों बाद भी पुलिस ने किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। इसको लेकर ग्रामीणों में भी नाराजगी है। उनका कहना है कि आरोपी का स्थानीय प्रभाव होने के कारण कार्रवाई धीमी है।

☞ **पुलिस की प्रतिक्रिया :-** थानाध्यक्ष के अनुसार प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और वीडियो की जांच चल रही है। पुलिस ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है, लेकिन अभी तक कार्रवाई न होने से परिजनों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

☞ **क्षेत्र में तनाव, अभिभावकों में बढ़ी चिंता :-** छत्तरगाछ और कोल्था कॉलोनी इलाके में तनाव का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि होस्टल में कई अन्य छात्र भी रहते थे, लेकिन भय के कारण वे सामने आने से डर रहे हैं। यह घटना छात्र सुरक्षा और कोचिंग संस्थानों की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

☞ **परिजनों की न्याय की पुकार :-** देवाशीष रॉय का कहना है, "मेरा भाई पढ़ने में तेज था। आरोपी उसे महीनों से प्रताड़ित कर रहा था। हम लगातार पुलिस-प्रशासन के पास जा रहे हैं, लेकिन न्याय की उम्मीद अभी भी अधूरी है।" इस दुखद घटना ने पूरे जिले को झकझोर दिया है। परिजन और आम लोग एक ही सवाल पूछ रहे हैं-कब तक बच्चों का शोषण होता रहेगा? आरोपी कब गिरफ्तार होंगे? फिलहाल क्षेत्र में सन्नाटा है, पर गुस्सा बढ़ता जा रहा है। प्रशासन पर दबाव है कि शीघ्र कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

प्रशासन गन्ना किसानों के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध : जिला पदाधिकारी

● रवि रंजन मिश्रा

पेराई सत्र 2025-26 की व्यापक तैयारियों की समीक्षा के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के सभी ईंख पदाधिकारियों, चीनी मिल प्रबंधकों, किसान प्रतिनिधियों, परिवहन व माप-तौल विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी पेराई सत्र को सुचारू, पारदर्शी और किसान हितकारी बनाना था। बैठक के दौरान ईख पदाधिकारी बेतिया अंचल, श्री रेमन्त झा ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से अब तक की गई तैयारियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने मिलों की पेराई क्षमता, किसानों द्वारा पंजीकरण, पथ क्रय केन्द्रों की वर्तमान स्थिति, तौल व्यवस्था, परिवहन प्रबंधन, कैलेंडर वितरण तथा सट्टा नीति के अनुपालन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जिला पदाधिकारी को अवगत कराया। प्रस्तुति के बाद जिला पदाधिकारी ने अलग-अलग विभागों के अधिकारियों और मिल प्रबंधकों से तैयारी की स्थिति के बारे में विस्तार से सवाल पूछे और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि सट्टा नीति का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए।

सभी चीनी मिलें विभागीय निर्देशों के अनुरूप पेराई कैलेंडर तैयार करें और उसे किसानों के बीच समय पर वितरित करें, ताकि गन्ना आपूर्ति में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि चालान निर्गमन पूर्ण रूप से पारदर्शी हो और सभी मिलें समानुपातिक तरीके से चालान जारी करें। उन्होंने निर्देश दिया कि पेराई सत्र प्रारंभ होने से पहले सभी पथ क्रय केन्द्रों की स्थापना हर स्थिति में पूरी कर ली जाए। उन्होंने कहा कि गन्ने की पोचिंग किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है, और ऐसा करते पाए जाने पर संबंधित चीनी मिल के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन किसानों के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और गन्ने का समुचित निष्पादन तथा ईख मूल्य का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि मिलें गन्ने की खरीद में सही वजन सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की घटतौली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने एसडीएम नरकटियागंज और बगहा को विशेष रूप से निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बिचौलियों के माध्यम से गन्ना खरीदने की शिकायतें कई बार मिलती हैं, इसलिए मिल प्रबंधन यह सुनिश्चित करे कि कोई बिचौलिया गन्ना खरीद में हस्तक्षेप न करे। माप-तौल निरीक्षकों को निर्देश दिया गया कि वे प्रत्येक पंद्रह दिनों में सभी मिल गेटों और पथ क्रय केन्द्रों पर स्थापित तौल सेतुओं की विधिवत् जांच करें और सुनिश्चित करें कि डिजिटल तौल में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। यदि किसी निरीक्षक की संलिप्तता घटतौली में पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला पदाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि अनुमंडल पदाधिकारी अतिक्रमित सड़कों से अतिक्रमण को हटवाएं, ताकि पेराई अवधि में बढ़े हुए यातायात के बीच वाहन एवं आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिला परिवहन पदाधिकारी को ओवरलोडिंग रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया। इसके साथ ही एसडीएम और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को सुगर मिलों से समन्वय कर सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने और मिलों से आवश्यकतानुसार वॉलंटियर्स उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

जिला पदाधिकारी ने यूपी-बिहार सीमा पर निगरानी को सख्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि चीनी मिल के आरक्षित क्षेत्र के बाहर अथवा राज्य के बाहर का गन्ना क्रय नहीं हो, इस हेतु सख्त निगरानी की जाय। इस प्रकार की गतिविधि में शामिल किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध सीधे एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने जिले के सभी गन्ना किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे मिश्रित प्रभेद का गन्ना आपूर्ति में न दें, क्योंकि इससे गुणवत्ता प्रभावित होती है और भुगतान संबंधी कठिनाइयाँ उत्पन्न होती हैं। अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा, श्री गौरव कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, नरकटियागंज, श्री सूर्य प्रकाश गुप्ता, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) बेतिया एवं बगहा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बगहा/रामनगर/नरकटियागंज, जिला परिवहन पदाधिकारी, ईख पदाधिकारी, बेतिया अंचल, श्री रेमन्त झा, ईख पदाधिकारी, रामनगर अंचल, श्री श्रीराम सिंह, सहायक निदेशक, ईख विकास, बगहा, श्री अरविन्द कुमार, सहायक निदेशक, ईख विकास, बेतिया, श्री राम ईश्वर प्रसाद, निरीक्षक, माप-तौल श्री अजय कुमार एवं श्री हरिकिशोर द्विवेदी, चीनी मिल प्रतिनिधि श्री बी एन त्रिपाठी, श्री के एस ढ़ाका, श्री के पी सिंह, श्री विनोद राठी, श्री शैलेन्द्र कुमार एवं किसान प्रतिनिधि श्री लालबाबू यादव, श्री छोटे श्रीवास्तव, श्री संजय कुमार, श्री विद्याचरण शुक्ल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।●

स्टील प्रोसेसिंग यूनिट पर मंडराया संकट

● रवि रंजन मिश्रा

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के कुमारबाग में स्थित स्टील प्रोसेसिंग यूनिट संकट का सामना कर रही है। यूनिट बंद होने की कगार पर है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने और आसपास के क्षेत्रों में बेरोजगारी बढ़ने की संभावना है। सरकार और उद्योग जगत इस समस्या का समाधान निकालने के लिए प्रयासरत हैं। कुमारबाग स्थित स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की यह यूनिट लंबे समय से सुचारु रूप से काम नहीं कर रही। इसे बंद करने और कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी चल रही है। यूनिट के संचालन में देरी के कारण बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) ने यूनिट की जमीन खाली करने का नोटिस भेजा है।

बियाडा की 50 एकड़ भूमि पर 127 करोड़ रुपये की लागत से 2007 में यूनिट की आधारशिला रखी गई थी। दो वर्ष बाद, 2009 में यूनिट तैयार हो गई, लेकिन 2012 में ही इसका ट्रायल रन हुआ। उसके बाद यह बंद रही। लंबी प्रतीक्षा के बाद फरवरी 2019 में इसे औपचारिक रूप से राष्ट्र को समर्पित किया गया। यूनिट के संचालन के लिए 133 कर्मचारियों की नियुक्ति भी की गई थी। यहां सीजीआइ शीट और आयरन ट्यूब बनाने की योजना थी, लेकिन 50 हजार टन प्रति वर्ष उत्पादन क्षमता वाली यूनिट से उत्पादन कभी नहीं हुआ। इसकी वजह बार मशीनरी की खराब स्थिति, कुशल श्रमिकों की कमी और बाजार में कमजोर मांग बताई गई। मौजूदा वक्त में हालात यह है कि यूनिट की मशीनों में जंग लग गई है और भवन भी जर्जर हो चुके हैं। अधिकांश कर्मचारी घर पर रह रहे हैं। लगातार घाटे के चलते अब यूनिट बंद करने और कर्मचारियों की छंटनी की चर्चा शुरू हो गई है।

बियाडा ने यह भूमि 90 वर्ष की लीज पर सेल को आवंटित की थी। लेकिन शर्तों का पालन न करने के कारण महाप्रबंधक को आठ अक्टूबर 2025 को नोटिस भेजा गया है, जिसमें भूमि रद्दीकरण की संभावना जताई गई है। बियाडा के एरिया प्रबंधक आलोक प्रशांत ने बताया कि भूमि आवंटन के नियम एवं शर्तों के उल्लंघन के कारण नोटिस भेजा गया है। इसकी जानकारी अधिकारियों को दी गई है और इस संबंध में आगे निर्णय लिया जाएगा।●

सुखलही पैक्स अध्यक्ष के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश

● रवि रंजन मिश्रा

सानिक समाचार पत्र में धान खरीद में 80 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन मांगने संबंधी खबर प्रकाशित होने और सुखलही पंचायत के पैक्स अध्यक्ष व किसान के बीच की बातचीत का ऑडियो वायरल होने को जिला प्रशासन द्वारा अत्यंत ही गंभीरता से लिया गया है। जिला पदाधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार ने तत्काल जांच का आदेश दिए। जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्त्ता,विभागीय जाँच, श्री कुमार रविन्द्र, अनुमंडल पदाधिकारी नरकटियागंज, श्री सूर्य प्रकाश गुप्ता तथा अनुमण्डलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी नरकटियागंज, श्री सुजीत कुमार की तीन सदस्यीय टीम द्वारा पूरे मामले की गहन जांच की गई। जांच दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में यह स्पष्ट किया गया कि वायरल ऑडियो वास्तविक है और उसमें सुनी गई आवाजें सुखलही पैक्स अध्यक्ष सुजीत कुमार एवं किसान अमित कुमार की ही हैं। जांच में यह भी उजागर हुआ कि मूल ऑडियो लगभग 30 मिनट का था, किंतु वायरल

किया गया ऑडियो काट-छांट कर छोटा बनाया गया था, जिसकी पुष्टि स्वयं अमित कुमार ने की। जांच के दौरान दोनों पक्षों ने यह स्वीकार किया कि किसी अधिकारी द्वारा 80 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन की कोई मांग नहीं की गई थी। इसके विपरीत, ऑडियो और पूछताछ से यह तथ्य सामने आया कि पैक्स अध्यक्ष सुजीत कुमार धान अधिप्राप्ति पर 219 से 250 रुपये प्रति क्विंटल अपने खर्च का हवाला देते हुए किसानों से अवैध वसूली करने की मंशा रखते थे। जांच दल की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए जिला पदाधिकारी ने सुखलही पैक्स अध्यक्ष सुजीत कुमार के विरुद्ध विधि सम्मत प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश दिया तथा उन्हें धान अधिप्राप्ति कार्य से तत्काल प्रभाव से मुक्त कर दिया है। जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार ने कहा है कि धान अधिप्राप्ति में किसी भी प्रकार की अवैध वसूली, अनियमितता या किसानों का शोषण किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वायरल ऑडियो और जांच प्रतिवेदन में जो तथ्य सामने आए हैं, वे अत्यंत गंभीर हैं। किसानों की मेहनत की कमाई पर गलत तरीके से बोझ डालने का प्रयास किया गया है, जो पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि जिले में पारदर्शिता और कानून का शासन सर्वोपरि है। दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। किसानों के अधिकारों और पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

बीडीओ से भी कार्य शिथिलता के लिए पूछा जायेगा शोकॉज

● रवि रंजन मिश्रा

समाहरणालय सभागार में आयोजित सोमवारीय बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार ने विभिन्न विभागों की कार्यप्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत लाभुकों को समय पर किस्त भुगतान में हो रही लापरवाही पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की। जिला पदाधिकारी ने कहा कि निर्धारित कार्य पूरा कराने के बावजूद अगर लाभुकों को अगली किस्त प्रदान नहीं की जा रही है, तो यह अत्यंत गंभीर लापरवाही है। यह सरासर एक अनियमितता का संकेत है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे आवास सहायक एवं आवास पर्यवेक्षक, जो जानबूझकर किस्त भुगतान में देरी करते हैं, उनके वेतन की निकासी तत्काल प्रभाव से रोक दी जाय और उन सभी से शोकॉज भी किया जाय। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि दोषी प्रखंड विकास पदाधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिला पदाधिकारी ने कहा कि पंचायत सरकार भवनों के निर्माण कार्य में मानक पालन नहीं होने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। उन्होंने जिला पंचायती राज पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी निर्माणाधीन भवनों का नियमित निरीक्षण कराएं और जहाँ भी मानक से विचलन दिखे, वहाँ संबंधित अधिकारियों, अभियंताओं तथा संवेदकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि निम्नस्तरीय निर्माण बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बालू घाटों पर अनियमितता और अवैध गतिविधियों को लेकर उन्होंने जिला खनिज पदाधिकारी को लगातार छापेमारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई अनिवार्य रूप से की जाए। पृच्छा के क्रम में संतोषजनक जवाब नहीं देने, कार्य में लापरवाही, कोताही बरतने को लेकर जिला खनिज पदाधिकारी को शोकॉज करने का निर्देश जिला पदाधिकारी द्वारा दिया गया। भूमि-अधिग्रहण से जुड़े मामलों पर उन्होंने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सड़क निर्माण हेतु अधिग्रहित भूमि का भुगतान रैयतों को समय पर हर हाल में मिले। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान करने हेतु विभिन्न प्रखंडों में कैंप आयोजित किए जाए ताकि रैयतों की शिकायतें स्थल पर ही दूर की जा सके। बच्चों की सुरक्षा, पोषण और संरक्षण से संबंधित परवरिश योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने डीपीओ, आईसीडीएस को निर्देश दिया कि जिले के सभी पात्र बच्चों को जल्द से जल्द लाभानिवत करना सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने परिवहन, धान अधिप्राप्ति, विद्युत, मद्य निषेध, शिक्षा, योजना, डीआरसीसी, कृषि, मत्स्य, श्रम, खेल, स्वास्थ्य, भवन निर्माण, पथ निर्माण, आरडब्ल्यूडी, एलएईओ, भविष्य निधि तथा अन्य सभी विभागों की प्रगति का विस्तार से समीक्षा किया।

परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि विभागीय राजस्व प्राप्ति का निर्धारित लक्ष्य हर हाल में समय पर पूरा किया जाए। इस कार्य में लापरवाही दिखाने वाले पदाधिकारियों और कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया तुरंत प्रारंभ की जाए। ठंड के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्होंने सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग को निर्देश दिया कि 25 दिसंबर तक समूचे जिले में कंबल वितरण कार्य पूर्ण करा दिया जाए। उन्होंने कहा कि इस हेतु सभी अंचल अधिकारियों के साथ बैठक कर समन्वित रूप से वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि गरीब एवं असहाय परिवारों को जल्द राहत मिल सके। जिला पदाधिकारी ने कहा कि जिले में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, अनियमितता और लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला प्रशासन की प्राथमिकता पारदर्शिता, समयबद्धता और गुणवत्तापूर्ण कार्य है। किसी भी विभाग में अनावश्यक देरी, लापरवाही, मानकहीन कार्य या योजनाओं में गड़बड़ी पाए जाने पर जिम्मेदार पदाधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई अनिवार्य रूप से होगी। जिले में अनियमितता के प्रति शून्य-सहनशीलता की नीति लागू है और इसका पालन कड़ाई से कराया जाएगा। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री सुमित कुमार, अपर समाहर्ता श्री राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री अनिल कुमार सिन्हा, नगर निगम बेतिया के नगर आयुक्त श्री लक्ष्मण तिवारी सहित सभी जिलास्तरीय पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। ●

शहर छोड़िए, अब बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में चलेगा बुलडोजर

● रवि रंजन मिश्रा

''जमीन विवाद, दाखिल-खारिज और परिमार्जन के मामलों में देरी अब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी. भूमि सुधार विभाग की जवाबदेही तय होगी और हर स्तर पर पारदर्शिता लाई जाएगी. इसी को लेकर 12 दिसंबर से भूमि सुधार जनसंवाद कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं. नए सिस्टम में देरी करने वाले कर्मचारियों की पहचान कर तुरंत रिपोर्ट मांगी जाएगी.''

विजय सिन्हा,
उपमुख्यमंत्री, बिहार'

साहार में जमीन से जुड़े विवाद लंबे समय से बड़ी चुनौती बने हुए हैं. इस समस्या को देखते हुए उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय सिन्हा ने विभागीय सुधारों की लंबी श्रृंखला का ऐलान किया है. उन्होंने कहा कि राज्य में ज्यादातर शिकायतें जमीन विवादों से जुड़ी होती हैं और सरकार अब इन मामलों पर तेजी से कार्रवाई करेगी. सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को हटाने के लिए बिहार सरकार मार्च 2026 से बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है. उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्रवाई बुलडोजर से भी आगे की होगी. अभियान के दौरान बड़े पैमाने पर सरकारी भूमि खाली कराई जाएगी और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी. जो लोग सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की सच्चाई सामने लाएंगे, उन्हें विभाग सम्मानित भी करेगा. सरकार का लक्ष्य है कि राज्य की सभी सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए. बिहार में फर्जी जमीन कागजात का बड़ा खेल लंबे समय से चिंता का विषय रहा है. इसे रोकने के लिए विभाग 'उड़न दस्तावेज' नामक विशेष जांच टीम गठित कर रहा है. यह टीम फर्जी दस्तावेजों के आधार पर होने वाले सौदों की जांच करेगी और दोषियों को पकड़कर कार्रवाई करेगी. जमीन माफिया, फर्जीवाड़े में शामिल सफेदपोश और विभागीय कर्मियों की भी जांच होगी. ●

अदालत की सफलता हेतु न्यायिक पदाधिकारियों की लगातार बैठकें

● रवि रंजन मिश्रा

आगामी 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाली चतुर्थ नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जिला न्यायपालिका और विभिन्न विभागों के स्तर पर तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिम चंपारण, बेतिया के कुशल नेतृत्व में जिला व अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव लगातार सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक वादों का निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सभी न्यायिक पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं, जिससे लोक अदालत में अधिकतम मामलों का समाधान हो सके। वादों से जुड़े पक्षकारों को नोटिस निर्गत करने के लिए अधिकार मित्र की सहायता ली जा रही है, वहीं पुलिस विभाग के सहयोग से नोटिस की तामील भी कराई जा रही है। यह प्रयास इसलिए किए जा रहे हैं ताकि निर्धारित तिथि पर अधिक से अधिक पक्षकार उपस्थित हों और मामलों का त्वरित व सौहार्दपूर्ण समाधान किया जा सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकार का लक्ष्य है कि इस नेशनल लोक अदालत में अधिकतम वादों का निष्पादन हो और लोगों को शीघ्र न्याय का लाभ मिल सके। ●

विधानसभा चुनावों के बाद अब पंचायत चुनाव की सियासी सरगर्मियां तेज

● रवि रंजन मिश्रा

बिहार में विधानसभा चुनावों के बाद अब पंचायत चुनाव की सियासी सरगर्मियाँ तेज हो गई हैं। वर्ष 2026 में होने वाले पंचायत चुनाव इस बार कई बड़े और ऐतिहासिक बदलावों के साथ होंगे। सबसे अहम परिवर्तन है पहली बार पंचायत चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमाल। राज्य चुनाव आयोग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है और प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार इस चुनाव में मल्टी पोस्ट ईवीएम लगाई जाएंगी। एक कंट्रोल यूनिट के साथ छह बैलेट यूनिट होंगी, जिनमें मतदाता वार्ड सदस्य से लेकर मुखिया, सरपंच और पंचायत समिति जैसे पदों पर अलग-अलग मशीनों में एक साथ वोट कर सकेंगे। यह तकनीकी बदलाव पंचायत चुनाव को अधिक पारदर्शी, त्वरित और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

दूसरा बड़ा बदलाव है नया आरक्षण रोस्टर और परिसीमन। पंचायती राज संस्थाओं में दो टर्म बाद आरक्षित सीटों को बदले जाने का प्रावधान है, जिसके कारण इस बार जिला परिषद, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, पंच और वार्ड सदस्य की सीटों में व्यापक फेरबदल होगा। इससे कई वर्तमान प्रतिनिधियों को अपने राजनीतिक क्षेत्र और रणनीति दोनों नए सिरे से तय करने पड़ेंगे। बांका जिले में ही जिला परिषद की 25, मुखिया-सर्पंच की 182, पंचायत समिति की 246 और वार्ड सदस्य व पंच की 2417ख2417 सीटें हैं, जिनमें सभी वर्ग की महिलाओं के लिए 50% आरक्षण लागू है। नए रोस्टर की तैयारी की सूचना भर से ही प्रतिनिधियों की सियासी धड़कनें तेज हो गई हैं। वर्तमान पंचायती राज संस्थाओं का कार्यकाल अक्टूबर-नवंबर 2026 में पूरा होगा। आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया मार्च के बाद शुरू होने की संभावना है। पंचायत सरकार छह पदों जिला परिषद सदस्य, मुखिया, पंचायत समिति, सरपंच, वार्ड सदस्य और पंच के लिए चुनाव कराती है। इनमें जिला परिषद सदस्य की सीट अभी भी सबसे हॉट और प्रभावी मानी जाती है, क्योंकि जिले के विकास का बड़ा हिस्सा इन्हीं के जरिए संचालित होता है। पंचायत सरकार की त्रिस्तरीय संरचना मुखिया, पंचायत समिति सदस्य और वार्ड सदस्य धारात्मक लोकतंत्र की रीढ़ हैं, जबकि ग्राम कचहरी में सरपंच और पंच न्यायिक जिम्मेदारी निभाते हैं। बांका के जिला पंचायती राज पदाधिकारी रवि प्रकाश गौतम ने पुष्टि की है कि राज्य निर्वाचन आयोग ने तैयारी शुरू कर दी है और इस बार नए परिसीमन के साथ पहली बार मल्टी पोस्ट ईवीएम का प्रयोग होगा। कुल मिलाकर, 2026 का पंचायत चुनाव बिहार की सियासत में तकनीक, आरक्षण और राजनीतिक समीकरणों का एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। ●

4 गर्लफ्रेंड, 3 प्रेग्नेंट और एसडीएम को थप्पड़!

● रवि रंजन मिश्रा

गोरखपुर में पकड़े गए फर्जी आईएएस अधिकारी के कारनामे चौंकाने वाले हैं. दरअसल, एमएससी की पढ़ाई पूरी करने के बाद गौरव कुमार सिंह उर्फ ललित किशोर कोचिंग टीचर बना. लेकिन टीचिंग ज्यादा दिन तक जमी नहीं. उसे कुछ बड़ा करने का जुनून था. ऐसे में उसने फर्जी आईएएस बनकर रौब झाड़ने और करोड़ों की ठगी का शातिर प्लान बनाया. एक तरफ वह ट्यूशन पढ़ाता तो दूसरी तरफ अपना पै प्रोटोकॉल मेंटेन करने के लिए हर महीने मोटी रकम खर्च करता. इस दौरान उसने चार गर्लफ्रेंड बनाई. जब गौरव अपने पूरे भौकाल में निकलता था तो उसके साथ चलने वालों की तादाद भी ठीक-ठाक होती थी. सफेद इनोवा पर लाल-नीली बत्तियां लगाकर वह गांव का दौरा करता था. एक बार जब वह बिहार के भागलपुर गांव में दौरा करने पहुंचा था तो उस वक्त उसकी मुलाकात एक असली एसडीएम से हो गई. बैच और रैंक को लेकर उन्होंने सवाल पूछ लिए, इस पर गौरव उर्फ ललित किशोर अपना आपा खो बैठा और अधिकारी को दो थप्पड़ जड़ दिए. आश्चर्य की बात यह रही कि एसडीएम ने इसकी शिकायत तक नहीं की.

गोरखपुर पुलिस ने बिहार चुनाव के दौरान पकड़े गए 99 लाख रूपये की जांच में फर्जी IAS गौरव कुमार सिंह उर्फ ललित किशोर को गिरफ्तार किया है. सर्विलांस से पता चला कि उसकी चार गर्लफ्रेंड्स हैं, जिनमें से तीन प्रेग्नेंट हैं. उसने AI की मदद से फर्जी पेपर बनाकर बड़े कारोबारियों को सरकारी ठेका दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी की थी. आरोपी बिहार के सीतामढ़ी जिले का रहने वाला है. वह गोरखपुर के परमानंद गुप्ता को सेट करके यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और झारखंड में जालसाजी का नेटवर्क चला रहा था. पुलिस ने उसकी कुंडली खंगाली तो कई हैरान करने वाले कारनामे सामने आए.यह जालसाज बड़े बिल्डरों और कारोबारियों को सरकारी ठेका व अन्य सरकारी कारोबार दिलाने का ऑफर देता था. वह AI की मदद से तैयार किए गए फर्जी पेपर उपलब्ध कराकर लोगों को विश्वास में लेता था और करोड़ों की ठगी करता था. इसी मामले में उसने एक कारोबारी को 450 करोड़ रूपये का टेंडर दिलाने का झांसा देकर 5 करोड़ रूपये और दो इनोवा कार रिश्वत में ले ली थीं. उसने अपने साले अभिषेक की मदद से पै की फर्जी आईडी और नेम प्लेट बनवाई थी, जो सॉफ्टवेयर की पढ़ाई किया था. गौरव उर्फ ललित किशोर ने 2019 में मैथ से एमएससी की पढ़ाई पूरी की थी और डीआईओएस बनना चाहता था. उसने 3 साल सिविल सर्विस की तैयारी भी की. इसके बाद उसने सीतामढ़ी में 'आदित्य सुपर 50' नाम से कोचिंग खोली. 2022 में उसने यहीं एक छात्रा से नौकरी दिलाने के नाम पर 2 लाख रूपये लिए, लेकिन नौकरी नहीं दिला सका. रुपए वापस न करने पर उसके खिलाफ पहली FIR दर्ज हुई थी. जमानत पर छूटने के बाद वह एक साल तक अंडरग्राउंड रहा। ●

मनरेगा मजदूरों की लगेगी ऑनलाइन हाजिरी

● गुड्डू कुमार सिंह

ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की गारंटी देने वाली चर्चित योजना मनरेगा शुरू से ही विभिन्न प्रकार की विसंगतियों का शिकार होता रहा है। इससे इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन पर प्रतिकूल असर पड़ता रहा है। एक ओर जहां भ्रष्टाचारी इस योजना को अपनी जेब भरने का साधन बनाने की फिराक में लगे रहते हैं तो दूसरी ओर विभाग नित नए-नए उपायों से इस महत्वपूर्ण रोजगार योजना में पारदर्शिता को बढ़ावा देने का उपाय करता रहता है। विभाग ने मस्टर रोल में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए अब एक नया प्रभावी उपाय लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। दरअसल मजदूरी के नाम पर फर्जीवाड़ा रोकने के लिए सरकार ने नई व्यवस्था लागू की है। नई व्यवस्था के अनुसार अब मजदूरों की ऑनलाइन हाजिरी लगेगी। एनएमएमएस (नेशनल मोबाइल मॉनीटरिंग - सिस्टम) के माध्यम से कार्यस्थल पर मजदूरों की उपस्थिति दर्ज होगी। मजदूर को साफ्टवेयर के सामने आकर अपना चेहरा दिखाने के साथ ही पलक भी झपकानी होगी। प्रावधानों के अनुसार ब तय नियमों का पालन नहीं करने पर काम करने के बावजूद संबंधित मजदूरों को कार्य स्थल से अनुपस्थित माना जाएगा।

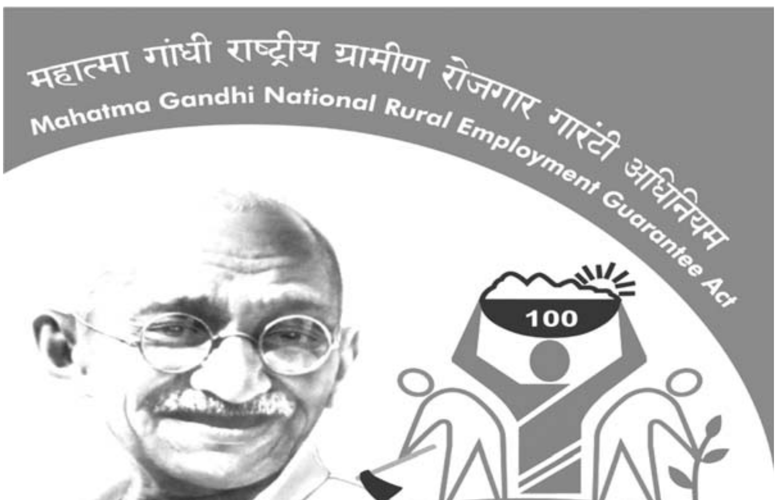

☞ **कार्य स्थल पर गए बिना अब मनरेगा मजदूरों की हाजिरी लगाना नहीं हो पाएगा संभव, जॉब कार्डधारियों को उनके मस्टर रॉल के अनुसार मिलती है मजदूरी :-** मनरेगा के जॉब कार्ड धारकों को उनके किए गए काम को मस्टर रॉल में अंकित किया जाता है। अब तक जो सिस्टम है, उसके अनुसार मजदूरों को उनके मस्टर रॉल के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान होता रहा है। लेकिन नई व्यवस्था में जब तक चेहरा दिखाने के साथ पलक नहीं झपका तो फिर मजदूरी का भुगतान नहीं हो सकेगा। जानकार नई व्यवस्था को एकदम पारदर्शी मान रहे हैं। जितने मजदूर रहेंगे, उन्हीं की हाजिरी लगेगी मजदूरी भुगतान में फर्जीवाड़े पर रोक लगाने में नई व्यवस्था से कारगर मदद मिलेगी। मनरेगा आयुक्त अभिलाषा कुमारी शर्मा ने बताया कि गांवों में एनएमएमएस से हाजिरी लगाने

हर सप्ताह ब्लाक के अधिकारियों की बैठक कर एनएमएमएस एप से उपस्थिति दर्ज करने की प्रगति की समीक्षा भी की जायेगी। मनरेगा मजदूरी के नाम पर फर्जीवाड़ा रोकने के लिए अब ऑनलाइन हाजिरी दर्ज होगी। इसके लिए एनएमएमएस एप लांच किया गया है। इसी माह से इससे मजदूरों की हाजिरी नई व्यवस्था से लगनी शुरू हो जाएगी। इससे भुगतान में फर्जीवाड़ा की संभावना नहीं के बराबर रहेगी।

-राजेश कुमार, डीपीओ मन्रेगा, कामाबाद।

के निर्देश जारी किए गए हैं। इसी माह से इस व्यवस्था को लागू भी कर दिया जाएगा। अब फर्जी मजदूरों को दिखाकर उपस्थिति नहीं दर्ज कर सकेंगे।

☞ **ऐसे अपलोड होगी मजदूरों की डिजिटल हाजिरी:-** नई व्यवस्था में एनएमएमएस एप के जरिए रोजगार सेवक या मेठ कार्यस्थल पर जाएंगे। इस एप में लोकेशन स्वत: अपलोड हो जाएगा। वहीं सभी मजदूरों को बुलाया जाएगा और एक साथ फोटो लेकर अपलोड करनी होगी। फोटो अपलोड करने के बाद मस्टररोल खुलेगा और उसे भरकर उपस्थिति दर्ज की जाएगी। मैनुअल मस्टररोल तुरंत नहीं तैयार किया जाता है, जिससे गड़बड़ी की आशंका बनी रहती है।

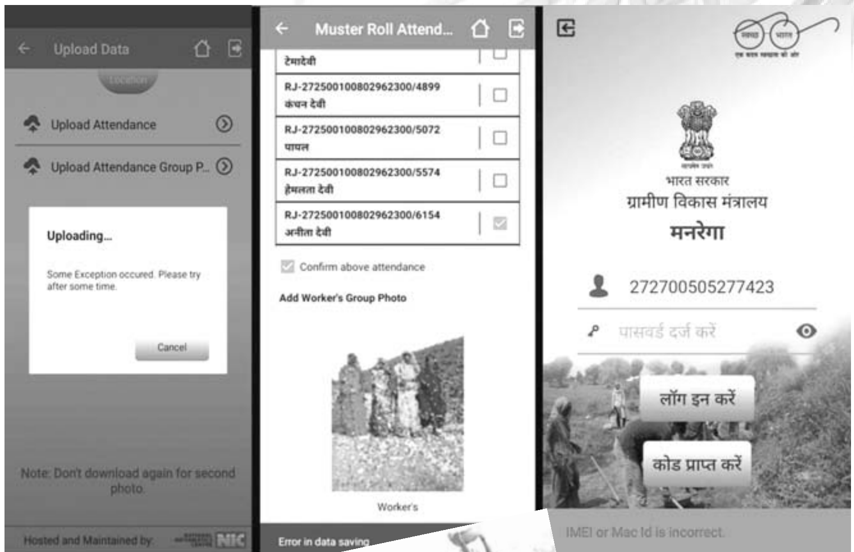

☞ **मनरेगा विभाग की सुस्ती से प्रभावित विकास कार्य, दो साल में भी नहीं बन सका आंगनबाड़ी केंद्र :-** मनरेगा योजना के तहत ग्रामीण विकास को गति देने के लिए सरकार हर साल करोड़ों रुपये खर्च करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है। सहार प्रखंड के कौरनडिहरी पंचायत अंतर्गत पेऊर गांव में मनरेगा विभाग की लापरवाही और भुगतान में देरी के कारण दो वर्षों से आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण अधूरा पड़ा है। वित्तीय वर्ष 2022ख23 में लगभग सात लाख रुपये की लागत से शुरू हुआ यह भवन आज तक पूरा नहीं हो सका। प्रारंभिक चरण में भवन का प्लींथ तक निर्माण कराया गया, लेकिन उसके बाद से कार्य ठप पड़ा है। ईट की जोड़ाई पूरी नहीं हुई है और छत ढलाई तो दूर की बात है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह भवन पूरा हो जाता तो न सिर्फ बच्चों को आंगनबाड़ी की सुविधाएं मिलतीं, बल्कि पंचायत के जॉब कार्डधारी मजदूरों को भी रोजगार का अवसर मिलता।

गांव के ग्रामीणों ने बताया कि भवन निर्माण की जिम्मेदारी तत्कालीन मुखिया द्वारा शुरू की गई थी, लेकिन विभागीय सुस्ती और राशि के अभाव में कार्य अधूरा रह गया। इससे गांव में आंगनबाड़ी से जुड़ी कई गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभागीय उदासीनता के कारण सरकारी योजनाएं समय पर पूरी नहीं हो पातीं, जिससे गांव के विकास पर असर पड़ता है। मनरेगा कर्मियों का कहना है कि जब तक भुगतान की प्रक्रिया आसान नहीं होगी, तब तक योजनाओं का पूरा होना मुश्किल है। पेऊर गांव के मजदूरों ने विभाग से आग्रह किया है कि अधूरे भवन का निर्माण जल्द पूरा कराया जाए, ताकि बच्चों को शिक्षा और पोषण की सुविधा मिल सके और मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार का अवसर मिले।

☞ **आंगनबाड़ी भवन बनने से बच्चों और मजदूरों दोनों को मिलेगा लाभ :-** कौरनडिहरी पंचायत के पेऊर गांव में बन रहे आंगनबाड़ी भवन के पूरा हो जाने से गांव के छोटे-छोटे बच्चों की पढ़ाई, पोषण और टीकाकरण जैसी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। आंगनबाड़ी केंद्र ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए शुरुआती शिक्षा का माध्यम होता है, जहां बच्चों को पोषाहार और देखभाल भी दी जाती है। साथ ही, भवन निर्माण से मनरेगा के जॉब कार्डधारी मजदूरों को नियमित रोजगार मिलेगा, जिससे उन्हें सरकारी नियमों के तहत 100 दिन की रोजगार गारंटी सुनिश्चित होगी। पंचायत स्तर पर इस भवन के बनने से योजनाओं के संचालन में पारदर्शिता बढ़ेगी और गांव के विकास की रफ्तार तेज होगी।

☞ **मनरेगा में पक्के कार्यों के भुगतान में अड़चन बनी सबसे बड़ी समस्या :-** सहार प्रखंड के कई पंचायतों में मनरेगा के तहत किए जा रहे पक्के कार्यों के भुगतान में लगातार देरी हो रही है। विभागीय वेबसाइट पर भुगतान की प्रक्रिया साल में केवल एक बार खुलने से पंचायत प्रतिनिधियों को कार्य कराने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मनरेगा कर्मियों का कहना है कि मिट्टी कार्य के भुगतान में आसानी होती है, लेकिन पक्का निर्माण कार्य में तकनीकी अड़चनें और साइट के बंद रहने से राशि का भुगतान महीनों तक लंबित रहता है। सहार प्रखंड की अगिआंव पंचायत समेत करीब एक दर्जन योजनाएं ऐसी हैं, जो एक साल पहले पूरी हो चुकी हैं, फिर भी भुगतान नहीं हुआ है। कौरनडिहरी पंचायत के पीआरएस अमित कुमार ने बताया कि जैसे ही विभागीय साइट खुलेगी, अधूरे भवनों का मटेरियल भुगतान कर कार्य को शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग यदि नियमित भुगतान की व्यवस्था करे तो विकास कार्यों में तेजी आएगी।●

रेलवे विभाग की लापरवाही से अधेड़ की मौत

● गुड्डू कुमार सिंह

आरा–सासाराम रेलखंड पर स्थित बागवां रेलवे क्रॉसिंग पर रविवार की सुबह हुई दर्दनाक घटना ने स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, आरा नगर थाना क्षेत्र के रौजा निवासी सरोज चौधरी अपने पिता रामबाबू चौधरी के साथ बाइक से घर से मोपती के लिए निकले थे। जब उनकी बाइक रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुंची ठीक उसी समय पीछे से आ रही ट्रक ने बाइक मे पीछे से धक्का मार दिया जिससे वाइक सवार दोनो पिता पुत्र वहीं गिर पड़े।वहीं रामबाबू चौधरी गम्भीर रूप से जख्मी हो गए और कुछ ही पल मे घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई।घटना की सूचना स्थानीय लोगो द्वारा गडहनी थाना पुलिस को दी गई। घटना कि सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष कमलजीत दल–बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच घटना की छानबीन मे जुट गए। इधर घटना से आक्रोशित लोगो ने आरा सासाराम मुख्य मार्ग को शव के साथ क्रॉसिंग पर ही जाम कर दिया और प्रशासन से मुआवजा और रेलवे विभाग के कर्मियों पर कार्रवाई की मांग करने लगे। गडहनी थानाध्यक्ष व स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा घंटो मान मनौवल व आश्वासन के बाद जाम हटाया गया। वहीं घटना को लेकर मृतक रामबाबू चौधरी के पुत्र सरोज चौधरी द्वारा गडहनी थाना मे प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर आवेदन दिया गया है। वहीं थानाध्यक्ष कमलजीत के द्वारा कागजी कार्रवाई करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर भेज दिया गया। उधर घटना की खबर मिलते ही परिजनो मे हाहाकार मच गया।पत्नी सीता देवी, पुत्र सरोज चौधरी, मनोज कुमार अमित कुमार पुत्री खुशबु कुमारी का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

☞ **'बागवां रेलवे क्रॉसिंग पर पटरी को उपर करने से आने जाने वाले लोगो को होती है परेशानी, कई बार घट चुकी है घटनाएं'** :– स्थानीय लोगों का कहना है कि पटरी के पास सड़क की मरम्मत न होना, क्रॉसिंग पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था का अभाव और लगातार रेलवे विभाग के द्वारा पटरी को उपर नीचे किए जाने व अनदेखी किए जाने का परिणाम पथिको, राहगीरो व यात्रियों को भुगतना पडता है।रेलवे क्रॉसिंग का उबड खाबड व टुटा फुटा होना इस तरह की दुर्घटनाओं को बराबर न्योता देती है। रविवार की घटना ने इस समस्या को फिर उजागर कर दिया है।

☞ **'स्थानीय लोगों का आक्रोश, रेलवे प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन'** :– दुर्घटना के पश्चात स्थानीय लोगों ने गुस्से में आकर आरा सासाराम मुख्य मार्ग को लगभग 5 घंटों तक जाम रखा। आक्रोशित लोगो ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे लोगो ने कहा कि यह क्रॉसिंग कई दिनों स` खराब है। सड़क गड्ढे से भरी है और पटरी के किनारे सड़क बिल्कुल टूटी हुई है। रेलवे को कई बार शिकायत की गई, पर किसी ने सुध नहीं ली। आज एक जान चली गई। इससे पहले भी कई घटनायें घट चुकी है। वहीं बलिगांव निवासी रविन्द्र कुमार सिंह ने दुख जताते हुए कहा कि अभी एक हप्ता पहले ही इसी जगह बाइक फिसलने के कारण हमारा भतीजा गम्भीर रूप से जख्मी हो गया था जिसका आरा मे इलाज कराया गया तब जाकर ठीक हुआ। यह मौत रेलवे की लापरवाही की देन है। क्रॉसिंग पर गेटमैन तो है, पर सड़क की मरम्मत न होने से हर दिन लोग खतरे में रहते हैं। जब तक यहां पक्का रास्ता नहीं बनेगा, ऐसे हादसे होते रहेंगे। वहीं अन्य कई लोगो ने कहा की इतने व्यस्त रेलखंड पर क्रॉसिंग की दुर्दशा शर्मनाक है। मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाए और इस क्रॉसिंग को अविलंब ठीक किया जाए। प्रतिदिन सैंकडो वाहन इस क्रॉसिंग से गुजरते हैं। गाड़ी का चक्का पटरी में फंस जाना यहां आम बात है। आज एक परिवार उजड़ गया। अब रेलवे को जिम्मेदारी लेनी होगी। अगर क्रॉसिंग पर गार्ड, सिग्नल और समतल सड़क होती, तो यह हादसा नहीं होता।

☞ **'आक्रोशित लोगो ने रेलवे प्रशासन और जिला प्रशासन से की मांग'** :– मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। बागवां रेलवे क्रॉसिंग पर समतल सड़क और सुरक्षित क्रॉसिंग की व्यवस्था की जाए। रेलवे विभाग इस तरह की घटनाओं पर जवाबदेही तय करे और नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे। क्रॉसिंग पर चेतावनी संकेत, टाइलिंग, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा गार्ड की उपस्थिति अनिवार्य की जाए।बागवां रेलवे क्रॉसिंग पर हुई दुर्घटना सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि उपेक्षा का परिणाम है। जब तक प्रशासन और रेलवे विभाग मिलकर इस स्थान को सुरक्षित नहीं बनाते, तब तक यहां से गुजरने वाले हर व्यक्ति की जान खतरे में रहेगी।●

जिला उद्योग केन्द्र बक्सर में भ्रष्टाचार का जन्मदाता कौन?

रवि श्रीवास्तव

डीआरपी रवि श्रीवास्तव या महाप्रबंधक

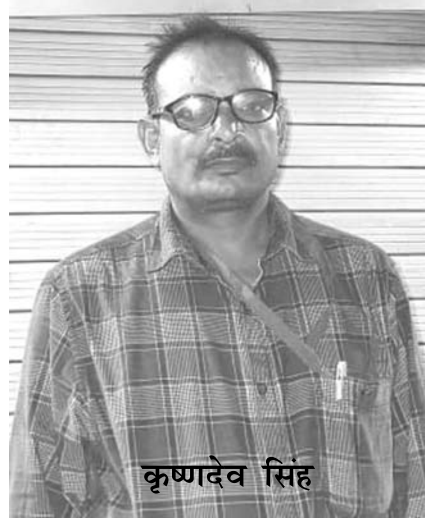

कृष्णदेव सिंह

● बिन्ध्याचल सिंह

'उहे बाछा कुदे ला जवना के खुँटा बरीयार होला'' भोजपुरी कहावत जिला उद्योग केन्द्र बक्सर में कार्यरत जिला साधन सेवी के मार्ग दर्शन में स्थापित यूनिट की धरातल की जॉच एवं जिला उद्योग केन्द्र बक्सर के कार्यालय पत्रांक-202 दिनांक 24/01/2025, पत्रांक-377 दिनांक 17/03/2025, पत्रांक-740 दिनांक 20/09/2025 का अवलोकन किया जायेगा। तब जाकर कहावत चरितार्थ होते नजर आयेगी। जहाँ वितिय वर्ष-2024-2025 में जिला साधन सेवी रवि प्रकाश श्रीवास्तव के मार्ग दर्शन में 34 यूनिट स्थापित हेतू बैक से राशि की निकासी की जा चुकी है। परन्तु 34 में 33 यूनिट खबर लिखे जाने तक कागज पर संचालित होती आ रही है, बावजुद इसके वितिय वर्ष-2025-2026 में यूको बैक शाखा- सोनवर्षा, बक्सर से चार यूनिट की राशि की निकासी हो चुकी है। जिला उद्योग केन्द्र बक्सर में अधिकतर जिला साधन सेवी अपनी कर्तब्यनिष्ठता को प्राथमिकता देते है। जैसे वितिय वर्ष-2025-2026 में दो जिला साधन सेवी का नाम अपनारोजगार लगानेवाले लोगो में चर्चा सुनने को मिल रहा है। जो वितिय वर्ष-2025-2026 में जिला उद्योग केन्द्र बक्सर के लिये उगता हुआ सूर्य

कार्यालयः महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, बक्सर।

पत्रांक 740 /जि०उ०के०,बक्सर/दिनांक- 20/09/2025

प्रेषक

प्रभारी महाप्रबन्धक,
जिला उद्योग केन्द्र
बक्सर।

सेवा में

श्री विन्ध्याचल सिंह,
पता-जादोपुर, पो0-महुऑव, जिला- भोजपुर (आरा) पिन-802183
मोबाईल नं0-8935909034

विषय - सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना उपलब्ध कराने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत श्री रवि प्रकाश श्रीवास्तव, जिला संसाधन सेवी, बक्सर द्वारा वितीय वर्ष-2024-25 एवं 2025-26 में बैंक द्वारा ऋण भुगतान के पश्चात कुल 28 (अठाईस) इकाईयों स्थापित की गयी है। ज्ञात हो कि जिला संसाधन सेवियों द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अन्तर्गत ऋण आवेदन सृजित कर बैंक को अग्रसारित किया जाता हैं तदोपरान्त ऋण आवेदन पत्र का सम्पूर्ण क्रियान्वयन बैंक स्तर से किया जाता है।

विश्वासभाजन
(हस्ताक्षर) 20/09/2025
प्रभारी महाप्रबन्धक,
जिला उद्योग केन्द्र,
बक्सर।

है। लेकिन जिला साधन सेवी रवि प्रकाश श्रीवास्तव के कारण जिला में प्रथम स्थान वाले भी जिला साधन सेवी बदनाम है। अब तक की जानकारी के अनुसार वितिय वर्ष-2024-2025 में 9800000/- रू0 कमीशन के रूप में ले चुके, जिला साधन सेवी पूर्णतः जिला उद्योग केन्द्र,बक्सर के महाप्रबंधक के छत्र-छाया में,भ्रष्टाचार की दुनिया में अखण्ड राज्य करने वाले रवि प्रकाश श्रीवास्तव वितिय वर्ष-2025-2026 अपनी पुरानी पद्धति अपना चुके है जिसकी जानकारी सितम्बर के अंक मे दी जा चुकी है। परन्तु जिला उद्योग केन्द्र बक्सर के पत्रांक-740 दिनांक 20/09/2025 जिला उद्योग केन्द्र बक्सर में कार्यरत पदाधिकारी की भ्रष्टाचार रूपी गठरी खोल रही है। जिसकी जानकारी अंगले अंक में दी जायेगी। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि जिला उद्योग केन्द्र बक्सर में महाप्रबंधक ज्योत्सना वर्मा है। जिले का प्रथम जिला साधन सेवी श्री सचिन कुमार पाण्डेय जी है। जिला साधन सेवी श्री कृष्णदेव सिंह, सोनी कुमारी, चन्दन कुमार दीपू श्रीवास्तव इत्यादि अथक प्रयास में है, जबकि जिला का सबसे भ्रष्ट जिला साधन सेवी रवि प्रकाश श्रीवास्तव है।●

रवि प्रकाश श्रीवास्तव के द्वारा पीएमएफएमई योजना में दी जाने वाली सेवा शुल्क

सेवा शुल्क जिन्हें दिया जाता है	कमीशन प्रतिशत में
महाप्रबंधक डी आई सी बक्सर	05
शाखा प्रबंधक	10
जी एस टी	18
डी आर पी	02

उपरोक्त कमीशन विभिन्न सूत्रो व आवेदक के आलोक में।

बक्सर विधानसभा के इतिहास में पहली बार ईमानदार व कर्तब्यनिष्ठ विधायक

एक्स आईपीएस आनन्द मिश्र

● बिन्ध्याचल सिंह

बिहार विधान सभा चुनाव-2025 में बक्सर जिला में छः नवम्बर को वोट डाले गये थे और 14 नवम्बर-2025 को गिनती हुई जिसमें बक्सर विधान सभा से एक्स आईपीएस श्री आनन्द मिश्र विजयी घोषित हुए। जबकि 01/12/2025 को बिहार विधान सभा में शपथ ग्रहण किये। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि 15 नवम्बर से 30 नवम्बर 2025 के बीच यानि महज 15 दिन की चार ऐसे कार्य जो नवनिर्वाचित विधायक एक्स आईपीएस श्री आनन्द मिश्र ने किये जो पूर्णत: आम जनता से जुडी है। पहला-पुलिस की बंन्दूक पीठ खुजलाने के लिये नही- एक्स आईपीएस श्री आनन्द मिश्र की विधायक निर्वाचित होने के बाद पहला कार्य आम जनता की सुरक्षा की दृष्टि से था। जो बक्सर पुलिस के लिये धीरे से जोर का झटका है। दुसरा- औद्यौगिक क्षेत्र बक्सर के व्यवसायी के साथ बैठक कर उनके समस्या को सुनने के

अगले दिन बाइक की सवारी कर औद्यौगिक क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवसायी को हो रहा समस्या की निदान पर किये जा पहल। जिससे न केवल व्यवसायी वर्ग को फायदा होगा बल्कि जिला के लोगो की रोजगार भी उपलब्ध कराने में बक्सर के व्यवसायी की भूमिका अहम होगी,साथ ही जिले की आय में वृद्धि भी होगी। तीसरा- नगर परिषद् में मनमानी पर रोक की बात श्री आनन्द मिश्र के द्वारा कही गई है जो आने वाले कल ही बतायेगा कि नगर परिषद् में कितना रोक लगा। चौथा- चौसा थर्मल पावर के मनमानी से परेशान किसानो को हर सम्भव मदद के साथ कम्पनी के नियमानुसार रिक्तियो को भरने की बात नवनिर्वाचित विधायक श्री आनन्द मिश्र आर एण्ड आर की बैठक में अगले बैठक तक 60 प्रतिशत भरने की बात पर चौसा थर्मल पावर के पदाधिकारी कितना अमल करते है। ये अगली बैठक में स्पष्ट होगा। संक्षेप में बताते चले कि 18वी बिहार विधान सभा बक्सर विधान सभा में बक्सर के इतिहास में विकास की गाथा जरूर लिखी जायेगी। जैसा बक्सर विधान सभा की जनता का विश्वास अपने नवनिर्वाचित विधायक एक्स आईपीएस आईपीएस आनन्द मिश्र रखी है। जानकारी के लिये बताते चले कि बक्सर विधान सभा की आम व खास जनता के लिये श्री मिश्र जी एक टॉल फ्री नम्बर जारी कर चुके है।●

शाहपुर विधानसभा का उगता हुआ सूरज

'होनहार विरवान के होत चिकने पात' उपयुक्त कहावत तब चरितार्थ होते शाहपुर विधान सभा की जनता ने पुरी तरह समझ पाई जब आदरणीय श्री राकेश रंजन ओझा ने निर्वाचित होते ही टॉल फ्री नम्बर जारी किये जो 198 शाहपुर विधान सभा,भोजपुर की आम जनता की किसी तरह की परेशानी न हो। जो शाहपुर विधान सभा के इतिहास मे पहले विधायक निर्वाचित हुये जिन्होने टॉल फ्री नम्बर जारी किये। शाहपुर विधान सभा की जनता नेअपनी कीमती वोट से भारी बहुमत से शाहपुर विधान सभा की प्रनिधित्वि करने के लिये चुना और बिहार विधान सभा में जिस विश्वास के साथ श्री राकेश रंजन ओझा जी को भेजा गया है उसका प्रमाण है, टॉल फ्री नंम्बर। दुसरा- शाहपुर विधान सभा के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि किसी आम जनता की कॉल रिसीव न होने पर श्री विधायक जी के द्वारा कॉल का जबाव दिया जा रहा है। शाहपुर की आम जनता में चर्चा है कि जिस विश्वास के साथ हमलोगो ने अपना प्रतिनिधि चुने है। आने वाले कुछ महीनो में इसका असर विकास के रूप में दिखने लगेगा। व्यक्त्वि के धनी, परमार्थी सोच, उदारवादी विचार रखने वाले श्री ओझा जी आने वाले कल में शाहपुर का विकास ऐसा करेगें जो बिहार प्रदेश के अन्य विधान सभा के लिये अनुकरणीय होगा। इस बात की चर्चा पुरे शाहपुर विधान सभा में चल रही है जो किसी भी चाय की दुकान, प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय, ग्रामीण चौपाल में सुनने को मिल रही है। वही शाहपुर बाजार, बिहिया चौरास्ता, बिहिया बाजार की जनता की जाम की निजात पाने के लिये नवनिर्वाचित विधायक से इच्छा रखी है वही सहजौली, बगही और चकरही-महुऑव की जनता मई-जून में होने वाले किचड से निजात पाने की इच्छा पाल रखी है। आम जनता के कथानानुसार श्री ओझा जी ने विधायक निर्वाचित होने से पहले ही अंचल कार्यालय में हो रहे मनमनी पर पहले ही ब्रेक लगा चुके है। ●

रिपोर्ट :- बिन्ध्याचल सिंह

सीएम सोरेन ने आदिवासी प्रतिनिधियों का किया स्वागत

● **गुड्डी साव**

कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में 5 दिसंबर को देश के विभिन्न राज्यों से आए आदिवासी प्रतिनिधियों का मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने हार्दिक स्वागत किया। मौके पर प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर अपने हक-अधिकारों के लिए संघर्ष करने और सशक्त होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर आदिवासी प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि देशभर में चल रहे आदिवासी संघर्षों को वे नेतृत्व प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि झारखंड की धरती हमेशा से वीरता, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रतीक रही है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा से लेकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन जैसे अनेक वीर.वीरांगनाओं के त्याग और संघर्ष ने आदिवासी अस्मिता को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने मानव सभ्यता के निर्माण एवं संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आज भी इस समाज में एकता व जागरूकता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि झारखंड सरकार आदिवासी समाज की संस्कृति, पहचान और अधिकारों की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। सामाजिक, बौद्धिक और शैक्षणिक रूप से आदिवासी समाज को आगे बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में झारखंड आज देश का पहला राज्य बना है, जहां आदिवासी समाज के विद्यार्थी सरकारी खर्च पर विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। आदिवासी समाज में एक नई रोशनी जगी है, इसे और प्रखर करने के लिए हम सभी को मिल. जुलकर प्रयास करना होगा। सरकार हर कदम पर आपके साथ है और हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति का उपासक है और पर्यावरण संरक्षण उसकी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है। हमारे पूर्वजों ने इस धरती और मिट्टी की रक्षा के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है, परंतु आधुनिक समय में प्रकृति से छेड़छाड़ के कारण बाढ़, सुखाड़ और

भूस्खलन जैसी आपदाएँ बढ़ी हैं। इसलिए, प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि आज पूरे देश में आदिवासी समाज को सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की आवश्यकता है। हम सबको मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि समाज के कमजोर वर्गों को मजबूती मिले और वे आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ें। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए आदिवासी प्रतिनिधियों ने झारखंड सरकार द्वारा आदिवासी समाज के हित में उठाए गए कदमों की सराहना की और राज्य सरकार के साथ सहयोग का आश्वासन दिया।

मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने प्रतिनिधियों की वर्षों की मेहनत की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के अस्तित्व और अधिकारों की रक्षा के लिए आने वाले दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने में वे स्वयं भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। हमें एकजुट होकर ऐसा संघर्ष करना होगा, जिससे हमारी समस्याएं केवल आवाज बनकर न रह जाएं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के एजेंडे का हिस्सा बन सकें। हमें यह बताना होगा कि हम बिखरे लोग नहीं, बल्कि एक राष्ट्र्खसमुदाय हैं, और इतिहास के कोने से निकलकर हमें भविष्य के केंद्र में पहुंचना है। आयोजित कार्यक्रम के दौरान

गुजरात, महाराष्ट्र, असम, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और मणिपुर सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए आदिवासी प्रतिनिधियों ने झारखंड सरकार द्वारा आदिवासी समाज के सशक्तीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार के साथ सतत सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि झारखंड की पहल ने पूरे देश में आदिवासी समाज के बीच नई ऊर्जा का संचार किया है। इस अवसर पर सभी प्रतिनिधियों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के त्याग, संघर्ष और योगदान को नमन करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुआ, मंत्री चमरा लिंडा, विधायक कल्पना सोरेन एवं अशोक चौधरी समेत सैकड़ो की संख्या में देश के विभिन्न राज्यों से आए आदिवासी प्रतिनिधि उपस्थित थे।●

जेएसएससी संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा का रिजल्ट जारी

उच्च न्यायालय ने नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का दिया निर्देश

● **गुड्डी साव**

जेएसएससी संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा का रिजल्ट जारी कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के बाद 4 दिसंबर को ढोल नगाड़ों के साथ सैकड़ों अभ्यर्थी ने मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय परिसर पहुंच कर मनाया जशन। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बधाई देते हुए जताया आभार। अभ्यर्थियों ने कहा मुख्यमंत्री जी के प्रयासों एवं निष्पक्ष जांच के कारण हमें न्याय मिला है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पहुंचे हुए अभ्यर्थियों के बीच पहुंच कर संबोधित करते हुए कहा कि अगर इरादें नेक हों तो हर चीजें बेहतर होती है। इसी का परिणाम है कि जेएसएससी की संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा के रिजल्ट और नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़ी सारी अड़चनें अब दूर हो चुकी है। हालांकि, इसमें थोड़ा विलंब

हुआ, नहीं तो राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में आपके हाथों में भी नियुक्ति पत्र देने की खुशियां हम सभी मनाते। लेकिन, आप सभी को लंबे संघर्ष के बाद मिली सफलता और विजयी होने के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य में कुछ ऐसे विरोधी तत्व है जो हर प्रतियोगिता परीक्षाओं को बाधित करने की साजिश रचते रहते हैं। जेएसएससी संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर भी उन्होंने षड्यंत्र रचने का प्रयास किया। मामला उच्च न्यायालय तक पहुंचा। लेकिन, हमारी सरकार ने पूरी निष्पक्षता के साथ इसकी जांच कराई। जिन्होंने इस प्रतियोगिता परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता को दागदार बनाने की साजिश रची, उनके खिलाफ कठोर

कार्रवाई हुई । झारखंड उच्च न्यायालय ने भी इसे समझा और आपके ईमानदार प्रयास और भावनाओं को सम्मान देते हुए आपको न्याय दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा पिछले 18 वर्षों में सिविल सेवा की जितनी परीक्षाएं ली गई, उतनी परीक्षाएं हमारी सरकार ने पिछले 5 वर्षों में ही ली है। इतना ही नहीं उस दौरान ली गई जेपीएससी की तमाम परीक्षाओं को लेकर धांधली बरते जाने के मामले सामने आए थे, लेकिन हमारी सरकार में ली गई तमाम परीक्षाएं बेदाग रही है। हमारी सरकार युवाओं के साथ हर कदम पर पूरी मजबूती के साथ खड़ी है। हमारी स्पष्ट सोच है कि जब युवा खुश होंगे तभी हमारा राज्य खुशहाल होगा। यही वजह की तमाम चुनौतियों के बीच युवाओं का भविष्य संवारने का प्रयास निरंतर जारी है। इस अवसर पर अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों, राज्य सरकार के द्वारा जेएसएससी सीजीएल परीक्षा प्रकरण से जुड़े पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होने से हमें न्याय मिल सका है। हमारे संघर्ष को जीत मिली है तो इसमें मुख्यमंत्री जी का हमें पूरा सहयोग मिला। मुख्यमंत्री जी का दिल से आभार।●

भाजपा ने सरकार, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग को कठघरे में खड़ा किया

● **गुड्डी साव**

भाजपा प्रवक्ता अजय शाह ने सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहां की राजधानी रांची में सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर जमीन की व्यवस्थित और संगठित लूट जारी है। बरियातू की जिस जमीन पर सेना का दावा था, उसे हथियाने वाले पूर्व डीसी, जो इस पूरे खेल के मास्टरमाइंड बताए जाते हैं, उन्हे सरकार ने दोबारा सत्ता तंत्र में शामिल कर लिया है। अब उसी बरियातू क्षेत्र में सरकारी अस्पताल की जमीन पर कब्जा कर एक निजी अपार्टमेंट का निर्माण खड़ा कर दिया गया है, जो अपने-आप में बड़ा सवाल खड़ा करता है। अजय साह ने कहा कि सामान्यत जमीन माफिया दो-तीन दिनों में अवैध कब्जा कर भाग खड़े होते हैं, लेकिन रिम्स परिसर में तो चार वर्षों तक खुलेआम एक निजी अपार्टमेंट का निर्माण होता रहा। इतने लंबे समय तक चलने वाला अवैध निर्माण तभी संभव है जब माफियाओं को सरकार और उसके प्रभावी तंत्र का संरक्षण प्राप्त हो। इस पूरे प्रकरण में स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ रांची नगर निगम के शीर्ष अधिकारी भी समान रूप से संलिप्त प्रतीत होते हैं। जहाँ आम लोगों के साधारण मकानों के नक्शे वर्षों तक पास नहीं हुए वहां चार साल तक अवैध अपार्टमेंट का निर्माण बिना अधिकारियों की शह का चलना असंभव है। भाजपा प्रवक्ता ने

यह भी आरोप लगाया कि रांची नगर निगम पूरे राज्य के भ्रष्ट अधिकारियों की शरणस्थली बन गया है। दूसरे जिलों या नगर परिषदों में जब कोई अधिकारी भ्रष्टाचार के आरोपों में घिर जाता है, तो उसे रांची नगर निगम में पदोन्नत कर भेज दिया जाता है, ताकि वह राजधानी में बड़े पैमाने पर "खेल" कर सके। अजय ने कहा कि नगर निगम में जारी यही भ्रष्टाचार का तंत्र है जिसके कारण पिछले पाँच वर्षों से राज्य में नगर निगम चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। उन्होने यह भी सवाल उठाया कि क्या इसी रिम्स मॉडल को लागू करने के लिए सरकार भारी जनविरोध के बावजूद रिम्स-2 के लिए निवासियों की जमीन अधिग्रहित करने पर तुली हुई है । जब वर्तमान रिम्स की जमीन बिल्डरों और जमीन माफियाओं के हवाले कर दी गई है, तो क्या रिम्स-2 भी इसी तरह भूमाफियाओं के लिए नया खजाना बनाने की तैयारी है । भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि जो नगर निगम आम नागरिकों के साधारण मकानों पर बुलडोजर चलाने में तत्पर रहता है, वही रिम्स में हो रहे अवैध निर्माण पर वर्षों तक केवल नोटिस-नोटिस का खेल खेलता रहा। भाजपा ने दावा किया कि इस अवैध निर्माण में कांग्रेस के एक विधायक का नाम भी सामने आ रहा है, इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई अनिवार्य है।●

खिजरी में बीएलए का सम्मेलन

● गुड्डी साव

रांची नामकुम में खिजरी विधानसभा स्तरीय ग्राम पंचायत कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों एवं बीएलए का सम्मेलन खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप के आवासीय कार्यालय परिसर लुपुंगटोली में किया गया। खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप ने सम्मेलन में उपस्थित सभी आये हुए अतिथि एवं खिजरी विधानसभा क्षेत्र के कर्मठ कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। कहा कि हमारे खिजरी विधानसभा क्षेत्र के एक एक कार्यकर्ता बहुत मेहनत करते हैं। सम्मेलन के मुख्य अतिथि के. राजू, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के स्थाई आमंत्रित सदस्य सह झारखण्ड प्रभारी ने कहा कि गांवों की समस्या को ग्राम पंचायत के कमिटी के पदाधिकारियों को मिल कर करना है। प्रत्येक महिना बीएलए को ग्राम पंचायत की बैठक रखना होगा। बैठक में महिलाओं की समस्या, मनरेगा की समस्या को चर्चा करके आपके विधायक राजेश कच्छप से मिलकर समाधान करना होगा। झारखण्ड में भी भारतीय जनता पार्टी एस एआर के द्वारा वोटर को रोकने का काम कर रहे हैं। सभी बीएलए को प्रशिक्षण देंगे ताकि आपको कहीं कोई दिक्कत ना हो। सम्मेलन में उपस्थित सह प्रभारी सिरिबेला ने कहा कि केंद्र के भारतीय जनता पार्टी ने बिहार में 69 लाख लोगों को वोट का अधिकार खत्म किया। झारखण्ड में भी यही करने जा रहा है जो एसएआर को लाया है। लोकतंत्र को खत्म करने में लगा हुआ है। बुथ में वोटर का हक खत्म करने का कोशिश कर रहा है। इसके लिए आपको सचेत रहना होगा। इसी का लड़ाई हमारे नेता राहुल गांधी लड़ रहे हैं' मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी के लोग कांग्रेस पार्टी के कार्यालय को तोड़ फोड़ कर रहे हैं आज भारतीय जनता पार्टी के लोग लोकतंत्र को समाप्त करने में लगे हुए हैं। सभी बीएलए को एक रहना होगा आपको ही बुथ संभालना होगा। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि सभी बीएलए, प्रखण्ड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्षों को अपने अपने घर 28 दिसंबर को झंडा लगाना होगा। 14 दिसंबर को अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली के राम लिला मैदान में जाने का आवाहन किया। कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने कहा कि कांग्रेस के कारण ही देश को मजबूत संविधान मिला है। आज भारतीय जनता पार्टी के लोग देश लोकतंत्र को खत्म करने में लगा है। कांके विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश बैठा ने सभा संबंधित करते हुए कहा कि सभी बीएलए को एक जूट रह कर काम करना है। आपको अपने क्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि आज देश को भारतीय जनता पार्टी खोखला करने में लगा हुआ है। खिजरी विधानसभा में कार्यकर्ता अच्छा काम कर रहे हैं। आज लोक .सभा चुनाव में खिजरी विधानसभा से बढ़त मिली है। जिला अध्यक्ष सोमनाथ मुण्डा ने सम्मेलन आये सभी का धन्यवाद किया। मौके पर विधायक के धर्म पत्नी रिया तिर्की, शाहजादा अनवर, रियाज अहमद, अशोक मिश्र, दुतिनाथ महतो, अली इमाम परवेज, माधो कच्छप, सतीश पंडा, विजय टोप्पो, तुलसी खरवार, एतवा उरांव, हरिमोहन महतो, एतवा मुण्डा, श्रवण मुण्डा, राजेंद्र मुण्डा, दीपा उरांव, आशा कच्छप, मेरी तिर्की, अनीता देवी, सुरेश साहु, रशीद अंसारी, रिजवान अंसारी, शिबू साहू, शिवदास गोस्वामी, धरमु नायक, सुकरा उरांव, शाहवीर लोहरा, शिलास टूटी, कल्याण लिण्डा, रीता होरो, जफर इमाम, सफीउल्हा अंसारी, कमिश्नर मुण्डा, रमेश पाण्डेय एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेसियों के कार्यकर्ता उपस्थित थे।●

सीएमपीडीआई के द्वारा क्षेत्रीय संस्थान वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2025-26 का शुभारंभ

● गुड्डी साव

सीएमपीडीआई के खेल मैदान में 4 दिसंबर से लेकर 6 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर-क्षेत्रीय संस्थान वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2025-26 का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक तकनीकी सीआरडी शंकर नागाचारी, निदेशक तकनीकी ईएस राजीव कुमार सिन्हा एवं अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के विशेष कार्यभार अधिकारी ओएसडी चौधरी शिवराज सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और सर्विस प्रदान कर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों के अलावा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं सीएमपीडीआई परिवार के लोग उपस्थित थे। समारोह को सम्बोधित करते हुए अतिथियों ने टीम वर्क, अनुशासन और फिजिकल फिटनेस को बढ़ावा देने में खेलों की भूमिका पर प्रकाश डाला और सभी प्रतिभागियों को ईमानदारी और उत्साह के साथ प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सभी खिलाड़ियों ने खेल भावना और निष्पक्ष खेल को बनाए रखने की शपथ भी ली।

उद्घाटन सत्र में पहला मुकाबला क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर बनाम क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के बीच हुआ जिसमें क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची ने क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर को पराजित किया। दूसरे मैच में क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल ने क्षेत्रीय संस्थान-6-सिंगरौली को हराया। तीसरा मैच मुख्यालय-रांची बनाम क्षेत्रीय संस्थान-2-धनबाद के बीच खेला गया जिसमें मुख्यालय-रांची की टीम ने क्षेत्रीय संस्थान-2-धनबाद को पराजित किया जबकि चौथे मैच में क्षेत्रीय संस्थान-4-नागपुर ने क्षेत्रीय संस्थान-5-बिलासपुर को हराया। इस तीन दिवसीय मैच में मेजबान टीम सीएमपीडीआई मुख्यालय -रांची सहित सभी क्षेत्रीय संस्थान की टीमें शामिल हैं, इसका उद्देश्य संगठन के भीतर एकता, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की संस्कृति को मजबूत करना है।●

सीसीएल मुख्यालय में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

● गुड्डी साव

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में 6 दिसंबर को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की महापरिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) पंकज कुमार उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीसीएल के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, कर्मचारी एवं ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. आशा लकड़ा को सीवीओ पंकज कुमार द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत के साथ हुई। इसके उपरांत डॉ. आशा लकड़ा, सीवीओ पंकज कुमार तथा उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों ने मुख्यालय परिसर स्थित

बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। अपने संबोधन में डॉ. आशा लकड़ा ने कहा कि "बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भारत को वह संविधान दिया, जिसने हर नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अवसर का मार्ग प्रशस्त किया। उनकी शिक्षाएँ हमें न्याय, समता और बंधुत्व के मूल्यों पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। उनकी महापरिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) पर हम सभी उनके दिखाए पथ पर चलने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने सीसीएल प्रबंधन का भी इस तरह के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।●

चमरा लिंडा ने की छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा

बोकारो, चतरा, गिरिडीह में छात्रवृत्ति वितरण की धीमी गति पर चिंता जताते हुए अधिकारियों को लगाया फटकार। 1 दिसंबर को कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निदेश दिया कि किसी भी हाल में छात्रों की छात्रवृत्ति मिलने में देर नहीं होनी चाहिए। बोकारो, चतरा, गिरिडीह जिला में वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति कक्षा 1-8 और कक्षा 9-10 तथा पोस्ट मैट्रिक में शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति वितरण की धीमी गति पर जताई चिंता। उन्होंने बोकारो, चतरा, गिरिडीह जिला के जिला कल्याण पदाधि कारियों से कारण पृच्छा करने का निदेश दिया। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने जिला कल्याण पदाधिकारियों को यथाशीघ्र वर्तमान शैक्षणिक सत्र समाप्त होने के पहले छात्रवृत्ति भुगतान संबंधी कार्रवाई करने का सख्त निदेश दिया । साथ ही सभी जिलों के उपायुक्तों को ससमय जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित कर लम्बित छात्रवृति के आवेदनों पर स्वीकृति प्रदान करने का निदेश दिया।● **रिपोर्ट :- गुड्डी साव**

झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो के कार्य

झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो के निर्वाचन क्षेत्र का नाम नाला विधानसभा क्षेत्र है जो जामताड़ा जिले में स्थित है। अध्यक्ष ने 2005, 2014, 2019 और 2024 में नाला विधानसभा क्षेत्र से झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक के रूप में अच्छे कार्यों को लेकर अपनी दबिश बनाए हुए है। बात करें उनकी जीवनी की तो जन्म दिनांक 12 जनवरी 1960 को ग्राम - पाटनपुर, जिला जामताड़ा झारखंड में हुआ। इनके पिता का नाम श्री गोलक बिहारी महतो जो एक अच्छे शिक्षक रहे। नाला विधानसभा क्षेत्र झारखंड राज्य के काशी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में एक है । यह एक सामान्य श्रेणी की विधानसभा सीट है। रबिंद्रनाथ महतो ने इस सीट पर भाजपा को लगभग 10000 वोट से हराया है। अध्यक्ष 7 जनवरी 2020 से 4 दिसंबर 2024 तक लगातार दूसरी बार झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष सर्वसम्मति के साथ चुने गए। विधानसभा के भीतर उन्होंने हमेशा सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की बातों को सुना और गंभीरता से लिया है । विधानसभा के 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं विधानसभा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में अध्यक्ष ने विधानसभा की उपलब्धियां चुनौतियों और लोकतांत्रिक यात्रा पर अपने विचार साझा किये उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा ने जनता की आवाज को सशक्त बनाने और राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।● **रिपोर्ट :- गुड्डी साव**

जामताड़ा पुलिस ने साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

झारखण्ड की जामताड़ा पुलिस ने 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 9 मोबाइल फोन और 12 फर्जी सिम सहित कई अन्य सामान बरामद किया गए है। बता दे कि पुलिस ने जिले के नारायणपुर थाना अंतर्गत हीरापुर गांव में छापेमारी कर एक स्कूल के निकट पेड़ के नीचे से पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए साइबर अपराधियों में सद्दाम अंसारी, तस्लीम रजा, समीर अंसारी, सलामत अंसारी, तजाउल अंसारी शामिल हैं। ये सभी पेड़ के नीचे बैठकर साइबर अपराध को अंजाम दे रहे थे।

☞ **फर्जी सिम और मोबाइल बरामद** :- पुलिस ने पकड़े गए साइबर अपराधियों के पास से 9 मोबाइल और 12 फर्जी सिम कार्ड बरामद किए हैं। पकड़े गए साइबर अपराधियों द्वारा फर्जी सिम कार्ड का प्रयोग ठगी के लिए किया जा रहा था। बताया जाता है कि उनके मोबाइल से जब्त सिम कार्ड दूसरे राज्य ओडिशा और पश्चिम बंगाल के हैं। जिसको लेकर पुलिस छानबीन में जुटी हुई है। एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि उन सभी साइबर अपराधियों का कार्य क्षेत्र झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश है। साइबर अपराधी व्हाट्सएप के जरिए एपीके फाइल भेजते थे। जिसके बाद व्हाट्सएप कॉल करके झांसा दे कर फाइल को इंस्टॉल करने के लिए बोलते थे। लोगों द्वारा फाइल को जैसे ही इंस्टॉल किया जाता था, अपराधियों को मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का एक्सेस प्राप्त हो जाता था। जिसके बाद मोबाइल से गोपनीय जानकारी प्राप्त कर साइबर ठगी का अंजाम देते थे। पकड़े गए पांचों साइबर अपराधियों के खिलाफ साइबर थाना में मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में जामताड़ा जेल भेज दिया गया है। एसपी राजकुमार मेहता ने आगे बताया कि विभिन्न प्रकार के पैसे के लेनदेन संबंधी ऐप अथवा सोशल मीडिया ऐप संबंधी एपीके फाइल को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज कर अथवा लिंक भेज कर इंस्टॉल करवा कर मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का एक्सेस प्राप्त कर गोपनीय जानकारी प्राप्त कर साइबर ठगी करना साइबर अपराध की शैली में में आता है।●

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़

● ओम प्रकाश

झारखण्ड की राजधानी रांची की रातु पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्य वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चोरी की पांच बाइक के साथ चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। रांची से सटे रातू और आसपास के इलाकों में बीते कुछ महीनों से बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक अंतरराज्य चोर गिरोह का खुलासा करते हुए इसके सरगना राजहंस सिंह उर्फ कारू सिंह समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधियों के नाम नाम रंजन महतो, रामू सिंह और घुरन प्रधान बताये गये। बता दे कि कारू सिंह पहले पंडरा ओपी क्षेत्र से जेल जा चुका है। इन लोगों की गिरफ्तारी के साथ ही चोरी की पांच मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई हैं।

☆ गुप्त सूचना के बाद बनी विशेष टीम :- 8 दिसंबर को पुलिस को जानकारी मिली कि कारू सिंह जेल से रिहा होने के बाद अपने साथियों के साथ रातू इलाके में बाइक चोरी कर रहा है। जानकारी मिलने पर रांची एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व और डीएसपी अरविंद कुमार की देखरेख में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने पहले कारू सिंह को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने दो बाइक चोरी करने की बात कबूल की, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर पुलिस ने दोनों बाइक बरामद कर लिए। इसके बाद बिजुलिया चौक पर वाहन जांच अभियान चलाया गया, जहां से तीन और चोरी की बाइक बरामद हुईं। साथ ही तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया।

☆ 6 दिसंबर को चोरी हुई बाइक भी बरामद :- पुलिस ने बताया कि बरामद वाहनों में एक होंडा साइन (श्र्भ01ब्थ-9142) भी शामिल है, जिसे 6 दिसंबर को दलादली सब्जी बाजार के पास से चोरी किया गया था। इस मामले में रातू थाना कांड संख्या 418/25 दर्ज है।

☆ पूर्व में भी जा चुके हैं जेल, वहीं की दोस्ती :- पुलिस जांच में पता चला कि चारों आरोपी पहले भी चोरी और दूसरे गंभीर मामलों में जेल जा चुके हैं। जेल में ही उनकी दोस्ती हुई और बाहर आने के बाद इन्होंने मिलकर फिर से अपराध करना शुरू कर दिया। कारू सिंह पर चौपारण और पंडरा ओपी में चोरी और हथियार रखने के मामले दर्ज हैं। रंजन महतो जमीन कब्जा मामले में आरोपी है। रामू सिंह हत्या, दुर्घटना और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में नामजद है। घुरन प्रधान भी लालपुर थाना कांड में आरोपी है। इधर पुलिस का कहना है कि इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में बाइक चोरी की घटनाओं पर रोक लगेगी। आगे भी इस तरह का अभियान जारी रहेगा।

☆ बरामद गाड़ियां :-

- ☞ हीरो होंडा स्प्लेंडर (JH02K-0321)।
- ☞ पल्सर (JH01DJ-8489)।
- ☞ पल्सर (JH05AF-3251)।
- ☞ पल्सर (JH01ATT-0753)।
- ☞ होंडा साइन (JH01CF-9142)।

☆ छापामारी टीम के सदस्य :- टीम में डीएसपी अरविंद कुमार, रातू थानेदार राम नारायण सिंह, एसआई संतोष यादव, अनुरंजन कुमार, छोटू कुमार, विशेश्वर कुमार, महेश प्रसाद कुशवाहा, एएसआई जुल्फीकार अली, सुनील कुमार सिंह और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

कोढ़ा गैंग के द्वारा उड़ाए गए 50 लाख के गहने

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के सदर थाना क्षेत्र में हुए 50 लाख के गहने की छिनतई मामले में रांची पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. छिनतई की वारदात को बिहार के कोढ़ा गैंग के द्वारा अंजाम दिया गया था। इस मामले में अपराधी तो गिरफ्तार नहीं हुए लेकिन पुलिस की रेड में गहने बरामद कर लिए गए हैं।

✯ सिटी एसपी ने प्रेस वार्ता में किया मामले का खुलासा :- प्रेसवार्ता में सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि 08 दिसंबर को सदर थाना क्षेत्र के रहने वाले निलय प्रकाश अपनी पत्नी के साथ डीएवी बरियातु स्थित बैंक ऑफ इंडिया शाखा गये थे। वो अपने लॉकर में रखे जेवरात को निकालकर अपने चारपहिया वाहन से घर आ रहे थे।जब वे अपने घर के गेट पर पहुंचे तो उनकी पत्नी जेवर का बैग कंधे में रखे हुए अपने घर का गेट खोलने लगी ताकि उनके पति कार को घर के अंदर ले जा सके। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो अपराधी अचानक से उनकी पत्नी के कंधे पर लटके बैग को झपट कर भाग गये। जिसके बाद निलय प्रकाश द्वारा इस घटना की सूचना सदर थाना को दी गयी। जिसपर सदर थाना कांड संख्या-596/25, दिनांक 08.12.2025 धारा 304(2)/74/76/126(2)/ 115(2)/117(2)/ 109(1)3(5) BNS मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात के विरूद्ध दर्ज किया गया।

✯ एसआईटी टीम ने बिहार में की रेड :- मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर छिनतई कांड के त्वरित उद्भेदन के लिए सिटी एसपी पारस राणा और पुलिस उपाधीक्षक सदर संजीव कुमार

बेसरा एवं सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।विशेष टीम द्वारा तकनीकी शाखा से लगातार संपर्क में रहकर तकनीकी अनुसंधान के क्रम में कोढ़ा गैंग की संलिप्तता की आसूचना प्राप्त की गई। जिसके बाद पुनि सह थाना प्रभारी सदर थाना के नेतृत्व में एक टीम को आसूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए कटिहार भेजा गया। इस छामापारी दल के द्वारा स्थानीय थाना के सहयोग से त्वरित कारवाई करते हुए आसूचना के आलोक में ग्राम जुराबगंज, थाना कोढ़ा, जिला कटिहार (बिहार) स्थित रामकुमार यादव के घर पर दबिश देते हुए घर की तलाशी ली गयी। घर की तलाशी के दौरान घटना में छिनतई हुए सभी जेवरातों (सोना- 425 ग्राम एवं चांदी 450 ग्राम, जिसका मूल्य करीब 55-60 लाख रुपये) को बरामद किया गया है। इस घटना में संलिप्त अभियुक्त रामकुमार यादव एवं अन्य की पहचान की गयी है व उनकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

✯ बरामद सामानों की विवरणी :-

☞ सोने का बिस्कुट- 02 पीस (200 ग्राम लगभग)।
☞ सोने का सिक्का- 07 पीस (50 ग्राम लगभग)।
☞ सोने की अंगूठी- 15 पीस (40 ग्राम लगभग)।
☞ सोने का झुमका- 16 जोड़ा (30 ग्राम लगभग)।
☞ सोने की चेन- 09 पीस (60 ग्राम लगभग)।
☞ सोने का हार- 02 पीस (20 ग्राम लगभग)।
☞ सोने की गिन्नी एवं अन्य सामग्री (25 ग्राम लगभग)।
☞ चांदी की पायल- 09 जोड़ी (350 ग्राम लगभग)।
☞ चांदी का लॉकेट लगा हुआ चेन (25 ग्राम लगभग)।
☞ चांदी का सिक्का- 03 पीस (25 ग्राम लगभग)।
☞ चांदी का कड़ा- 01 जोड़ी (50 ग्राम लगभग)।
☞ अन्य छोटी-मोटी सामग्री।

✯ छापामारी दल के सदस्य :-

☞ पु:नि. कुलदीप कुमार, थाना प्रभारी, सदर थाना, राँची।
☞ आरक्षी 897 विवेक कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय (तकनीकी शाखा)।
☞ आरक्षी 3349 प्रभाशु कुमार, सदर थाना एवं स्थानीय थाना के पदाधिकारी एवं सदस्य।●

नशे के कारोबारी की कमर तोड़ते हुए डीसीपी प्रकाश ने आधी रात को मारा रेड

महिला सहित चार तस्कर गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची में पुलिस ने नशीले पदार्थों के कारोबार के के खिलाफ कार्रवाई करते हुए राँची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र से ब्राउन शुगर के एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक महिला भी शामिल है।

✯ **गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई :-** 10 दिसंबर 2025 बुधवार की रात करीब 10 बजे गुप्त सूचना मिलने के बाद एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक विशेष छापामार टीम बनाई गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए सुखदेवनगर थाना क्षेत्र सेंट्रल बैंक गली स्थित अखिल मेमोरियल मार्ग से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में अनिकेत कुमार उर्फ सिनु, उसकी पत्नी अनीशा कुमारी उर्फ अन्नु, अमित कुमार सोनी उर्फ अमित सोनी और सोनू कुमार बताये गये। इन लोगों के पास से पुलिस ने कुल 33.18 ग्राम ब्राउन शुगर, 5.82 लाख रुपये नकद, एक महिंद्रा स्कॉर्पियो और एक स्कूटी बरामद की गई है।

✯ **डीएसपी प्रकाश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया मामले का खुलासा :-** वही गुरुवार की देर शाम इस सम्बंध में कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने प्रेसवार्ता में बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय को 10 दिसंबर की रात गुप्त सूचना मिली थी कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर की खरीद- बिक्री हो रही है। इस महत्वपूर्ण सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस की टीम ने सबसे पहले सुखदेवनगर स्थित कुम्हार टोली, चूना भट्ठा के पास अमित सोनी के घर पर विधिवत छापा मारा। तलाशी के दौरान, अमित सोनी के घर के दूसरे तल पर कपड़ों के बीच छिपाकर रखी गई 20.58 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। बरामद सामान के बारे में पूछने पर अमित सोनी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। आगे की पूछताछ में अमित सोनी ने बताया कि वह सासाराम के शाहिद नामक व्यक्ति से ब्राउन शुगर लाकर राँची में ऊंचे दाम पर बेचता है। डीएसपी प्रकाश ने बताया कि अमित सोनी से मिली जानकारी के आधार पर, दूसरी कार्रवाई में पुलिस की टीम ने देर रात करीब 02:30 बजे अखिल मेमोरियल गली, रातू रोड स्थित अनिकेत कुमार उर्फ शीनू के घर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान घर में अनिकेत कुमार उर्फ शीनू और उसका भाई सोनू कुमार मिले। दोनों की तलाशी लेने पर अनिकेत के पैंट की पॉकेट से प्लास्टिक में लिपटी 10.20 ग्राम और सोनू कुमार के पैंट से 2.40 ग्राम ब्राउन

शुगर बरामद हुई।

✯ **बेड में छुपाकर रखे थे 5.82 लाख रुपये :-** घर की तलाशी में अनिकेत की पत्नी अनीशा कुमारी उर्फ अन्नू भी पकड़ी गई। अनिकेत की पत्नी अनीशा कुमारी उर्फ अन्नु एक कमरे में सोती हुई मिलीं। महिला पुलिस कर्मी द्वारा उठाने पर अनीशा ने उठने से मना कर दिया। सख्ती बरतने पर जब उन्होंने सहयोग किया और बिस्तर से कंबल हटाया गया तो पता चला कि वह अपने साथ 5.82 लाख रुपया नकद छिपा रखी थीं। पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि अनीशा कुमारी उर्फ अन्नु भी ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री में शामिल हैं और यह मोटी रकम ब्राउन शुगर बेचकर ही जमा की गई थी। अनिकेत सासाराम के पिंटू साह से माल लाकर घर और घूम-घूम कर बेचता था। डीएसपी ने आगे बताया कि नशे के कारोबारियो के खिलाफ अभियान जारी है। इधर एसएसपी राकेश रंजन ने आम लोगों से अपील किया है कि इस तरह अवैध कारोबार की सूचना राँची पुलिस को दें। गुप्तसूचना देने वालों का नाम और पता गोपनीय रखा जाएगा। रातभर चली इस संयुक्त कार्रवाई के बाद पुलिस ने अनिकेत, अमित, सोनू और अनीशा को गिरफ्तार कर लिया। सभी पर सुखदेवनगर थाना में कांड संख्या 647/25 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। अनिकेत और अमित दोनों के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं, जिनमें लूट, मारपीट, छेड़खानी और एनडीपीएस के केस शामिल हैं।●

दोस्त निकला दोस्त का कातिल

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची की धुर्वा पुलिस ने 12 घंटे के भीतर अरशद अंसारी हत्याकांड में शामिल अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है।1दिसंबर सोमवार की देर रात रांची के धुर्वा में अरशद अंसारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात की गुत्थी को सुलझाते हुए रांची पुलिस ने हत्या में शामिल आरोपी तौसिफ अंसारी उम्र करीब 28 वर्ष पिता कमरूद्धीन अंसारी सा0 सिठियो थाना धुर्वा जिला रांची को गिरफ्तार किया है। इस कांड में प्रयुक्त एक देशी पिस्टल–7. 65 एम0एम0का , घटनास्थल पर दो खोखा फायर किया हुआ और 6 जिन्दा गोली– 7.65 एम0एम0 का बरामद कर लिया गया है।

✯ **दोस्त ने कर दी थी हत्या :–** रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र में अरशद अंसारी की गोली मारकर हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में यह बात सामने आई है कि मामूली विवाद और गाली–गलौज के बाद अरशद के दोस्त तौसीफ अंसारी ने ही इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी तौसीफ को गिरफ्तार कर लिया है। रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया की अरशद अंसारी हत्याकांड का रांची पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी तौसीफ को गिरफ्तार कर लिया है। सिटी एसपी ने बताया कि आग तापने के दौरान ही अरशद और तौसीफ के बीच सोमवार की रात विवाद हो गया, विवाद बढ़ने पर तौसीफ अपने घर से हथियार लेकर आया और पिस्तौल से गोली चलाकर अरशद अंसारी की हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपी ने हथियार को छिपाने की कोशिश की और उसे धुर्वा डैम के पास फेंक दिया, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद कर लिया। जांच में यह भी सामने आया है कि अरशद अंसारी का पूर्व में आपराधिक इतिहास रहा है। वहीं मामले को लेकर सिटी एसपी ने बताया कि तौसीफ अंसारी द्वारा हत्या को अंजाम देने की पुष्टि हो चुकी है और घटना में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। फिलहाल प्राथमिक जांच में सामने आया है कि गाली–गलौज और आपसी विवाद में ही हत्या हुई है।

✯ **12 घंटे के अंदर गिरफ्तारी :–** रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने आगे बताया की अरशद की हत्या के बाद डीएसपी हटिया के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर अपराधी को गिरफ्तार करने का टास्क दिया गया। अरशद के भाई ने उन तमाम लोगों के नाम बता दिए थे जो लोग अरशद के साथ आग ताप रहे थे। इसी बीच तौसीफ का नाम संदिग्ध के तौर पर सामने भी आ गया था। जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर तौसीफ को 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। तौसीफ के पास से अवैध हथियार कहां से आया इसकी जांच की जा रही है।

✯ **छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल :–**

☞ पुलिस उपाधीक्षक हटिया प्रमोद कुमार मिश्रा।
☞ पु0नि0 सह थाना प्रभारी विमल किण्डो धुर्वा थाना।
☞ पु0अ0नि0, लव कुमार, धुर्वा थाना।
☞ पु0अ0नि0 हीरालाल साह।
☞ पु0अ0नि0 एतवा उरांव।
☞ पु0अनि0 चन्द्रशेखर सिंह (अनुसंधानकर्ता)।
☞ एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी सशस्त्र बल के साथ।

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस–प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:– 9431073769/8340360961

ई–मेल:– editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

अवैध नकली शराब और स्प्रीट जब्त

● ओम प्रकाश

झारखण्ड के जामताड़ा पुलिस अधीक्षक राज कुमार मेहता को गुप्त सूचना मिली कि गोविन्दपुर की ओर से नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पाण्डेयडीह मोड़ होते हुए एक DCM गाड़ी सं0-WB-51C-5752 के द्वारा अवैध नकली विदेशी शराब को बिहार ले जाया जा रहा है एवं दो चार चक्का वाहन उसका स्कॉट कर रहे है। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक महोदय, जामताड़ा के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विकास आनंद लागुरी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर अग्रेतर कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। गठित टीम के द्वारा रविवार 30.11.2025 को गुप्त सूचना के आधार पर गोबिन्दपुर साहेबगंज स्टेट हाईवे पर नारायणपुर थाना क्षेत्र के पांडेयडीह मोड़ के समीप सघन वाहन जांच अभियान के दौरान छापेमारी कर एक डीसीएम वाहन के साथ करीब 225 पेटी अवैध नकली विदेशी शराब एवं करीब 3120 लीटर स्पिरिट जप्त गया। इसकी जानकारी नारायणपुर थाना प्रांगण में सोमवार को जामताड़ा पुलिस अधीक्षक राज कुमार मेहता ने प्रेसवार्ता में किया। इस दौरान एसडीपीओ विकास आनंद लागोरी एवं इंस्पेक्टर रवींद्र नाथ यादव भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि गोबिन्दपुर साहेबगंज स्टेट हाईवे पर पांडेयडीह मोड़ के समीप पुलिस ने एक टीम गठित कर सघन वाहन जांच अभियान के दौरान छापेमारी किया। जिसमें पुलिस ने एक डीसीएम ट्रक संख्या डब्लुबी 51सी 5752 नंबर के वाहन के साथ भारी मात्रा में अवैध नकली विदेशी शराब ओर स्पिरिट जप्त किया। इस मामले में 4 अभियुक्त को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जाँच के दौरान DCM गाड़ी सं0-WB-51C- 5752 जिसपर कुरकरे की बोरी के पीछे छिपाकर 210 पेटी अवैध नकली विदेशी शराब ROYAL STAGE तथा 78 पेटी गैलन में स्पीरिट एवं उक्त गाड़ी का स्कॉट कर रहे HUNDAI AURA जिसका रजिस्ट्रेशन नं0-JH09-AW-1734 जिस पर 08 पेटी अवैध नकली विदेशी शराब ROYAL STAGE, चार चक्का वाहन Maruti Suzuki Swift जिसका रजिस्ट्रेशन नं0-JHTO-DC-4782 जिस पर 07 पेटी अवैध नकली विदेशी शराब ROYAL STAGE को गठित टीम के द्वारा विधिवत जप्त किया गया। उक्त जप्त शराब का झारखण्ड में सरकारी दर पर अनुमानित मुल्य 15,95,400 रुपये है, जबकि बिहार में इसी कुल अनुमानित मुल्य करीब

45,00,000/-(45 लाख रूपये) है।

✯ **गिरफ्तार अभियुक्तो का नाम :-**

☞ DCM गाड़ी सं0-WB-51C-5752 के चालक दारा सिंह उम्र करीब 30 वर्ष, ग्राम हलकटा, थाना-पूर्वी टुण्डी, जिला-धनबाद।

☞ चन्दर मंडल उर्फ चन्द्रदेव मंडल पे0 बद्री मंडल साकिन-करमाटांड थाना- मनियाडीह, जिला- धनबाद।

☞

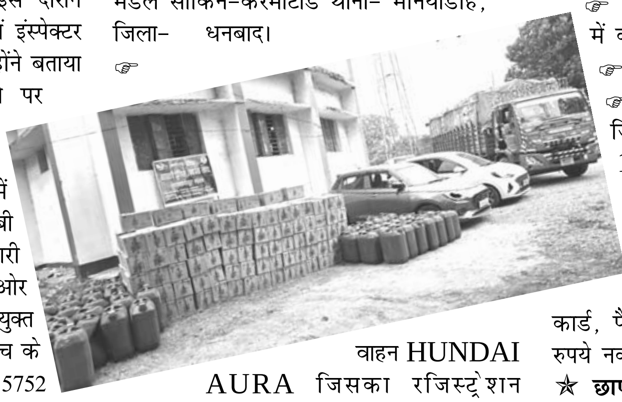

वाहन HUNDAI AURA जिसका रजिस्ट्रेशन नं0-JH09-AW-1734 के चालक मो0 रहीम अंसारी उम्र 42 वर्ष, पिता-स्व0 सलीम अंसारी, ग्राम-आमझर, थाना-बलियापुर, जिला- धनबाद।

☞ Maruti Suzuki Swift जिसका रजिस्ट्रेशन नं0-JH10-DC-4782 के चालक संतोष पासवान उम्र करीब 36 वर्ष पिता-श्री उमेश पासवान, ग्राम-हीरापुर, माडा कॉलोनी, थाना+जिला-धनबाद।

✯ **जप्त सामान की विवरणी :-**

☞ एक DCM गाड़ी सं0- WB-51C-5752 (गोल्डेन मैरुन रंग की)।

☞ अवैध नकली विदेशी शराब की कुल 225 पेटीजिस पर ROYAL STAGE लिखा हुआ (एक पेटी में 375 ML का 24 बोतल, बोतल पर For sale in Punjab only लिखा तथा झारखण्ड सरकार का नकली लोगो लगा हुआ) कुल-5400 बोतल, कुल-2025 लीटर।

☞ नीले एवं बैगनी रंग का 78 गैलन (एक गैलन में 40 लीटरस्पीरिट) कुल 3120 लीटर स्पीरिट।

☞ उजले रंग का प्लास्टिक के पचास बोरी में कुरकुरे जैसा पदार्थ।

☞ मोबाईल फोन-07 ।

☞ वाहन HUNDAI AURA जिसका रजिस्ट्रेशन नं0 -JH09-AW-1734

☞ Maruti Suzuki Swift जिसका रजिस्ट्रेशन नं0 -JH10-DC-4782

☞ गिरफ्तार अभियुक्तो का आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड एवं 9.33000 रुपये नकद।

✯ **छापामारी दल के सदस्य :-**

☞ श्री विकास आनन्द लागुरी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जामताड़ा।

☞ श्री रविन्द्र नाथ यादव, पुलिस निरीक्षक नारायणपुर प्रभाग।

☞ पु0अ0नि0 साकेत प्रताप देव, नारायणपुर थाना।

☞ पु0अ0नि0 अमर सिंह तापेय, नारायणपुर थाना।

☞ स0अ0नि0 रामकुमार सिंह, नारायणपुर थाना।

☞ आ0/113 संतोष कुमार सिंह तकनीकी शाखा।

☞ आ0/703 अब्दुल वाहिद, नारायणपुर थाना।

☞ आ0/133 अमरेश कु0 सिंह, नारायणपुर थाना।

☞ चा0 आ0/05 रंजन कु0 पाण्डेय, नारायणपुर थाना।

☞ नारायणपुर थाना गश्ती दल।●

फर्जी गैंगरेप का केस करने वाली महिला और मुख्य साजिशकर्ता सहित पांच अपराधी चढ़े पुलिस के हत्थे

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में पुलिस ने बेड़ो थाना क्षेत्र में हुए एक कथित सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) के मामले का चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला ने खुद ही पैसे लेकर पांच युवकों को फंसाने के लिए एक फर्जी केस दर्ज कराया था। इस मामले में राँची पुलिस ने आरोप लगाने वाली महिला सहित कुल पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। बता दे कि यह पूरा मामला रंगदारी और झूठे आरोप पर आधारित था। फर्जी दुष्कर्म का केस दर्ज कराने के बाद, महिला और उसके साथियों द्वारा कथित तौर पर आरोपियों के परिवार से न केवल पैसों की मांग की जा रही थी बल्कि पैसे नहीं देने पर पूरे परिवार को केस में फंसाने की धमकी भी दी जा रही थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कथित दुष्कर्म पीड़िता के साथ-साथ इस पूरे षड्यंत्र का मुख्य साजिशकर्ता भी शामिल हैं। इस साजिश में शामिल जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है उसमें नसीहा खातून (फर्जी केस दर्ज कराने वाली महिला), साबिर खान (मुख्या साजिशकर्ता), मो. नसीम, इम्तियाज आलम और विक्की खान शामिल है। इधर सूत्रों से जानकारी

मिली है कि इस मामले में बेड़ो के पूर्व थानेदार की भूमिका संदिग्ध है।

✯ 50 हजार में तय हुआ सौदा :- पुलिस जांच में यह बात सामने आई है, कि आरोप लगाने वाली महिला नसीहा खातून ने कथित तौर पर 50 हजार की राशि लेकर बेड़ो थाना में यह फर्जी गैंगरेप का केस दर्ज कराया था। यह केस पांच निर्दोष युवकों को फंसाने की एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा था। पुलिस ने पूरे मामले की

जांच की और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया। फर्जी सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए केस दर्ज कराने वाली महिला नसीहा खातून और मुख्य साजिशकर्ता साबिर खान समेत अन्य तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपियों के खिलाफ अब झूठा मुकदमा दर्ज कराने और रंगदारी मांगने समेत विभिन्न धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

✯ गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम एवं पता :-

☞ साबिर खान, पिता- स्व0 सब्बीर खान, पता सा0 बलसोकरा, थाना- चान्हों, जिला राँची।

☞ नसीम अहमद अंसारी, पे0-स्व0 करीमुद्दीन अंसारी, सा0 बलसोकरा, थाना चान्हों, जिला राँची।

☞ नसीहा खातून, पे0- मो0 गुलाम अंसारी, सा0 ओरमांझी कुटे, थाना सिकिदरी, जिला राँची।

☞ विक्की खान उर्फ अनीस अंसारी, पे0 अजाद अंसारी, सा0 जोजरो, थाना कुडू, जिला राँची।

☞ इम्तेयाज आलम, पे0- स्व0 रेयाजुल हक, सा0- लापुर, थाना-चान्हों, जिला राँची।

✯ गिरफ्तार अभि0 साबिर खान के विरूद्ध दर्ज अपराधिक इतिहास :-

☞ बेंड़ो थाना कांड सं0-53/09, धारा- 399/402/414/419/420/467/468/ मा0द0वि0 एवं 3/4वि0 पदा0अधि0।

☞ चान्हो थाना कांड सं0-34/12, दि0-03.04.12,धारा-147/148/149/341/323/324/504/506 मा0द0वि0।

☞ चान्हो थाना कांड सं0-18/13, दि0-10.02.13, धारा-384 भा0द0वि0।

☞ चान्हो थाना कांड सं0-31/17, दि0-15.03.17, धारा-25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट।

☞ चान्हो थाना कांड सं0-114 / 23, दि0-02.08.23 ,धारा-147/148/149/341/323/325/307 मा0 द0वि0।

☞ चान्हो थाना कांड सं0-179/25, दि0-11.12.25, धारा-308 (4)/308 (5) /352/351 (3)/3(5) भा0न्या0स0।

✭ जप्त सामानों का विवरण :-

☞ दो आईफोन

☞ तीन एन्ड्रॉयड मोबाईल

☞ एक कीपैड मोबाईल

✭ छापामारी में शामिल पुलिस पदाधिकारी:-

☞ पु0 अ0नि0 नागेश्वर साव, थाना प्रभारी नरकोपी।

☞ पु0अ0नि0 मनीष कुमार, थाना प्रभारी ईटकी।

☞ पु0 अ0नि0 सुजीत उरॉव, थाना प्रभारी बेड़ो।

4. पु0 अ0नि0 सुरेन्द्र कुमार (अनुसंधानकर्ता) चान्हों।

☞ सशस्त्र बल।●

कोतवाली थाना प्रभारी आदिकांत महतो लाइन हाजिर

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के कोतवाली थाना प्रभारी आदिकांत महतो को एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के दौरान एक बड़े अधिकारी के अंगरक्षक की गाड़ी चेक करना पड़ा महंगा। जिसके बाद उनका तत्काल प्रभाव से कर दिया गया तबादला। फिलहाल उन्हें पुलिस केंद्र, रांची में योगदान देने का दिया गया है निर्देश।

☞ **बिना नंबर की स्कूटी चला रहा था बड़े अधिकारी का अंगरक्षक :-** बताते चले कि एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के दौरान अंगरक्षक

चौकिंग के दौरान कोतबाली थानेदार से कहा साहब का बॉडीगार्ड हूँ मेरी मर्जी

की गाड़ी चेक करना थाना प्रभारी को महंगा पड़ गया। देर रात बिना नंबर की स्कूटी से जा रहे बड़े अधिकारी के अंगरक्षक को रांची शहीद चौक पर चेकिंग के लिए पुलिस ने रोका तो वह भड़क कर आग बबूला हो गया। हंगामा होता देख थानेदार ने जब स्कूटी सवार का परिचय पूछा तो वह उल्टा ही

सवाल जवाब करने लगा व थाना प्रभारी सहित कई पुलिस अधिकारियों से उलझ गया। आपे से बाहर होकर करने लगा हंगामा, दबंगई दिखाते हुए देख लेने की दी धमकी।फिर दिखने लगा बड़े अफसर की धौंस। सिटी एसपी तक मौके पर पहुंचकर स्कूटी सवार अंगरक्षक को समझाने का किए प्रयास। बड़े अधिकारी के अंगरक्षक के रूप में तैनात सिपाही को मैनेज करने में लगे रहे आईपीएस। वही थानेदार को हटाने पर अड़ा रहा अंगरक्षक। जिसके बाद एसएसपी भी हुए खामोश। बड़े अधिकारी के अंगरक्षक का हुक्म नहीं टाल सके रांची एसएसपी। देर रात एक बड़े अधिकारी का फोन आने के बाद एसएसपी समेत पूरी रांची पुलिस सहमी, अपना पक्ष तक नहीं रख पाए पुलिस अधिकारी व पदाधिकारी। सिपाही के अड़ियल रवैए के बाद कोतवाली थानेदार को हटाकर तत्काल भेज दिए पुलिस लाइन। इधर बगैर कोई गलती व स्पष्ट कारण बताए थानेदार को हटाए जाने के बाद राजधानी के थानेदारों में नाराजगी, सबका एक ही सवाल–आखिर एक इंक्वारी तक क्यों नहीं कराई गई। ●

सेहत के लिए रक्षा कवच है इम्यून सिस्टम

● ललन कुमार प्रसाद

बीमारी क्या है? हम बीमार क्यों पड़ जाते हैं? हमारे शरीर में ऐसा क्या बचा होता है कि हम बीमार पड़ जाते हैं। वैसे तो बीमारी शरीर के किसी अंग के खराब होने से भी हो सकती है, लेकिन बीमारी का मुख्य कारण हमारी इम्यूनिटी का कमजोर पड़ जाना है। जब हमारे शरीर की इम्यूनिटी कमजोर पड़ जाती है तो तरह-तरह के वायरस (विषाणु), बैक्टीरिया (जीवाणु), जर्मस (रोगाणु), वर्मस (कीटाणु) और फंगस हमारे शरीर पर हमला कर हमें बीमार कर देते है। चिकित्सक बताते हैं कि कोरोना वायरस से संक्रमण की रोकथाम के लिए अभी तक कोई भी दवाई या वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में इससे बचाव ही बेहतर है। इसलिए यदि हम सोशल डिसटेंसिंग के साथ-साथ अपने शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता इम्यून पावर या इम्यूनिटी के मजबूत करे तो न केवल इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं, बल्कि ग्रसित होने पर स्वस्थ भी हो सकते हैं।

इम्यून सिस्टम हमारे शरीर के सेल्स (कोशिकाओं), टिस्यूज (ऊत्तकों) तथा ऑर्गन्स (अंगों) द्वारा संचालित एक ऐसा जटिल नेटवर्क है जो आपस में मिलकर बीमारी उत्पन्न करने वाले वायरस, बैक्टीरिया आदि के रोगाणु से शरीर में प्रवेश कर जाने पर उन्हें नष्ट करता है या हानिरहित बनाता है या खा जाता है। इस कारण शरीर में रोग अपना निवास स्थान नहीं बना पाता है, टिक नहीं पाता है, समाप्त हो जाता है। रोगों से लड़कर उन्हें परास्त करने की इस शक्ति से इम्यून पावर या रोग प्रतिरोधक क्षमता या इम्यूनिटी कहते हैं। यह शक्ति मनुष्य को बीमारियों से रक्षा करके उसे असमय बीमार पड़ने और फिर मरने से बचाता है। इस शक्ति के न होने पर मनुष्य अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता है। साधारण से साधारण वायरस, बैक्टीरिया आदि का संक्रमण भी उसका प्राण ले सकता है। ध्यान रहे कोई भी इलाज इस प्राकृतिक इम्यून सिस्टम की जगह नहीं ले सकता है। इस तरह हम पाते हैं कि हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम हमें कुदरत का एक अनमोल भेंट है, जिसकी जगह महंगी से महंगी दवाइयां भी नहीं ले सकती है। हमारा इम्यून सिस्टम अपने नेटवर्क से हमारे सभी सेल्स, टिस्यूज और ऑर्गन्स को वायरस, बैक्टीरिया आदि बाहरी आक्रमण के समय उन्हें सुरक्षा प्रदान करता है। अर्थात् इम्यून सिस्टम की रोग-प्रतिरोधक क्षमता है जो शरीर को बीमारियों के विरूद्ध रक्षा-कवच का काम करती है। यही कारण है कि हम जल्दी बीमारी की चपेट में नहीं आ पाते हैं और यदि चपेट में आ भी जाते हैं तो उससे शीघ्र ही निजात पाने में सफल हो जाते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हममें रोगों से संक्रमित होने की क्षमता घट जाती है। इसलिए हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए कि हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर न पड़ने पाये

इम्यून सिस्टम की कार्यप्रणाली को समझने के लिए पहले हमें खून की संरचना समझना होगा, क्योंकि खून ही मुख्य रूप से हमारे शरीर की बीमारियों के विरूद्ध सुरक्षा में सर्वाधिक अहम योगदान देता है। वैसे तो खून के अन्य कई कार्य भी हैं, जैसे-ऑक्सीजन और पोषक तत्वों को शरीर के सभी सेल्स, टिस्यूज और ऑर्गन्स तक पहुंचाना एवं शरीर के भीतर बने हानिकारक पदार्थों को शरीर से बाहर निकालना। लेकिन बाहरी वायरस, बीमारिया आदि से शरीर की रक्षा करने का बहुत ही महत्वपूर्ण भी कार्य

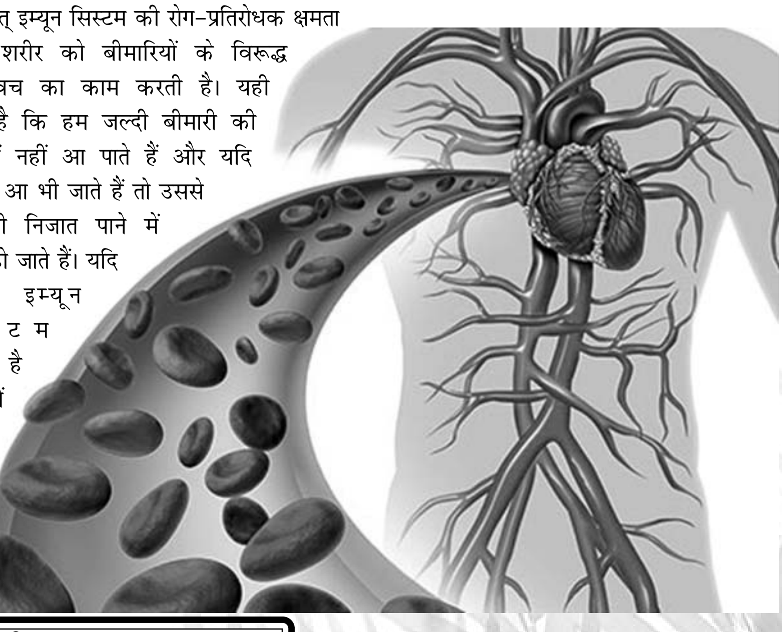

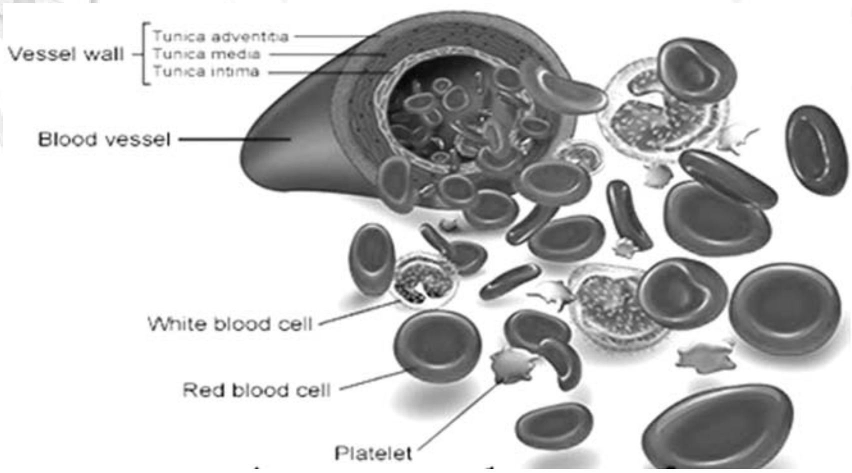

खून ही करता है।

✯ **खून की संरचना :-** हमारे शरीर के अंदर धमनियों (आर्टरिज), नसों (वेन्स) और कोशिकाओं (ब्लड केपीलरीज) से आजीवन प्रवाहित होने वाला अपारदर्शक गाढ़ा लाल रंग के तरल पदार्थ को खून कहते हैं। इसकी उत्पत्ति अस्थि मज्जा (बोन मैरोव) में होती है। इसे शरीर में प्रवाहित करने का कार्य हृदय करता है, जो मांसपेशियों (मसल्स) से बना हुआ एक प्रकार का पंप है। हृदय से शुद्ध रक्त शरीर के सभी अंगों तक पहुंचता है और अशुद्ध रक्त शिराओं द्वारा शुद्ध होने के लिए फेफड़ों (लंग्स) में लौटता है, फिर फेफड़ों से शुद्ध होकर हृदय में पहुंचता है और हृदय से शुद्ध रक्त सभी अंगों तक पहुंचता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह शरीर के भार (वजन) से 12वें-14वें भाग के बराबर होता है। आमतौर पर 70 वर्ष के एक व्यक्ति में इसकी मात्रा 5.6 लिटर होती है। औसतन पुरूषों में इसकी मात्रा 5 से 6 लिटर और महिलाओं में 4 से 5 लिटर होती है। खून का आपेक्षित घनत्व (हिपसिफिक डेनसिटी) 1.045 से 1.065 के बीच होती है।

खून के दो प्रमुख अंग होते हैं-प्लाज्मा लगभग 55% और रक्त कणिकाएं लगभग 45%। रक्त कणिकाएं ठोस होती है और प्लाज्मा बहुत ही हल्का पीला तरल पदार्थ है। ये रक्त कणिकाएं प्लाज्मा में डूबी तैरती रहती हैं। रक्त कणिकाएं तीन प्रकार की होती है-लाल रक्त कणिकाएं (रेड ब्लड सेल्स या एरिथ्रोसाइट), सफेद ब्लड सेल्स (व्हाइट ब्लड सेल्स या ल्यूकोसाइट) और प्लेटलेट (सोम्बोसाइट)।

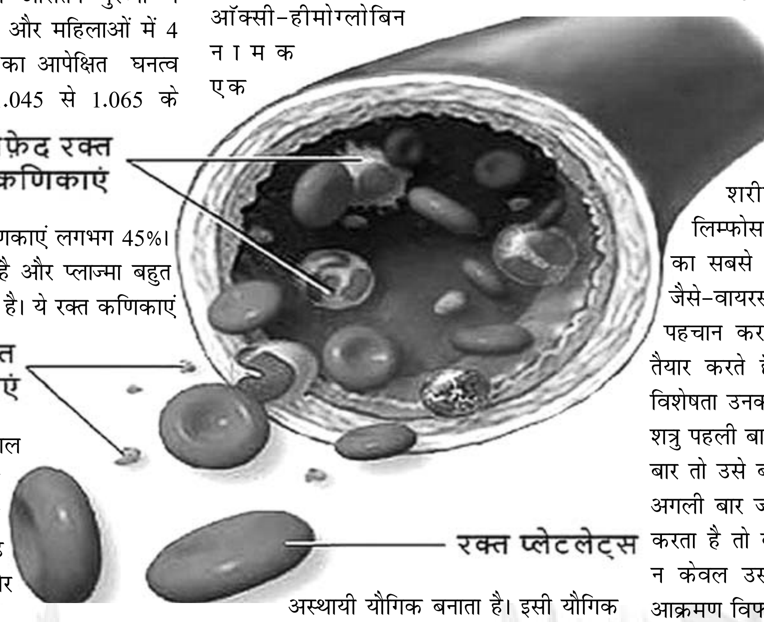

☞ **प्लाज्मा :-** प्लाज्मा में 90% जल और शेष बचे 10% में प्रोटीन, एंटीबॉडीज, फाइब्रिनोजन, कार्बोहाइड्रेट, वसा (फैट), लवण आदि मिले होते हैं। प्रोटीन शारीरिक वृद्धि का काम करता है और एंटीबॉडीज हानिकारक बैक्टीरिया तथा उनसे निकले विषैले पदार्थों को निष्क्रिय करता है।

☞ **लाल रक्त कणिकाएं (एरिथ्रोसाइट) :-** इनकी आकृति अण्डाकार तस्तरी के समान होती है। महिलाओं में इन कणिकाओं की संख्या 45 लाख प्रति मिलीलिटर तक, पुरूषों में 55 लाख प्रति मिलीलिटर तक होती है। यही कणिकाएं शरीर में ऑक्सीजन को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने का कार्य करती है। इनमें ही हीमोग्लोबिन नामक एक लाल रंग का रासायनिक पदार्थ लगभग 95% होता है। इसका रंग लाल होता है। इसलिए खून लाल रंग का होता है। हीमोग्लोबिन लौह और प्रोटीन से बना एक रसायन है, जो ऑक्सीजन से संयोग कर ऑक्सी-हीमोग्लोबिन नामक एक अस्थायी यौगिक बनाता है। इसी यौगिक के कणों का रंग चमकीला लाल होता है। इसलिए शुद्ध रक्त का रंग चमकीला लाल होता है। रक्त परिवहन के दौरान ये लाल रक्त कण ऑक्सीजन को शरीर के प्रत्येक सेल तक पहुंचा देते हैं। सांस लेने के दौरान फेफड़े खून की हीमोग्लोबिन के द्वारा ऑक्सीजन को ग्रहण कर हृदय की मदद से शरीर की सभी कोशिकाओं तक पहुंचाता है, जहां पचे हुए भोजन से प्राप्त रस का माइकोकौंड्रिया के द्वारा ऑक्सीजन होता है। इससे ऊर्जा और कॉर्बन डाइऑक्साइड का निर्माण होता है। सांस छोड़ने के दौरान हीमोग्लोबिन इस कॉर्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण कर फेफड़ों तक पहुंचाता है, जहां से वह शरीर के बाहर निकल जाता है। लाल रक्त कणिकाओं या कोशिकाओं की सामान्य जीवन अवधि 120 दिन होती है, पर इनकी मृत्यु पर तत्काल नई कोशिकाएं बन जाती है। इन लाल कोशिकाओं का बनना और टूटना जीवन भर चलता रहता है।

☞ **सफेद रक्त कणिकाएं (ल्यूकोसाइट) :-** सफेद रक्त कणिकाएं या कोशिकाएं, रक्त की सबसे बड़ी कोशिकाएं होती हैं, जो सफेद न होकर रंगहीन होती है। खून में इनकी संख्या 6000 से 8000 प्रति मिलीलिटर होती है। प्रत्येक कोशिका में रंगहीन प्रोटोप्लाज्म और एक केन्द्रक होता है। आकार (साइज) और आकृति (शेप) के अनुसार ल्यूकोसाइट पांच प्रकार की होती है- न्यूट्रोफिल्स, लिम्फोसाइट्स, इओसिनोफिल्स, बेसोफिल्स और मोनोसाइट्स। इनके कार्य थोड़े भिन्न-भिन्न होते हैं। जब हमारे शरीर पर कोई वायरस, बैक्टीरिया आदि रोगाणु का आक्रमण होता है तो न्यूट्रोफिल्स तुरंत सक्रिय हो जाते हैं और रोगाणुओं की तरफ गतिशील होकर उस स्थान पर केन्द्रीत हो जाते हैं, जहां रोगाणु एकत्रित होते हैं और उनकी वृद्धि को रोक देते हैं या उनको मार देते हैं या उनको खा जाते हैं। मोनोसाइट भी रोगाणुओं से हमारे शरीर की रक्षा करते हैं, लेकिन लिम्फोसाइट्स हमारे शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र का सबसे प्रमुख हिस्सा है। ये बाहरी शत्रुओं जैसे-वायरस, बैक्टीरिया आदि रोगाणुओं से पहचान कर उनसे लड़ने के लिए एंटीबॉडीज तैयार करते हैं। लिम्फोसाइट्स की सबसे बड़ी विशेषता उनकी यादाश्त है। एक बार कोई बाहरी शत्रु पहली बार शरीर में प्रवेश करता है तो वे उस बार तो उसे बाहर निकाल फेंकती ही है, लेकिन अगली बार जब वह विदेशी शत्रु शरीर में प्रवेश करता है तो वे अपनी यादाश्त की बदौलत तुरंत न केवल उसकी टोह लेती है, बल्कि उसका आक्रमण विफल करने के लिए रणनीति भी तैयार

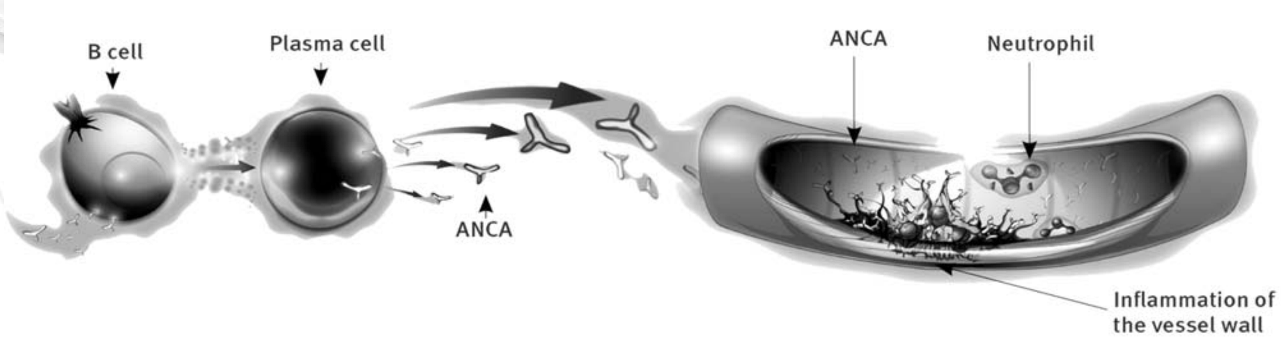

कर लेती है।

✯ **लिम्फोसाइट्स दो प्रकार के होते हैं :-** टी-सेल लिम्फोसाइट्स और बी-सेल लिम्फोसाइट्स। बी-सेल लिम्फोसाइट्स लिम्फ ग्रंथियों (ग्लैंड्स) में और टी-सेल लिम्फोसाइट्स गले के निचले हिस्से में स्थित थाइमस ग्रंथि में बनते हैं।

☞ **टी-सेल लिम्फोसाइट्स :-** ये कोशिकाएं दो प्रकार की होती है-टी-4 कोशिकाएं और टी-8 कोशिकाएं। टी-4 कोशिकाओं से टी-प्रेरक और टी-8 कोशिकाओं को टी-मंदक कोशिकाएं भी कहते हैं। ये दोनों तरह की ही लिम्फोसाइट कोशिकाएं शरीर की प्रतिरक्षा तंत्र में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

☞ **बी-सेल लिम्फोसाइट्स :-** ये कोशिकाएं वायरस, बैक्टीरिया आदि रोगाणु के आक्रमण के समय एक तरह का प्रोटीन पदार्थ के अणु पैदा करती है। इन अणुओं को एंटीबॉडीज कहते हैं। ये रोगाणु द्वारा विषैले पदार्थ एंटीजन को बांध कर हानिरहित बना देते हैं। एंटीजन और एंटीबॉडीज दोनो मिलकर एक संयुक्त पदार्थ बनाते हैं, जो बाद में मैक्रोफेज कोशिकाओं द्वारा बाहर निकाल दिया जाता है।

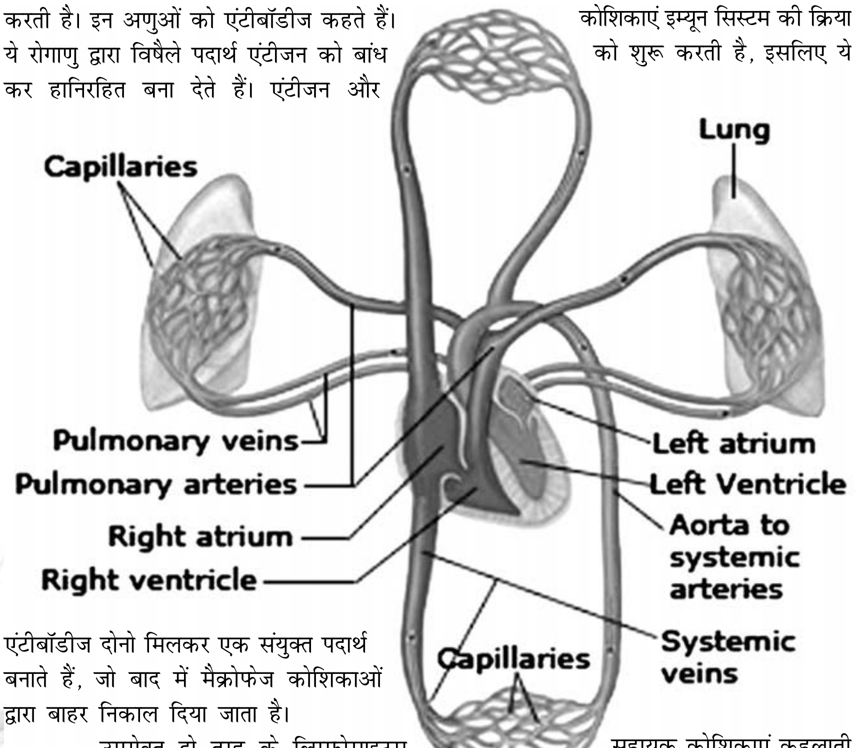

उपरोक्त दो तरह के लिम्फोसाइट्स के अलावा तीसरे तरह का भी लिम्फोसाइट होता है, जिसे नेचुरल किलर्स सेल्स कहा जाता है। ये सीधे या इंटरफेरान का रिसाव करके शरीर की उन कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं, जो संक्रमित हो जाती है या जिनमें कैंसर के लक्षण होते हैं।

✯ **कैसे कार्य करता है इम्यून सिस्टम :-** रोग उत्पन्न करने वाले वायरस या बैक्टीरिया के ऊपर एक प्रकार के प्रोटीन की परत होती है जो उनकी पहचान होती है कि वे किस प्रकार के वायरस या बैक्टीरिया हैं। जब ये वायरस या बैक्टीरिया खून में प्रवेश करते हैं तो टी-4 कोशिकाएं निर्धारित करती है कि वह शरीर के लिए हानिकारक है या नहीं। टी-4 कोशिकाओं से सूचना मिलने के बाद ही टी-8 कोशिकाएं एक तरह के प्रोटीन का निर्माण करती है, जो एंटीजन को प्रभावहीन बनाकर शरीर से बाहर कर देती है। इस तरह शरीर रोगों से सुरक्षित बना रहता है। टी-4 कोशिकाएं इम्यून सिस्टम की क्रिया को शुरू करती है, इसलिए ये सहायक कोशिकाएं कहलाती है। टी-8 कोशिकाएं एंटीबॉडीज बनने की प्रक्रिया पर नियंत्रण रखती है, लेकिन जब उचित मात्रा में एंटीबॉडीज बन जाती है तो वे इन क्रिया को धीमा कर देती है। इसलिए टी-8 कोशिकाओं को मंदक कोशिकाएं कहलाती है। ये रोग प्रतिरक्षक क्रियाएं उचित स्तर पर क्रमबद्ध तरीके से चलती रहती है। इसे ही शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कहते हैं।

✯ **इम्यून सिस्टम के प्रकार :-** शरीर का इम्यून सिस्टम यानि रोग प्रतिरोधक क्षमता दो प्रकार की होती है-स्वाभाविक रोग प्रतिरोधक क्षमत (इन्नेट इम्यूनिटी) और अर्जित रोग प्रतिरोधक क्षमता (एक्वायर्ड इम्यूनिटी)।

☞ **स्वाभाविक रोग प्रतिरोधक क्षमता :-** यह व्यक्ति में जन्मजात होती है। इसके कारण शरीर कई प्रकार की बीमारियों से बचा रहता है। न्यूट्रोफिल्स, लिम्फोसाइट्स, इओसिनोफिल्स, बेसोफिल्स, मोनोसाइट और नेचुरल किलर्स सेल्स, इम्यून सिस्टम के घटक (कम्पोनेंट) हैं।

☞ **अर्जित रोग प्रतिरोधक क्षमता :-** इसे जन्म के बाद अर्जित किया जाता है। अर्थात् शरीर में विकसित किया जाता है। यह दो प्रकार की होती है-प्राकृतिक और कृत्रिम। प्राकृतिक का एक ही उदाहरण है, माँ का दूध और कृत्रिम कई तरह का टीका (वैक्सीन)। माँ के दूध का कोई जवाब नहीं है। जो माताएं अपने शिशुओं को जन्म से लेकर कम से कम छः महीने तक पिलाती है, उन शिशुओं का इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, लेकिन यदि नौ महीने तक शिशुओं को पिलाया जाये तो बहुत ही अच्छा। इसका शिशुओं के सेहत पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी हानिकारक प्रभाव जीवन भर नहीं पड़ता है। लेकिन टीका का असर कुछ न कुछ हानिकारक प्रभाव शरीर पर अवश्य ही पड़ता है। माँ का दूध हर तरह के वायरस, बैक्टीरिया आदि रोगाणु के लिए कारगर होता है। लेकिन टीका, रोग विरोध के लिए अलग-अलग होता है। अर्थात् पोलियो, बी.सी.जी. , मीजल्स आदि रोगों के लिए अलग-अलग होता है और बच्चों को जन्म के दिन से पांच वर्षों तक भिन्न-भिन्न समय पर दिया जाता है। वायरस या बैक्टीरिया हर बार अपना रूप बदलता रहता है

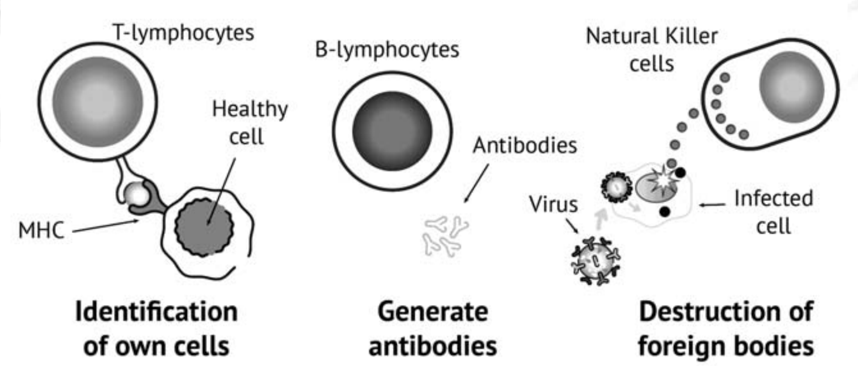

और इसलिए उनके लक्षण भी बदलते रहते हैं। ऐसा आप कोरोना वायरस को लेकर भी देख रहे हैं। फिलहाल कोरोना वायरस के तीन रूप हैं और तीनों लक्षण अलग-अलग है। ऐसा इसलिए कि एक कालखण्ड के बाद वायरस की रसायनिक संरचना में परिवर्तन होता है। इसलिए एक ही बीमारी के लिए एक नये टीके की जरूरत पड़ती है। ऐसा ही कोरोना वायरस के टीका के साथ भी होगा। जो भी हो, टीका से फायदा तो होता ही होता है, लेकिन दुख की बात है कि कोरोना वायरस का टीका अभी तक विकसित नहीं किया जा सकता है, जबकि कोरोना वायरस अब तक के ज्ञात सभी प्रकार के वायरसों से सर्वाधिक तेज गति से फैलने वाला वायरस है, तभी तो इसको लेकर दुनियांभर में कोहराम मचा हुआ है।

✯ शरीर के कुछ अन्य प्राकृतिक रक्षक :- शरीर में कुछ हानिकारक रोगाणुों और तत्वों को रोकने वाले या नष्ट करने वाले कुछ अन्य प्राकृतिक रक्षक निम्नलिखित है :-

✯ शरीर के स्राव :- भोजन के साथ जो हानिकारक बैक्टीरिया रहते हैं, वे आमाशय द्वारा रिसने वाले हाइड्रोक्लोरिक अम्ल के सम्पर्क में आकर मृत हो जाते हैं। भोजन के दौरान मुंह में जो लार का स्राव होता है, वह भोजन को पचाने में सहयोग करने के साथ-साथ कई तरह के हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। पाचन तंत्र के निचले हिस्से यानि बड़ी आंत में कुछ विशेष तरह के बैक्टीरिया प्राकृतिक रूप से मौजूद रहते हैं, जो अन्य हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि को आंतों के अंदर रोकते हैं। यही कारण है कि जब हम एंटीबायोटिक दवाएं लेते हैं तो ये प्राकृतिक रूप से आंतों में रहने वाले बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं, जिससे मरीज को दस्त लगने की शिकायत हो जाती है। जब कुछ हानिकारक पदार्थ या किटाणु शरीर के अंदर पहुंच जाते हैं तो पाचन संस्थान में रिसने वाले तरल पदार्थ उन्हें उल्टी या दस्त के द्वारा बाहर निकालने का प्रयास करता है, जिससे हमारे शरीर की बीमारियों से रक्षा होती है। कई बार हैजा और टायफायड की बैक्टीरिया भी इसी तरह से नष्ट कर दिये जाते हैं। जुकाम होने पर नाक से तरल पदार्थ का स्राव बहुत अधिक बढ़ जाता है, जो उस तरल पदार्थ के साथ वायरस को बाहर निकालता है। इसलिए जिन्हें सर्दी-जुकाम की शिकायत बराबर रहती है और जो रूमाल से नाक को पोछते हैं, उन्हें प्रतिदिन गरम पानी तथा साबुन से रूमाल को धोना चाहिए, वरना उनकी सेहत दिन-व-दिन बिगड़ती ही चली जायेगी। श्वसन मार्ग पर बारीक सिलिया होते हैं। ये फेफड़ों में बैक्टीरिया को प्रवेश नहीं करने देते हैं। नाक के अंदर के बाल हवा के साथ धूलकण या कचरे को शरीर के अंदर जाने से रोक लेते हैं। शरीर क पाचन तंत्र और श्वसन अंगों के अंदरूनी भाग में एक सुरक्षा परत होती है, जिसे श्लेष्मा झिल्ली (म्यूकस मेम्ब्रेन्स) कहते हैं।

त्वचा तीन परतों वाली होती है, जो शरीर का तापमान स्थिर रखने में सहायक होती है। इसमें स्थित ग्रंथियां लाइसोजाइम्स जैसे तरल पदार्थ स्रावित करती है जो रोगाणुओं के शरीर में प्रवेश को रोकने के साथ-साथ उन्हें नष्ट भी करती है। त्वचा की सतह पर भी कुछ बैक्टीरिया होती है जो हानिकारक बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकती है। आंखों के द्वारा रिसने वाले तरल पदार्थ में भी लाइसोजाइम्स अधिक मात्रा में होते हैं जो आंखों पर हमला करने वाले वायरस और बैक्टीरिया को मार देते हैं। साथ ही धूलकण और गंदगी को आंसुओं के माध्यम से बहाकर आँखों से बाहर निकाल देते हैं। शरीर के प्राकृतिक रूप से स्रावित तरल पदार्थ शरीर से बाहर निकलने के दौरान बहुत से रोगाणुओं को शरीर से बाहर निकाल देते हैं। मसलन पेशाब करने से मूत्र मार्ग साफ होता है। इस तरह हम पाते हैं कि हमारे शरीर की रचना एक ऐसे किले की तरह है जिसके अंदर बाहरी वायरस, बैक्टीरिया आदि रोगाणुओं का प्रवेश निषिद्ध है, बशर्ते हम शरीर को साफ-सुथरा रखे, साफ कपड़ा पहनें, निवास स्थान साफ-सुथरा रखे तथा हमारा आहार संतुलित हो।

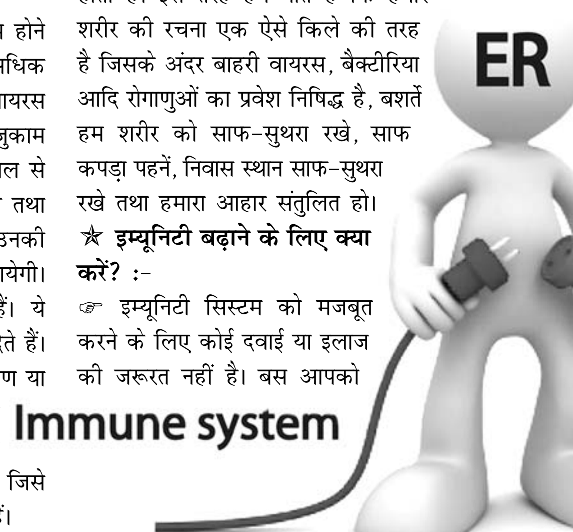

✯ इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए क्या करें? :-

☞ इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत करने के लिए कोई दवाई या इलाज की जरूरत नहीं है। बस आपको सेहत के प्रति जागरूक होना काफी है। पौष्टिक, सुपाच्य तथा ताजा आहार का नियमित सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसलिए समय पर भोजन करे और संतुलित भोजन करे। मजबूत

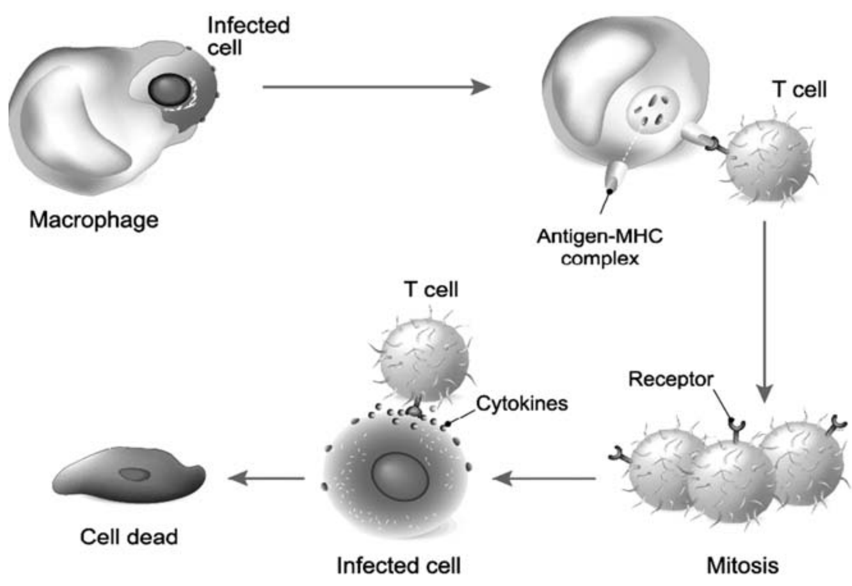

इम्यूनिटी के लिए हमारे शरीर को विटामिन -सी और बीटा कैरोटीन की जरूरत पड़ती है। इसके लिए मौसमी, संतरा, नींबू, आंवला आदि का सेवन बेहद लाभदायक है। आंवला में विटामिन -सी सबसे अधिक मात्रा में होता है और इसका विटामिन सी पकाने पर भी नष्ट नहीं होता है। हरी मिर्च का सेवन लाभकारी है, क्योंकि इसमें बीटा कैरोटीन होता है जो इंफेक्शनसे लड़ने में मदद करता है। रात को सोने से थोड़ा पहले दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर पीना बेहद लाभकारी है, क्योंकि हल्दी प्राकृतिक डिटॉक्सीफायर है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटीवायरल, एंटीबायोटिक, एंटीफंगल, एंटीइंलामेटरी गुण होते हैं। सहिजन (ड्रमस्टिक) का सेवन भी सेहत के लिए बेहद लाभकारी है। इसमें विटामिन-ए प्रचुर मात्रा में रहता है। यह एंटीवायरल है। इसकी सब्जी बनाकर या दाल में डालकर खाने से वायरस का खात्मा होता है। अरहर की एक कटोरी दाल अपने खाने में जरूर शामिल करे। यह प्रोटीन का बहुत ही उम्दा स्रोत है। आहार में सेव को भी शामिल करें। इसमें कई प्रकार के विटामिन और मिनिरल्स भरपूर मात्रा में मौजूद होता है। इसमें मौजूद सोडियम, पोटेशियम, कैल्सियम और आयरन शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दही का सेवन भी बहुत लाभकारी है। यह नेचुरल प्रोबायोटिक है। दही के सेवन से शरीर में अच्छी बैक्टीरिया बनती है, जो इम्यूनिटी को बढ़ाती है। लेकिन दही ताजा होनी चाहिए और फाइलेरिया के मरीज को इसका सेवन नहीं करना चाहिए। हरे नारियल का पानी पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। अंजीर, बादाम, अखरोट, किशमिश, मेवे आदि के सेवन बहुत लाभकारी है। अंजीर में पोटैशियम, मैग्नीज और एंटीऑक्सीडेट्स पाये जाते हैं। यह हमारे शरीर का पीएच लेवल सही करता है। रात में भिगोए बादाम के सेवन से शरीर की इम्यूनटी बढ़ती है। बादाम और अखरोट का सेवन मस्तिष्क को मजबूती प्रदान करता है तथा किशमिश शरीर को मजबूत बनाता है। मसाले के रूप में हल्दी, काली मिर्च, जीरा और दालचीनी का सेवन बेहद लाभकारी है। लहसून और अदरक दोनो ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है। इन दोनो में एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। ये दोनो खून साफ करने वाले एंजाइम्स की संख्या बढ़ाने में सहायक है। दालचीनी में एंटीऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होता है। इसके सेवन से कटने-फटने पर ब्लड को बहने से रोकने में मदद मिलती है यह ब्लड शूगर को स्थिर करता है और हानिकारक कोलस्ट्रॉल को कम करता है। वैधनाथ आयुर्वेद कंपनी का एक बहुत ही नायाब उत्पाद है। दालचीनी का तेल/रूई के फाहा को इस तेल में डुबाने के बाद दांत पर कुछ मिनट तक दबाये रखने पर हर तरह के दांत का दर्द दूर हो जाते हैं। शहद के साथ काली मिर्च का सेवन

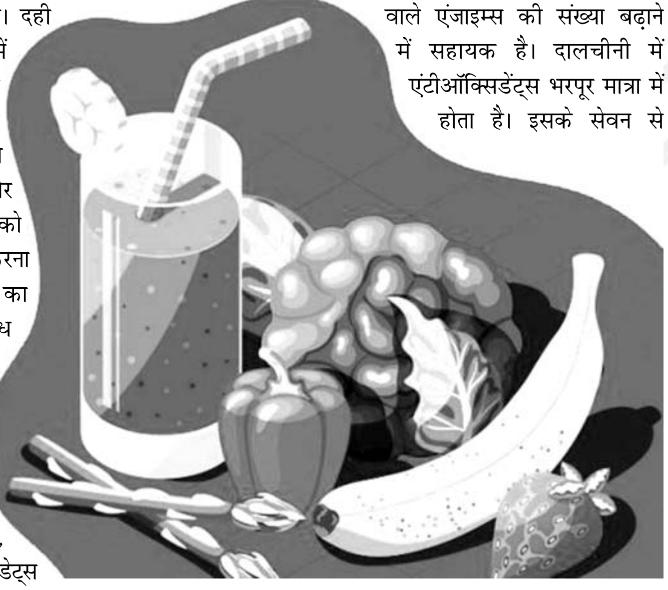

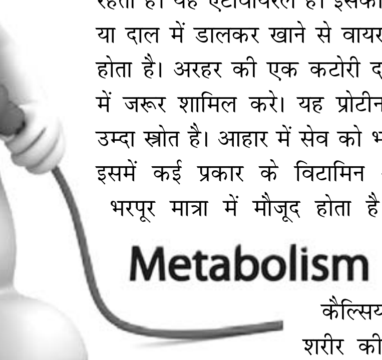

करने से इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होता है।

☞ नित्य तुलसी के 8 से 10 पत्ते तथा गिलोय के चार चम्मच रस का सेवन करना चाहिए। यदि तुलसी के पत्ते और गिलोय उपलब्ध न हो तो बाजार में तुलसी और गिलोय, टेबलेट के रूप में उपलब्ध हैं। नित्य दो टेबलेट तुलसी के और दो टेबलेट गिलोय के सेवन करना चाहिए, क्योंकि यह दोनों पदार्थ रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। कोरोना से संक्रमित होने पर खांसी, जुकाम, बुखार और श्वांस संबंधी शिकायते पैदा हो जाती है। गिलोय हर तरह के बुखार में लाभकारी है। तुलसी के सेवन से नाक और गले में इन्फेक्शन में राहत मिलती है तथा खांसी, जुकाम और श्वांस संबंधी रोगों में बहुत लाभ पहुंचता है।

☞ प्राणायाम आसन और सूक्ष्म व्यायाम करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। नित्य 15-15 मिनट कपालभाति और अनुलोम-विलोम प्राणायाम करना चाहिए। कपालभाति प्राणायाम सुबह शौच के बाद खाली पेट करना चाहिए। यदि उक्त तीनों क्रियाओं के साथ-साथ नित्य 4 से 5 किलोमीटर टहला जाए तो सोने पे सुहागा होगा। इसलिए नियमित रूप से नित्य प्राणायाम करने, आसन करने, सूक्ष्म व्यायाम करने और टहलने में कुल मिलाकर 1 घंटे का समय अवश्य देना चाहिए।

☞ हवन सामग्री जलाने से हर तरह के वायरस, बैक्टीरिया आदि रोगाणु के संक्रमण से मुक्ति मिल जाती है। धूप,, गुगूल, कपूर और गाय का घी मिलाकर हवन कुंड में जलाने पर उनकी गंध से आसपास का वातावरण स्वच्छ, शुद्ध, रोगमुक्त और पवित्र हो जाता है। रोग नाशक गुणों से युक्त इनके गंद श्वसन द्वारा शरीर में प्रविष्ट कर रोग के कीटाणुओं को नष्ट कर देती है, जिससे व्यक्ति वायरस, बैक्टीरिया आदि रोगाणु से संक्रमित होने से बच जाता है, इसलिए सप्ताह में 2 दिन 15 से 20 मिनट के लिए हवन अवश्य करना चाहिए। इससे पूरा परिवार ही संक्रमित होने से बच जाता है।

✮ इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए क्या ना करें? :-

☞ स्मोकिंग (धूम्रपान) छोड़ दें। मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल की रिपोर्ट के मुताबिक सिगरेट पीने से एस-2 नामक एंजाइम में बढ़ोतरी होती है, जिससे कोरोना के वायरस को फेफड़ों के सेल्स में चिपकने में मदद मिलती है। द न्यू इंग्लैंड जनरल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक शोध पत्र के मुताबिक कोरोना में स्मोकिंग नहीं करने वालों की तुलना में, स्मोकिंग करने वालों की मौत तीन गुना से भी ज्यादा होती है, क्योंकि स्मोकिंग से इम्यूनिटी घटती है।

☞ शराब पीना छोड़ दें। शराब पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। फेफड़ों में सिलिया नामक एक हिस्सा होता है, जो सांस लेने क `लिए हवा का रास्ता साफ करता है, लेकिन शराब पीने से इसे नुकसान पहुंचती है, इसलिए वायरस से संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। अमेरिका के नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन (एनसीबीआई) के मुताबिक शराब का ज्यादा सेवन न्यूमोनिया की आशंका बढ़ाता है।

☞ नाखूनों को ना बढ़ाएं। अगर आपके नाखून लंबे हैं, तो 20 से सेकंड तक साबुन या हैंड वास से आपका हाथ धोना बेकार हो जाता है, क्योंकि अंगुलियों पर बढ़े हुए नाखूनों के चलते नाखूनों के नीचे वायरस बस जाते हैं, जहां से यह खाते समय या मुंह, नाक और आंख को छूने से नाखूनों की भीतरी सतह से निकलकर शरीर के अंदर प्रवेश कर सकते हैं। कई लोगों को घबराहट में आमतौर पर नाखून चबाने की आदत होती है, ऐसे में वायरस शरीर के अंदर प्रवेश कर सकते हैं। इसलिए नाखूनों को बड़ा होने से बचाने के लिए सप्ताह में एक बार नाखूनों को जरूर काटना चाहिए।

☞ फास्ट फूड का अधिक सेवन ना करें। तले हुए भोजन का सेवन यथासंभव कम करें, क्योंकि तला हुआ भोजन कठिनाई से पचता है। बाहर का खाना खाने से बचें, क्योंकि कई बार इससे विषैले तत्व आपके शरीर में पहुंच जाते हैं, इसलिए आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। बासी भोजन का सेवन ना करें। हमेशा ताजा भोजन का सेवन करें और समय पर करें, असमय ना करें।

☞ कच्ची सब्जियों का सेवन ना करें। सब्जियों को अच्छी तरह से पानी से धोकर पकाएं।

☞ मुर्गी और अंडे का सेवन ना करें। मटन और मछली का भी सेवन ना करें। मटन और मछली का सेवन करें भी तो यथासंभव कम से कम करें। जब भी करे, ताजा मटन और मछली का सेवन करें तथा मटन और मछली अच्छी तरह से पकाकर करें। ●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)

किसानों की धड़कन

यदुनंदन शर्मा

यह तस्वीर बिहार के उस व्यक्तित्व की है जिसने किसानों के लिए अपना जीवन ही कुर्बान कर दिया। 1896 में ब्राह्म्ण कुल में जन्में बिहार के जहानाबाद अब अरवल जिला के मंझियावां गाँव के निवासी यदुनंदन शर्मा ने आजादी के पूर्व से आजादी के बाद भी किसानों के समस्याओं के निष्पादन एवं अधिकारों के लिए पूरा जीवन संघर्ष करते रहे लेकिन आज यदुनंदन शर्मा राजनीतिक षडयंत्र की वजह से गुमनाम हो गये। खुद घरवाले एवं इनके समाज के लोग भी शायद श्री शर्मा के प्रयास को नजरअंदाज कर रहे हैं, जबकि छोटी - छोटी कृतियों के लिए भारत रत्न एवं पद्मश्री सम्मान से लोगों को सम्मानित किया जाता है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने की वजह से मंझियावां में समुचित विकास भी नहीं दिखता था जबकि यदुनंदन शर्मा के संघर्ष की वजह से जमीन का टैक्स सरकार ने पूरे गांव का माफ कर दिया है। किसान के भगवान की उपाधि रखने वाले यदुनंदन शर्मा अगर दलित या अल्पसंख्यक होते तो शायद केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना में एक नाम यदुनंदन शर्मा के नाम से भी जाना जाता परन्तु ब्राह्म्ण समाज भी यदुनंदन शर्मा के संघर्ष को भूल चुका है। श्री शर्मा की शिक्षा के प्रति समर्पण का भाव एवं विलक्षण का प्रतिभा को देखकर ही काशी विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना मदन मोहन मालवीय ने पूरी शिक्षा का फीस को ही माफ कर दिया था। 1930 में गाँधी के नमक आन्दोलन के हिस्सा बने और 16 माह तक गया जेल में बंद रहे। 1930 के दशक में प्रसिद्ध सदाको और रेरा सत्याग्रह शुरू किया था। पंडित नेहरू उनसे मिलने और स्थानीय लोगों के एक बड़े सम्मेलन को संबोधित करने के लिए दिसंबर के सर्द रात में 1936 में आश्रम आये थे। 1975 में श्री शर्मा बैकुंठधाम वासी बन गये। हैरत की बात तो यह है की यदुनंदन शर्मा एक बार बिहार विधानसभा का चुनाव भी लड़े पर जातिवाद की राजनीति में उनको हार का सामना करना पड़ा। संघर्ष को बिहार में विकल्प नहीं माना जाता और मगध में ब्राह्म्ण आज इन्हीं कारणों से हासिये पर दिखते हैं जैसी बात स्थानीय स्तर पर कही जा रही है। श्री शर्मा को समर्पित कुछ यादें

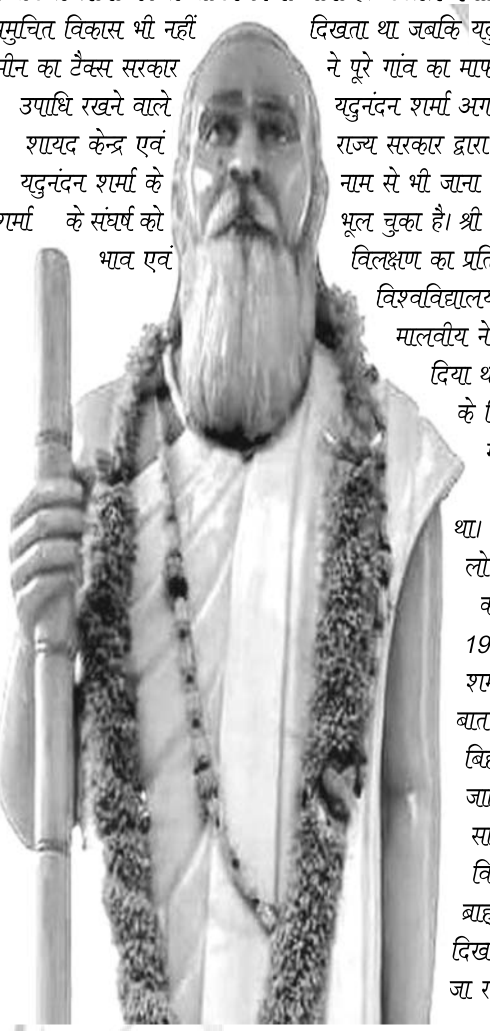

अरवल जिला के मंझियावां से
ब्रजेश मिश्र की रिपोर्टः-

जातिवाद के आग में झुलस रहे बिहार में वैसे तो बिहार की मिट्टी ने देश को अनेको सपूत दिए हैं जिन्होंने न सिर्फ राजनैतिक चेतना जागृति का कार्य किया, बल्कि समाज में मूलभूत बदलाव लाने के लिए अपना सर्वस्य न्योछावर कर दिया। कुछ नाम जो इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गए है, चाहे सर्वप्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद, भारत के राष्ट्रकवि की उपाधि प्राप्त श्री रामधारी सिंह दिनकर, आजाद भारत के सबसे बड़े क्रांति के जनक लोकनायक जयप्रकाश नारायण, इत्यादि हैं। बिहार की मिटट्ी ने इतने सपूत दिए हैं जिनपर मोटी ग्रन्थ लिखी जा सकती है, परन्तु आधुनिक भारत का इतिहास उसपर मौन है। इन्हीं एक विशेष नामों में अरवल जिला के मझियावाँ ग्राम निवासी पंडित यदुनंदन शर्मा भी हैं जो महर्षि दयानन्द सरस्वती की छत्रछाया में न सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम में अहम् भूमिका निभाई थी, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर किसान–हित के लिए आजीवन समर्पित भावना से काम करते रहे थे।

प्रारम्भिक जीवन

आज जब पुरे देश में आरक्षण लेने की अंधी दौड़ चल रही है जिस से कोई व्यक्ति आर्थिक और सामाजिक अड़चनों से बचकर एक अच्छी शिक्षा और सरकारी नौकरी प्राप्त कर सके, पंडित यदुनंदन शर्मा का प्रारंभिक जीवन ऐसे वर्ग के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बन सकता है जो यह दर्शाती है की दृढ निश्चय और सीखने की उत्सुकता हो तो आर्थिक और सामाजिक अड़चने आपके लक्ष्य में बाधा नहीं बन सकती। शर्मा जी का जन्म मगध के अरवल (जहानाबाद) जिले के मंझियावां गांव में एक गरीब परिवार में वसंत पंचमी के दिन हुआ था। तीन वर्ष में ही पिता का

साया सर से उठने के कारण गरीबी और बढ़ती चली गयी और अपने जीवन के 18 वसंत चरवाही कर के गुजारते रहे। चुकी इनके पिता संस्कृत के विद्वान् थे, उन्ही के एक मित्र के समझाने के बाद पढाई के प्रति लगन जागी और पंडित जी काशी पहुंच गए जो उस समय विद्या की नगरी के रूप में विख्यात था। पंडित शिवकुमार शास्त्री से संस्कृत की प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद टेकारी से अंग्रेजी की पढाई शुरू की और बस 4-5 वर्षो में ही मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। संसाधनों की कमी को कभी रसोईया बन कर पूरा किया तो कभी अपने साथी विद्यार्थियों को संस्कृत पढ़ा कर। मैट्रिक उत्तीर्ण करने के बाद कुछ दिन शिक्षक बन कर तो कुछ दिन जमींदार के यहाँ मैनेजर बन कर काम भी किया। परन्तु, विद्या ग्रहण करने की ऐसी ललक लगी थी की पंडित जी सब कुछ त्याग कर एक बार फिर काशी पहुंचे और काशी हिन्दू विश्विद्यालय में दाखिला ले लिया। विश्विद्यालय के पढाई के खर्च को पूरा करने के लिए नौकरी तक की। उनके लगन और मेहनत को देखते हुए काशी हिन्दू विश्विद्यालय के संस्थापक श्री मदन मोहन मालवीय जी ने शुल्क माफ कर दिया और उनके मकान मालिक ने भी उनका रहने का किराया लेना बंद कर दिया। इस तरह अनेको बाधाओं के वावजूद वो अपने विद्या अध्यन के लक्ष्य को पाने में सफल रहे।

राजनितिक सफर

बनारस हिन्दू विश्विद्यालय के दौरान ही उनका संपर्क चंद्रशेखर आजाद और शहीद भगत सिंह के दल से हुआ और देश प्रेम से सराबोर पंडित जी स्वाधीनता संग्राम में कूद पड़े। 1930 में गांधी जी के नमक सत्याग्रह के दौरान गया जिले के कांग्रेस का नेतृत्व करते हुए आंदोलन को गांव-गांव तक पहुंचाया और इसी कारण उन्हें 16 महीने की कैद की सजा सुनाई गयी। जेल से निकलने के बाद भी आंदोलन में सक्रिय रहे और इसी कारण अनेको बार जेल यात्रा करनी पड़ी। हालाँकि जल्दी ही कांग्रेस से उनका मोहभंग हो गया।

किसान आंदोलन

पंडित यदुनंदन शर्मा अपने राजनितिक जीवन के प्रारम्भ में ही स्वामी सहजानंद सरस्वती के संपर्क में आये और उसके बाद आजीवन उनके अनुयायी बन उनके सपनो को पूरा करने की भरपूर कोशिश करते रहे। 1933 में किसान महासभा से जुड़ने के बाद गया जिले के ही नियामतपुर गाँव में किसान आश्रम बनाये और उसी दिन से आजीवन किसान हित के लिए संघर्षरत रहे। पंडितजी अपने कर्तव्यों की वजह से

स्वामीजी के सबसे प्रिय व्यक्तियों में शामिल हुए और निर्विवाद रूप से किसान महासभा के दूसरे सबसे बड़े नेता बने। अखिल भारतीय किसान महासभा को सफल बनाने में इनका अहम् योगदान रहा । इनकी सभाओ में एक लाख से भी ऊपर की संख्या होती थी जो आज के मानक से भी एक अतुलनीय समर्थन है। एक समय तो कांग्रेस भी किसान महासभा की लोकप्रियता से भयभीत हो गयी थी और इस लोकप्रियता के पीछे पंडित जी की सादगी, मेहनत, और व्यक्तित्व का अहम् योगदान था।

एक प्रेरणास्रोत

यधपि 1975 में उनके स्वर्गवास के बाद किसान आंदोलन में एक अपूरणीय रिक्ति आ गयी, यदुनंदन शर्मा जी का जीवन शुरू से अंत तक एक प्रेरणास्रोत का काम करता है। अत्यंत गरीबी और आभाव के वावजूद जिस तरह वो उच्चतम शिक्षा प्राप्त कर सामाजिक जीवन में उच्चतम योगदान दिए, वो आज के उन राजनीतिज्ञों के लिए शर्मिंदगी उत्पन्न करता है जो समाज में राजनीति के नाम पर टूट पैदा कर रहे है। आज जब किसान देश भर में उपेक्षित है और हर राजनितिक पार्टी सिर्फ रोटी सेकने के लिए किसानो के पास पहुँचती है , ऐसे में किसान वर्ग स्वामी सहजानंद और उनके परमप्रिय अनुयायी पंडित यदुनंदन शर्मा के नेतृत्व को याद करती है। चुकी इतिहासकारो ने इन विभूतियों को भारत के आधुनिक इतिहास में वो स्थान नहीं दिया है, इन महापुरुषों के जीवन यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सब पर है। उनके जन्म शताब्दी समारोह में मगध की इस अनमोल रत्न के विचारो को जीवंत रखने का एक सबल प्रयास होना चाहिए ताकि देश के किसानो को आजादी के 70 वर्ष बाद ही सही, पर उचित न्याय मिल सके।

गौरतलब है कि यदुनंदन शर्मा को जादुंदन शर्मा भी कहा जाता है, जो भारतीय किसान नेता थे और भारत के बिहार राज्य से राष्ट्रीय मुक्ति के व्यक्ति थे। उन्होंने रेरा सत्याग्रह के रूप में मनाए जाने वाले रेरा में जमींदारों और अंग्रेजों के खिलाफ टिलर के अधिकारों के लिए आंदोलन शुरू किया था। उनका जन्म 1896 में अरवल जिले के मंझियावां गाँव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। यह गाँव टेकरी जमींदारी का हिस्सा था। उनके पिता की मृत्यु हो गई जब शर्मा तीन वर्ष की आयु के थे और उन्हें बहुत युवा होते हुए एक चरवाहे के रूप में काम शुरू करना पड़ा। इसके कारण उन्हें स्कूल की याद आती है और यह 1914 में ही साक्षर होने की इच्छा से प्रभावित होकर बनारस भाग गए जहाँ उन्होंने वर्णमाला सीखी। उन्होंने 1919 में टेकरी हाई स्कूल से मैट्रिक किया और गाँव के एक स्कूल में एक साल के लिए शिक्षक बन गए। उन्होंने एक जमींदारी में एक प्रबंधक के रूप में भी काम किया, जिससे उन्हें प्रणाली का पहला ज्ञान प्राप्त हुआ। इससे खुश नहीं, वह फिर से बनारस चले गए और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में शामिल हो गए और 1929 तक अध्ययन किया जब उन्होंने स्नातक किया। उनके बाद बी.ए. डिग्री, उन्होंने शिक्षा छोड़ दी और सविनय अवज्ञा आंदोलन में शामिल हो गए। 1930 में उन्हें 16 महीने के लिए गिरफ्तार किया गया और सजा सुनाई गई। जेल से रिहा होने के बाद, उन्होंने 1933 में किसान आंदोलन में शामिल हो गए और 1930 के दशक में प्रसिद्ध **सदाको** और **रेरा** सत्याग्रह शुरू किया। वह अरवल जिले में किसानों के निर्विवाद नेता और महान स्वतंत्रता सेनानी और किसान नेता सहजानंद सरस्वती के नेतृत्व में बने। उनका अधिकांश जीवन नेयमतपुर गाँव में एक आश्रम में बीता जहाँ से ब्रिटिश शासन और जमींदारी के खिलाफ विद्रोह करते रहे। पंडित नेहरू ने उनसे मिलने और स्थानीय लोगों के एक बड़े सम्मेलन को संबोधित करने के लिए दिसंबर में सर्द रात में 1936 में आश्रम का दौरा किया। 1975 में उनकी मृत्यु हो गई। आजादी के बाद, एक बार विधायक के लिए मखदुमपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा, लेकिन वह हार गए। ●

मेष राशि :- ये माह परिवार सामाजिक उत्तरदायित्वों को निभाने के लिए प्रेरित रखेगा,कार्य व्यापार में बेहतर परिणाम बने रहेंगे,साहस पराक्रम रखें,प्रभावशील बने रहेंगे,विस्तार योजनाओं को गति मिलेगी,साथीगण सहयोगी होंगे,न्यायिक कार्यों में गति आएगी,प्रतिभा और प्रदर्शन से सभी प्रभावित होंगे,क्षमता से अधिक दान करने व दिखावे से बचें!

वृषभ राशि :- इस महीने व्यक्तित्व प्रभावी बना रहेगा, श्रेष्ठ कार्यों को गति दे पाएंगे, आत्मविश्वास बढ़त पर रहेगा,अच्छे लाभ के संकेत हैं, कर्म पर भरोसा रखें, भाग्य का सहयोग मिलेगा, कारोबारी अधिक अच्छा करेंगे,यात्राएं बढ़ सकती हैं,रहन सहन प्रभावी रहेगा, रिश्तों को बल देंगे, योजनागत ढंग से कार्य करेंगे!

मिथुन राशि :- करियर कारोबार में शुभता का संचार बनाए रखने वाला महीना है, नीति नियम में निरंतरता बनाए रखें, अधिकारियों से तालमेल बढ़ाएं, पारिवारिक उपलब्धियों को बढ़ावा मिलेगा,बड़े प्रयासों में गति आएगी, लीगल मामलो में धैर्य रखें,कम महत्व की यात्राएं टालें, निसंकोच आगे बढ़ेंगे,योजनाएं फलीभूत हो सकती हैं!

कर्क राशि :- सभी क्षेत्रों में प्रभावी प्रदर्शन करेंगे, प्रशासन प्रबंधन से लाभ होगा,पद पदोन्नति के योग बने हैं. योजनागत महत्वपूर्ण कार्यों को गति देंगे, कार्य व्यापार में लाभ की स्थिति रहेगी,धर्म और धैर्य के साथ आगे बढ़ेंगे,वरिष्ठों और उच्चाधिकारियों का सहयोग पाएंगे, भेंट वार्ताओं में अच्छा करेंगे!

सिंह राशि :- भूमि भवन के मामले गति लेंगे,संगठन क्षमता बढ़ेगी,मित्रों सहकर्मियों का सहयोग निर्णय लेने में मददगार होगा,आकस्मिक लाभ की संभावनाएं बनी रहेंगी,शत्रु पीछे हटेंगे, अवरोध कम होंगे, सतर्कता से आगे बढ़ते रहें. कामकाजी यात्राएं संभव हैं, वरिष्ठों का साथ पाएंगे,प्रबंधकीय प्रयासों में बेहतर रहेंगे, पूर्वार्ध में योजनाओं को साकार करने की कोशिश करें!

कन्या राशि :- सक्रियता और संबंधों के बल पर साख सम्मान और लाभ में वृद्धि होगी, सात्विकता और सामंजस्य पर जोर देंगे,प्रस्तावों की अधिकता बनी रहेगी, उद्योग व्यापार से जुड़े जन ज्यादा अच्छा करेंगे,मित्रों का साथ उत्साहित रखेगा, धोखेबाजों से सतर्क रहें,भाग्यपक्ष की प्रबलता रहेगी, संगठनात्मक गतिविधियों को बल मिलेगा!

तुला राशि :- संबंधों का लाभ मिलेगा, प्रोफेशनल्स बेहतर करेंगे, आवश्यक कार्यों को सूची बनाकर पूरा करें, समझौतों में प्रभावपूर्ण और स्पष्ट रहें, मित्र विश्वसनीय रहेंगे, तीखी ठंढ से सावधान रहें. स्मार्ट वर्किंग पर जोर दें,कार्य व्यापार के चलते यात्रा पर जाना पड़ सकता है. वरिष्ठों का सम्मान करेंगे,अधिकारियों की बात को गंभीरता से लेंगे,शत्रु मित्र की पहचान करना कठिन होगा!

वृश्चिक राशि :- बडे़ और महत्वपूर्ण निर्णय लेने की कोशिश रहेगी, तात्कालिक लाभ बेहतर बनेंगे,संचार और संपर्क में आगे रहेंगे,जोखिम क्षमता में वृद्धि होगी, सफलता का प्रतिशत उम्मीद से अच्छा होगा, विरोधी स्वत: शांत होंगे,समझौतों से लाभ होगा, धैर्य और अनुशासन से आगे बढ़ेंगे तो बेहतर, शुभ प्रस्तावों को प्राप्त करेंगे!

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा

ज्योतिषचार्य

(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान

प्रताप चौक, सहरसा-852201,

(बिहार)

मो० :- 9470480168

धनु राशि :- लोन संबंधी कार्यों में तेजी आएगी,लाभ पर फोकस बनाए रखेंगे,शुभ कार्यों से साख और प्रभाव दोनों में वृद्धि होगी,मित्र सहायक होंगे,पेशेवर बेहतर प्रदर्शन करेंगे, यात्राओं की संभावनाएं रहेंगी. भावनात्मक मामलों में धैर्य दिखाएं,पूर्वार्ध में निजी कौशल से जगह बना पाने में सफल होंगे,उत्तरार्ध में साझा कार्य सधेंगे समझौते परिणाम पाएंगे!

मकर राशि :-यह महीना व्यक्तिगत विषयों में शुभता भरने वाला है, व्यक्तित्व बल पाएगा, बुद्धि से लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे,जिम्मेदारी बढ़ाई जा सकती है, पद प्रतिष्ठा को बल मिलेगा,सबको साथ लेकर आगे बढ़ने की सोच रहेगी,टीमवर्क पर फोकस रखेंगे, सहकारिता पर जोर देंगे,पूर्वार्ध में सक्रियता से सफलता की राह खुलेगी!

कुंभ राशि :- घरेलु मामलों में तेजी आएगी, संसाधनों पर जोर देंगे. परिवार में मांगलिक कार्य होंगे,शुभ प्रस्ताव मिलेंगे,साझीदारी संवरेगी,आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनाए रखेंगे, कार्य व्यवसाय बेहतर रहेगा, परंपरागत कार्ययोजनाओं में रुचि लेंग, कुटुम्ब का सहयोग पाएंगे,पूर्वार्ध में शांति और समता बनाए रखें,संबंधों का लाभ मिलेगा!

मीन राशि :- खुशियों को अपनों के साथ साझा करेंगे. साख सम्मान और प्रभाव बने रहेंगे. कार्य व्यापार में अप्रत्याशितमीन - उत्सव आयोजन से जुड़ाव बनाए रखने वाला महीना है, खुशियों को अपनों के साथ साझा करेंगे, साख सम्मान और प्रभाव बने रहेंगे,कार्य व्यापार में अप्रत्याशित लाभ संभव है, लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ेगा,उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करेंगे, वाणी व्यवहार प्रभावी रहेगा,पूर्वार्ध में साहस और संपर्क से परिणाम बनेंगे,सामाजिक मसले हल होंगे उत्तरार्ध में जोखिमपूर्ण निर्णय लेने से बचें,लाभ संभव है, लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ेगा!

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

✯ महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में सजा का क्या प्रावधान है?

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में सजा के प्रावधान भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के अंतर्गत कड़े बनाए गए हैं। इसके अंतर्गत महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिए न्यूनतम 10 वर्ष की सजा से लेकर आजीवन कारावास और मृत्युदंड तक की सजा का प्रावधान किया गया है।

❖ **मुख्य प्रावधान इस प्रकार हैं :-**

☞ बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों में न्यूनतम 10 वर्ष की सजा, जिसे आजीवन कारावास या मृत्युदंड तक बढ़ाया जा सकता है।

☞ 18 वर्ष से कम उम्र की महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की सजा आजीवन कारावास या मृत्युदंड है।

☞ शादी, नौकरी, पदोन्नति का झांसा देकर यौन संबंध बनाने जैसे नए अपराध के लिए भी सजा का प्रावधान है, जिसमें 10 वर्ष तक सजा हो सकती है।

☞ दहेज के लिए क्रूरता, दहेज हत्या, पीछा करना, निजी फोटो बिना अनुमति के खींचना आदि अपराधों के लिए भी कम से कम 10 वर्ष की सजा निर्धारित है।

☞ शादी, नौकरी, पदोन्नति का झांसा देकर यौन संबंध बनाने जैसे नए अपराध के लिए भी सजा का प्रावधान है, जिसमें 10 वर्ष तक सजा हो सकती है।

☞ दहेज के लिए क्रूरता, दहेज हत्या, पीछा करना, निजी फोटो बिना अनुमति के खींचना आदि अपराधों के लिए भी कम से कम 10 वर्ष की सजा निर्धारित है।

☞ मानव तस्करी के लिए आजीवन कारावास तक की सजा, बच्चों की तस्करी में कम से कम 10 वर्ष की कैद के साथ आजीवन कारावास तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

☞ यौन उत्पीड़न, हमला, और महिला की शीलता भंग करने वाले अपराधों के लिए भी 1 से 7 वर्ष तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है।

☞ पीड़िता को मुआवजा दिलवाने और इलाज के लिए आर्थिक सहायता भी बीएनएस, 2023 में शामिल है। महिला की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए यह कानून बहुत कड़ा और व्यापक है, जिससे अपराधियों को कठोर दंड मिले और महिलाओं को न्याय मिले।

✯ महिलाओं से संबंधित कानून कौन-कौन से हैं?

भारत में महिलाओं से संबंधित कई महत्वपूर्ण कानून हैं जो उनकी सुरक्षा, अधिकारों और न्याय की रक्षा के लिए बनाए गए हैं। इनमें प्रमुख कानून निम्नलिखित हैं:-

☞ **दहेज निषेध अधिनियम, 1961 :-** दहेज मांगने, देने या लेने को अपराध मानता है।

☞ **घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 :-** मानसिक, शारीरिक, आर्थिक या यौन शोषण से महिलाओं को सुरक्षा देता है।

☞ **भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए :-** दहेज के लिए पति या ससुराल द्वारा प्रताड़ना को अपराध मानता है।

☞ **महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 :-** कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

☞ गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन अधिनियम, 1971

☞ मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961

☞ समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976

☞ बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006

☞ समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976

☞ बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006

☞ सती निषेध अधिनियम, 1987

☞ राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990

☞ हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 और हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 (संशोधन सहित) महिलाओं के विवाह और वारिस संबंधी अधिकारों को कवर करते हैं। इसके अलावा, संविधान में भी महिलाओं को समान अधिकार, सम्मान, और संरक्षण दिए गए हैं जैसे अनुच्छेद 21, 23, 24, 39 खंड ग, 42, आदि।

यह सभी कानून महिलाओं के भेदभाव, उत्पीड़न, हिंसा, और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करते हैं और उनके आर्थिक, सामाजिक, और कानूनी हितों की रक्षा करते हैं। अगर कोई इन कानूनों का उल्लंघन करता है, तो उसे दंडित करने का प्रावधान है।

✯ घरेलू हिंसा कानून के तहत महिला क्या अधिकार मिलते हैं?

घरेलू हिंसा से संबंधित कानून के तहत महिलाओं को कई अधिकार प्राप्त होते हैं, जिनका उद्देश्य उनकी सुरक्षा, संरक्षण और न्याय सुनिश्चित करना है:-

☞ **संरक्षण आदेश :-** महिला अदालत से संरक्षण आदेश प्राप्त कर सकती है, जिससे आरोपी को महिला से संपर्क करने, परेशान करने या कोई हिंसा करने से रोका जाता है।

☞ **निवास का अधिकार :-** महिला को अपने पति या परिवार के घर में रहने का कानूनी अधिकार होता है; यदि उसे घर से निकाला जाए तो उसे वापस घर में प्रवेश दिलाने का आदेश प्राप्त हो सकता है।

☞ **भरण-पोषण का अधिकार :-** यदि पति या परिवार महिला का खर्च नहीं देते तो वह अदालत में भरण-पोषण का केस दर्ज कर सकती है।

☞ **मुआवजे का अधिकार :-** घरेलू हिंसा के कारण हुई चोट या मानसिक कष्ट के लिए मुआवजे का दावा किया जा सकता है।

☞ **कानूनी सहायता :-** पीड़ित महिला को मुफ्त कानूनी सेवा और वकील की सहायता मिलती है ताकि वह न्याय पा सके।

☞ **आश्रय गृह में रहने का अधिकार :-** महिला अगर घर में सुरक्षित महसूस नहीं करती, तो आश्रय गृह में रहने की सुविधा मिलती है।

☞ **बच्चे की कस्टडी :-** घरेलू हिंसा के मामले में महिला अपने बच्चों की कस्टडी के लिए भी अदालत में याचिका दायर कर सकती है।

☞ **चिकित्सा सहायता :-** घायल महिला को मुफ्त उपचार की सुविधा भी मिलती है।

यह अधिकार घरेलू हिंसा (प्रोटेक्शन ऑफ वूमेन फ्रॉम डोमेस्टिक वायलेंस) अधिनियम, 2005 के तहत आते हैं और इसके साथ भारतीय दंड संहिता की धारा 498आ के तहत भी मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। महिला आयोग से शिकायत दर्ज कराने का भी प्रावधान है। इन कानूनों का उद्देश्य महिलाओं को घरेलू हिंसा से बचाना, उन्हें न्याय दिलाना और उनके जीवन को सुरक्षित बनाना है।

जन-जन की आवाज है केवल सच
केवल सच
हिन्दी मासिक पत्रिका
Kewalsachlive.in
वेब पोर्टल न्यूज
24 घंटे आपके साथ
Kewalsach news
Kewalsach news
Mob.: 9431073769, 9308815605
खबर वहीं,
जो केवल सच हो
केवल सच
TIMES
आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं
को सपोर्ट करें
आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा
BHIM
UPI
G Pay
paytm
www.kewalsach.com
www.kewalsachlive.in
-: सम्पर्क करें :-
पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

जो बोले सो निहाल
सत श्री अकाल

गुरू गोबिंद सिंह जी के चारों पुत्रों की शहादत (20 से 27 दिसम्बर, शहीदी सप्ताह) को याद करके हुए उनकी वीरता को हम सभी नमन् करते हैं।

''वाहे गुरू का खालसा! वाहे गुरू की फतेह!''

–: निवेदक :–
श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

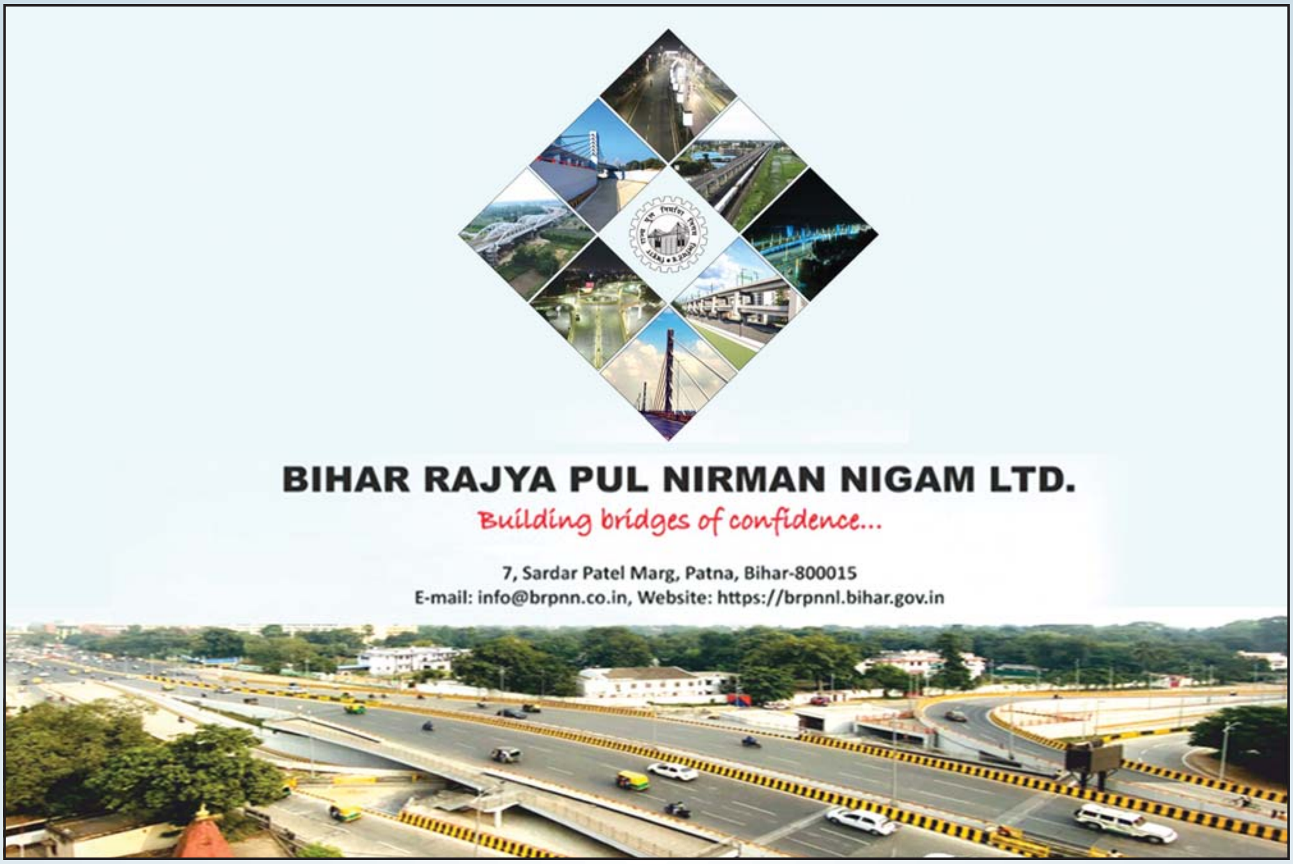
BIHAR RAJYA PUL NIRMAN NIGAM LTD.
Building bridges of confidence...
7, Sardar Patel Marg, Patna, Bihar-800015
E-mail: info@brpnn.co.in, Website: https://brpnnl.bihar.gov.in

Hotel Maurya Patna
Hotel Maurya – Patna is a pioneer project of Bihar Hotels Limited (BHL). It is the only Five Star category hotel in the State of Bihar with friendly face of affordable luxury. BHL has been successfully operating its Five Star Hotel in Patna since 1978. Situated in the heart of the city, Patna, the hotel reflects the historic grandeur of this city.
Corporate Facilities & Services: Centrally located in the Commercial heart of Patna the Hotel provides Intricately & elegantly designed rooms, Central Air- Conditioning, Direct dialing from rooms with call detail print-out facility, Satellite LED television, Choice of Seven Convention Halls of varied capacities, Heritage rooms for private dining , Business Centre, Shopping Arcade, Bank facility, Travel counter, Swimming pool, Safe deposit lockers, Fitness centre & Wi-fi, all within the hotel premises.
Dining:
✦ Vaishali Café - Walk-in for Breakfast and Business Buffet Lunches. The a-la-carte table offers a multi cuisine and buffet spreads to tinkle those taste buds.
✦ Spice Court – Restaurant serving Indian, Continental, Thai & Chinese cuisine.
✦ The Pastry Shop – Provides all kinds of Baker's confectionery viz; Mouthwatering cakes, Crossiants, Breads, Muffins etc. It also provides free home delivery of cakes of 6 pound onwards.
✦ Bollywood Treats- A matchless meeting point for Munchies, Music, TV shows, Pool Table, Games for kids. Thus, providing Masti not only for adults but also for kids.
Rooms:
✦ Step into an universe of old world nobility & colonial charm at the spacious VVIP suite of rooms, where your every demand for luxury is met in a manner that's perfected to please. What's more, it's accommodating enough to entertain an entourage of guests. Elegantly designed premium rooms with beautiful interiors and excellent facilities
Total Rooms: 77 – Double: 73, Suites: 04
Credit Cards: Visa, Master, Amex, Bob Cards
Access (in kms): Apt: (07), Rly. Stn.:(01)

एस. के. मंडल ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन्स

प्रधान कार्यालय: रोड न.-3, पूर्वी पटेल नगर (गांधी मूर्ति के नजदीक), पोस्ट+थाना- शास्त्रीनगर, पटना-800023
फोन: 0612-2283169, मो. 8757563221, 810233966, ईमेल: krishna54002@gmail.com , वेबसाइट: www.skmgi.in

यहाँ है हर करियर की राह –
नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी, आईटी, मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग।

M.R. GROUP OF INSTITUTIONS
PRESENTS
LEADER INSTITUTE OF HIGHER EDUCATION

LEADER INSTITUTE OF HIGHER EDUCATION

Recognised By: Health Department Govt. of Bihar, Patna and Affiliated by Bihar Nurses Registration Council, Patna

Available Courses
- बी.एससी. (नर्सिंग)
- जी.एन.एम. (नर्सिंग)
- ए.एन.एम. (नर्सिंग)

आपके सुंदर और सुनहरे भविष्य के लिए **''लीडर इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन,** ग्राम–रहीमपुर रूदौली, पो0– हरपुर एलौथ, थाना– मुफस्सिल, जिला– समस्तीपुर, बिहार–848101 का स्थापना किया गया है। इस संस्थान को **बी.एससी. नर्सिंग, जी.एन.एम.** एवं **ए.एन.एम.** कोर्स के प्रशिक्षण के लिए स्वास्थ्य विभाग बिहार सरकार पटना के द्वारा मान्यता दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग बिहार सरकार पटना के मान्यता के उपरान्त संस्थान को आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना एवं बिहार नर्सेज रजिस्ट्रेशन काउंसिल, पटना के द्वारा भी सम्बद्धता प्रदान की गई है। इस संस्थान का संचालन **एम. आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स**, रोड नं0–03, पूर्वी पटेल नगर, (गाँधी मूर्ति के नजदीक), पटना–800023 के द्वारा किया जा रहा है।

एम. आर. ग्रुप इंस्टीट्यूशन्स, रोड नं0–03, पूर्वी पटेल नगर, पटना–800023 के द्वारा **''लीडर इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन,** ग्राम–रहीमपुर रूदौली, पो0– हरपुर एलौथ, थाना– मुफस्सिल, जिला– समस्तीपुर, बिहार–848101 का स्थापना **बी.एससी. नर्सिंग, जी.एन.एम.** एवं **ए.एन.एम.** कोर्स के प्रशिक्षण के लिए किया गया है। संस्थान के अनुभवी प्रशिक्षकों के द्वारा आपको गुणवतापूर्ण प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे भविष्य में आपको रोजगार प्राप्त करने में कोई कठिनाई नही होगी।

नामांकन के लिए शीघ्र सम्पर्क करें

कोर्स का नाम	योग्यता	उम्र	कोर्स की अवधि
बी. एससी. (नर्सिंग)	इंटर उत्तीर्ण (Scince with Bio.)	न्यूनतम 17 वर्ष	4 वर्ष
जी. एन. एम. (नर्सिंग)	इंटर उत्तीर्ण	न्यूनतम 17 वर्ष	3 वर्ष
ए. एन. एम. (नर्सिंग)	इंटर उत्तीर्ण	न्यूनतम 17 वर्ष	2 वर्ष

ग्राम–रहीमपुर रूदौली, पो0– हरपुर एलौथ, थाना– मुफस्सिल, जिला– समस्तीपुर, बिहार–848101
मो0- 7296019834, 6201114906, 8709952310, 9065601872
info@moniranigroup.com www.moniranigroup.com

कोर्स डिटेल के साथ:

Nursing Courses

ANM (सहायक नर्स मिडवाइफरी)
यह कोर्स स्वास्थ्य सेवाओं में करियर बनाने की पहली सीढ़ी है। इसमें विद्यार्थियों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल, प्राथमिक उपचार और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं का प्रशिक्षण दिया जाता है।

GNM (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी)
GNM कोर्स विद्यार्थियों को एक प्रोफेशनल नर्स बनने के लिए तैयार करता है। इसमें हॉस्पिटल, क्लिनिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नर्सिंग देखभाल की ट्रेनिंग दी जाती है।

Post Basic B.Sc. Nursing
यह कोर्स पहले से GNM किए हुए विद्यार्थियों के लिए है, ताकि वे उच्च स्तर की नर्सिंग शिक्षा प्राप्त कर सकें और अपने करियर में आगे बढ़ सकें।

B.Sc. Nursing (बी.एससी. नर्सिंग)
यह स्नातक स्तर का कोर्स विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय नर्सिंग शिक्षा प्रदान करता है। इसमें मेडिकल, सर्जिकल, कम्युनिटी और साइकियाट्रिक नर्सिंग के विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

IT & Management / Polytechnic Courses

BCA (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन)
यह कोर्स विद्यार्थियों को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, प्रोग्रामिंग, डाटा मैनेजमेंट और आईटी इंडस्ट्री में करियर बनाने के अवसर प्रदान करता है।

BBA (बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन)
इस कोर्स में विद्यार्थियों को मैनेजमेंट, बिज़नेस स्ट्रेटेजी, मार्केटिंग और नेतृत्व कौशल की शिक्षा दी जाती है।

BA-JMC (बैचलर ऑफ जर्नलिज़्म एंड मास कम्युनिकेशन)
विद्यार्थियों को पत्रकारिता, न्यूज़ रिपोर्टिंग, डिजिटल मीडिया और पब्लिक रिलेशन की शिक्षा दी जाती है।

सिविल इंजीनियरिंग
इसमें विद्यार्थियों को बिल्डिंग, ब्रिज, रोड और इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण और डिजाइन की ट्रेनिंग दी जाती है।

कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
यह कोर्स सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, प्रोग्रामिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नेटवर्किंग पर केंद्रित है।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग
विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, सर्किट, कम्युनिकेशन और माइक्रोप्रोसेसर की शिक्षा दी जाती है।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग
यह कोर्स मशीन डिजाइन, ऑटोमोबाइल, इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन और मैन्युफैक्चरिंग तकनीकों पर केंद्रित है।

AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)
इस कोर्स में छात्रों को मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, डेटा साइंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी आधुनिक तकनीकों का ज्ञान कराया जाता है।

Paramedical Courses

DMLT (डिप्लोमा इन मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी)
इस कोर्स में विद्यार्थियों को विभिन्न लैब टेस्ट, ब्लड टेस्ट, माइक्रोबायोलॉजी और डायग्नोस्टिक तकनीकों की ट्रेनिंग दी जाती है।

DOTA (डिप्लोमा इन ऑपरेशन थिएटर असिस्टेंट)
विद्यार्थियों को ऑपरेशन थिएटर में डॉक्टर की सहायता, उपकरणों की देखभाल और सर्जिकल प्रक्रिया में मदद करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

DOA (डिप्लोमा इन ऑप्थल्मिक असिस्टेंट)
यह कोर्स नेत्र (आँखों) की बीमारियों की पहचान, प्राथमिक उपचार और नेत्र संबंधी उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान करता है।

DECG (डिप्लोमा इन इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी टेक्नोलॉजी)
इसमें विद्यार्थियों को हृदय की जाँच हेतु ईसीजी मशीन चलाना, रिपोर्ट तैयार करना और कार्डियोलॉजी संबंधी तकनीकें सिखाई जाती हैं।

CMD (सर्टिफिकेट इन मेडिकल ड्रेसर)
इस कोर्स में छात्रों को घावों की सफाई, ड्रेसिंग, प्राथमिक उपचार, इंजेक्शन लगाने की विधि और छोटे-मोटे चोटों का उपचार करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

BPT (बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी)
इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसे स्वास्थ्य विशेषज्ञ बनाना है, जो मरीजों को बिना दवा के ही विभिन्न प्रकार की शारीरिक समस्याओं, चोट, हड्डी या मांसपेशियों की समस्या और स्ट्रोक/पैरेलिसिस जैसी बीमारियों से उबरने में मदद कर सकें।

BMLT (बैचलर इन मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी)
यह स्नातक स्तर का कोर्स विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय लैब टेक्नोलॉजी और आधुनिक डायग्नोस्टिक सेवाओं में विशेषज्ञ बनाता है।

BOT (बैचलर ऑफ ऑक्युपेशनल थेरेपी)
इस कोर्स में विद्यार्थियों को मरीजों को शारीरिक व मानसिक विकारों से उबरने में मदद करने के लिए थेरेपी और रिहैबिलिटेशन का प्रशिक्षण दिया जाता है।

BHM (बैचलर ऑफ हॉस्पिटल मैनेजमेंट)
यह कोर्स विद्यार्थियों को हेल्थकेयर सेक्टर में हॉस्पिटल प्रशासन, मैनेजमेंट और सर्विस क्वालिटी से संबंधित ज्ञान प्रदान करता है।

Pharmacy Courses

D. Pharma (डिप्लोमा इन फार्मेसी)
यह कोर्स विद्यार्थियों को दवाइयों की पहचान, उपयोग और दवा वितरण की मूलभूत जानकारी देता है।

B. Pharma (बैचलर इन फार्मेसी)
यह स्नातक स्तर का कोर्स विद्यार्थियों को फार्मास्यूटिकल साइंस, दवा निर्माण, रिसर्च और क्वालिटी कंट्रोल की शिक्षा देता है।

ज्ञान से करियर तक, शिक्षा से सेवा तक – यहाँ हर सपने को मिलता है नया मार्ग।

ग्राम–रहीमपुर रूदौली, पो0– हरपुर एलौथ, थाना– मुफस्सिल, जिला– समस्तीपुर, बिहार–848101

मो. : 7296019834, 6201114906, 8709952310, 9065601872

info@moniranigroup.com www.moniranigroup.com

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Dispersing Happiness

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008